महर्षि वाल्मीकि जयंती पर आयोजित कार्यक्रमो से सम्बंधित प्रमुख समाचार पत्रों की क्लिपिंग्स

01 नवम्बर 2020

<u>निरीक्षा शाखा</u>

सूचना एवं जनसम्पर्क विभाग, उत्तर प्रदेश, लखनऊ

निरीक्षा शाखा
सूचना एवं जनसम्पर्क विभाग, उत्तर प्रदेश

क्र0 सं0	समाचार पत्र का नाम	विवरण
1	दैनिक जागरण	महर्षि वाल्मीकि को प्रणाम सूबे में गूंजा 'जय श्रीराम
2	हिन्दुस्तान	वाल्मीकि रामायण से यथार्थ राम का हुआ सामूहिक स्मरण
3	हिन्दुस्तान	कविताओं का पाठ कर महर्षि को याद किया
4	दैनिक जारगण	महर्षि वाल्मीकि ने समाज को समानता का दिया संदेश
5	अमर उजाला	मंदिरों में गूंजी आरती और रामायण की चौपाइयां
6	हिन्दुस्तान	धूमधाम से मनाई गई पटेल व बाल्मीकि जयंती
7	दैनिक जारगण	भगवान वाल्मीकि का श्रद्धा पूर्वक पूजन–अर्चन
8	अमर उजाला	धूमधाम से मनाई महर्षि वाल्मीकि जयंती
9	हिन्दुस्तान	रामायण पाठ कर महर्षि वाल्मीकि का गुणगान
10	अमर उजाला	महर्षि वाल्मीकि जयंती पर मंदिरों में हुआ वाल्मीकि रामायण का पाठ, भजन संध्या
11	हिन्दुस्तान	वाल्मीकि जयंती पर मंदिरों में रामायण पाठ
12	अमर उजाला	धूमधाम से मनाई गई महर्षि वाल्मीकि जयंती, हुआ पाठ

13	हिन्दुस्तान	महर्षि वाल्मीकि की जयंती धूमधाम से मनाई
14	दैनिक जागरण	धूमधाम से मनी पटेल व वाल्मीकि जयंती
15	अमर उजाला	मधुर संगीत के बीच सामूहिक नृत्य
16	हिन्दुस्तान	श्रद्धा से मनाई गई सरदार पटेल व महर्षि बाल्मीकि की जयंती
17	दैनिक जागरण	शरद पूर्णिमा पर किया स्नान
गोरखपुर मण्डल से समाचार पत्रों मे प्रकाशित क्लिपिंग्स		
18	दैनिक जागरण	1– कल भव्यता के साथ मनाई जाएगी वाल्मीकि जयंती 2– मंदिरों में वाल्मीकि रामायण का पाठ, जलाए गए दीये
19	हिन्दुस्तान	वाल्मीकि जयंती पर मंदिरों में हुआ रामायण पाठ
20	अमर उजाला	श्रद्धा और भक्ति भाव से मनाई गई महर्षि वाल्मीकि जयंती
21	राष्ट्रीय सहारा	वाल्मीकि जयन्ती पर रामायण पाठ में शामिल हुए अफसर
22	स्वतंत्र चेतना	रामायण पाठ के आयोजन से जनमानस पर सकारात्मक प्रभाव पड़ेगा

23	हिन्दुस्तान	महर्षि वाल्मीकि जयंती कल होंगे कई तरह के आयोजन
24	राष्ट्रीय सहारा	वाल्मीकि जयंती पर मंदिर व महत्वपूर्ण स्थलों पर आयोजित होगा रामायण पाठ
24	अमर उजाला	वाल्मीकि जयंती मनाई गई
25	दैनिक जागरण	जयंती पर याद किए गए महर्षि वाल्मीकि
26	दैनिक जागरण	वाल्मीकि जयंती पर बस्तियों में बांटे उपहार
27	हिन्दुस्तान	हाटा में हुआ रामायण पाठ
27	अमर उजाला	वाल्मीकि समाज के लोगों में हुआ फल और मिठाई का वितरण
28	हिन्दुस्तान	श्रद्धा व उत्साह से मनी वाल्मीकि जयंती, हुआ रामायण पाठ
29	अमर उजाला	मंदिरों में महर्षि वाल्मीकि जयंती पर रामायण पाठ
	आजमगढ़ मण्डल से समाचार पत्रों मे प्रकाशित क्लिपिंग्स	
30	अमर उजाला	मंदिरों में महर्षि वाल्मीकि जयंती पर रामायण पाठ
31	हिन्दुस्तान	सरदार की जयंती पर किया नमन
32	आज	लौह पुरुष व बाल्मीकि की मनायी गयी जयंती

33	अमृत प्रभात	तहसीलों के मंदिरों में वाल्मीकि रामायण का पाठ आरम्भ हुआ
34	अवधनामा	मंदिरों में आयोजित हुए रामायण का पाठ
35	अमर उजाला	राष्ट्रीय एकता और अखंडता बनाए रखने के लिए ली शपथ
36	अमर उजाला	महर्षि वाल्मीकि से जुड़े स्थलों पर रामायण पाठ
37	दैनिक जागरण	देवालयों में गूंजे रामायण के श्लोक
38	हिन्दुस्तान	वाल्मीकि जयंती पर मंदिरों में हुए भजन कीर्तन
39	हिन्दुस्तान	महर्षि वाल्मीकि जयंती पर हुआ पूजा–पाठ
बरेली मण्डल से समाचार पत्रों मे प्रकाशित क्लिपिंग्स		
40	हिन्दुस्तान	वाल्मीकि रामायण के पाठ से भक्ति में डूबे लोग
41	हिन्दुस्तान	जयंती महर्षि वाल्मीकि मंदिर में रामायण का पाठ
42	दैनिक जागरण	हर्षोल्लास से मनाई गई महर्षि वाल्मीकि जयंती
43	अमर भारती	मवासे ने धूमधाम से मनायी बाल्मीकि जयंती
44	तरूणमित्र	वाल्मीकि जयंती पर प्रभात फेरी निकाली
45	हिन्दुस्तान	महर्षि वाल्मीकि को किया याद

46	हिन्दुस्तान	मंदिरों और घरों में गूंजी रामायण की चौपाइयां, प्रभात निकाली
47	दैनिक जागरण	महर्षि वाल्मीकि जयंती पर शहर में निकाली प्रभात फेरी
48	अमर उजाला	अफसरों और मंत्री ने किया रामायण पाठ
49	हिन्दुस्तान	26 वाल्मीकि मंदिरों में हुआ रामायण पाठ
50	हिन्दुस्तान	जिला प्रशासन ने पटेल जयंती पर बांटा भोजन
51	हिन्दुस्तान	पहली बार हुआ वाल्मीकि रामायण अखंड पाठ
52	दैनिक जागरण	वाल्मीकि जयंती पर मंत्री ने पढ़ी रामायण, किया पूजन
मुरादाबाद मण्डल से समाचार पत्रों मे प्रकाशित क्लिपिंग्स		
53	हिन्दुस्तान	मंदिरों का डाटा तैयार, नोडल अधिकारी तैनात
54	अमर उजाला	भव्य तरीके से मनाई जाएगी वाल्मीकि जयंती
55	विधान केसरी	वाल्मीकि जयंती के आयोजन भव्य तरीके से सम्पन्न करायें : एडीएम
56	विधान केसरी	महर्षि वाल्मीकि ने विश्व को सत्य एवं कर्तव्य परायणता पर चलने का मार्ग दिखाया : डीएम
57	अमर उजाला	वाल्मीकि जयंती पर मंदिरों में हुआ रामायण पाठ

58	अमर उजाला	त्रिपुरेश्वरी शक्तिपीठ में वाल्मीकि जयंती पर हुआ पूजन का कार्यक्रम
59	हिन्दुस्तान	मंदिरों में वाल्मीकि रामायण पाठ और भजन कीर्तन
60	हिन्दुस्तान	स्वार में निकाली वाल्मीकि प्रभातफेरी
61	दैनिक जागरण	प्रकटोत्सव पर निकाली प्रभातफेरी, पुष्पवर्षा
62	दैनिक जारगण	राज्यमंत्री ने महर्षि के आदर्शो पर चलने की अपील की
63	अमर उजाला	वाल्मीकि जयंती पर आयोति हुए हवन–यज्ञ
64	हिन्दुस्तान	हर्षोल्लास पूर्वक मनाई महर्षि वाल्मीकि जयंती
65	हिन्दुस्तान	हसनपुर में मनाई गई महर्षि वाल्मीकि जयंती
66	अमर उजाला	जयंती पर महर्षि वाल्मीकि को किया नमन
67	अमर उजाला	वाल्मीकि प्रकटोत्सव पर लवकुश लीला का मंचन
68	हिन्दुस्तान	हल्दौर मं वाल्मीकि जयंती पर रामायण पाठ
69	हिन्दुस्तान	450 मंदिरों में वाल्मीकि रामायण का अखंड पाठ
70	दैनिक जागरण	सरदार पटेल और महर्षि वाल्मीकि को किया याद
71	दैनिक जागरण	भगवान वाल्मीकि प्रकट उत्सव धूमधाम से मनाया

निरीक्षा शाखा
सूचना एवं जनसम्पर्क विभाग, उत्तर प्रदेश

72	अमर उजाला	स्कूल कॉलेज में दिलाई शपथ
73	दैनिक जागरण	महापुरूषो के बताए रास्ते पर चले का लिया संकल्प
74	हिन्दुस्तान	महर्षि वाल्मीकि की जयंती पर हुई आरती और जले दीये
वाराणसी मण्डल से समाचार पत्रों मे प्रकाशित क्लिपिंग्स		
75	हिन्दुस्तान	'रामायण' से यथार्थ राम का सामूहिक स्मरण
76	हिन्दुस्तान	सप्तर्षियों को समर्पित रही महर्षि की जयंती
77	अमर उजाला	श्री राम कथा दुनियाभर में पहुंचाने का श्रेय महर्षि वाल्मीकि को : डॉ नीलकंड
78	दैनिक जागरण	वाल्मीकि जयंती पर गूंजी रामायण की चौपाइयां
79	हिन्दुस्तान	प्रभु श्रीराम की झांकी देख श्रोता हुए विह्वल, किए जयकारे
80	अमर उजाला	महर्षि वाल्मीकि जयंती पर किया गया हवन–पूजन
81	हिन्दुस्तान	हर्षोल्लास पूर्वक मनाई मई वाल्मीकि जयंती
82	अमर उजाला	वाल्मीकि जयंती पर मंदिरों में कराया गया रामायण का पाठ, बताई महत्ता
83	हिन्दुस्तान	महर्षि वाल्मीकि ने किया मार्गदर्शन

84	अमर उजाला	वाल्मीकि ने की आदर्श समाज की स्थापना
	मिर्जापुर मण्डल से समाचार पत्रों मे प्रकाशित क्लिपिंग्स	
85	हिन्दुस्तान	लोगो ने महर्षि वाल्मीकि की जयंती मनाई
86	अमर उजाला	वाल्मीकि जयंती पर हुआ मानस पाठ
88	दैनिक जागरण	जयंती पर याद किए गए कवि वाल्मीकि
89	हिन्दुस्तान	हर्षोल्लास से मनी वाल्मीकि जयंती
90	हिन्दुस्तान	महर्षि वाल्मीकि जयंती पर हुआ सुंदरकांड का पाठ
91	दैनिक जागरण	वाल्मीकि जयंती पर मंदिर में रामायण पाठ
92	अमर उजाला	जयंती पर याद किए गए महर्षि वाल्मीकि
93	अमर उजाला	समारोह में देश की एकता और अखंडता की ली शपथ
94	दैनिक जागरण	धूमधाम से मनाई गई महर्षि वाल्मीकि जयंती
95	हिन्दुस्तान	रामायण रचयिता को किया नमन
	अयोध्या / देवीपाटन मंडल से समाचार पत्रों मे प्रकाशित क्लिपिंग्स	
96	दैनिक अमर उजाला	महर्षि वाल्मीकि की मनाई जयंती
97	दैनिक हिन्दुस्तान	मन्दिरों में वाल्मीकि जयंती पर हुए उत्सव

निरीक्षा शाखा
सूचना एवं जनसम्पर्क विभाग, उत्तर प्रदेश

98	दैनिक जागरण	वाल्मीकि जयंती को बनाया यादगार
99	दैनिक अमर उजाला	समारोह पुर्वक मनाई गई वाल्मीकि जंयती
100	दैनिक हिन्दुस्तान	बाल्मीकि जयंती पर हनुमानगढ़ी पर सुंदरकांड
101	दैनिक अमर उजाला	महर्षि वाल्मीकि की जयंती मनाई
102	दैनिक हिन्दुस्तान	वाल्मीकि जयंती पर भंडारे का आयोजन
103	दैनिक जागरण	श्रावस्ती में भी हुए विविध आयोजन
104	दैनिक जागरण	वाल्मीकि जयंती पर मंदिरों में रामायण का पाठ
105	दैनिक अमर उजाला	धूमधम से मनाई गई महर्षि वाल्मीकि जयंती
106	दैनिक हिन्दुस्तान	वाल्मीकि मन्दिरों पर हुआ रामायण का पाठ
107	दैनिक हिन्दुस्तान	महर्षि वाल्मीकि जयंती पर हुए विभिन्न आयोजन
108	दैनिक अमर उजाला	वाल्मीकि जयंती पर कार्यक्रमों की धूम
109	दैनिक जागरण	महर्षि वाल्मीकि जयंती पर हुए धार्मिक कार्यक्रम
110	दैनिक अमर उजाला	विश्व हिंदू परिषद ने मनाई वाल्मीकि जयंती
111	दैनिक जागरण	लौह पुरूष और महर्षि वाल्मीकि को श्रद्धा से किया गया याद
112	दैनिक अमर उजाला	धूमधाम से मनाई वाल्मीकि की जयंती

113	दैनिक हिन्दुस्तान	रामायण के रचयिता वाल्मीकि की पूजा हुई
114	दैनिक जागरण	वाल्मीकि जयंती पर हवन और सुंदरकांड का पाठ
115	दैनिक अमर उजाला	महर्षि वाल्मीकि की जयंती पर हुआ रामायण पाठ
116	दैनिक जागरण	महापुरूषों को याद करना सभ्यता और संस्कृति में : विधायक
117	दैनिक हिन्दुस्तान	जयंती पर याद किए गए महर्षि वाल्मीकि
118	दैनिक अमर उजाला	रामायण का पाठ कर महर्षि वाल्मीकि की जयंती मनाई
119	दैनिक जागरण	सामाजिक समरसता के प्रतीक पुंज थे महर्षि वाल्मीकि
कानपुर मंडल से समाचार पत्रों मे प्रकाशित क्लिपिंग्स		
120	दैनिक अमर उजाला	वाल्मीकि समाज का दिल जीतने को अफसरों ने मनवाई जयंती
121	दैनिक जागरण	महर्षि वाल्महकि जयंती पर हुआ सामूहिक विवाह
122	दैनिक हिन्दुस्तान	कोविड नियमों का पालन कर 17 जोड़े एक सूत्र मे बंधें
123	दैनिक हिन्दुस्तान	महर्षि वाल्मीकि जयंती पर आयोजित हुए कार्यक्रम
124	दैनिक अमर उजाला	वाल्मीकि के आदर्शो पर चलें

125	दैनिक जागरण	वाल्मीकि जयंती पर हुआ सुंदर कांड का पाठ
126	दैनिक अमर उजाला	राम मंदिरों में हुआ रामायण पाठ
127	दैनिक जागरण	सृष्टि के प्रथम आदिकवि हैं महर्षि वाल्मीकि
128	दैनिक हिन्दुस्तान	फफूंद में वाल्मीकि जयंती पर किया रामायण पाठ
129	दैनिक अमर उजाला	वाल्मीकि जी ने रामायण न लिखी होती धर्म भी नहीं होता
130	दैनिक हिन्दुस्तान	वाल्मीकि जयंती मनाई
131	दैनिक अमर उजाला	धूमधाम से मनाई गई महर्षि वाल्मीकि जयंती
132	दैनिक अमर उजाला	महर्षि वाल्मीकि विश्व के आदि कवि थे : डीएम
133	दैनिक जागरण	मंदिरो में जले दीप, लोगों ने किया रामायण का पाठ
134	दैनिक हिन्दुस्तान	वाल्मीकि जयंती पर मंदिरों में गूंजी रामायण और सुंदरकांड की धुन
बस्ती / प्रयागराज से समाचार पत्रों मे प्रकाशित क्लिपिंग्स		
135	दैनिक अमर उजाला	वाल्मीकि जयंती पर मंदिरों, आश्रमों में रामायण पाठ
136	दैनिक हिन्दुस्तान	श्रीराम व हनुमान के गुणगान में जुटा शहर
137	दैनिक जागरण	मंदिरों में रामायण पाठ और हुआ दीपदान

138	दैनिक अमर उजाला	वाल्मीकि जयंती पर हुआ रामायण पाठ
139	दैनिक हिन्दुस्तान	महर्षि वाल्मीकि ने भारतीय समाज को दी नई दिशा
134	दैनिक जागरण	जयंती पर याद किए गए महर्षि वाल्मीकि
135	दैनिक जागरण	महर्षि वाल्मीकि की मनाई गई जयंती
136	दैनिक हिन्दुस्तान	रोशनी से नहाए मंदिरों में हुआ रामायण पाठ
137	दैनिक अमर उजाला	हर्षोल्लास के साथ मनाई गई महर्षि वाल्मीकि जसंती
138	दैनिक हिन्दुस्तान	वाल्मीकि जयंती पर रामायण पाठ
139	दैनिक हिन्दुस्तान	महर्षि वाल्मीकि जयंती पर हुआ भजन–कीर्तन
140	दैनिक जागरण	समाज के लिए प्रकाश स्तम्भ हैं महर्षि वाल्मीकि
141	दैनिक हिन्दुस्तान	महर्षि वाल्मीकि जयंती पर रामायण पाठ में गूंजा राम–नाम, किया नमन
142	दैनिक राष्ट्रीय सहारा	जयंती पर याद किये गये सरदार पटेल
	चित्रकूट / झांसी मंडल से समाचार पत्रों मे प्रकाशित क्लिपिंग्स	
143	दैनिक अमर उजाला	अफसरों ने किया रामायण का पाठ, शोभायात्रा में गूंजे जयकारे
144	दैनिक हिन्दुस्तान	शोभायात्रा के साथ शहर में धूमधाम से मनाई गई महर्षि बाल्मीकि जयंती

निरीक्षा शाखा
सूचना एवं जनसम्पर्क विभाग, उत्तर प्रदेश

145	दैनिक जागरण	हवन पूजन के साथ मनाइ गई बाल्मीकि जयंती
146	दैनिक अमर उजाला	दीपक जलाए और किया अखंड पाठ
147	दैनिक जागरण	भजन–कीर्तन व रामायण पाठ के साथ मनाई वाल्मीकि जयंती
148	दैनिक अमर उजाला	जिले में धूमधाम से मनाई गई वाल्मीकि जयंती
149	दैनिक हिन्दुस्तान	महर्षि वाल्मीकि विश्व कि आदि कवि : डीएम
150	दैनिक हिन्दुस्तान	जयंती पर पूजे गए महर्षि वाल्मीकि, हुआ रामायण पाठ
151	दैनिक जनता यूनियन	महर्षि वाल्मीकि ने सिखाया नारी सम्मान : डीएम
152	दैनिक अमर उजाला	महर्षि वाल्मीकि को जयंती पर खूब मिला महत्व
153	दैनिक हिन्दुस्तान	लौहपुरूष की जयंती पर एकता का संकल्प
154	दैनिक अमर उजाला	वाल्मीकि जयंती पर मंदिरों में हुए पाठ
155	दैनिक हिन्दुस्तान	भक्तिभाव के साथ मनाई वाल्मीकि जयंती
156	दैनिक जागरण	वाल्मीकि जयंती पर मठ–मंदिरों में दीपदान के साथ
157	दैनिक हिन्दुस्तान	वाल्मीकि आश्रम समेत 34 मंदिरों में एक साथ गुंजा रामायण का अखंड पाठ

मेरठ / अलीगढ़ मंडल से समाचार पत्रों मे प्रकाशित क्लिपिंग्स

158	अमर उजाला	राम चरित मानस पाठ में श्रीराम का गुणगान
159	दैनिक जागरण	राष्ट्रीय संकल्प व एकता दिवस पर कमिश्नर व डीएम ने दिलाई शपथ
160	हिन्दुस्तान	महर्षि वाल्मीकि जयंती पर पाठ
161	अमर उजाला	जयंती पर महर्षि वाल्मीकि को किया श्रद्धा से नमन
162	हिन्दुस्तान	मंदिरों में संगीतमय रामचरित मानस की गूंज
163	अमर उजाला	वाल्मीकि जयंती रामायण का पाठ
164	हिन्दुस्तान	विश्व एकता दिवस कार्यक्रम का आयोजन
165	अमर उजाला	हर्षोल्लास के साथ मनाई महर्षि वाल्मीकि और सरदार वल्लभ भाई पटेल की जयंती
166	दैनिक जागरण	परंपरा कायम रखने को निकाली शोभायात्रा
167	दैनिक जागरण	महर्षि वाल्मीकि से प्रेरण लेकर करें समाज के भले के काम
168	अमर उजाला	यहा भी वाल्मीकि पर हुए अयोजन
169	हिन्दुस्तान	महर्षि वाल्मीकि के आदर्शो को जीवन में अपनाएं
170	अमर उजाला	महर्षि वाल्मीकि जयंती पर अखंड रामायण का पाठ
171	दैनिक जागरण	महर्षि वाल्मीकि का प्रकटोत्सव मनाया

172	हिन्दुस्तान	महर्षि वाल्मीकि जयंती पर 61 मंदिरों में रामायण पाठ
173	अमर उजाला	धूमधाम से मनाई महर्षि वाल्मीकि की जयंती
174	हिन्दुस्तान	सपा ने भी मनाई सरदार पटेल बाल्मीकि जयंती
175	अमर उजाला	महर्षि वाल्मीकि के आदर्शों पर चलने का किया आह्वान
176	अमर उजाला	रामायण का पाठ कर मनाई वाल्मीकि जयंती
177	करंट क्रांइम	महर्षि वाल्मीकि की जयंती पर किया रामायण पाठ
178	करंट क्राइम	धौलाना में धूमधाम से मनाई गई महर्षि बाल्मीकि जयंती
	आगरा मंडल से समाचार पत्रों मे प्रकाशित क्लिपिंग्स	
179	दैनिक जागरण	वाल्मीकि चौराहा के लिए सदन में रखेंगे प्रस्ताव
180	अमर उजाला	भगवान वाल्मीकि के नाम पर होगा भगवान टॉकीज चौराहा
181	हिन्दुस्तान	भगवान वाल्मीकि की प्रतिमा लगेगी
182	हिन्दुस्तान	सरकारी कार्यालयों में महर्षि वाल्मीकि एवं सरदार पटेल को नमन
183	दैनिक जागरण	महर्षि वाल्मीकि का हुआ गुणगान

निरीक्षा शाखा
सूचना एवं जनसम्पर्क विभाग, उत्तर प्रदेश

184	अमर उजाला	धूमधाम से मनाई गई महर्षि वाल्मीकि की जयंती
185	हिन्दुस्तानु	महर्षि वाल्मीकि के बताए मार्ग पर चलने का संकल्प
186	हिन्दुस्तान	महर्षि वाल्मीकि के बताए रास्ते चलने का संकल्प लिया
187	अमर उजाला	'महर्षि वाल्मीकि ने रामायण की रचना कर एकता–भाईचारे का दिया संदेश
सहारनपुर मंडल से समाचार पत्रों मे प्रकाशित क्लिपिंग्स		
188	दैनिक जागरण	नगर में धूमधाम से निकाली महर्षि वाल्मीकि की शोभायात्रा
189	हिन्दुस्तान	जयंती : वाल्मीकि मंदिरों में रामायण का गुणगान
190	अमर उजाला	भगवान वाल्मीकि की जयंती पर निकाली शोभायात्रा
191	दैनिक जागरण	महर्षि वाल्मीकि के प्रकटोत्सव पर हुआ हवन–पूजन और भंडारा
192	अमर उजाला	धूमधाम से मनाया महर्षि वाल्मीकि प्रकटोत्सव
193	अमर उजाला	महर्षि वाल्मीकि के आदर्शों पर चलने का संकल्प
194	हिन्दुस्तान	वाल्मीकि जयंती पर रामायण पाठ का आयोजन

निरीक्षा शाखा
सूचना एवं जनसम्पर्क विभाग, उत्तर प्रदेश

महर्षि वाल्मीकि को प्रणाम सूबे में गूंजा 'जय श्रीराम

राज्य ब्यूरो, लखनऊ : प्रदेश में पहली बार वाल्मीकि जयंती को सरकार ने अपने प्रयासों और निर्देशों के साथ मनाया है। महर्षि वाल्मीकि को प्रणाम करने के साथ ही प्रदेशभर में जय श्रीराम का नारा गूंज उठा। खुद मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने ट्वीट कर जानकारी दी कि विभिन्न जिलों में स्थित एक हजार से अधिक मंदिरों में वाल्मीकि रामायण का पाठ किया गया है।

वाल्मीकि जयंती के कार्यक्रमों का शुभारंभ शुक्रवार को मुख्यमंत्री ने चित्रकूट स्थित वाल्मीकि आश्रम से किया था। वहां अनाथर माता का पूजन-आरती के साथ महर्षि वाल्मीकि की प्रतिमा का पूजन और वाल्मीकि रामायण पाठ की शुरुआत की। उन्हीं के निर्देश पर मुख्य सचिव की ओर से सभी जिलों में रामायणकाल से जुड़े स्थलों, मंदिरों आदि में रामायण पाठ, भजन, दीपदान आदि कराने के आदेश जारी किए गए थे। शाहजहांपुर में हनुमत धाम विसरात घाट पर चिकित्सा, संसदीय कार्य एवं चिकित्सा शिक्षा मंत्री सुरेश कुमार खन्ना और सफाई कर्मचारी आयोग के अध्यक्ष सुरेंद्र नाथ वाल्मीकि ने संयुक्त रूप से रामायण, भजन-कीर्तन का शुभारंभ किया। इसी तरह अन्य जिलों में संस्कृति विभाग के संयोजन में रामायण पाठ, भजन, दीपदान सहित अन्य सांस्कृतिक कार्यक्रम कोविड-19 के प्रोटोकॉल के साथ हुए। राज्य सरकार ने विभिन्न कार्यक्रमों का ब्योरा भी साझा किया। वहीं, देर शाम मुख्यमंत्री योगी ने ट्वीट किया- यह अत्यंत हर्ष का विषय है कि आज महर्षि वाल्मीकि जी की जयंती के पावन अवसर पर प्रदेश के सभी जिलों में वाल्मीकि रामायण का पाठ एवं भजन कार्यक्रमों का आयोजन किया गया। वाल्मीकि रामायण में निहित मानवीय, सामाजिक व राष्ट्रीय मूल्यों से जनमानस को जोड़ने का यह हमारा प्रयास है। योगी ने लिखा कि आदिकवि महर्षि वाल्मीकि की पावन जयंती के अवसर पर प्रदेश में पहली बार एक हजार से अधिक मंदिरों पर रामायण का पाठ किया गया। देववाणी संस्कृत को पुनर्स्थापित करने का हमारा प्रयास है। संस्कृत भाषा के विद्वानों में दिखा उत्साह सनातन व भारतीय संस्कृति के नवोत्कर्ष की कहानी कह रहा है।

वाल्मीकि रामायण से यथार्थ राम का हुआ सामूहिक स्मरण

वाराणसी | अरविंद मिश्र

आस्था

- पहली बार वाल्मीकि रचित रामायण का अखंड पाठ हुआ
- बनारस समेत प्रदेश के हजारों स्थानों पर जुटा सनातनी समाज

रामायण और श्रीरामचरितमानस-दोनों ही कथा श्रीराम की है मगर तुलसी के राम मर्यादा पुरुषोत्तम हैं तो महर्षि वाल्मीकि के राम यथार्थ। मानस के जरिए सदियों से श्रीराम के मर्यादा पुरुषोत्तम स्वरूप का स्मरण कर रहे सनातनी समाज ने 'रामायण' के माध्यम से यथार्थ राम का सामूहिक स्मरण किया।

न सिर्फ काशी बल्कि समूचे उत्तर प्रदेश में आजादी के बाद यह पहला मौका है जब श्रीरामचरितमानस के अनुगामी समाज ने वाल्मीकि रामायण का अखंड पाठ किया। यह अविस्मरणीय संयोग 'आदिकवि' महर्षि वाल्मीकि की जयंती पर शनिवार को बना। शनिवार को हजारों मंदिरों पर यह विशिष्ट आयोजन हुआ।

आधुनिक भारत में सनातनी धर्मग्रंथों को घर-घर पहुंचाने में सबसे बड़ा योगदान करने वाले गीता प्रेस के आंकड़े बताते हैं कि वर्ष 1939 से अब तक श्रीरामचरितमानस की तीन करोड़ 84 लाख से अधिक प्रतियां बिक चुकी हैं।

वाराणसी में शनिवार को रामायण का अखंड पाठ करते श्रद्धालु •हिन्दुस्तान

वहीं रामायण की मात्र 11 लाख प्रतियां बिकी हैं। श्रीरामचरितमानस और रामायण की प्रतियों की बिक्री के बीच विशाल अंतर का विषय विशेषज्ञ अलग-अलग कारण बताते हैं मगर इस तथ्य पर अटूट आस्था रखते हैं कि वाल्मीकि ने ही संत तुलसीदास के रूप में पुनः जन्म लिया और श्लोक की जटिलताओं से बाहर निकल कर राम को लोक में स्थापित करने के लिए उनका मर्यादा पुरुषोत्तम स्वरूप प्रस्तुत किया। मानस मर्मज्ञ डॉ. श्रवण शरण शास्त्री के अनुसार रामायण संस्कृत में होने के कारण जनसामान्य के लिए जटिल हो गई। 24 हजार श्लोकों वाले आदि महाकाव्य को अपनी दिनचर्या में शामिल करना अधिकाधिक लोगों के लिए दुरूह है।

मानस की अब तक की बिक्री

गीता प्रेस ने वर्ष 1939 से रामायण और मानस का प्रकाशन आरंभ किया। यहां से मानस की हिन्दी में प्रकाशित 3,32,14250 प्रतियां, गुजराती में 46,55000, अंग्रेजी में 1,48,500, उड़िया में 1,21500, मराठी में 73,000, तेलुगु में 69,000, बांग्ला में 45,000, कन्नड़ में 23,000, नेपाली में 12,500 और असमिया 2000 प्रतियां बिक चुकी हैं। वहीं अन्य प्रकाशकों ने तमिल, उर्दू, मैथिली, मलयालम, कोंकणी, सिंधी, भोजपुरी और डोगरी में अनुवादित श्रीरामचरितमानस का प्रकाशन किया है।

निरीक्षा शाखा
सूचना एवं जनसम्पर्क विभाग, उत्तर प्रदेश

हिन्दुस्तान पेज न0--05--लखनऊ

01 नवम्बर 2020

कविताओं का पाठ कर महर्षि को याद किया

लखनऊ | निज संवाददाता

महर्षि वाल्मीकि की जयंती पर उप्र संस्कृत संस्थानं की ओर से आयोजित दो दिवसीय ऑनलाइन संस्कृत कवि सम्मेलन का आयोजन हुआ। अंतिम दिन शनिवार को जबलपुर के प्रो.रहस बिहारी द्विवेदी की ओर दिल्ली के पद्मश्री रामाकांत शुक्ला की अध्यक्षता में आयोजित कवि सम्मेलन में प्रो.आजाद मिश्र, राजेंद्र त्रिपाठी, डॉ. सुरचना, डॉ. ऋषि राज, डॉ. निरंजन मिश्र, डॉ. युवराज भट्टराई, रोहित, विद्यानंद, प्रो.मुरली मनोहर आदि ने भाग लिया। संस्कृत संस्थानं के अध्यक्ष डॉ. वाचस्पति मिश्रा ने बताया कि देशभर के 40 से अधिक विद्वानों ने कवि सम्मेलन में हिस्सा लिया।

वहीं आचार्य शक्तिधर त्रिपाठी ने बताया कि एक बार महर्षि वाल्मीकि ध्यान में मग्न थे। तब उनके शरीर में दीमक लग गए थे। साधना पूरी होने पर महर्षि ने दीमकों को हटाया था। दीमकों के घर को वाल्मीकि ही कहा जाता है।

ऐशबाग में वाल्मीकि रामायण का पाठ

लखनऊ। श्रीराम लीला समिति ऐशबाग लखनऊ और संस्कृति निदेशालय के संयुक्त तत्वावधान में श्रीरामलीला मैदान ऐशबाग स्थित श्रीराम मंदिर में वाल्मीकि रामायण का पाठ किया गया। आचार्य पण्डित गोपाल के सानिध्य में रमाकान्त शुक्ला, नवीन, सोमिल सुनील मिश्र, नवनीत, दिनेश द्विवेदी, अनुपम, देवेश, शिवानी, धीरज कान्त कौशल और शुभ त्रिवेदी सहित अन्य श्रद्धालु भक्तों ने वाल्मीकि रामायण का संगीतमय सस्वर पाठ किया। इस दौरान वाल्मीकि लवकुश लघु नाटिका का मंचन भी किया गया। उधर राज्य संग्रहालय में ऑनलाइन कला प्रदर्शनी के जरिए महर्षि को याद किया गया।

जागरण पेज न0–06–हरदोई

01 नवम्बर 2020

आयोजन

विभिन्न संगठनों की ओर से किए धूमधाम से मनाई गई महर्षि वाल्मीकि जयंती

महर्षि वाल्मीकि ने समाज को समानता का दिया संदेश

जागरण संवाददाता, हरदोई : महर्षि वाल्मीकि की जयंती शनिवार को धूमधाम से मनाई गई। जिले में विभिन्न संगठनों की ओर से कार्यक्रमों का आयोजन किया गया।

वाल्मीकि सेवा समिति की ओर से जिला महिला अस्पताल में समिति के प्रबंधक अमित कुमार ने पूजा अर्चना की और वाल्मीकि के जीवन पर प्रकाश डाला। इस मौके पर रामबाबू, सुनील आदि मौजूद रहे। अखिल भारतीय श्री वाल्मीकि नव युवक संघ की ओर कन्हई पुरवा में महर्षि की जयंती मनाई गई।

युवा वाल्मीकि समाज सुधार समिति की ओर से सर्कुलर रोड स्थित पुष्प गिरी निकुंज में आदिकवि महा ऋषि वाल्मीकि का प्रकट उत्सव बेहद भव्य तरीके से मनाया गया। कार्यक्रम में श्याम लाल वर्मा,संजय चौधरी आदि मौजूद रहे।

सपा कार्यालय पर जिलाध्यक्ष जितेंद्र वर्मा ने वाल्मीकि के चित्र पर माल्यार्पण किया। इस मौके पर कई कार्यकर्ता मौजूद रहे। सीएसएन

कन्हई पुरवा मे महर्षि गुरु वाल्मीकि जी की आरती करते अखिल भारतीय वाल्मीकि नव युवक संघ के पदाधिकारी व श्रद्धालु • जागरण

महा विद्यालय में महर्षि वाल्मीकि की जयंती पर प्राचार्य डा. अनिल कुमार सिंह ने उनके चित्र पर माल्यार्पण किया।

माधौगंज के फूलमती माँ सरस्वती विद्या मंदिर इंटर कालेज में प्रधानाचार्य सतीश मिश्र ने ऋषि वाल्मीकि के जीवन पर प्रकाश डाला।एडीएम ने शनिवार को नई बस्ती स्थित वाल्मीकि मंदिर पर पूजन-अर्चन किया, दीप प्रज्ज्वलित कर रामायण पाठ और भजन कार्यक्रम का शुभारंभ किया। वक्ताओं ने कहा कि महर्षि वाल्मीकि ने समाज में समानता का संदेश दिया। नगर पालिका परिषद के अधिशासी अधिकारी रविशंकर शुक्ला, मंदिर अध्यक्ष गोपाल वाल्मीकि सहित मंदिर के पदाधिकारी, पालिका कर्मचारियों ने श्रद्धासुमन अर्पित और भजन श्रवण किए।

खेतुई स्थित बाला जी मंदिर में सिटी मजिस्ट्रेट जंग बहादुर यादव व स्वतः रोजगार उपायुक्त विपिन कुमार चौधरी, बाबा मंदिर में डीआइओएस वीके दुबे, बीएसए हेमंत राव व पीडब्ल्यूडी के अधिशासी अभियंता, एसओसी चकबंदी बीएन उपाध्याय, एआरटीओ एवं जिला अल्प संख्यक कल्याण अधिकारी ने पूजन-अर्चन कर दीप प्रज्ज्वलन व वाल्मीकि रामायण पाठ शुभारंभ कराया।

सभी नगरीय निकायों में अधिशासी अधिकारियों एवं निकाय कर्मचारियों ने महर्षि वाल्मीकि की मूर्ति और चित्र पर माल्यार्पण कर श्रद्धासुमन अर्पित किए।

निरीक्षा शाखा
सूचना एवं जनसम्पर्क विभाग, उत्तर प्रदेश

अमर उजाला पेज न0–05–हरदोई

01 नवम्बर 2020

मंदिरों में गूंजी आरती और रामायण की चौपाइयां

जिले भर में धूमधाम से मनाई गई महर्षि वाल्मीकि जयंती

मोहल्ला [illegible] में महर्षि वाल्मीकि की आरती उतारते एडीएम संजय कुमार व मंदिर कमेटी के पदाधिकारी। संवाद

महिला चिकित्सालय में आरती करते श्री आदि कवि गुरु वाल्मीकि सेवा समिति के पदाधिकारी। संवाद

बाबा मंदिर परिसर में रामायण का पाठ करते श्रद्धालु। संवाद

कन्हईपुरवा में वाल्मीकि जयंती पर पूजन करते अखिल भारतीय श्री वाल्मीकि नव युवक संघ के पदाधिकारी। संवाद

संवाद न्यूज एजेंसी

[illegible]

दहेज रहित विवाह करने पर बल दिया

[illegible]

निरीक्षा शाखा
सूचना एवं जनसम्पर्क विभाग, उत्तर प्रदेश

[illegible] पुरवा में वाल्मीकि के चित्र की आरती करते [illegible] नीरज कुमार व अन्य।

बिलग्राम में [illegible] मंदिर पर मास्क वितरित करते अधिशासी अधिकारी व अन्य।

[illegible] में [illegible] रामायण के पाठ को सुनती [illegible]

जिला प्रशासन की देखरेख में 17 मंदिरों में पहली बार रामायण पाठ हुआ, भक्तिमय माहौल के बीच गूंजते रहे जयकारे

धूमधाम से मनाई गई पटेल व वाल्मीकि जयंती

हरदोई | हिन्दुस्तान संवाद

महर्षि वाल्मीकि की जयंती के अवसर पर पूरे जिले में कार्यक्रम आयोजित हुए। जिला प्रशासन की देखरेख में 17 मंदिरों में पहली बार रामायण पाठ हुआ। भक्तिमय माहौल के बीच जयकारे गूंजते रहे। शहर से लेकर गांव तक कार्यक्रम आयोजित हुए।

नई बस्ती रेलवेगंज स्थित वाल्मीकि मंदिर में अपर जिलाधिकारी संजय कुमार सिंह ने पूजा अर्चना के उपरान्त दीप प्रज्ज्वलन किया। भजन कार्यक्रम व वाल्मीकि रामायण पाठ का शुभारम्भ कराया। राम जानकी मंदिर में मुख्य चिकित्साधिकारी डॉ. सुरेन्द्र [illegible], सीडीओ [illegible] कुमार मिश्र व [illegible], अपर जिला सूचना अधिकारी [illegible], [illegible] मंदिर में नगर मजिस्ट्रेट [illegible] बहादुर यादव व डीडी [illegible], [illegible] मंदिर में जिला विद्यालय निरीक्षक [illegible] दुबे, जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी [illegible] व अधिशासी अभियंता [illegible], [illegible] एवं जिला [illegible] कल्याण अधिकारी ने पूजन अर्चन कर दीप प्रज्ज्वलन किया।

इसी तरह जनपद की समस्त नगर निकायों के मंदिरों में अधिशासी अधिकारियों व अन्य अधिकारियों ने पूजा अर्चना के बाद वाल्मीकि रामायण पाठ का शुभारम्भ कराया। इस अवसर पर सभी मंदिरों पर भंडारे का भी आयोजन किया गया।

भंडारे व प्रसाद का मंदिर पर वितरण

• रेलवेगंज स्थित नई बस्ती में महर्षि वाल्मीकि आश्रम मंदिर में [illegible] वाल्मीकि, वरिष्ठ उपाध्यक्ष [illegible], महामंत्री [illegible] वाल्मीकि, कोषाध्यक्ष [illegible], उपाध्यक्ष [illegible], [illegible] व संजय मौजूद रहे। इस दौरान मंदिर पर भंडारा का आयोजन किया गया। साथ [illegible] महाआरती के बाद प्रसाद वितरित किया गया। [illegible] दीप भी जलाए गए।

अखिल भारतीय वाल्मीकि [illegible] संघ ने शनिवार को [illegible] पुरवा में वाल्मीकि शरद पूर्णिमा पर्व का आयोजन धूमधाम से किया गया। हवन पूजन कर शाम [illegible] बजे दीप प्रज्ज्वलित किए गए। महामंत्री सुनील वाल्मीकि [illegible], वरिष्ठ उपाध्यक्ष विनोद, उपाध्यक्ष नीरज कुमार प्रेमी, राकेश, देवेन्द्र, राजेन्द्र, [illegible], विनोद, [illegible], सुनील, अशोक समेत कई लोग मौजूद रहे। सम्पूर्ण कार्यक्रम का आयोजन कोविड-19 के [illegible] शासन की ओर से जारी दिशा निर्देशों का पालन भी कराया गया। वाल्मीकि सेवा समिति की ओर से जिला महिला अस्पताल परिसर में [illegible] महर्षि वाल्मीकि मंदिर पर पूजा-अर्चना कर आरती की गई। [illegible] कपिल ने भी सम्बोधित किया। प्रबंधक/महामंत्री अमित कुमार, [illegible] किशन कुमार, [illegible], [illegible], सुनील, दिनेश, [illegible], अंकित समेत कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

महापुरुषों की जीवनी पर डाला प्रकाश • [illegible] पीजी कालेज में महर्षि वाल्मीकि व सरदार पटेल की जयंती पर उनके चित्र पर प्राचार्य डॉ. अखिलेश सिंह ने चित्र पर माल्यार्पण कर कार्यक्रम प्रारम्भ किया। उन्होंने जीवन पर प्रकाश डाला। [illegible] सिंह, [illegible] वर्मा, [illegible] सिंह, अखिल गुप्ता, संतोष कुमार, [illegible] यादव, अरविंद सिंह, विवेक कुमार, राकेश ने दोनों महापुरुषों के चित्र पर माल्यार्पण कर जीवन पर प्रकाश डाला।

उत्सव का आयोजन • पुरवा वाल्मीकि समाज सुधार समिति की ओर से [illegible] रोड स्थित [illegible] में शरद पूर्णिमा के अवसर पर आदिकवि महाऋषि वाल्मीकि का प्रकट उत्सव [illegible] से मनाया गया। मुख्य [illegible] वर्मा, अध्यक्ष संजय चौधरी, उपाध्यक्ष [illegible] कुमार वाल्मीकि, कोषाध्यक्ष अनिल कुमार वर्मा एवं महामंत्री [illegible] कुमार मौजूद रहे।

जयंती पर रामायण पाठ का आयोजन

मल्लावां। नगर पालिका परिषद की ओर से महर्षि वाल्मीकि जयंती पर [illegible] स्थित हनुमान मंदिर पर रामायण पाठ का आयोजन किया गया, जो सुबह से लेकर शाम तक चला। ईओ मुकेश कुमार मिश्रा, सभासद [illegible] कुमार सिंह, [illegible] सिंह यादव, पूर्व सभासद [illegible] मिश्रा, पूर्व [illegible], [illegible] सिंह, [illegible] समेत कई सभासद, नगर पालिका के कर्मचारी व सफाई कर्मचारी मौजूद रहे।

वाल्मीकि जयन्ती पर मास्क बांटे

बिलग्राम। महर्षि वाल्मीकि की जयंती पर नगर पालिका परिषद बिलग्राम की ओर से [illegible] मंदिर में वाल्मीकि रामायण का पाठ कराया गया। [illegible] मंदिरों पर विशेष स्वच्छता व सफाई अभियान क्रियान्वित कराते हुए मास्क व सैनिटाइजर का वितरण कराया गया।

देवी मंदिर प्रांगण में कथा का आयोजन

पाली। महर्षि वाल्मीकि जयंती पर नगर पंचायत ने कस्बे के [illegible] देवी मंदिर प्रांगण पर कथा का आयोजन हुआ। नगर अध्यक्ष [illegible] अवस्थी ने अपने पिता पूर्व [illegible] बाजपेई व पति [illegible] अवस्थी सहित ईओ [illegible] कुमार शुक्ला के साथ मिलकर चित्र पर पुष्पांजलि अर्पित कर उन्हें याद किया। [illegible] देवी मंदिर प्रांगण पर महर्षि द्वारा लिखी गई पावन रामायण का पाठ कर उन्हें याद किया गया। [illegible] अग्निहोत्री, अनिल शुक्ला, [illegible], [illegible] आदि मौजूद रहे।

शरद पूर्णिमा पर आसमान से होती अमृत वर्षा

हरदोई। राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ की ओर से नगर की सभी शाखाओं पर शरद पूर्णिमा पर्व पर आयोजन किया गया। रात्रि 12 बजे खीर का वितरण प्रसाद रूप किया गया। आरएसएस के छह उत्सवों में शरद पूर्णिमा शामिल है। [illegible] पार्क में स्थित बाबा [illegible] नाथ मंदिर में [illegible] शाखा की ओर से कार्यक्रम आयोजित किया गया। मुख्य वक्ता [illegible] सिंह रहे। संचालन नगर बौद्धिक प्रमुख विनय पाण्डेय ने किया। [illegible] मिश्र, [illegible] सिंह, नगर [illegible] शुक्ल, [illegible] गुप्ता [illegible], अमन अवस्थी, [illegible] अवस्थी, ओम सिंह, [illegible] जिला शासकीय अधिवक्ता वीरेश सिंह व [illegible] सिंह आदि स्वयं सेवक मौजूद रहे।

महर्षि वाल्मीकि व सरदार पटेल जयंती मनाई गई

शाहाबाद। [illegible], नगरपालिका और वाल्मीकि मंदिर [illegible] स्टैंड पर महर्षि वाल्मीकि जयंती एवं सरदार वल्लभ भाई पटेल की जयंती मनाई गई। यहां एसडीएम अतुल [illegible], प्रभारी [illegible] गुप्ता, बीडीओ [illegible] सिंह, अधिकारी [illegible] कुमार राय, [illegible] तिवारी, ईओ [illegible] आदि रहे।

नई बस्ती स्थित मंदिर में पूजन करते अपर जिलाधिकारी व अन्य अधिकारी। • हिन्दुस्तान

निरीक्षा शाखा
सूचना एवं जनसम्पर्क विभाग, उत्तर प्रदेश

भगवान वाल्मीकि का श्रद्धा पूर्वक पूजन-अर्चन

जागरण टीम, सीतापुर: भगवान वाल्मीकि जयंती श्रद्धापूर्वक मनाई गई। बट्सगंज के भगवान वाल्मीकि मंदिर में श्रद्धालु पहुंचे और पूजा अर्चना की। डीएम विशाल भारद्वाज, एसडीएम अमित भट्ट, ईओ गुरुप्रसाद पांडेय पहुंचे। यहां उन्होंने विधि विधान से भगवान वाल्मीकि की पूजा अर्चना की।

अधिकारियों का सम्मान रामनरेश लाल, प्यारे लाल ने माल्यार्पण कर किया। नैमिषारण्य में पधारे अर्जुन प्रसाद शर्मा, रामशरद मिश्र, हरिश्याम शुक्ल, प्रभाकर द्विवेदी, राम लाल शास्त्री, चित्रकांत द्विवेदी, राहुल गिरि, सुख देव आचार्यों ने वाल्मीकि रामायण का पाठ किया। पूरे दिन पाठ चलने के बाद शाम को हवन, आरती हुई। भंडारा, प्रसाद वितरण हुआ। राम गोपाल ने बताया पिछले वर्षों में शोभायात्रा निकाली जाती थी। कोरोना संक्रमण के कारण इस वर्ष शोभायात्रा नहीं निकाली गई। भाजपा नगर अध्यक्ष आकाश बजरंगी, शिवांशु मिश्रा ने भी मंदिर में पहुंचकर भगवान वाल्मीकि की पूजा अर्चना की व प्रसाद वितरण में अपना योगदान दिया। नैमिषारण्य में चक्रतीर्थ, व्यास गद्दी, हनुमानगढ़ी आदि स्थानों पर तहसीलदार शशि त्रिपाठी की अगुवाई में कानूनगो गिरजा शंकर यादव, लेखपाल जैनेंद्र द्विवेदी, धीरज सिंह आदि ने पूजन अर्चन कार्यक्रम कराया।

• नैमिषारण्य के आचार्यों ने किया वाल्मीकि रामायण का पाठ

शनिवार को वाल्मीकि जयंती पर शहर स्थित वाल्मीकि मंदिर में पूजन करते डीएम विशाल भारद्वाज बाएं से दूसरे • जागरण

कार्यक्रम के दौरान मोहन लाल, सुरेश चंद्र, अजय पाल, राज कुमार, श्रीराम सिंह, विनय लाला, पवन मौजूद रहे। लहरपुर: मुहल्ला बेहटी में भगवान वाल्मीकि प्रकटोत्सव समिति द्वारा मनाया गया। समिति के संरक्षक रामजीवन वाल्मीकि, अध्यक्ष बंटी वाल्मीकि आदि ने मंदिर पहुंचकर भगवान वाल्मीकि की पूजा अर्चना की। कोतवाली प्रभारी आरती राय ने स्थिति का जायजा लिया। हरगांव: सूर्यकुंड वाल्मीकि मंदिर में श्रद्धालुओं ने पूजा अर्चना की।

वाल्मीकि रामायण का पाठ किया गया। हवन आरती के बाद प्रसाद वितरण हुआ। कार्यक्रम में संरक्षक सुरेश वाल्मीकि, अध्यक्ष बब्लू, मंत्री नीरज, रामू, अमन व श्यामलाल मौजूद रहे।

अमर उजाला पेज न0–03–सीतापुर

01 नवम्बर 2020

धूमधाम से मनाई महर्षि वाल्मीकि जयंती

जिलाधिकारी ने वाल्मीकि मंदिर में की पूजा-अर्चना, कई जगह रामायण का पाठ

संवाद न्यूज एजेंसी

सीतापुर। आदि कवि महर्षि वाल्मीकि की जयंती शनिवार को पूरे जिले में धूमधाम से मनाई गई। इस दौरान जिलाधिकारी ने शहर के वाल्मीकि मंदिर में जाकर पूजा अर्चना की।

महर्षि वाल्मीकि जयंती के अवसर पर जिलाधिकारी विशाल भारद्वाज सुबह पक्का पुल स्थित वाल्मीकि मंदिर पहुंचे। यहां पर चल रहे पूजा अर्चना कार्यक्रम में शिरकत की। उसके बाद मंदिर में विधि विधान से पूजा अर्चना की। महमूदाबाद में जयंती के अवसर नगर के मोहल्ला नई बाजार व मोहल्ला भट्ठा में स्थित महर्षि वाल्मीकि मंदिर पर नगर पालिका अध्यक्ष प्रतिनिधि अंबरीश गुप्ता और अधिशासी अधिकारी शैलेंद्र दुबे ने संकल्प पूजन अर्चन कर वाल्मीकि द्वारा रचित अखंड वाल्मीकि रामायण पाठ का शुभारंभ किया। इस दौरान अंबरीश गुप्ता ने कहा महर्षि वाल्मीकि ने आदि काव्य रामायण की रचना कर लोगों को सत्य व कर्तव्य परायणता पर चलने का मार्ग दिखाया है। मिश्रिख के सीताकुंड तीर्थ पर स्थित प्राचीन वाल्मीकि आश्रम व नैमिष के हनुमानगढ़ी, रामानुज मंदिर, देवदेवेश्वर एवं चक्रतीर्थ पर तहसील प्रशासन द्वारा रामचरित मानस का पाठ कराकर बड़ी ही धूम के साथ जयंती मनाई। इस अवसर पर कार्यक्रम संयोजक लेखपाल आनंद सिंह, आचार्य श्याम जी अवस्थी, गौरव बाजपेई, श्रीकृष्ण त्रिवेदी, प्रेमबाबू मिश्रा, प्रकाश चंद्र बाजपेई आदि मौजूद रहे।

नैमिषारण्य में चक्रतीर्थ पर पूजन करते तहसीलदार चंद्रकांत त्रिपाठी व अन्य।

महोली में महर्षि वाल्मीकि जयंती व शरद पूर्णिमा के अवसर पर संस्कार भारती इकाई महोली द्वारा कस्बे में सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि संगठन के प्रांतीय मंत्री दिनेश मिश्र, विशिष्ट अतिथि इंस्पेक्टर धर्मराज उपाध्याय, इंजीनियर अंबरीष श्रीवास्तव ने मां सरस्वती व महर्षि वाल्मीकि के चित्र पर पुष्प अर्पित कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया।

लहरपुर नगर के एकमात्र महर्षि वाल्मीकि मंदिर मोहल्ला बेहटी में महर्षि वाल्मीकि प्रकटोत्सव समिति द्वारा कोरोना संक्रमण के चलते हर वर्ष निकाले जाने वाली शोभा यात्रा को नहीं निकाले जाने का निर्णय लिया गया। समिति के संरक्षक रामजीवन बाल्मीकि, अध्यक्ष बंटी बाल्मीकि ने मंदिर परिसर में ही विशेष पूजा अर्चना करके प्रसाद का वितरण किया। इस दौरान क्षेत्र के गणमान्य मौजूद रहे।

निरीक्षा शाखा
सूचना एवं जनसम्पर्क विभाग, उत्तर प्रदेश

हिन्दुस्तान पेज न0—02—सीतापुर

01 नवम्बर 2020

शासन द्वारा जारी गाइडलाइन के तहत जिलेभर में आयोजित हुए कार्यक्रम, प्रशासनिक अफसरों ने किया प्रतिभाग

रामायण पाठ कर महर्षि वाल्मीकि का गुणगान

जयंती समारोह

सीतापुर | हिन्दुस्तान टीम

शासन द्वारा जारी गाइडलाइन के अनुसार शनिवार को जिलेभर में आदिकवि महर्षि वाल्मीकि जयंती हर्षोल्लास के साथ मनाई गई। मंदिरों और धार्मिक स्थलों पर दीपदान के साथ वाल्मीकि रामायण पाठ, सांस्कृतिक कार्यक्रम व भजन कीर्तन हुए। वाल्मीकि के जीवन वृत्तांत पर प्रकाश डाला गया।

जिलाधिकारी विशाल भारद्वाज व अपर जिलाधिकारी विनय कुमार पाठक ने शहर स्थित महर्षि वाल्मीकि मंदिर में आयोजित कार्यक्रम में प्रतिभाग किया। उन्होंने महर्षि वाल्मीकि के चित्र पर माल्यार्पण आदि किया। इस दौरान जिलाधिकारी ने कहा कि महर्षि वाल्मीकि विश्व के आदिकवि हैं, जिनके द्वारा रचित रामायण विश्व के आदि ग्रन्थ के रूप में आज भी पूज्यनीय है। जो व्यक्ति, समाज एवं राष्ट्रीय मूल्यों के निर्माण में वैश्विक स्तर पर मार्गदर्शन का आधार है। उन्होंने कहा कि महर्षि वाल्मीकि जी के जीवन से हमें प्रेरणा लेनी चाहिए। इस अवसर पर उपजिलाधिकारी सदर अमित भट्ट, अधिशासी अधिकारी गुरुप्रसाद पाण्डेय, जिला विद्यालय निरीक्षक नरेन्द्र शर्मा सहित अन्य संबंधित मौजूद रहे। इसके अतिरिक्त सभी उपजिलाधिकारियों के निर्देशन में सभी तहसील क्षेत्रों में वाल्मीकि रामायण भजन आदि का पाठ कराया गया।

शहर स्थित वाल्मीकि मंदिर में कार्यक्रम में शामिल डीएम व अन्य।

नैमिषारण्य से हिसं: नैमिषारण्य स्थित चक्रतीर्थ एवं हनुमान गढ़ी पर आदिकवि वाल्मीकि जयंती पर अखण्ड रामायण पाठ का आयोजन किया गया। चक्रतीर्थ पर मिश्रिख तहसील उपजिलाधिकारी गिरीश झा एवं तहसीलदार चन्द्रकांत त्रिपाठी द्वारा आदि कवि वाल्मीकि का पूजन किया गया और पाठ प्रारंभ कराया गया। आचार्य रमेश शास्त्री एवं चक्रतीर्थ पुजारी राजनारायण पांडेय द्वारा वैदिक मंत्रों से पूजन कराया गया। कथा व्यास अमित शास्त्री एवं सचिन शास्त्री ने वाल्मीकि रामायण का पाठ कर शुरुआत की। इस अवसर पर नैमिष मिश्रिख भाजपा मंडल अध्यक्ष सतीश शास्त्री, महेश तिवारी, दया शंकर दीक्षित, श्याम बाबू दीक्षित, लक्ष्मी नारायण, आदि तीर्थ पुरोहितगण मौजूद रहे। हनुमान गढ़ी पर महंत बजरंग दास के सानिध्य में आदिकवि वाल्मीकि का पूजन हुआ एवं अखण्ड रामायण पाठ भी शुरू हुआ।

बिसवां से हिसं: महर्षि वाल्मीकि जयंती मनाई गई। दीप प्रज्वलन व विधि विधान से पूजा अर्चना के साथ वाल्मीकि रामायण के पाठ किए गए। कस्बे के वाल्मीकि मन्दिर पर पूजा अर्चना व आरती के बाद प्रसाद वितरण हुआ। बड़ा हनुमान मंदिर महमूदाबाद रोड, श्रीराम जानकी मंदिर स्थित शारदा नहर पुरैनी पुल सहित क्षेत्र के तमाम मन्दिरों में वाल्मीकि रामायण के पाठ किये गए। एसडीएम सुरेश कुमार, सीओ सुशील कुमार, तहसीलदार राजकुमार गुप्ता, आकाश वाल्मीकि, मुन्नालाल वाल्मीकि, डॉ देवेन्द्र श्रीवास्तव, जिला प्रचारक शिवशंकर, लेखपाल रामदास गुप्ता, संकटा प्रसाद शुक्ला, राम नरेश वर्मा मौजूद रहे।

नैमिषारण्य में संगीतमय रामायण का पाठ करते श्रद्धालु ।

मिश्रिख से हिसं: महर्षि वाल्मीकि जयंती के मौके पर शनिवार को तहसील मुख्यालय पर स्थित महर्षि वाल्मीकि आश्रम में रामायण के पाठ का संगीतमय आयोजन किया गया। इस मौके पर तहसील के राजस्व अधिकारियों ने कार्यक्रम में बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया। उपजिलाधिकारी के निर्देशन में तहसील क्षेत्र में स्थित संबंधित धार्मिक स्थलों पर भी वाल्मीकि रामायण भजन आदि का आयोजन सम्पन्न हुआ।

महोली से हिसं: शनिवार को प्राचीन सत्संग आश्रम में वाल्मीकि ऋषि पूजन एवं वाल्मीकि रामायण पाठ का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ एसडीएम शशिभूषण राय ने दीप प्रज्वलित कर किया। स्वामी विज्ञानानंद सरस्वती ने कहा कि महर्षि वाल्मीकि को प्राचीन वैदिक काल के महान ऋषियों कि श्रेणी में प्रमुख स्थान प्राप्त है। उधर भटपुरमोहल्ला में वाल्मीकि मंदिर में जयंती धूमधाम से मनाई गई। इन्द्रमोहन दीक्षित, आचार्य धर्मेंद्र मिश्र, कौस्तुभ बाजपेयी, गुड्डा सिंह, शेषमणि शर्मा समेत आश्रम के कार्यकर्ता एवं तहसील कर्मचारी मौजूद रहे।

लहरपुर: शोभायात्रा नहीं निकाली गई

नगर का एकमात्र महर्षि वाल्मीकि मंदिर मोहल्ला बहटी में है। महर्षि वाल्मीकि प्रकटोत्सव समिति द्वारा कोरोना संक्रमण के चलते हर वर्ष निकाले जाने वाली शोभा यात्रा को भी नहीं निकाले जाने का निर्णय लिया गया। समिति के संरक्षक रामजीवन वाल्मीकि, अध्यक्ष बंटी वाल्मीकि ने बताया कि कोरोना महामारी के चलते इस वर्ष कोई भी सार्वजनिक कार्यक्रम नहीं किया जाएगा। महर्षि वाल्मीकि जयंती के अवसर पर कोतवाली प्रभारी ओपी राव ने महर्षि वाल्मीकि मंदिर में समिति के सदस्यों से बात कर स्थिति का जायजा लिया।

महमूदाबाद: रामायण महाकाव्य का पाठ हुआ

मोहल्ला नई बाजार व मोहल्ला भट्ठा स्थित वाल्मीकि मन्दिर में नगर पालिका अध्यक्ष प्रतिनिधि अम्बरीश गुप्त द्वारा महर्षि वाल्मीकि द्वारा रचित रामायण महाकाव्य का पाठ पूरे विधि-विधान से मंत्रोच्चारण के बीच शुरू करवाया गया। इस अवसर पर पालिका अधिशासी अधिकारी शैलेंद्र दुबे, तहसीलदार अशोक कुमार, वसी अहमद, अनिल शुक्ल, रामशंकर, रामशरण गौतम, पूर्व सभासद संघ अध्यक्ष उमेश वर्मा आदि मौजूद रहे।

निरीक्षा शाखा
सूचना एवं जनसम्पर्क विभाग, उत्तर प्रदेश

अमर उजाला पेज न0–07–लखीमपुर–खीरी

01 नवम्बर 2020

महर्षि वाल्मीकि जयंती पर मंदिरों में हुआ वाल्मीकि रामायण का पाठ, भजन संध्या

संवाद न्यूज एजेंसी

लखीमपुर खीरी। महर्षि वाल्मीकि जयंती पर शनिवार को महर्षि वाल्मीकि समेत भगवान राम और हनुमान मंदिरों में वाल्मीकि रामायण का पाठ हुआ। कई मंदिरों में भजन संध्या हुई। शहर के श्री संकट मोचन चौधरी हनुमान मंदिर राजापुर, वाल्मीकि मंदिर संकटा देवी और गोरखनाथ धाम में वाल्मीकि मंदिर पर कार्यक्रम हुए।

राजापुर स्थित श्रीसंकट मोचन वीर बाबा हनुमान मंदिर में डीएम शैलेंद्र कुमार सिंह ने विधि विधान से पूजा अर्चना की और दीप जलाकर कार्यक्रम का शुभारंभ किया। आचार्य प्रेमकृष्ण शास्त्री ने संगीतमय रामायण का वाचन किया। डीएम शैलेंद्र कुमार सिंह ने महर्षि वाल्मीकि द्वारा रचित रामायण में वर्णित प्रसंगों को मानवीय जीवन से जोड़कर देखने का अनुरोध किया और कहा कि जीवन की सफलता के लिए इसे न केवल गंभीरता से अध्ययन करना चाहिए, बल्कि उसके अनुसार जीवन जीने का प्रयास करना चाहिए।

महर्षि वाल्मीकि से संबंधित मंदिरों, श्री राम व हनुमान मंदिरों पर दीपदान के साथ-साथ अनवरत आठ घंटे, 12 घंटे, 24 घंटे का वाल्मीकि रामायण का पाठ किए जाने का कार्यक्रम निर्धारित किया गया है, जिसके क्रम में वाल्मीकि मंदिर संकटा देवी एवं गोरखनाथ, मुक्तिधाम मंदिर सहित जिले की सभी तहसीलों में व्यापक स्तर पर वाल्मीकि रामायण का पाठ कराया जा रहा है। कार्यक्रम में नगर पालिका परिषद लखीमपुर की अध्यक्ष निरुपमा मोनी बाजपेई, एडीएम अरुण कुमार सिंह, एसडीएम सदर डॉ एके सिंह, डॉ मनोज कौशल बाजपेई, प्राचार्य डॉ ओपी गुप्ता, उपायुक्त उद्योग संजय सिंह, जिला अल्पसंख्यक अधिकारी चक्रवर्ती और अंकुर, खंड शिक्षा अधिकारी अनुराग मिश्रा, जिलाधिकारी एसएम मिश्रा, नजूल अधिकारी मनोज कुमार सिंह ने प्रतिभाग किया।

डीएम ने वीरबाबा मंदिर में कार्यक्रम का किया शुभारंभ

एसडीएम और तहसीलदार ने की पूजा-अर्चना

मितौली में तहसील [illegible] के दौरान शारदा नहर के पास स्थित श्री हनुमान मंदिर पर वाल्मीकि रामायण का पाठ हुआ। एसडीएम दिग्विजय सिंह, तहसीलदार अखिलेश कुमार, बीडीओ चंदन देव पांडेय ने पूजा-अर्चन का कार्यक्रम का शुभारंभ किया। संवाद

निरीक्षा शाखा

सूचना एवं जनसम्पर्क विभाग, उत्तर प्रदेश

हिन्दुस्तान पेज न0—02—लखीमपुर—खीरी

01 नवम्बर 2020

जिला मुख्यालय पर कार्यक्रम का डीएम ने किया शुभारंभ, श्रीराम और हनुमान मंदिरों पर दीप प्रज्ज्वलन और दीपदान

वाल्मीकि जयंती पर मंदिरों में रामायण पाठ

धर्म कर्म

लखीमपुर-खीरी | हिन्दुस्तान संवाद

शनिवार को शासन के निर्देश पर वाल्मीकि जयंती के शुभ अवसर पर महर्षि वाल्मीकि से संबंधित स्थलों, मंदिरों में रामायण पाठ हुआ। इसमें अफसर और जनप्रतिनिधियों ने हिस्सा लिया।

जिला मुख्यालय के राजापुर स्थित श्री संकटमोचन बाबा हनुमान मंदिर में आयोजित कार्यक्रम का डीएम शैलेंद्र कुमार सिंह ने पूरे विधि-विधान से पूजा-अर्चन तथा दीप प्रज्वलन कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया। आचार्य प्रेम कृष्ण शास्त्री ने रामायण पाठ का संगीतमय पाठ किया। डीएम शैलेंद्र कुमार सिंह ने महर्षि वाल्मीकि रामायण में वर्णित प्रसंगों को मानवीय जीवन से जोड़कर देखने का अनुरोध किया और कहा कि जीवन की सफलता के लिए इसे न केवल श्रद्धा से अध्ययन करना चाहिए बल्कि उसके अनुसार जीवन जीने का प्रयास करना चाहिए। वाल्मीकि रामायण का केवल आध्यात्मिक महत्व ही नहीं है, बल्कि यह जीवन जीने का मार्ग दिखाने वाला ग्रंथ है।

डीएम ने कहा कि वाल्मीकि रामायण में निहित मानव मूल्यों, सामाजिक मूल्यों व राष्ट्र मूल्यों के व्यापक प्रचार-प्रसार व जन सामान्य को इससे जोड़ने के लिए महर्षि वाल्मीकि से संबंधित मंदिरों, राम व हनुमान मंदिरों पर दीप प्रज्वलन दीपदान के साथ-साथ अनवरत 8 घंटे, 12 घंटे, 24 घंटे का वाल्मीकि रामायण का पाठ किए जाने का कार्यक्रम निर्धारित किया गया है, जिसके क्रम में वाल्मीकि मंदिर संकटा देवी व गोटिया बाग, मुड़िया महादेव मंदिर सहित जिले की सभी तहसीलों में व्यापक स्तर पर वाल्मीकि रामायण का पाठ कराया जा रहा है।

कार्यक्रम में मुख्य रूप से नगर पालिका परिषद लखीमपुर की अध्यक्ष निरूपमा मोनी वाजपेई, एडीएम अरुण कुमार सिंह, उप जिलाधिकारी सदर डॉ. एके सिंह, डॉ. मनीष कौशल बाजपेई, प्राचार्य डायट डॉ. ओपी गुप्ता, उपायुक्त उद्योग संजय सिंह, बंदोबस्त अधिकारी चकबंदी ओपी अजीर, खंड शिक्षा अधिकारी अनुपम मिश्र, समाजसेवी एवं शिक्षाविद डॉ. एसपी मिश्रा, चकबंदी अधिकारी मनोज कुमार सिंह, एनके मिश्रा एवं कार्यक्रम संयोजक सहायक निदेशक सूचना रमेश चंद्र, डीएम के स्टेनो राकेश कुमार त्रिपाठी सहित बड़ी संख्या में लोगों ने प्रतिभाग किया। इसी के साथ सभी तहसीलों में उप जिलाधिकारियों की मौजूदगी में रामएवं हनुमान मंदिरों में वाल्मीकि रामायण एवं भजन संध्या का भव्य आयोजन किया गया।

संकटमोचन हनुमान मंदिर पर आयोजित रामायण पाठ में डीएम ने पूजन किया।

वाल्मीकि जयंती पर आयोजित कार्यक्रम को विधायक अरविंद गिरि ने संबोधित किया।

भगवान वाल्मीकि की जयंती मनाई

गोला गोकर्णनाथ खीरी | हिन्दुस्तान संवाद

मैलानी क्षेत्र में महर्षि वाल्मीकि का जन्म दिन बड़े धूमधाम से मनाया गया।

महर्षि वाल्मीकि मंदिर के प्रांगण में रामायण पाठ का आयोजन किया गया। जहां उपस्थित गोला विधायक अरविन्द गिरी ने महर्षि वाल्मीकि का वंदन-नमन किया। उपस्थित सभी लोगों को उनके जीवन चरित्र के विषय में अवगत कराया। यह भी बताया कि सम्पूर्ण भारत वर्ष में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने तथा शासन-प्रशासन की ओर से इस शुभ दिन को मनाने के लिए कहा गया। गोला एसडीएम अखिलेश यादव और आरएसएस के जिला प्रचारक प्रेम प्रकाश ने भी महर्षि वाल्मीकि के जीवन वृत्तान्त के बारे में बताया तथा सोसाइटी अध्यक्ष सुरेन्द्र कुमार मिश्र ने महर्षि वाल्मीकि की प्रार्थना करते हुए उनके विषय में बताया।

इस अवसर पर नगरपालिका के अधिशासी अधिकारी बृजेश कुमार सविता, पूर्व चेयरमैन पति नीरज वाजपेयी, भाजपा नगर अध्यक्ष आनन्द मौर्य आदि मौजूद रहे।

निरीक्षा शाखा
सूचना एवं जनसम्पर्क विभाग, उत्तर प्रदेश

कवि महर्षि वाल्मीकि की जयंती के अवसर पर रामायण पाठ्य और सांस्कृतिक कार्यक्रमों का आयोजन

महर्षि वाल्मीकि की जयंती धूमधाम से मनाई

रायबरेली | हिन्दुस्तान संवाद

विश्व प्रसिद्ध कालजयी महाकाव्य रामायण के रचयिता आदि कवि महर्षि वाल्मीकि की जयंती के अवसर पर शहर के दक्षिण मुखी त्रैलय संकट मोचन हनुमान मंदिर और चन्दापुर कोठी स्थित जगमोहनेश्वर महादेव मंदिर सहित समस्त तहसीलों व विकास खण्डों के दूर दराज क्षेत्रों में हर्षोल्लास व धूमधाम से महर्षि वाल्मीकि जी की जयंती मनाई गई।

रामायण पाठ्य व सांस्कृतिक कार्यक्रमों का आयोजन किया गया। डीएम वैभव श्रीवास्तव ने कलेक्ट्रेट के बचत भवन सभागार में महर्षि वाल्मीकि जी का जीवन पाठ, रामायण पाठ्य आदि का प्रदर्शन करने वाली राजाजी लखनऊ सूचना विभाग से आईएलईडी वैन को झंडी दिखाकर शहर तथा दूर दराज क्षेत्रों के लिए रवाना किया। एलईडी वैन के माध्यम से महर्षि वाल्मीकि का जन्म पाठ, रामायण पाठ्य के साथ ही नारी सशक्तिकरण, या मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ द्वारा सरदार वल्लभ भाई पटेल जयन्ती का भी सजीव प्रसारण दिखा गया।

जिलाधिकारी वैभव श्रीवास्तव ने जनपद में शहर के सुपर मार्केट के निकट चन्दापुर कोठी जगमोहनेश्वर महादेव मन्दिर में महर्षि वाल्मीकि जी के चित्र पर माल्यार्पण व दीप प्रज्वलित कर महर्षि वाल्मीकि जी को शत-शत नमन किया।

रामायण पाठ हुआ:सलोन। वाल्मीकि जयंती के अवसर पर तहसील परिसर में स्थित हनुमान मन्दिर पर वाल्मीकि रामायण पाठ का आयोजन हुआ। भाजपा विधायक दलबहादुर कोरी ने वाल्मीकि समाज की महिलाओं को कंबल वितरित किया।

काव्य पाठ का आयोजन:लालगंज। कस्बे के गांधी चौराहा स्थित श्री गोविन्देश्वर परिसर में आदि कवि महर्षि वाल्मीकि जयंती के अवसर पर उनके द्वारा रचित काव्य पाठ का आयोजन किया गया।

कार्यक्रम में एसडीएम जीतलाल सैनी, चेयरमैन रामबाबू गुप्ता, ईओ अनुराग शुक्ला, मिश्रा, दीपप्रकाश शुक्ला, बच्चा पाण्डेय और सुशील शुक्ला, उमाशंकर बाजपेयी, आदि मौजूद रहे। सभी ने महर्षि जी के चित्र पर माल्यार्पण कर उन्हें नमन किया।

शनिवार को लालगंज में महर्षि वाल्मीकि के चित्र पर पुष्प अर्पित करते लोग

महराजगंज में जयंती पर रामचरितमानस पाठ हुआ

महराजगंज। कस्बे के श्री हनुमानगढ़ी मंदिर में तहसीलदार विनोद कुमार सिंह द्वारा वाल्मीकि के चित्र पर माल्यार्पण व दीप प्रज्वलन कर अखंड रामचरितमानस का पाठ प्रारंभ कराया गया। मंदिर में काफी समय अधिकारी जमे रहे। मंदिर में तहसीलदार द्वारा प्रसाद वितरित किया गया। इस मौके पर तहसीलदार न्यायिक रामकिशोर वर्मा नायब तहसीलदार ऋषि कुमार मिश्रा, राजस्व निरीक्षक श्रीकांत पांडे, विपिन मौर्य, शिवकंठ गुप्ता, राजाराम त्यागी, विमल रस्तोगी आदि रहे।

शिवगढ़ में धूमधाम से मनी जयंती

शिवगढ़। महर्षि वाल्मीकि जयंती के अवसर पर शिवगढ़ की बजरंगी शाखा में स्वयं सेवकों ने धूमधाम से वाल्मीकि जयंती मनाई गई। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि रहे पवन बाजपेई ने वाल्मीकि जी के जीवन पर प्रकाश डालते हुए बताया कि रामायण के रचयिता महर्षि वाल्मीकि हैं। इस मौके पर सरस्वती शिशु मंदिर के प्रबंधक राजाराम मौर्य, शाखा मुख्य शिक्षक प्रशांत तिवारी, स्वयं सेवक अभिनव जायसवाल, आदर्श गौतम आदि थे।

सपा कार्यालय में मनी महर्षि की जयंती

रायबरेली। समाजवादी पार्टी के कार्यालय में महर्षि वाल्मीकि, सरदार वल्लभ भाई पटेल और आचार्य नरेन्द्र देव की जयन्ती मनाई गई। जिलाध्यक्ष इं वीरेन्द्र यादव की अनुपस्थिति में कार्यक्रम की अध्यक्षता वरिष्ठ जिला उपाध्यक्ष हाजी मो. इलियास ने की। जिला उपाध्यक्ष हाजी मो. इलियास ने श्रद्धा सुमन अर्पित करते हुए कहा कि महर्षि वाल्मीक रामायण के प्रसिद्ध रचयिता थे जो आदि कवि के रूप में प्रसिद्ध हुए, इनके द्वारा रची रामायण वाल्मीक रामायण कहलाई।

धूमधाम से मनी पटेल व वाल्मीकि जयंती

देश की एकता का संकल्प तो रामायण पाठ से समाज को जोड़ने का दिया संदेश

जागरण टीम, रायबरेली : लौह पुरुष सरदार वल्लभ भाई पटेल और महर्षि वाल्मीकि जयंती शनिवार को जिले भर में धूमधाम से मनाई गई। कलेक्ट्रेट, तहसीलों, कार्यालयों एवं विकास भवन सभागार में कर्मचारियों को राष्ट्रीय एकता व अखंडता की शपथ दिलाई गई। रामायण पाठ से समाज को जोड़ने का संदेश दिया गया।

जिलाधिकारी वैभव श्रीवास्तव ने कहा कि सरदार पटेल का आदर्श जीवन दर्शन आज के इस आधुनिक युग में पहले से अधिक प्रासंगिक है। उन्होंने भारत की 563 रियासतों का एकीकरण किया। वहीं महर्षि वाल्मीकि जयंती पर जहानाबाद कोठी के निकट दक्षिण मुखी श्री संकट मोचन हनुमान मंदिर व गौरापुर कोठी जगमोहनेश्वर महादेव मंदिर सहित समस्त तहसीलों व ब्लाकों में आयोजन हुए। डीएम ने बचत भवन सभागार में महर्षि वाल्मीकि का जीवन वृत्त, रामायण आदि का प्रदर्शन करने वाली राजधानी लखनऊ सूचना विभाग की आकाशवाणी वैन को झंडी दिखाकर रवाना किया। डलमऊ तहसील प्रशासन की ओर से डलमऊ गंगा तट पर स्थित संकट मोचन घाट पर मंदिर परिसर में वाल्मीकि रामायण से सुंदरकांड के पाठ हुआ।

वाल्मीकि जयंती पर जगमोहनेश्वर शिव मंदिर में पूजा करते जिलाधिकारी वैभव श्रीवास्तव • जागरण

एसडीएम सविता यादव, तहसीलदार प्रवीण त्रिपाठी आदि मौजूद रहे। बछरावां के दयानंद पीजी कॉलेज में एनएसएस यूनिट के द्वारा सरदार पटेल और महर्षि वाल्मीकि की जयंती को एकता दिवस के रूप में मनाया। प्राचार्य डॉ. सुभाष चंद्र श्रीवास्तव व कार्यक्रम अधिकारी डॉ. शालिनी श्रीवास्तव की देखरेख में रन फॉर यूनिटी, पोस्टर, निबंध प्रतियोगिता का आयोजन हुआ। अन्नपूर्णा, अंकिता, एकता, शहनवाज, विकी सक्सेना ने बाजी मारी। शहीद अर्जुन के कल्याणपुर स्थित पार्क में विधायक डॉ. मनोज कुमार पांडेय ने शिक्षाविद और जनप्रतिनिधियों को सम्मानित किया। इस मौके पर आशीष तिवारी, रामलखन द्विवेदी, अमित दुबे, राजेंद्र कुमार द्विवेदी, मुन्ना लाल यादव आदि मौजूद रहे। एनटीपीसी में एजीएम विश्वनाथ गुप्ता, परियोजना प्रमुख भोलानाथ मिश्रा ने सरदार पटेल के चित्र पर पुष्प अर्पित किया। श्रीमती बालिका स्कूल में सरदार पटेल के चित्र पर प्रबंधक श्रीपाल सिंह ने पुष्प अर्पित किए।

हरचंदपुर जीएसटी स्कूल में प्रधानाचार्य सौरभ पांडे ने ऑनलाइन भाषण, पोस्टर और निबंध प्रतियोगिता का आयोजन कराया।

एकता ही देश के विकास का मूलमंत्र

संसू, लालगंज : आधुनिक रेल डिब्बा कारखाना में रेल सुरक्षा बल एवं उत्तर प्रदेश पूर्व सैनिक कल्याण निगम लिमिटेड के द्वारा एकता, अखंडता और सुरक्षा की भावना को मजबूती प्रदान करने के उद्देश्य से मार्च पास्ट किया गया। महाप्रबंधक विनय मोहन श्रीवास्तव ने राष्ट्रीय एकता की शपथ दिलाई। कहा कि सरदार पटेल ने स्वतंत्रता के बाद देश को एकीकृत करने में उल्लेखनीय योगदान दिया है। एकता ही किसी भी देश के विकास का मूल मंत्र है।

लालगंज में आधुनिक रेल डिब्बा कारखाना में राष्ट्रीय एकता दिवस पर आयोजित कार्यक्रम के दौरान महाप्रबंधक विनय मोहन श्रीवास्तव को सलामी देते जवान • जागरण

एकता दिवस पर पैदल मार्च

जासं, रायबरेली : पटेल जयंती को एकता दिवस के रूप में मनाते हुए पुलिस अधिकारियों ने शनिवार को पैदल मार्च किया। एसपी श्लोक कुमार ने अगुवाई की। एएसपी विश्वजीत श्रीवास्तव, कोतवाल अतुल सिंह, व अन्य पुलिस अधिकारी व कर्मी शामिल हुए।

निरीक्षा शाखा
सूचना एवं जनसम्पर्क विभाग, उत्तर प्रदेश

अमर उजाला पेज न0–06–उन्नाव

01 नवम्बर 2020

मधुर संगीत के बीच सामूहिक नृत्य

भव्यता के साथ मनाई गई वाल्मिकी जयंती, सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजित

परियर स्थित वाल्मीकि आश्रम में सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत करते कलाकार।

वाल्मीकि की प्रतिमा पर माल्यार्पण करते लोग।

संवाद न्यूज एजेंसी

परियर। शासन के निर्देश पर महर्षि वाल्मीकि आश्रम जानकी कुंड में रामायण महाकाव्य के रचयिता वाल्मीकि की जयंती भव्यता के साथ मनाई गई। प्रशासन की ओर से सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजित किए गए। आश्रम व अखिल भारतीय साहित्य परिषद ने महर्षि की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर उनके जीवन दर्शन पर अमल करने पर जोर दिया। मधुर संगीत के बीच सामूहिक नृत्य प्रस्तुत कर कलाकारों ने दर्शकों की तालियां बटोरीं।

सांस्कृतिक संस्था रिदम एकेडमी की निदेशक डॉ. श्रेया प्रजापति की मौजूदगी में कलाकारों ने एक से बढ़कर एक सांस्कृतिक प्रस्तुतियां पेश कीं। कलाकारों की ओर से गणेश वंदना प्रस्तुत की। कार्यक्रम की शुरुआत उप जिलाधिकारी सदर अक्षत वर्मा व सिकंदरपुर सरोसी की खंड विकास अधिकारी साधना दीक्षित ने महर्षि वाल्मीकि और रामायण की आरती करने के साथ दीप प्रज्ज्वलित कर कराई। इससे पहले आश्रम के उप प्रबंधक रमाकांत तिवारी सहित अन्य लोगों ने महर्षि की प्रतिमा पर माल्यार्पण किया। अखिल भारतीय साहित्य परिषद के जिलाध्यक्ष देव कृष्ण तिवारी की अगुवाई में पहुंचे संस्था से जुड़े लोगों ने भी महर्षि की प्रतिमा पर माल्यार्पण किया। उन्होंने कहा कि महर्षि ने माता जानकी को आश्रम में अपनी बेटी की तरह रखते हुए उनके बच्चों लव-कुश की बेहतर परवरिश करते हुए समाज के सामने बेहतर उदाहरण प्रस्तुत किया। इस मौके पर आश्रम के आलोक, राहुल सिंह, वासुदेव त्रिपाठी, राजेश द्विवेदी, बद्री मिश्र, लखन तिवारी, सहायक खंड विकास अधिकारी विनोद वर्मा, ग्राम विकास अधिकारी विनय त्रिपाठी, राजस्व निरीक्षक शत्रुघ्न कुमार व लेखपाल रामनरायण पाल मौजूद रहे।

मंदिरों में हुआ रामायण पाठ

उन्नाव। मंदिरों में रामायण पाठ किया गया। शनिवार दोपहर को महर्षि वाल्मीकि के मंदिरों की सूची तैयार कराते हुए जयंती पर कार्यक्रम आयोजित कराने की रूपरेखा तय की गई। डीएम ने बताया कि सभी मंदिरों में रामायण का पाठ कराया गया। इससे पहले मंदिरों में दीप प्रज्ज्वलित करते हुए महर्षि की प्रतिमाओं पर माल्यार्पण किया गया। इस दौरान महर्षि के जीवन दर्शन की जानकारी देते जिलाधिकारी रवींद्र कुमार ने कहा कि वाल्मिकी ने रामायण के तौर पर दुनिया को कालजई कृति उपलब्ध कराई है। इसलिए पूरी मानवता हमेशा उनकी ऋणी रहेगी। प्रशासन का दावा है कि वाल्मीकि मंदिरों में आठ से लेकर 24 घंटे तक रामायण पाठ किया जा रहा है।

निरीक्षा शाखा

सूचना एवं जनसम्पर्क विभाग, उत्तर प्रदेश

श्रद्धा से मनाई गई सरदार पटेल व महर्षि बाल्मीकि की जयंती

उन्नाव | हिन्दुस्तान संवाद

लौह पुरुष सरदार वल्लभ भाई पटेल की जयंती राष्ट्रीय एकता और अखंडता दिवस के रूप में मनाई गई। कलक्ट्रेट सभागार में डीएम रवींद्र कुमार ने अधिकारियों कर्मचारियों को राष्ट्रीय एकता की शपथ दिलाई। डीएम ने कहा सभी देश की एकता अखंडता के लिए खुद को समर्पित करें। कहा सरदार का पूरा जीवन दर्शन हम सबके लिए प्रेरणास्रोत है। सीडीओ डॉ राजेश प्रजापति ने भी विकास भवन में राष्ट्रीय एकता की शपथ दिलाई। इस मौके पर एडीएम राकेश सिंह, सिटी मजिस्ट्रेट मोहन पटेल मौजूद रहे। उधर, महर्षि बाल्मीकि की जयंती भी श्रद्धा से मनाई गई।

पुलिस ने किया मार्च पास्ट: एएसपी विनोद कुमार पाण्डेय के नेतृत्व में सीओ सिटी गौरव त्रिपाठी व प्रतिसार निरीक्षक एवं कोतवाली पुलिस, महिला थाना प्रभारी निरीक्षक एवं यातायात प्रभारी और पुलिस लाइन से आए हुए पुलिसकर्मी ने राष्ट्रीय एकता दिवस पर शक्ति की शान मार्च पास्ट निकाला गया। इस दौरान पुलिस कर्मियों ने जनता में सुरक्षा व्यवस्था का अहसास करवाया।

हर्षोल्लास के साथ मनाई गई महर्षि बाल्मीकी जयंती: महर्षि बाल्मीकी की जयंती शनिवार को पूरे जनपद में हर्षोल्लास से मनाई गई। इस मौके पर जनपद में कई आयोजन किए गए। बाल्मीकी मंदिरों में दीप प्रज्ज्वलन के साथ माल्यार्पण तथा रामायण पाठ हुआ। डीएम रवींद्र कुमार ने कहा कि महर्षि बाल्मीकी विश्व के आदि कवि थे। उन्होंने विश्व प्रसिद्ध कालजयी कृति रामायण महाकाव्य की रचना की। उन्होंने कहा कि बाल्मीकी रामायण के अनवरत 8, 12, तथा 24 घंटे पाठ के कार्यक्रम निर्धारित किए गए हैं। प्रत्येक तहसील में चयनित मंदिरों में विशेष कार्यक्रमों का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में बाल्मीकी समाज के तमाम

अव्वल आने वाले छात्रों को प्रमाण पत्र देते प्रधानाचार्य विनीत भदौरिया • हिन्दुस्तान

राजेपुर उच्च प्राथमिक स्कूल में जयंती के अवसर पर मौजूद शिक्षिकाएं • हिन्दुस्तान

शिक्षकों ने पुष्प अर्पित कर दी श्रद्धांजलि

उन्नाव | हिन्दुस्तान संवाद

जिले के परिषदीय स्कूलों में सरदार वल्लभ भाई पटेल की जयंती मनाकर उनके महान कार्यों को याद किया गया।

सिकंदरपुर के इस्लामपुर प्राथमिक विद्यालय में प्रधान शिक्षिका रश्मि तिवारी ने अपने शिक्षक साथियों के साथ सरदार वल्लभ के चित्र पर माला चढ़ाकर श्रद्धांजलि अर्पित की। मियागंज के उच्च प्राथमिक विद्यालय में शिक्षक संजय कनौजिया ने जयंती मनाई और उनके बताये कदम पर चलने की हर किसी से अपील की। यूपीएस मलगल्ला राजेपुर आवास विकास में सुजाता गुप्ता ने वल्लभ भाई की जयंती मनाई।

पटेल की जयंती पर छात्रों की निबंध प्रतियोगिता: राजकीय इंटर कॉलेज में लौहपुरुष सरदार वल्लभ भाई पटेल की जयंती पर निबंध व चित्र प्रतियोगिताओं का आयोजन कराया गया। जिसमें शहर के आधा दर्जन स्कूलों के छात्र-छात्राओं ने प्रतिभाग करके अपना कला का प्रदर्शन किया। अव्वल आने वाले प्रतिभागियों को पुरस्कार बांटकर प्रोत्साहित किया गया। शनिवार को आयोजित ऑनलाइन निबंध प्रतियोगिता में राजकीय बालिका इंटर कॉलेज के कक्षा 12 के छात्र-छात्राओं में स्नेहा, रितेश, हिमांशी प्रजापति को पहला, दूसरा व तीसरा स्थान प्राप्त हुआ। ऑफलाइन निबंध प्रतियोगिता में रानी शंकर सहाय की कक्षा 10 की छात्राओं में अंकिता वर्मा, साधना वर्मा व शैफाली खातून को पहले तीन स्थानों पर रखा गया।

महाविद्यालय में मनाई गई जयंती

बांगरमऊ। नगर स्थित इंदिरा गांधी राजकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय में सरदार वल्लभ भाई पटेल व महर्षि बाल्मीकि की जयंती कार्यक्रम बड़े हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। इस अवसर पर महाविद्यालय में चीफ प्रॉक्टर व जिला विद्यालय निरीक्षक उपस्थित रहे।

महाविद्यालय की प्राचार्य डॉ सुमन गुप्ता ने सरदार वल्लभभाई पटेल व महर्षि बाल्मीकि जी की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर इस कार्यक्रम का शुभारंभ किया। कार्यक्रम में प्राचार्य ने सरदार वल्लभ भाई पटेल की उपलब्धियों को विस्तार से बताया। इस अवसर पर डॉ सदानंद राय, डॉ विमलेश मिश्र, डॉ रंजना सिन्हा, डॉ विष्णु मिश्र, डॉ दिग्विजय नारायण, सविता आदि रहे।

राष्ट्रीय एकता दिवस पर दिलाई गई शपथ उन्नाव। पुलिस लाइन में सरदार वल्लभ भाई पटेल का जन्म दिवस शनिवार को दोपहर राष्ट्रीय एकता दिवस के रूप में मनाया गया। एसपी आनन्द कुलकर्णी ने पटेल के चित्र पर माल्यार्पण व पुष्प अर्पित कर अफसरों व कर्मियों को एकता की शपथ दिलाई।

निरीक्षा शाखा
सूचना एवं जनसम्पर्क विभाग, उत्तर प्रदेश

जागरण पेज न0—04—उन्नाव

01 नवम्बर 2020

शरद पूर्णिमा पर गंगा तटों पर किया स्नान

परियर गंगा तट पर स्नान कर पूजा अर्चना करते श्रद्धालु • जागरण

परियर स्थित महर्षि वाल्मीकि जयंती पर कार्यक्रम प्रस्तुत करते कलाकार • जागरण

जागरण टीम, उन्नाव : शरद पूर्णिमा पर शनिवार को परियर, फतेहपुर चौरासी, बांगरमऊ में गंगा तटों पर लोगों न स्नान किया। वहीं महर्षि वाल्मीकि आश्रम जानकी कुंड में वाल्मीकि जयंती पर विशेष कार्यक्रम आयोजित किया गया। डीएम के निर्देश पर विभिन्न मंदिरों में रामायण का पाठ किया गया। साथ ही दीपदान भी किया गया।

परियर गंगा तट पर श्रद्धालुओं के जत्थे शुक्रवार शाम से ही आने शुरू हो गए थे। जो रात में जानकी कुंड, बलखंडेश्वर महादेव मंदिर व गंगा तट पर रुके थे। रात भर भजन कीर्तन करने के बाद ब्रह्ममुहूर्त से ही गंगा स्नान कर पूजा अर्चना की और मौके पर मौजूद तीर्थ पुरोहितों को दान दक्षिणा दी।

वापस लौटते समय रास्ते में पड़ने वाले बाबा बलखंडेश्वर मंदिर व जानकी कुंड आश्रम के मंदिरों में जलाभिषेक कर परिवार की सुख समृद्धि की मंगल कामना की। परियर में अखिल भारतीय साहित्य परिषद के जिलाध्यक्ष देव कृष्ण तिवारी ने वाल्मीकि जयंती की शुरुआत आश्रम में रखी आदमकद मूर्ति पर माल्यार्पण व दीप जलाकर किया। जिला प्रशासन की ओर से मुख्य विकास अधिकारी की पत्नी एवं एक संस्थान की निदेशक डॉ. श्वेता प्रजापति, उप जिलाधिकारी अक्षत वर्मा व विकास खंड सिकंदरपुर सरोसी की खंड विकास अधिकारी साधना दीक्षित ने सांस्कृतिक कार्यक्रम का शुरुआत वाल्मीकि रामायण की आरती कर दीप जला कर किया।

निरीक्षा शाखा
सूचना एवं जनसम्पर्क विभाग, उत्तर प्रदेश

मंदिरों में वाल्मीकि रामायण का पाठ, जलाए गए दीये

सभी तहसील एवं ब्लाकों में श्रीराम व हनुमान मंदिरों में हुआ पाठ

जागरण संवाददाता, गोरखपुर : महर्षि वाल्मीकि जयंती शनिवार को पूरे जिले में भव्यता के साथ मनाई गई। मुख्यालय से ब्लाक स्तर तक के श्रीराम व हनुमान मंदिरों में दीप जलाए गए एवं आठ से 24 घंटे तक वाल्मीकि रामायण का पाठ किया गया।

शहर में बेतियाहाता स्थित हनुमान मंदिर में आयोजित रामायण पाठ में मंडलायुक्त जयंत नार्लिकर एवं जिलाधिकारी के.विजयेंद्र पांडियन भी मौजूद रहे। इस आयोजन के जरिए वाल्मीकि रामायण में निहित मानव मूल्यों, सामाजिक मूल्यों को लोगों तक पहुंचाने का प्रयास किया गया है। मंडलायुक्त ने कहा कि इस तरह के आयोजन से पूरा माहौल खुशनुमा हो जाता है। इससे समाज पर सकारात्मक प्रभाव पड़ेगा। वाल्मीकि रामायण व्यक्ति, समाज एवं राष्ट्रीय मूल्यों के निर्माण में वैश्विक स्तर पर मार्गदर्शन का आधार है।

बौद्ध संग्रहालय के उपनिदेशक डा.मनोज कुमार गौतम ने कहा कि इस आयोजन से महर्षि वाल्मीकि द्वारा वर्णित राष्ट्र मूल्यों का व्यापक प्रचार-प्रसार हुआ है। वह आदि कवि हैं और उनके द्वारा रचित ग्रंथ पूजनीय है।

बेतियाहाता स्थित हनुमान मंदिर में आयोजित रामायण पाठ के दौरान मुख्य विकास अधिकारी इंद्रजीत सिंह, ज्वाइंट मजिस्ट्रेट/एसडीएम सदर गौरव सिंह सोगरवाल, तहसीलदार सदर संजीव दीक्षित, जिला सूचना अधिकारी प्रभात कुमार श्रीवास्तव आदि लोग उपस्थित रहे।

वाल्मीकि जयंती के अवसर पर हनुमान मंदिर बेतियाहाता में आयोजित कार्यक्रम में पूजा अर्चना करते मंडलायुक्त जयंत नार्लिकर, डीएम के. विजयेंद्र पांडियन व अन्य ● जागरण

विहिप ने मनाई महर्षि वाल्मीकि की जयंती

जासं, गोरखपुर : विश्व हिंदू परिषद की महानगर इकाई ने शनिवार को वाल्मीकि जयंती पर विभिन्न प्रखंडों में कार्यक्रम का आयोजन किया। विष्णुनगर प्रखंड में आयोजित कार्यक्रम को संबोधित करते हुए परिषद के प्रांत संगठन मंत्री प्रदीप पांडेय ने कहा कि महर्षि वाल्मीकि ने श्रीराम के चरित्र को घर-घर पहुंचाया। श्रीराम के मर्यादा पुरुषोत्तम स्वरूप के माध्यम से समाज को मर्यादा का पाठ पढ़ाया। इस दौरान बजरंग दल के प्रांत सह संयोजक सुनील तिवारी, महानगर संयोजक अशोक सिंह, मातृशक्ति संयोजिका मिथिलेश, दुर्गा वाहिनी संयोजिका भवानी, नीता, अनीता, जगदीप सिंह आदि मौजूद रहे।

कल भव्यता के साथ मनाई जाएगी वाल्मीकि जयंती

जासं, गोरखपुर : प्रदेश सरकार ने इस साल 31 अक्टूबर को वाल्मीकि जयंती पूरी भव्यता के साथ मनाने का निर्देश दिया है। संस्कृति मंत्रालय एवं सूचना विभाग की ओर से भगवान राम व हनुमान से जुड़े मंदिरों एवं रामायण से संबंधित स्थानों पर दीप जलाए जाएंगे और आठ, 12 या 24 घंटे का वाल्मीकि रामायण पाठ किया जाएगा।

राजकीय बौद्ध संग्रहालय के उपनिदेशक डा. मनोज कुमार गौतम ने बताया कि आयोजन करने वाली मंदिर समितियां रामायण पाठ, भजन कार्यक्रम की फोटो व छोटी वीडियो मंदिर के पूरे पते के साथ संस्कृति विभाग के नामित नोडल अधिकारी डा. योगेंद्र प्रताप सिंह के वाट्सएप न. 9565915634 पर भेज सकते हैं।

हिन्दुस्तान पेज न0–07–गोरखपुर

01 नवम्बर 2020

वाल्मीकि जयंती पर मंदिरों में हुआ रामायण पाठ

गोरखपुर | हिन्दुस्तान टीम

शहर के प्रमुख मंदिरों में शनिवार को महर्षि वाल्मीकि जयन्ती भव्यता के साथ मनाई गई। इस अवसर पर बेतियाहाता स्थित हनुमान मंदिर पर वाल्मीकि रामायण पाठ व भजन का आयोजन हुआ। ग्रामीण क्षेत्रों में भी मंदिरों में आयोजन किया गया।

वाल्मीकि रामायण में निहित मानव मूल्यों, सामाजिक मूल्यों व राष्ट्र मूल्यों के व्यापक प्रचार प्रसार व जनमानस को इससे जोड़ने के लिए महर्षि वाल्मिकी से संबंधित स्थलों/मन्दिरों पर दीप प्रज्वलन कर अनवरत 08, 12 और 24 घंटे का पाठ कराया गया। यह पाठ तहसील और ब्लाक स्तर पर भी कराया गया। रामायण पाठ कार्यक्रम में अपर आयुक्त तथा जिलाधिकारी प्रमुख रूप से उपस्थित रहे। बेतियाहाता के रामायण पाठ कार्यक्रम में सम्मिलित होते हुए कमिश्नर ने कहा कि इस तरह के आयोजन से पूरा माहौल खुशनुमा हो जाता है। साथ ही ऐसे आयोजन में वाल्मीकि कृत रामायण में वर्णित मानव मूल्यों एवं सामाजिक मूल्यों का समाज में एक सकारात्मक प्रभाव होता है और जो व्यक्ति समाज एवं राष्ट्रीय मूल्यों के निर्माण में वैश्विक स्तर पर मार्गदर्शन का आधार है। इस अवसर पर संग्रहालय के उपनिदेशक ने कहा कि उक्त आयोजन से निश्चित रूप से महर्षि वाल्मिकी द्वारा लिखित रामायण में राष्ट्र मूल्यों का व्यापक प्रचार प्रसार हुआ है। महर्षि वाल्मीकि विश्व के आदि कवि हैं, जिनके द्वारा रचित रामायण विश्व के आदि ग्रन्थ के रूप में आज भी पूजनीय है तहसील एवं ब्लाक स्तर पर रामायण पाठ के आयोजन निश्चित रूप से जनमानस पर सकारात्मक प्रभाव पड़ेगा। रामायण पाठ कार्यक्रम में सीडीओ इन्द्रजीत सिंह, एसडीएम/ज्वाइंट मजिस्ट्रेट गौरव सिंह सोगरवाल, तहसीलदार सदर संजीव दीक्षित, जिला सूचना अधिकारी प्रशान्त कुमार श्रीवास्तव समेत स्थानीय नागरिक भी उपस्थित थे।

सूर्यकुण्ड धाम स्थित श्री लक्ष्मीनारायण मंदिर में दीपोत्सव का आयोजन किया गया।

रामचरितमानस व पुराणों का सस्वर पाठ शुरू

गोरखपुर। मानस उत्थान समिति द्वारा विष्णु मंदिर में शरद पूर्णिमा एवं आदि कवि वाल्मीकि जयंती के अवसर पर अनुष्ठान का शुभारंभ हुआ। सहकारी भूमि बैंक के सभापति संतराज यादव ने अनुष्ठान का शुभारंभ किया। समिति के अध्यक्ष राधेश्याम श्रीवास्तव ने बताया कि अनुष्ठान में अठारह पुराणों व श्री राम चरित मानस सस्वर पाठ शुरू हुआ। यह 8 नवम्बर तक प्रतिदिन पूर्वाह्न 9 से 12 बजे तक एवं सायं 5 से 9 बजे तक विद्वान आचार्यों द्वारा अलग-अलग पंडाल में 18 पुराणों का पाठ किया जाएगा।

हिन्दी साहित्य भारती, गोरक्ष प्रान्त ने महर्षि वाल्मीकि की जयंती मनाई। • हिन्दुस्तान

वाल्मीकि ने राम के चरित्र को घर-घर पहुंचाया

गोरखपुर। आदि कवि महर्षि वाल्मीकि की जयंती पर शनिवार को विश्व हिन्दू परिषद गोरखपुर महानगर के विभिन्न प्रखंडों में धूमधाम से कार्यक्रम आयोजित किए गए। इसमें आर्य नगर, विष्णु नगर और विकास नगर में कार्यक्रम हुए प्रखंड शामिल हैं।

विष्णु नगर प्रखंड का कार्यक्रम माताओं-बहनों के द्वारा आयोजित किया गया। वहां उपस्थित माताओं-बहनों को सम्बोधित करते हुए विश्व हिन्दू परिषद के प्रांत संगठन मंत्री प्रदीप पांडेय ने कहा कि आदि कवि वाल्मीकि पूरे भारतवर्ष के ऋषि हैं। उन्होंने राम के चरित्र को घर-घर तक पहुंचाया। उन्होंने कहा वाल्मीकि पहले कवि थे और लव-कुश का जन्म भी उन्हीं के आश्रम में हुआ था। उन्होंने लव-कुश को ऐसा शारीरिक और मानसिक रूप से सशक्त और सुदृढ़ बनाया जिससे वह भगवान राम (जिन्होंने दशानन रावण को परास्त कर दिया था) की सेना को भी परास्त कर दिया। कार्यक्रम में मुख्य रूप से प्रांत के सह संयोजक दुर्गेश त्रिपाठी, महानगर संयोजक अशोक सिंह, महानगर मातृशक्ति संयोजिका विनीता, दुर्गा वाहिनी संयोजिका रूप रानी, रीता, अनीता शर्मा आदि उपस्थित थीं।

उच्चकोटि की थी महर्षि वाल्मीकि की संवेदना

गोरखपुर। इन्दिरा नगर स्थित भाग्य भवन में हिन्दी साहित्य भारती, गोरक्ष प्रांत द्वारा नरसिंह बहादुर चंद की अध्यक्षता में आदि कवि महर्षि वाल्मीकि की जयंती मनाई गई। अध्यक्षीय उद्बोधन में नरसिंह बहादुर चंद ने कहा कि भारतीय वाङ्मय के आदिग्रंथ रामायण की रचना कर महर्षि ने विश्व मानव का मार्ग प्रशस्त किया। मुख्य वक्ता प्रो. रामदरश राय ने कहा कि महर्षि की संवेदना उच्च कोटि की थी। विशिष्ट अतिथि डॉ. फूलचन्द प्रसाद गुप्त ने कहा कि जब अयोध्या से माता जानकी को निष्कासन हुआ, तब महर्षि ने उन्हें आश्रय देकर अपने साहित्यकार व्यक्तित्व का परिचय दिया।

वाल्मीकि ने दिया सामाजिक समरसता का संदेश

गोरखपुर। भाजपा किसान मोर्चा के प्रदेश महामंत्री बच्चू उपेंद्र सिंह ने कहा कि भगवान वाल्मीकि ने सामाजिक समरसता का संदेश दिया है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की सरकार सामाजिक समरसता के लिए सत्ता संभालने के पहले दिन से प्रयास कर रही है। वाल्मीकि जयंती पर मंदिरों में हुआ वाल्मीकि रामायण का पाठ उसी सिलसिले की कड़ी है।

निरीक्षा शाखा
सूचना एवं जनसम्पर्क विभाग, उत्तर प्रदेश

अमर उजाला पेज न0—07—गोरखपुर

01 नवम्बर 2020

श्रद्धा और भक्ति भाव से मनाई गई महर्षि वाल्मीकि जयंती

जिला प्रशासन की ओर से बेतियाहाता के हनुमान मंदिर में हुआ कार्यक्रम

संवाद न्यूज एजेंसी

गोरखपुर। महर्षि वाल्मीकि की जयंती शनिवार को श्रद्धा एवं भक्ति भाव से मनाई गई। इस अवसर पर शहर के विभिन्न मंदिरों एवं धार्मिक स्थलों पर कार्यक्रम आयोजित कर सामाजिक समरसता का संदेश दिया गया। कमिश्नर जयंत नार्लिकर तथा डीएम के. विजयेंद्र पांडियन ने बेतियाहाता स्थित हनुमान मंदिर में जाकर पूजा-पाठ किया।

जिला प्रशासन की ओर से यहां पहली बार महर्षि वाल्मीकि जयंती पर कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस दौरान रामायण का पाठ व भजन के कार्यक्रम में कमिश्नर एवं डीएम भी शामिल हुए। कमिश्नर ने कहा कि इस तरह के आयोजनों से पूरा माहौल खुशनुमा हो जाता है। ऐसे ही आयोजन में वाल्मीकि कृत रामायण में वर्णित मानव मूल्यों एवं सामाजिक मूल्यों का समाज में एक सकारात्मक प्रभाव होता है। बौद्ध संग्रहालय के उपनिदेशक मनोज गौतम ने कहा कि महर्षि वाल्मीकि आदि कवि हैं। उन्होंने रचित रामायण विश्व के आदि ग्रंथ के रूप में पूजनीय है। उन्होंने कहा कि तहसील एवं ब्लॉक स्तर पर रामायण पाठ के आयोजन निश्चित रूप से जनमानस पर सकारात्मक प्रभाव पड़ेगा। कार्यक्रम में मुख्य विकास अधिकारी इंद्रजीत सिंह, उप जिलाधिकारी व ज्वाइंट मजिस्ट्रेट गौरव सिंह सोगरवाल, तहसीलदार सदर संजीव दीक्षित, जिला सूचना अधिकारी प्रभात कुमार श्रीवास्तव आदि शामिल हुए।

बेतियाहाता स्थित हनुमान मंदिर में महर्षि वाल्मीकि जयंती पर कमिश्नर जयंत नार्लीकर, डीएम के. विजयेंद्र पांडियन ने पूजा की। अमर उजाला

विहिप की ओर से विभिन्न प्रखंडों में धूमधाम से कार्यक्रम का आयोजन हुआ।

विहिप ने भी मनाई जयंती : विश्व हिंदू परिषद की ओर से आदि कवि महर्षि वाल्मीकि की जयंती महानगर के विभिन्न प्रखंडों में धूमधाम से मनाई गई। विष्णु नगर प्रखंड का कार्यक्रम माताओं-बहनों की ओर से किया गया। प्रांत संगठन मंत्री प्रदीप पांडेय ने कहा कि वाल्मीकि ने राम के चरित्र को घर-घर तक पहुंचाया। कार्यक्रम में प्रांत के सह संयोजक दुर्गेश त्रिपाठी, महानगर संयोजक अशोक सिंह, महानगर मातृशक्ति संयोजिका विनीता, दुर्गा वाहिनी संयोजिका रूप रानी, रीता, अनीता शर्मा, जगदीप सिंह, सुनीता, सरला, सुशीला आदि मौजूद रहीं।

इंदिरानगर में हिंदी साहित्य भारती की ओर से कार्यक्रम का आयोजन हुआ।

हिंदी साहित्य भारती ने आयोजित किया कार्यक्रम

हिंदी साहित्य भारती, गोरक्ष प्रांत की ओर से इंदिरा नगर में आदि कवि महर्षि वाल्मीकि की जयंती मनाई गई। नरसिंह बहादुर चंद ने कहा कि रामायण की रचना कर महर्षि वाल्मीकि ने मानव का मार्ग प्रशस्त किया। मुख्य वक्ता प्रो. रामदरश राय ने कहा कि महर्षि की संवेदना उच्च कोटि की थी। विशिष्ट अतिथि डॉ. फूलचंद प्रसाद गुप्त रहे। कार्यक्रम में डॉ. अजय राय अंजान, डॉ. अंगद सिंह, डॉ. राहुल, मंगलम, सचिन, प्रवीण तिवारी आदि मौजूद रहे। इसी क्रम में वाल्मीकि जयंती पर सूर्यकुंड में दीपोत्सव का आयोजन भी हुआ।

निरीक्षा शाखा

सूचना एवं जनसम्पर्क विभाग, उत्तर प्रदेश

राष्ट्रीय सहारा पेज न0–05–गोरखपुर

01 नवम्बर 2020

वाल्मिकी जयन्ती पर रामायण पाठ में शामिल हुए अफसर

गोरखपुर (एसएनबी)। महर्षि वाल्मिकी जयन्ती पूरे भव्यता के साथ मनाया गया। स्थानीय स्तर पर विभिन्न प्रकार के कार्यक्रमों का आयोजन किया गया। जिले स्तर पर हनुमान मंदिर, बेतियाहाता में वाल्मिकी रामायण पाठ व भजन का आयोजन किया गया। रामायण पाठ कार्यक्रम में आयुक्त तथा जिलाधिकारी प्रमुख रूप से उपस्थित रहे। जहां कार्यक्रम के अनुश्रवण के साथ-साथ कोविड-19 हेतु शासन द्वारा जारी दिशा निर्देशों व गाइडलाइन का कड़ाई से अनुपालन सुनिश्चित किया गया।

> हनुमान मंदिर, बेतियाहाता में वाल्मिकी रामायण पाठ व भजन का आयोजन

वाल्मिकी रामायण में निहित मानव मूल्यों, सामाजिक मूल्यों व राष्ट्र मूल्यों के व्यापक प्रचार प्रसार व जनमानस को इससे जोड़ने के लिए महर्षि वाल्मिकी से संबंधित स्थलों/मन्दिरों आदि पर दीप प्रज्जवलन/दीप दान के साथ अनवरत 8, 12 अथवा 24 घंटे का वाल्मिकी रामायण का पाठ तहसील स्तर एवं ब्लाक स्तर पर भी कराया गया। साथ ही साथ श्री राम व श्री हनुमान तथा रामायण से संबंधित महत्वपूर्ण स्थलों/मन्दिरों में सुरूचिपूर्ण आयोजन के साथ रामायण पाठ/भजन आदि कार्यक्रम कराये गये। श्री हनुमान मन्दिर, बेतियाहाता के रामायण पाठ कार्यक्रम में सम्मिलित

होते हुए मण्डलायुक्त ने कहा कि इस तरह के आयोजन से पूरा माहौल खुशनुमा हो जाता है। रामायण पाठ कार्यक्रम में मुख्य विकास अधिकारी इन्द्रजीत सिंह, उप जिलाधिकारी/ज्वाइंट मजिस्ट्रेट गौरव सिंह सोगरवाल, तहसीलदार सदर संजीव दीक्षित, जिला सूचना अधिकारी प्रशान्त कुमार श्रीवास्तव तथा काफी जनमानस उपस्थित रहे।

निरीक्षा शाखा
सूचना एवं जनसम्पर्क विभाग, उत्तर प्रदेश

रामायण पाठ के आयोजन से जनमानस पर सकारात्मक प्रभाव पड़ेगा

गोरखपुर। उ0प्र0 सरकार द्वारा लिए गये निर्णयानुसार महर्षि वाल्मिकी जयन्ती पूरे जनपद में भव्यता के साथ मनया गया। स्थानीय स्तर पर विभिन्न प्रकार के कार्यक्रमों का आयोजन किया गया। जिले स्तर पर हनुमान मंदिर, बेतियाहाता मे वाल्मिकी रामायण पाठ व भजन का आयोजन किया गया। रामायण पाठ कार्यक्रम में आयुक्त तथा जिलाधिकारी प्रमुख रूप से उपस्थित रहे। जहां कार्यक्रम के अनुश्रवण के साथ-साथ कोविड-19 हेतु शासन द्वारा जारी दिशा निर्देशों व गाइडलाइन का कड़ाई से अनुपालन सुनिश्चित किया गया। वाल्मिकी रामायण में निहित मानव मूल्यों, सामाजिक मूल्यों व राष्ट्र मूल्यों के व्यापक प्रचार प्रसार व जनमानस को इससे जोड़ने के लिए महर्षि वाल्मिकी से संबंधित स्थलों/मन्दिरो आदि पर दीप प्रज्जवलन/दीप दान के साथ अनवरत 08, 12 अथवा 24 घंटे का वाल्मिकी रामायण का पाठ तहसील स्तर एवं ब्लाक स्तर पर भी कराया गया, साथ ही साथ श्री राम व श्री हनुमान तथा रामायण से संबंधित महत्वपूर्ण स्थलों/मन्दिरो में सुरूचिपूर्ण आयोजन के साथ रामायण पाठ/भजन आदि कार्यक्रम कराये गये। श्री हनुमान मन्दिर, बेतियाहाता के रामायण पाठ कार्यक्रम में सम्मिलित होते हुए मण्डलायुक्त ने कहा कि इस तरह के आयोजन से पूरा माहौल खुशनुमा हो जाता है, साथ ही ऐसे आयोजन में वाल्मिकी कृत राम्मायण मे वर्णित मानव मूल्यों एवं सामाजिक मूल्यों का समाज में एक सकारात्मक प्रभाव होता है।

इस अवसर पर संग्रहालय के उपनिदेशक ने कहा कि उक्त आयोजन से निश्चित रूप से महर्षि वाल्मिकी द्वारा वर्णित रामायण में राष्ट्र मूल्यों का व्यापक प्रचार प्रसार हुआ है। महर्षि वाल्मिकी विश्व के आदि कवि है, जिनके द्वारा रचित रामायण विश्व के आदि ग्रन्थ के रूप में आज भी पूजनीय है। ने कहा कि तहसील एवं ब्लाक स्तर पर रामायण पाठ के आयोजन निश्चित रूप से जनमानस पर सकारात्मक प्रभाव पड़ेगा।

रामायण पाठ कार्यक्रम में मुख्य विकास अधिकारी इन्द्रजीत सिंह, उप जिलाधिकारी/ज्वाइंट मजिस्ट्रेट गौरव सिंह सोगरवाल, तहसीलदार सदर संजीव दीक्षित, जिला सूचना अधिकारी प्रशान्त कुमार श्रीवास्तव तथा काफी जनमानस उपस्थित रहे।

महर्षि वाल्मीकि जयंती कल होंगे कई तरह के आयोजन

गोरखपुर | निज संवाददाता

उप्र सरकार की ओर से 31 अक्तूबर को महर्षि वाल्मिकी जयंती भव्यता के साथ मनाए जाने का निर्णय लिया गया है। इसके तहत महर्षि वाल्मिकी, राम, हनुमान व रामायण से सम्बन्धित स्थलों और मन्दिरों पर दीप प्रज्ज्वलन, दीप दान के साथ अनवरत 8, 12 या 24 घंटे का वाल्मिकी रामायण का पाठ या भजन किए जाने का कार्यक्रम निर्धारित है।

संस्कृति विभाग ने अपील की है कि इसका आयोजन करने वाली मन्दिर समितियां कार्यक्रमों के छायाचित्र या छोटी वीडियो के साथ मन्दिर का पूरा पता, फोटो, मन्दिर समिति के अध्यक्ष या पुजारी का मोबाइल नंबर आदि संस्कृति विभाग के नामित नोडल अधिकारी डॉ. योगेन्द्र प्रताप सिंह, संयुक्त निदेशक, संस्कृति निदेशालय, लखनऊ के व्हाट्सप नं. 9565915634 एवं ई-मेल आईडी valmikijayanticulture@gmail.com पर भेजें। स्थानीय स्तर पर राजकीय बौद्ध संग्रहालय के उप निदेशक के व्हाट्सप नं. 9456275329 तथा जिला सूचना अधिकारी के व्हाट्सप नं.9453005390 पर भी भेज सकते हैं। राजकीय बौद्ध संग्रहालय के उप निदेशक डॉ. मनोज गौतम ने बताया कि स्थानीय स्तर पर जन प्रतिनिधि भी भव्यता एवं उत्साह के साथ मन्दिर समितियों का सहयोग करेंगे।

वाल्मिकी जयंती पर मंदिर व महत्वपूर्ण स्थलों पर आयोजित होगा रामायण पाठ

राज्य सरकार ने 31 अक्टूबर को पूरी भव्यता के साथ आयोजन का निर्णय लिया

8,12 व 24 घंटे का होगा वाल्मिकी रामायण पाठ

गोरखपुर (एसएनबी)। प्रदेश सरकार द्वारा महर्षि वाल्मिकी जयन्ती 31 अक्टूबर को भव्यता के साथ मनाने का निर्णय लिया गया है जिसके अनुसार वाल्मिकी रामायण में निहित मानव मूल्यों, सामाजिक मूल्यों एवं राष्ट्र मूल्यों के व्यापक प्रचार प्रसार व जनमानस को इससे जोड़ने के लिए महर्षि वाल्मिकी से संबंधित स्थलों/मंदिरों आदि पर दीप प्रज्वलन/दीपदान के साथ ही अनवरत 8, 12 अथवा 24 घंटे का वाल्मिकी रामायण पाठ किये जाने का कार्यक्रम निर्धारित किया गया है। इसके अलावा श्रीराम व हनुमान तथा रामायण से संबंधित महत्वपूर्ण स्थलों/मंदिरों में सुरूचिपूर्ण आयोजन व रामायण पाठ/भजन आदि कार्यक्रम कराये जाने का आग्रह किया गया है।

उक्त जानकारी देते हुए उप निदेशक राजकीय बौद्ध संग्रहालय डा. मनोज कुमार गौतम ने बताया है कि सुरूचिपूर्ण रामायण/भजन का आयोजन करने वाली मंदिर समितियां रामायण पाठ/भजन करने के छाया चित्र/छोटी वीडियो क्लिप के साथ मंदिर का पूरा पता, फोटो, मंदिर समिति के अध्यक्ष/पुजारी का मो. न. इत्यादि संस्कृति विभाग के नामित नोडल अधिकारी डा. योगेन्द्र प्रताप सिंह संयुक्त निदेशक संस्कृति निदेशालय लखनऊ के वाट्सएप न. 9565915634 एवं ईमेल पर भेजेंगे। स्थानीय स्तर पर उप निदेशक राजकीय बौद्ध संग्रहालय के वाट्सएप न. 9456275329 तथा जिला सूचना अधिकारी के वाट्सएप न. 9453005390 पर भी भेज सकते है। शासन द्वारा निर्गत शासनादेश में यह अपेक्षा की गयी है कि इस कार्यक्रम में स्थानीय स्तर पर जन प्रतिनिधि भव्यता एवं उत्साह के साथ उत्सव के रूप में मनाये जाने के लिए मंदिर समितियों का खुलकर सहयोग करेंगे। उक्त आयोजन से निश्चित रूप से महर्षि वाल्मिकी द्वारा वर्णित रामायण में राष्ट्र मूल्यों का आमजन अनुसरण कर लाभान्वित हो सकेंगे।

अमर उजाला पेज न0—08—देवरिया

01 नवम्बर 2020

वाल्मीकि जयंती मनाई गई

देवरिया। शनिवार को रामायण के रचनाकार आदि कवि महर्षि वाल्मीकि जयंती मनाई गई। वाल्मीकि ने राम के चरित्र का वर्णन अपने काव्य में इस प्रकार किया जो आज हमारे लिए आदर्श है। यह काव्य मानव जीवन के मूल को समझाता है। इसमें परिवार क्या होता है बड़ा भाई, छोटा भाई, माता-पिता का आदर्श क्या होता है, इस काव्य में सुलभ है। अखिल भारतीय युवा कुर्मी क्षत्रिय महासभा ने गोपाल सिंह सैंथवार की देखरेख में जयंती मनाई। नेहरू युवा केंद्र की ओर से रामलीला मैदान स्थित कार्यालय में जयंती जिला समन्वयक विकास तिवारी के नेतृत्व में मनाई गई।

निरीक्षा शाखा
सूचना एवं जनसम्पर्क विभाग, उत्तर प्रदेश

जयंती पर याद किए गए महर्षि वाल्मीकि

जासं, सलेमपुर, देवरिया: विश्व हिंदू परिषद एवं बजरंग दल ने शनिवार को नगर के गांधी चौक पर महर्षि वाल्मीकि की जयंती मनाई। इस अवसर पर आयोजित विचार गोष्ठी में वक्ताओं ने महर्षि वाल्मीकि के जीवन पर प्रकाश डाला। कार्यक्रम का शुभारंभ महर्षि के चित्र पर पुष्प अर्पित कर किया गया। संतोष दुबे ने कहा कि महर्षि ने समाज में समरसता बनाने का कार्य किया था। कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रहे रामबढ़ाई ने कहा कि महर्षि द्वारा लिखा गया ग्रंथ समाज के लिए प्रेरणा स्रोत है। जिला मंत्री राजेश मिश्र ने कहा कि वाल्मीकि ने प्रभु का मार्ग चुना था। रामदास, योगेश कुमार, पुष्पलता, गीता, सपना, वकील, रामप्रवेश, जवाहर, मनीषा, सुमित, विकास आदि विहिप कार्यकर्ता शामिल रहे।

वाल्मीकि जयंती पर बस्तियों में बांटे उपहार

जागरण संवाददाता, पडरौना, कुशीनगरः वाल्मीकि जयंती के अवसर पर शनिवार को सभी तहसीलों में कार्यक्रम का आयोजन किया गया। बस्तियों में जाकर वाल्मीकि समाज के लोगों में उपहार बांटे गए तो जगह-जगह गोष्ठियों का आयोजन कर लोगों को जागरूक किया गया।

नगर के तिलकनगर मोहल्ले में महंथ प्रसाद, सुखल, मोतीलाल, खेदन, सुखारी, त्रिवेणी प्रसाद आदि ने वाल्मीकि जयंती मनाई। नौका टोला में लखन, हीरा, सहदेव, शुभकरन, होरीलाल आदि ने वाल्मीकि समाज के लोगों को जागरूक किया। कसया में ज्वाइंट मजिस्ट्रेट पूर्ण बोहरा, हाटा में एसडीएम प्रमोद कुमार तिवारी, सेवरही में एसडीएम एआर फारूकी व कप्तानगंज में एसडीएम देश दीपक सिंह की देखरेख में वाल्मीकि जयंती मनाई गई।

बोधीछपरा गांव में वाल्मीकि समाज के लोगों में उपहार वितरित करते बार एसडीएम अरविंद कुमार ● जागरण

एसडीएम ने बांटा उपहारः पनियहवाः खड्डा तहसील क्षेत्र के विभिन्न गांवों के वाल्मीकि समाज की बस्तियों में एसडीएम अरविंद कुमार ने मातहतों संग उपहार वितरित किया। तहसीलदार डा. एसके राय, नायब तहसीलदार डा. रवि कुमार यादव व राजस्वकर्मियों के साथ खड्डा-पनियहवा मार्ग के किनारे बोधीछपरा गांव में व आइपीएल चीनी मिल के समीप लोगों में एसडीएम ने उपहार बांटे।

निरीक्षा शाखा
सूचना एवं जनसम्पर्क विभाग, उत्तर प्रदेश

हाटा में हुआ रामायण पाठ

हाटा तहसील मुख्यालय स्थित शिव मंदिर परिसर में शनिवार को एसडीएम प्रमोद कुमार त्रिपाठी की मौजूदगी में रामायण पाठ का आयोजन किया गया। • हिन्दुस्तान

हाटा/खड्डा। वाल्मीकि जयंती के मौके पर हाटा तहसील मुख्यालय स्थित शिव मंदिर परिसर में एसडीएम प्रमोद कुमार त्रिपाठी की मौजूदगी में रामायण पाठ का आयोजन किया गया। एसडीएम ने महर्षि वाल्मीकि के जीवन पर प्रकाश डालते हुये लोगों को सीख लेने की अपील की। तहसीलदार सुक्रमा प्रसाद विश्वकर्मा, नायब तहसीलदार योगेंद्र पांडेय, सजीवन मिश्रा, प्रदीप गुप्ता, रमेन्द्र मणि त्रिपाठी, अजय सिंह, अनीश, मनीषा शुक्ला, मधु आदि उपस्थित रहे।

वाल्मीकि समाज के लोगों में वितरित की फल और मिठाई

खड्डा संवाद के अनुसार एसडीएम अरविन्द कुमार व तहसीलदार डॉ. संजीव राय ने क्षेत्र के बोधीछपरा में वाल्मीकि समाज के लोगों के बीच में पहुंच कर फल व मिठाई का वितरण किया। एसडीएम ने एक सप्ताह के अन्दर 16 परिवारों को कृषि योग्य भूमि पट्टा देने का भरोसा दिया। रवि यादव, केन मैनेजर सुधीर कुमार, लेखपाल विभव शर्मा आदि उपस्थित रहे।

निरीक्षा शाखा
सूचना एवं जनसम्पर्क विभाग, उत्तर प्रदेश

अमर उजाला पेज न0—06—कुशीनगर

01 नवम्बर 2020

वाल्मीकि समाज के लोगों में हुआ फल और मिठाई का वितरण

वाल्मीकि जयंती व सरदार पटेल की जयंती पर वाल्मीकि समाज के लोगों में फल व मिष्ठान वितरण करते खड्डा एसडीएम। अमर उजाला

खड्डा। वाल्मीकि जयंती एवं सरदार वल्लभ भाई पटेल की जयंती पर एसडीएम ने वाल्मीकि समाज के लोगों में फल और मिठाई का वितरण किया। महिलाओं से उनके बच्चों को शिक्षित करने का प्रण लिया।

खड्डा के एसडीएम अरविंद कुमार शनिवार को तहसीलदार डॉ. एसके राय और नायब तहसीलदार रवि यादव के साथ हनुमानगंज थाना क्षेत्र के भोभी छपरा गांव में पहुंचे। उन्होंने वाल्मीकि समाज के लोगों के साथ महर्षि वाल्मीकि व सरदार पटेल की जयंती मनाई। उनके चित्र पर पुष्प अर्पित कर नमन किया। इसके बाद कोरोना महामारी से बचाव के लिए उन लोगों से सफाई पर जोर देने को कहा। इसके बाद चीनी मिल परिसर व रेलवे स्टेशन रोड पहुंचे तथा इस समाज के लोगों में फल और मिठाई वितरित की। इन लोगों ने आवासीय व कृषि भूमि नहीं होने की अपनी पीड़ा बताई। इसके बाद एसडीएम ने शीघ्र ही उपलब्धता के आधार पर आवासीय व कृषि पट्टा देने का आश्वासन देते हुए तहसीलदार को निर्देशित किया।

इस दौरान चीनी मिल के उप गन्ना प्रबंधक सुधीर कुमार, सभासद रोहित चौहान, संतोष तिवारी, नत्थू शर्मा, संजय पांडेय, समसुद्दीन अंसारी आदि मौजूद थे। संवाद

निरीक्षा शाखा
सूचना एवं जनसम्पर्क विभाग, उत्तर प्रदेश

जागरण पेज न0—02—महाराजगंज

01 नवम्बर 2020

श्रद्धा व उत्साह से मनी वाल्मीकि जयंती, हुआ रामायण पाठ

जागरण संवाददाता, महराजगंज: महर्षि वाल्मीकि की जयंती शनिवार को बड़े ही श्रद्धा और उत्साह के साथ मनाई गई। इस दौरान जहां कई स्थानों पर रामायण पाठ का आयोजन किया गया, वहीं मंदिर व घरों में भी पूजा-अर्चन का कार्यक्रम हुआ। साथ ही गोष्ठी आयोजित कर वाल्मीकि को याद किया गया। नगर के मन्दिरों, सिंचाई कालोनी, आजादनगर, लोहिया नगर, फरेंदा, निचलौल, सिसवा, शिकारपुर, भिटौली, परतावल में भी लोगों ने कार्यक्रम आयोजित कर पूजन अर्चन किया। कलेक्ट्रेट सभागार में गोष्ठी को संबोधित करते हुए जिलाधिकारी डा. उज्ज्वल कुमार ने कहा कि महर्षि वाल्मीकि का जीवन एक अलग था, परन्तु उन्होंने ज्ञान प्राप्ति पश्चात राम जीवन की पूरी जीवन लीला की रामायण कथा लिखी। जो आज पूरे विश्व में विख्यात है।

नौतनवा में चेयरमैन गुड्डू खान ने हनुमान मंदिर पर रामायण पाठ के सुंदर कांड का आयोजन किया। पुरोहित अभिषेक त्रिपाठी ने विधि-विधान के साथ अनुष्ठान करते हुए रामायण पाठ के सुंदर कांड की शुरूआत की। सुंदरकांड के चौपाई और दोहे से पूरा वातावरण भक्तिमय बना रहा। चेयरमैन ने बताया कि रामायण के रचयिता महर्षि वाल्मीकि की जयंती पर रामायण पाठ के सुंदर कांड का आयोजन होना शुभ संकेत है। इस दौरान अधिशासी अधिकारी वीरेंद्र कुमार राव, शाहनवाज खान, ब्रजेश मणि त्रिपाठी, प्रमोद पाठक, अशोक कुमार, संजय मौर्या, प्रधान लिपिक रमाशंकर सिंह, मो. शकील, खुर्शेद आलम, राजकुमार गौड़, रविकांत वर्मा, किसमती देवी आदि लोग उपस्थित रहे।

नौतनवा के काली मंदिर में पूजा-अर्चना करते चेयरमैन गुड्डू खान व अन्य • जागरण

कार्यक्रम

- चौपाई और दोहे से भक्तिमय बना रहा वातावरण
- मंदिरों और घरों में भी गूंजा भजन-कीर्तन की धुन

निरीक्षा शाखा
सूचना एवं जनसम्पर्क विभाग, उत्तर प्रदेश

मंदिरों में महर्षि वाल्मीकि जयंती पर रामायण पाठ

संवाद न्यूज एजेंसी

आजमगढ़। शासन के निर्देश पर जनपद में मंदिरों और धार्मिक स्थलों पर वाल्मीकि रामायण पाठ का आयोजन किया गया। इस दौरान अधिकारियों ने भी इस कार्यक्रम में भाग लिया और दीप प्रज्ज्वलन किया। कहीं आठ घंटे तो कहीं 12 घंटे और कहीं 24 घंटे के पाठ का आयोजन हुआ।

नगर पंचायत वस्टपर लालगंज में वाल्मीकि जयंती पर भजन-कीर्तन करते लोग।

इसके क्रम में शहर क्षेत्र के दुर्गा मंदिर रैदोपुर, भवरनाथ मंदिर आदि जगहों पर रामायण पाठ का आयोजन किया गया। जिसमें एडीएम प्रशासन नरेंद्र सिंह शामिल हुए। सगड़ी प्रतिनिधि के अनुसार तहसील परिसर स्थित मंदिर में रामायण पाठ का आयोजन किया गया। रामायण कथा का शुभारंभ एडीएम गुरुप्रसाद गुप्ता ने महर्षि वाल्मीकि के चित्र पर माल्यार्पण और दीप प्रज्ज्वलित कर किया। एसडीएम सगड़ी अरविंद कुमार सिंह, तहसीलदार सगड़ी बृजेंद्र कुमार उपाध्याय ने भी महर्षि वाल्मीकि के चित्र पर माल्यार्पण किया। निजामाबाद प्रतिनिधि के अनुसार क्षेत्र के जगह जगह मंदिरों में रामायण के सुंदर पाठ का आयोजन किया गया।

इसी क्रम में नगर के शिवाला घाट पर बने शिव मंदिर व पौराणिक स्थली दत्तात्रेय धाम में सुंदर कांड का पाठ आयोजित किया गया। जिसमें नगर के सम्मानित नागरिकों के अलावा एसडीएम राजीव रत्न सिंह, नगर पंचायत अध्यक्ष प्रेमा यादव, अधिशासी अधिकारी प्रहलाद पांडेय ने भाग लिया। क्षेत्र के बिशुनपुर गांव के प्राचीन शिव मंदिर पर भी सुंदर कांड का पाठ ग्राम के इन्द्रजीत पांडेय के नेतृत्व में बड़े धूमधाम से आयोजित किया गया। अहरौला प्रतिनिधि के अनुसार रामायण के सृजनकर्ता आदि कवि महर्षि वाल्मीकि और देश के पहले गृहमंत्री सरदार बल्लभ भाई पटेल की जयंती पर भाजपा पार्टी कार्यालय पवनपुर में किसान मोर्चा के जिला मंत्री नरेंद्र सिंह के नेतृत्व में और बस्ती भुजबल भाजपा पार्टी कार्यालय पर भाजपा नेता बालमुकुंद सिंह के नेतृत्व में कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस मौके पर ब्लाक प्रमुख बसंत लाल, बालमुकुन्द सिंह, श्री प्रकाश मिश्र, राजकुमार सिंह, प्रमोद सिंह, जिलेदार सिंह, अभिषेक सिंह आदि उपस्थित थे। अंबारी प्रतिनिधि के अनुसार नगर पंचायत माहुल के रामलीला मैदान में शनिवार को महर्षि वाल्मीकि जयंती पर भजन कीर्तन और प्रसाद वितरण का आयोजन किया गया। वहीं माहुल मेला में भजन कीर्तन आकर्षण का केंद्र बना रहा। अधिशासी अधिकारी दिनेश चंद्र आर्य ने सर्वप्रथम वाल्मीकि जी के चित्र पर पुष्प चढ़ा पूरे विधि विधान से मंदिर में पूजा अर्चना की।

महर्षि वाल्मीकि ने दिखाया नैतिक बर्ताव का मार्ग

आजमगढ़। लोक मनीषा परिषद की ओर से शनिवार को पंडित अमरनाथ तिवारी के मड़या स्थित आवास पर वाल्मीकि जयंती मनाई गई। अध्यक्षता पं. अमरनाथ तिवारी और संचालन शनि त्रिपाठी ने किया। अमरनाथ तिवारी ने कहा कि हिन्दी में रामचरित मानस के रचनाकार गोस्वामी तुलसी दास ने कहा है कि 'वाल्मीकि नारद घटजोनि निज निज मुखनि कहि निज होनी'। उपर्युक्त सभी महान द्रष्टाओं और रचनाकारों ने अपने जीवन की गति स्वयं बताया है और अपने प्रणीत कार्य के प्रति सफलता का विश्वास जगाया है। जनमेजय पाठक ने कहा कि आदि युग के समय में महाकवि वाल्मीकि ने तत्कालीन लोक सुलभ संस्कृत भाषा में सर्वप्रथम रामायण महाकाव्य की रचना करके देश सहित विदेशों के लोगों को परिवार, समाज, देश और विश्व के साथ नैतिक बर्ताव व व्यवहार करने का मार्ग दर्शाया। उन्होंने देश के पूर्वजों, युग पुरुषों आदि के व्यक्तित्व निर्माण तथा लोक व्यवहार की सीख दी। राजीव रंजन ने कहा कि महर्षि वाल्मीकि ने संस्कृत महाकाव्य रामायण की रचना करके कई भाषाओं में काव्य व महाकाव्य के प्रणयन का कार्य प्रशस्त किया। छाया, गायत्री पांडेय, श्वेता पांडेय, सुभीक्षा पांडेय, नीतू तिवारी, रतन राम, सुकान्त यादव, भजन गुप्ता आदि मौजूद रहे।

महर्षि वाल्मिकि जयंती पर रैदोपुर स्थित श्रीदुर्गा जी मंदिर में आयोजित वाल्मीकि रामायण पाठ में भजन-कीर्तन करते लोग।

सगड़ी तहसील परिसर में महर्षि वाल्मीकि जयंती पर किया जा रहा रामायण पाठ।

निरीक्षा शाखा

सूचना एवं जनसम्पर्क विभाग, उत्तर प्रदेश

हिन्दुस्तान पेज न0—06—आजमगढ़

01 नवम्बर 2020

सरदार की जयंती पर किया नमन

आजमगढ़। शहर के करतालपुर स्थित जीडी ग्लोबल स्कूल में सरदार वल्लभ भाई पटेल की जयंती पर उन्हें शत् शत् नमन करते हुए उनकी प्रतिमा पर विद्यालय के प्रबंधक गौरव अग्रवाल एवं प्रधानाचार्य विशान तिवारी ने माल्यार्पण किया। इसी क्रम में तहसील सगड़ी के परिसर में शनिवार को सरदार पटेल व बाल्मीकि जयंती पर एडीएम राजस्व द्वारा सरदार पटेल के चित्र पर माल्यार्पण कर दीप प्रज्वलन कर एकता दिवस की शुरुआत की गई।

उपजिलाधिकारी अरविंद कुमार सिंह ने कहा कि महर्षि वाल्मीकि एक संत की थे। उन्होंने ज्ञान प्राप्त करते हुए वैदिक काल में रामायण की लेखन करके यह दर्शा दिया कि ज्ञान से बढ़कर कुछ नहीं होता है। मौके पर एसडीएम वित्त एवं राजस्व गुरु प्रसाद गुप्ता, तहसीलदार सगड़ी बृजेन्द्र उपाध्याय, आचार्य चन्द्रचूडा त्रिपाठी, आनंद वर्धन, प्रमोद, हरचरण पांडेय, ओमप्रकाश, सुधीर आदि लोग रहे।

निरीक्षा शाखा
सूचना एवं जनसम्पर्क विभाग, उत्तर प्रदेश

आज—आजमगढ़

01 नवम्बर 2020

लौह पुरुष व बाल्मीकि की मनायी गयी जयंती

आजमगढ़। जिलाधिकारी के निर्देशन में मुख्य राजस्व अधिकारी हरी शंकर द्वारा कलेक्ट्रेट सभागार में सरदार वल्लभ भाई पटेल जयंती एवं बाल्मिकी जयंती के अवसर पर सरदार वल्लभ भाई पटेल व महर्षि बाल्मिकी जी के चित्र पर माल्यार्पण कर पुष्प अर्पित किया गया। इसी क्रम में विभिन्न कार्यालयों, ग्रामीण क्षेत्रों में भी महर्षि बाल्मिकी की जयंती मनायी गयी। साथ ही कर्मचारियों को शपथ दिलायी गयी।

मण्डलायुक्त ने दिलाई सरदार वल्लभ भाई पटेल जयन्ती पर अधिकारियों कर्मचारियों को राष्ट्रीय एकता और अखण्डता की शपथ मण्डलायुक्त विजय विश्वास पन्त ने राष्ट्रीय एकीकरण के शिल्पकार सरदार वल्लभ भाई पटेल की जयन्ती के अवसर पर शनिवार को अपने कार्यालय के सभागार में अधिकारियों एवं कर्मचारियों को राष्ट्र की एकता, अखण्डता और सुरक्षा को बनाये रखने के लिए स्वयं को समर्पित करने तथा देश की आन्तरिक सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए सत्यनिष्ठा से अपना

मनायी गयी जयंती

जगह-जगह आयोजित किये गये कार्यक्रम

योगदान करने की शपथ दिलाई। उन्होंने कहा कि राष्ट्रीय एकता की आज जो शपथ ली गयी है, उसके अनुसार सभी लोग राष्ट्र की सुरक्षा, एकता और अखण्डता को मजबूती प्रदान करने हेतु अपना पूरा पूरा योगदान दें तथा अन्य लोगों को भी इसके प्रति जागरूक एवं प्रेरित करें, जिससे देश की तरक्की की नई बुलन्दियों तक पहुँचाया जा सके।

इसी क्रम में मुख्य राजस्व अधिकारी द्वारा अपर जिलाधिकारी प्रशासन व अपर जिलाधिकारी वित्त एवं राजस्व की उपस्थिति में विभागीय अधिकारियों एवं कर्मचारियों को सामूहिक रूप से सरदार वल्लभ भाई पटेल के जन्म दिवस को राष्ट्रीय एकता दिवस के रूप में मनाए जाने के संबंध में शपथ दिलाई गई। मुख्य राजस्व अधिकारी ने बताया कि वल्लभ भाई पटेल जी सरदार पटेल के नाम से लोकप्रिय थे, एक भारतीय

लौह पुरुष के चित्र पर माल्यार्पण करते मंडलायुक्त विजय विश्वास पंत।

बूढ़नपुर नगर पंचायत में रामायण पाठ करते लोग।

राजनीतिज्ञ थे। उन्होंने भारत के पहले उप-प्रधानमंत्री के रूप में कार्य किया। लन्दन जाकर उन्होंने बैरिस्टर की पढ़ाई की और वापस आकर अहमदाबाद में वकालत करने लगे। महात्मा गांधी के विचारों से प्रेरित होकर उन्होंने भारत के स्वतन्त्रता आन्दोलन में भाग लिया।

इसी क्रम में समाजवादी कार्यालय पर सरदार वल्लभ भाई पटेल, महर्षि बाल्मिकी, समाजवाद के पुरोधा व स्वतंत्रता संग्राम आन्दोलन के प्रमुख नेता आचार्य नरेन्द्र देव जी की जयंती मनाई गयी। निवर्तमान जिलाध्यक्ष हवलदार यादव ने कहा कि सरदार पटेल किसान परिवार में पैदा हुए। वे बचपन से ही कुशाग्र प्रतिभा के धनी थे। आचार्य नरेन्द्र देव के व्यक्तित्व पर प्रकाश डालते हुए जयराम सिंह पटेल ने कहा कि आचार्य जी वैचारिक आधार पर गैरबराबरी, छुआ-छूत को देश का कोढ़ मानते थे। क्रांतिकारी विचारधारा से ओतप्रोत देशभक्त थे। कार्यक्रम में पूर्व प्रमुख विजय यादव, प्रेमा यादव, हवलदार यादव, कुमारी गौतम आदि उपस्थित थे। अध्यक्षता हवलदार यादव व संचालन लालमनि राजभर ने किया।

आजीविका प्रतिनिधि के अनुसार तहसील बूढ़नपुर स्थित नगर पंचायत स्थित मंदिर पर उप जिलाधिकारी बूढ़नपुर दिनेश मिश्रा, मंत्री नमिता मिश्रा, नायब तहसीलदार अरविंद मिश्र के नेतृत्व में प्रथम देव स्थान के स्थानीय संस्कृत के बच्चों द्वारा पूरे विधि विधान से महर्षि बाल्मीकि रामायण के सुंदर कांड का शुभारंभ किया गया। मंत्रोच्चार के साथ मंदिर प्रांगण में उप जिलाधिकारी द्वारा पूरे विधि विधान से महर्षि बाल्मीकि जयंती के शुभ अवसर पर पूजा पाठ कर बाल्मीकि रामायण का सुंदरकांड आरंभ किया गया। एसडीएम दिनेश मिश्रा ने बताया कि प्राचीन भारतीय संस्कृति के बाल्मीकि जी धरोहर थे उन्हीं के द्वारा रचित बाल्मीकि रामायण का पाठ मंदिर प्रांगण में हो रहा है। इस मौके पर पूर्व ग्राम प्रधान बूढ़नपुर अमित कुमार सिंह, प्रधान रामपुर विनोद वर्मा, नगर पंचायत लिपिक मनोज कुमार सिंह, चंद्रवीर तिवारी, लिपिक अनुपम सिंह, लेखपाल संघ के मंत्री नोट बाबू यादव आदि उपस्थित रहे।

राष्ट्रीय सहारा

महर्षि वाल्मीकि जयंती पर हुआ रामायण

आजमगढ़। शासन के निर्देश पर जिलाधिकारी द्वारा जनपद आजमगढ़ में महर्षि वाल्मीकि जयंती के पावन दिवस पर महर्षि वाल्मीकि से सम्बन्धित धार्मिक स्थलों, मन्दिरों आदि पर दीप प्रज्ज्वलन/दीप दान के साथ अनवरत 8, 12 अथवा 24 घण्टे का बाल्मिकी रामायण पाठ किये जाने का कार्यक्रम निर्धारित किया गया है। जिसके क्रम में सदर क्षेत्र के दुर्गा मन्दिर रैदोपुर, इसी के साथ-साथ समस्त तहसीलों के अन्तर्गत बूढ़नपुर तहसील परिसर के निकट हनुमान मन्दिर बिशुनपुर, तहसील फूलपुर में तहसील परिसर स्थित शंकर जी का मन्दिर व गढ़वा फूलपुर में, तहसील मार्टीनगंज में बनगांव हनुमान मन्दिर, तहसील मेहनगर में लखराव पोखरा राम-जानकी मन्दिर, तहसील सगड़ी परिसर में स्थित राम मन्दिर, नगर पंचायत लालगंज हनुमानगढ़ी मन्दिर के साथ-साथ समस्त तहसीलों/विकास खण्डों/समस्त नगर पालिका/नगर पंचायत क्षेत्रों के महर्षि बाल्मिकी, श्रीराम, हनुमान से सम्बन्धित धार्मिक स्थलों पर बाल्मीकि रामायण पाठ एवं भजन-कीर्तन कोविड-19 के गाइड लाइन का अनुपालन करते हुए कराया जा रहा है।

निरीक्षा शाखा

सूचना एवं जनसम्पर्क विभाग, उत्तर प्रदेश

अमृत प्रभात–आजमगढ़

01 नवम्बर 2020

तहसीलों के मंदिरों में वाल्मीकि रामायण का पाठ आरम्भ हुआ

शासन के निर्देश पर महर्षि वाल्मीकि जयंती पर प्रशासन ने कराया आयोजन

आजमगढ़। शासन के निर्देश पर प्रत्येक तहसीलो पर निकटवर्ती मंदिर/ धार्मिक स्थल पर महर्षि वाल्मीकि की प्रतिमा पर माल्यार्पण के साथ वाल्मीकि रामायण का पाठ आरंभ किया गया । इसी क्रम में तहसील बुढ़नपुर स्थित नगर पंचायत स्थित मंदिर पर उप जिलाधिकारी बुढ़नपुर दिनेश मिश्रा, पत्नी नमिता मिश्रा, नायब तहसीलदार धर्मेंद्र सिंह के नेतृत्व में प्रथम देव स्थान से पधारे संस्कृत के ज्ञाता बच्चों द्वारा पूरे विधि विधान से महर्षि वाल्मीकि रामायण के सुंदर कांड का शुभारंभ किया गया। मंत्रोच्चार के साथ मंदिर प्रांगण में उप जिलाधिकारी द्वारा पूजा पाठ कर वाल्मीकि रामायण का सुंदरकांड आरंभ किया गया । महर्षि वाल्मीकि द्वारा रचित रामायण में सभी श्लोक संस्कृत में हैं,माना जाता है कि त्रेता युग की लिखी महर्षि वाल्मीकि रामायण रामचंद्र जी के जन्मकाल की है। इस अवसर पर उप जिलाधिकारी बुढ़नपुर दिनेश मिश्रा ने बताया कि महर्षि वाल्मीकि जयंती के अवसर पर वाल्मीकि रामायण का सुंदरकांड का पाठ तहसील बुढ़नपुर में स्थित नगर पंचायत प्रांगण में मंदिर में कराया जा रहा है। जिसमें आश्रम से पधारे संस्कृत के छात्रों को बुलाया गया है । साथ ही स्थानीय ग्रामवासी एवं सब मिलकर महर्षि वाल्मीकि की जयंती के अवसर पर वाल्मीकि रामायण का पाठ कर रहे हैं सभी जनमानस को वाल्मीकि रामायण के पाठ से जोड़ा जा रहा है तथा सभी की सहभागिता सुनिश्चित की जा रही है । प्राचीन भारतीय संस्कृत के वाल्मीकि जी धरोहर थे उन्हीं के द्वारा रचित वाल्मीकि रामायण का पाठ आज तहसील प्रांगण बुढ़नपुर में हो रहा है । मौके पर पूर्व ग्राम प्रधान बुढ़नपुर अमित कुमार सिंह, प्रधान रायपुर विनोद वर्मा, नगर पंचायत लिपिक मनोज कुमार सिंह ,चंद्रजीत तिवारी,लिपिक अनुपम सिंह ,लेखपाल संघ के मंत्री नरेंद्र बहादुर यादव आदि लोग शामिल रहे।

निरीक्षा शाखा
सूचना एवं जनसम्पर्क विभाग, उत्तर प्रदेश

अवधनामा–आजमगढ़
01 नवम्बर 2020

मंदिरों में आयोजित हुए रामायण का पाठ

(अवधनामा संवाददाता)

आजमगढ़। शासन के निर्देश पर जिलाधिकारी द्वारा जनपद में महर्षि वाल्मिकी जयंती के पावन दिवस पर महर्षि वाल्मीकि से सम्बन्धित धार्मिक स्थलों, मन्दिरों आदि पर दीप प्रज्वलन/दीप दान के साथ अनवरत 8, 12 अथवा 24 घन्टे का वाल्मिकी रामायण पाठ किये जाने का कार्यक्रम निर्धारित किया गया है। जिसके क्रम मे शहर क्षेत्र के दुर्गा मन्दिर रैदोपुर, इसी के साथ-साथ समस्त तहसीलों के अन्तर्गत बुढ़नपुर तहसील परिसर के निकट हनुमान मन्दिर बिशुनपुर, तहसील फूलपुर में तहसील परिसर स्थित शंकर जी का मन्दिर व कस्बा फूलपुर में, तहसील मार्टीनगंज में कनरांव हनुमान मन्दिर, तहसील मेहनगर में लालगंज पोखरा राम-जानकी मन्दिर, तहसील सगड़ी परिसर में स्थित राम मन्दिर, नगर पंचायत लालगंज हनुमानगढ़ी मन्दिर के साथ-साथ समस्त तहसीलों/विकासखण्डों/समस्त नगर पालिका/नगर पंचायत क्षेत्रों के महर्षि वाल्मिकी, श्रीराम, हनुमान से सम्बन्धित धार्मिक स्थलों पर वाल्मीकि रामायण पाठ एवं भजन-कीर्तन कोविड-19 के गाइड लाइन का अनुपालन करते हुए कराया जा रहा है। अशोकिया प्रतिनिधि के अनुसार तहसील बुढ़नपुर में नगर पंचायत स्थित मंदिर पर उप जिलाधिकारी बुढ़नपुर दिनेश मिश्रा, पत्नी नमिता मिश्रा, नायब तहसीलदार धर्मेंद्र सिंह के नेतृत्व में प्रथम देव स्थान से पधारे संस्कृत के बच्चों द्वारा पूरे विधि विधान से महर्षि वाल्मीकि रामायण के सुंदर कांड का शुभारंभ किया गया। मंत्रोच्चार के साथ मंदिर प्रांगण में उप जिलाधिकारी द्वारा पूरे

विधि विधान से महर्षि वाल्मीकि जयंती के शुभ अवसर पर पूजा पाठ कर वाल्मीकि रामायण का सुंदरकांड आरंभ किया गया। उप जिलाधिकारी बुढ़नपुर दिनेश मिश्रा ने बताया कि महर्षि वाल्मीकि जयंती के अवसर पर वाल्मीकि रामायण का सुंदरकांड का पाठ तहसील बुढ़नपुर में स्थित नगर पंचायत प्रांगण में मंदिर मे कराया जा रहा है। जिसमें अवधम से पधारे संस्कृत के छात्रों को बुलाया गया है। प्राचीन भारतीय संस्कृत के वाल्मीकि जी धरोहर थे उन्हीं के द्वारा रचित वाल्मीकि रामायण का पाठ आज तहसील प्रांगण बुढ़नपुर में हो रहा है। मौके पर पूर्व ग्राम प्रधान बुढ़नपुर अनिल कुमार सिंह, प्रधान रायपुर विनोद वर्मा, नगर पंचायत लिपिक पंकज कुमार सिंह, चंद्रजीत तिवारी, लिपिक अनुपम सिंह, लेखपाल संघ के मंत्री वीरेंद्र बहादुर यादव आदि लोग शामिल रहे।

निरीक्षा शाखा
सूचना एवं जनसम्पर्क विभाग, उत्तर प्रदेश

राष्ट्रीय एकता और अखंडता बनाए रखने के लिए ली शपथ

जिले में मनाई सरदार वल्लभ भाई पटेल की जयंती, महर्षि वाल्मीकि जयंती और इंदिरा गांधी के शहादत दिवस पर भी कार्यक्रमों का आयोजन

देश को एकसूत्र में बांधने में सरदार पटेल का योगदान सराहनीय

आदिकवि महर्षि वाल्मीकि की जयंती मनाई

अमर उजाला पेज न0–6–मऊ

01 नवम्बर 2020

महर्षि वाल्मीकि से जुड़े स्थलों पर रामायण पाठ

घोसी नगर स्थित हनुमान जी के मंदिर पर संगीतमय रामायण पाठ कर महर्षि वाल्मीकि की जयंती मनाते श्रद्धालु।

संवाद न्यूज एजेंसी

[illegible]

जिले में श्रद्धा के साथ मनाई गई महर्षि वाल्मीकि जयंती

[illegible]

निरीक्षा शाखा

सूचना एवं जनसम्पर्क विभाग, उत्तर प्रदेश

देवालयों में गूंजे रामायण के श्लोक

शासन के निर्देश पर समाज कल्याण अधिकारी ने विभिन्न मंदिरों में कराया आयोजन

महर्षि वाल्मीकि जयंती

- अनेक स्थानों पर हिंदू संगठनों ने मनाई आदिकवि की जयंती
- कोविड-19 को ध्यान में रखते हुए कार्यक्रम संपन्न कराया गया

जागरण संवाददाता, मऊ : प्रदेश सरकार के निर्देश पर वाल्मीकि जयंती के अवसर पर जिले में महर्षि वाल्मीकि व भगवान श्रीराम, हनुमान व रामायण से संबंधित विभिन्न मंदिरों और स्थलों में रामायण पाठ का आयोजन किया गया। इस मौके पर विकास खंड रतनपुरा में ग्राम नसीराबाद कला, परदहां में बीबीपुर, कोपागंज में भेलाबांध, फतेहपुर मंडाव में ग्राम फूलपुर, मुहम्मदाबाद गोहना में ग्राम फरीदपुर, दोहरीघाट में परिखापुर व हरिपरा, बड़रांव में ग्राम पिढ़उत सिंहपुर, घोसी में रसड़ी, रानीपुर में ताहिरपुर में वाल्मीकी रामायण पाठ एवं भजन कराया गया।

सदर तहसील में एसडीएम निरंकार सिंह एवं जिला समाज कल्याण अधिकारी विनोद यादव द्वारा महर्षि वाल्मीकी के चित्र पर माल्यार्पण किया गया तथा वाल्मीकी जयंती पर

शिव मंदिर में महर्षि वाल्मीकि की जयंती पर रामायण पाठ करते लोग • जागरण

रामायण पाठ शिवदुलारे, त्रिलोकी, पप्पू शर्मा, अभिमन्यु गुप्ता, आशुतोष राय, गुड्डु राय एवं सूचना एवं जन सम्पर्क विभाग से पंजीकृत कलाकार बृजराज चौहान लोकगीत पार्टी द्वारा किया गया। कोविड-19 को ध्यान में रखते हुए कार्यक्रम सम्पन्न कराया गया। घोसी नगर अंतर्गत बस स्टेशन के समीप स्थित हनुमान मंदिर पर महर्षि वाल्मीकि जयंती पर शनिवार की सुबह अखंड मानस पाठ प्रारंभ हुआ।

मंदिर प्रबंधक मुन्नू प्रसाद वर्मा सहित स्थानीय श्रद्धालु संगीतमय मानस पाठ कर भक्ति का संचार कर रहे हैं।

हुई पूजा, बंटा प्रसाद-मुहम्मदाबाद गोहना (मऊ) : महर्षि वाल्मीकि जयंती के मौके पर स्थानीय कस्बे के प्राचीन शिव मंदिर में भारतीय जनता युवा मोर्चा के पदाधिकारियों द्वारा विधिवत पूजा पाठ कर प्रसाद वितरित किया गया। इस दौरान भाजपा के मंडल उपाध्यक्ष दिव्यांश जायसवाल, श्रीकांत वर्मा, दुर्गा प्रसाद, सोनू कुमार आदि ने मंदिर की साफ-सफाई करने के पश्चात सुंदरकांड हनुमान चालीसा तथा रामायण पढ़ा।

निरीक्षा शाखा

सूचना एवं जनसम्पर्क विभाग, उत्तर प्रदेश

हिन्दुस्तान पेज न0—4—मऊ

01 नवम्बर 2020

वाल्मिकी जयंती पर मंदिरों में हुए भजन कीर्तन

मऊ | निज संवाददाता

वाल्मिकी जयन्ती के अवसर पर जनपद के महर्षि वाल्मिकी से सम्बन्धित स्थलों पर भजन कीर्तन किया गया। कार्यक्रम के नोडल जिला समाज कल्याण अधिकारी के देख-रेख में कार्यक्रम सम्पन्न हुआ।

विकास खण्ड रतनपुरा में ग्राम नसीराबाद कला, विकास खण्ड परदहां में ग्राम बीबीपुर, विकास खण्ड कोपागंज में भेलाबांध, फतेहपुर मण्डाव में ग्राम फूलपुर, मुहम्मदाबाद गोहना में ग्राम फरीदपुर, दोहरीघाट में ग्राम परिखापुर/हरिपरा, बड़राव में ग्राम पिढ़उत सिंहपुर, घोसी में ग्राम रसड़ी, रानीपुर में ग्राम ताहिरपुर में वाल्मिकी रामायण पाठ एवं भजन कराया गया। जनपद के सदर तहसील में उप जिलाधिकारी निरंकार सिंह एवं जिला समाज कल्याण अधिकारी विनोद यादव ने महर्षि वाल्मिकी के चित्र पर माल्यार्पण किया। वाल्मिकी जयन्ती पर रामायण पाठ शिव दुलारे, त्रिलोकी, पप्पू शर्मा, अभिमन्यु गुप्ता, आशुतोष राय, गुड्डु राय एवं सूचना एवं जनसम्पर्क विभाग से पंजीकृत कलाकार बृजराज चौहान लोक गीत पार्टी द्वारा किया गया।

सदर तहसील में शनिवार को वाल्मीकि जयंती पर मंदिर में पूजन करते एसडीएम निरंकार सिंह (बाएं) व सदर तहसील स्थित दुर्गा मंदिर पर वाल्मीकि जयंती पर भजन-कीर्तन करते श्रद्धालु।

शिवमंदिर पर भाजयुमो ने किया पूजन अर्चनः मुहम्मदाबाद गोहना। महर्षि वाल्मिकी जयंती के मौके पर स्थानीय कस्बे के प्राचीन शिव मंदिर में भारतीय जनता युवा मोर्चा के पदाधिकारियों द्वारा विधिवत पूजा पाठ कर प्रसाद बांटे। इस दौरान भाजपा के मंडल उपाध्यक्ष दिव्यांश जायसवाल, श्रीकांत वर्मा, दुर्गा प्रसाद, सोनू कुमार आदि लोगों ने मंदिर की साफ सफाई करने के पश्चात सुंदरकांड हनुमान चालीसा तथा रामायण पाठ पढ़ें। कहा कि वैदिक काल के महान ऋषियों में एक बाल्मीकि ही ऐसे थे जिनका व्यक्तित्व असाधारण होते हुए भी उनका चरित्र बहुत बड़ा था। महर्षि बाल्मीकि ने हिंदुओं के आदि काव्य रामायण के रचयिता और संस्कृत भाषा के परम ज्ञानी थे।

निरीक्षा शाखा

सूचना एवं जनसम्पर्क विभाग, उत्तर प्रदेश

हिन्दुस्तान पेज न0–4–बलिया

01 नवम्बर 2020

महर्षि वाल्मिकी जयंती पर हुआ पूजा-पाठ

बलिया। महर्षि वाल्मिकी जयंती पर शनिवार को शहर के शनिचरी मंदिरी के पास वाल्मिकी मंदिर में पूजन-अर्चन किया गया। स्वर्णकार समाज के लोगों ने पूजा-पाठ व हवन के बाद प्रसाद का वितरण किया। इसको लेकर सुबह से ही तैयारी चल रही थी। मंदिर की साफ-सफाई के बाद धार्मिक अनुष्ठान का दौर शुरु हुआ। इस मौके पर घनश्याम दास जौहरी, अजय सोनी, राधेश्याम सराफ, विनोद वर्मा रहे।

वाल्मिकी मंदिर में शनिवार को पूजन-अर्चन करते स्वर्णकार समाज के लोग।

निरीक्षा शाखा

सूचना एवं जनसम्पर्क विभाग, उत्तर प्रदेश

हिन्दुस्तान पेज न0—4—बरेली

01 नवम्बर 2020

माधोबाड़ी में वाल्मीकि जयंती पर प्रशासन की तरफ से आयोजित हुए विविध कार्यक्रम, श्रद्धा के साथ की पूजा-अर्चना

वाल्मीकि रामायण के पाठ से भक्ति में डूबे लोग

दीपमाला

बरेली | वरिष्ठ संवाददाता

महर्षि वाल्मीकि जयंती पर प्रशासन के सहयोग से वाल्मीकि सद्भावना मेला समिति ने शनिवार को वाल्मीकि मेला परिसर जाटवपुरा में पूरे उत्साह, श्रद्धा व भक्ति से समारोह का आयोजन किया। इसमें दोपहर 12:30 बजे से नव ज्योति नृत्य नाट्य संस्था ने हरजीत कौर के नेतृत्व में वाल्मीकि रामायण का संगीतमय पाठ किया। पाठ के दौरान संस्था के कलाकारों ने रामायण के स्वरूपों को जीवंत कर दिया। भगवान वाल्मीकि, राम, लक्ष्मण, सीता व लव-कुश, निषाद राज तथा माता शबरी के चरित्र व स्वरूप ने मंचन कर सबको प्रभावित किया। इससे पहले मेला परिसर में प्रातःकाल वाल्मीकि आश्रम के महंत बाबा हरनाम दास ने हवन-पूजन के साथ अनुष्ठान किया।

रामायण पाठ का शुभारंभ नगर विधायक डॉक्टर अरुण कुमार ने किया। सायंकाल दीपदान कार्यक्रम का शुभारंभ केंद्रीय मंत्री संतोष गंगवार ने किया। मेला परिसर दीपों की रोशनी में झिलमिला उठा। दीपदान कार्यक्रम में मेयर डॉ. उमेश गौतम, विधायक राजेश कुमार मिश्रा, भाजपा नगर अध्यक्ष डॉ. केएम अरोड़ा, डीएम नीतीश कुमार, गुलशन आनंद, अपर जिलाधिकारी प्रशासन वीके सिंह, नगर मजिस्ट्रेट मदन लाल, मेला समिति के अध्यक्ष मनोज थपलियाल, आकाश पुष्कर, सुनील दत्त, मीडिया प्रभारी योगेश बत्ती, अरविंद वाल्मीकि, बन्टी सिंह आदि का योगदान रहा।

महर्षि वाल्मीकि मंदिर में जयंती का केंद्रीय मंत्री ने दीप जलाकर कार्यक्रम का शुभारंभ किया।

जाटव पुरा स्थित महर्षि वाल्मीकि मंदिर में महर्षि वाल्मीकि जयंती मनाई गई। • हिन्दुस्तान

वाल्मीकि जयंती पर निकली भव्य शोभायात्रा

भगवान वाल्मीकि जयंती पर शनिवार को भगवान वाल्मीकि शोभा यात्रा प्रबंधक समिति के तत्वावधान में प्राचीन भगवान वाल्मीकि मंदिर सिटी सब्जी मंडी पर पूजा हुई। भगवान वाल्मीकि के मंदिरों एवं आश्रमों में श्रद्धालुओं ने सफाई की। गुलाब नर्सिंग होम चौराहे पर लगी भगवान वाल्मीकि की प्रतिमा पर सफाई के बाद सजावट हुई। इसके साथ ही सुर्खा बानखाना, सूद धर्मकांटा, डेलापीर पुराना शहर आदि स्थानों पर सफाई की गई।

कवि सम्मेलन में बुलंद हुई नारी शक्ति की आवाज

कार्यक्रम में कवि रोहित राकेश के संयोजन में कवि सम्मेलन हुआ। प्रारंभ कवि शुक्ला ने सरस्वती वंदना से किया। प्रेक्षा सक्सेना ने काव्य कहा, कर खुद को बुलंद इतना कि तुझ में तू मिल जाए, नहीं तू किसी पर आश्रित है तू आज की नारी है। संचालन में रोहित राकेश ने कहा, कभी न हिले वो बुनियाद चाहिए, वतन हमेशा ही आबाद चाहिए। सुभाष राहत ने सुनाया, सजी फिर से अयोध्या है, जिधर देखो उजाला है, प्रभु श्रीराम का मंदिर निराला बनने वाला है।

निरीक्षा शाखा
सूचना एवं जनसम्पर्क विभाग, उत्तर प्रदेश

जिले में हर्षोल्लास से मनाई गई महर्षि वाल्मीकि जयंती, एडीएम प्रशासन ने शहर के वाल्मीकि मंदिर में किया पूजन

जयंती : महर्षि वाल्मीकि मंदिर में रामायण का पाठ

बदायूं | हिन्दुस्तान संवाद

जिलेभर में महर्षि वाल्मीकि जयंती हर्षोल्लास से मनाई गई। सुबह से वाल्मीकि जयंती पर नगर के लोटनपुरा, पनवाड़ी, अहिरी नवादा, खेड़ा बुजुर्ग, कबूलपुरा एवं शहबाजपुर में वाल्मीकि समाज द्वारा महर्षि वाल्मीकि के मंदिर में दीप प्रज्वलन, माल्यार्पण के साथ ही आरती, रामायण का पाठ कराकर पूजन हुआ। इसके बाद लोगों ने अपने-अपने घरों में मिठाई बांटी।

शनिवार को सरकार के निर्देश पर जिले में जिला प्रशासन ने भी महर्षि वाल्मीकि के जन्मोत्सव पर महर्षि वाल्मीकि मंदिरों में विशेष आयोजन किया। इसमें मंदिरों को रंग बिरंगी लाइटों से सजाया गया। सुबह के समय समाज के लोगों ने पहले हवन पूजन किया। इसके बाद मिठाई बांटकर इसकी खुशी मनाई।

एडीएम प्रशासन ऋतु पूनिया ने वाल्मीकि मंदिरों में महर्षि वाल्मीकि की प्रतिमा पर माल्यार्पण किया। मिठाई बांटते हुए उन्होंने कहा कि महर्षि वाल्मीकि ने रामायण की रचना की थी। इससे अंदाजा लगाया जा सकता है, कि वह कितने महान थे। उन्होंने कहा कि भगवान राम के दोनों पुत्र लव और कुश की शिक्षा दीक्षा भी उन्हीं के आश्रम में हुई। उन्होंने कहा कि महर्षि के पथ पर चलने का भी संकल्प हमें कामयाबी की ओर ले जाएगा। शहर के लोटनपुरा में वाल्मीकि समाज द्वारा भी पूजन के अलावा शाम को सांस्कृतिक कार्यक्रम भव्यों की द्वारा किये गये हैं।

महर्षि वाल्मीकि के चित्र पर पुष्प अर्पित करने के बाद एक साथ खड़े पदाधिकारी।

शहर के लोटनपुरा मोहल्ले में स्थित वाल्मीकि मंदिर में महर्षि वाल्मीकि की प्रतिमा पर माल्यार्पण करतीं एडीएम प्रशासन ऋतु पूनिया, मौजूद पदाधिकारी।

वाल्मीकि ने की रामायण की रचना

बदायूं। भगवान परशुराम विद्या मंदिर इंटर कालेज में शरद पूर्णिमा पर वाल्मीकि जयंती मनाई। सेवा भारती प्रांतीय उपाध्यक्ष एवं संरक्षक रामबहादुर पाण्डेय ने कहा कि हमारे देश में ऋषि महर्षि की एक लंबी परंपरा रही है। यहां महर्षि वाल्मीकि हुये, जिन्होंने रामायण की रचना की। रामशंकर भारद्वाज, सतीश दीक्षित, विनोद सूर्यवंशी, जनपाल सिंह, हरी प्रताप सिंह राठौर, सतीश, कुसुम सक्सेना, उर्मिला शर्मा, हिमांशु मिश्र, प्रियंका, राठौर मौजूद थे।

'रामायण' के माध्यम से यथार्थ राम का सामूहिक स्मरण

वाराणसी | अरविंद मिश्र

रामायण और श्रीरामचरितमानस-दोनों की कथा श्रीराम की है मगर तुलसी के राम मर्यादा पुरुषोत्तम हैं तो महर्षि वाल्मीकि के राम यथार्थ। मानस के जरिए सदियों से श्रीराम के मर्यादा पुरुषोत्तम स्वरूप का स्मरण कर रहे सनातनी समाज ने 'रामायण' के माध्यम से यथार्थ राम का सामूहिक स्मरण किया। न सिर्फ काशी बल्कि समूचे उत्तर प्रदेश में आजादी के बाद यह पहला मौका है जब श्रीरामचरितमानस के अनुगामी समाज ने वाल्मीकि रामायण का अखंड पाठ किया। यह अविस्मरणीय संयोग 'आदिकवि' महर्षि वाल्मीकि की जयंती पर शनिवार को बना।

आधुनिक भारत में सनातनी धर्मग्रंथों को घर-घर पहुंचाने में सबसे बड़ा योगदान करने वाले गीता प्रेस के आंकड़े बताते हैं कि वर्ष 1939 से अब तक श्रीरामचरितमानस की तीन करोड़ 84 लाख से अधिक प्रतियां बिक चुकी हैं। वहीं रामायण की मात्र 11 लाख प्रतियां बिकी हैं। श्रीरामचरितमानस और रामायण की प्रतियों की बिक्री के बीच विशाल अंतर का विषय विशेषज्ञ अलग-अलग कारण बताते हैं मगर इस तथ्य पर अटूट आस्था रखते हैं कि वाल्मीकि ने ही संत तुलसीदास के रूप में पुनः जन्म लिया और श्लोक की जटिलताओं से बाहर निकाल कर राम को लोक में स्थापित करने के लिए उनका मर्यादा पुरुषोत्तम स्वरूप प्रस्तुत किया। मानस मर्मज्ञ डॉ. राघव शरण शास्त्री के अनुसार रामायण संस्कृत में होने के कारण जनसामान्य के लिए जटिल हो गई। 24 हजार श्लोकों वाले आदि महाकाव्य को अपनी दिनचर्या में शामिल करना अधिकाधिक लोगों के लिए दुरूह है। पं. मानस मृदुल शास्त्री कहते हैं कि रामायण में यथार्थ अंकित है किन्तु मानस में उसे परिमार्जित किया गया है। उदाहरण स्वरूप फुलवारी के प्रसंग में रामायण में लिखा गया कि देवी सीता के बदन पर साड़ी बहुत सुंदर लग रही है।

दूसरा उदाहरण जयंत नेत्र भंग के प्रसंग से दिया। रामायण में उल्लेख है कि जयंत ने जानकी पर चोंच मारी जबकि गोस्वामीजी ने इसी मर्यादा का आवरण देकर लिखा कि जयंत ने जगत जननी के पैर पर चोंच मारी। कथावाचक मानस मर्मज्ञ पं. सूर्यकुमार शास्त्री दावे के साथ कहते हैं कि मानस की तर्ज पर रामायण का पाठ आजादी से पहले हुआ हो तो मैं नहीं कह सकता लेकिन आजादी के बाद रामायण का अखंड पाठ नहीं हुआ।

मानस की अब तक बिक्री

गीता प्रेस ने वर्ष 1939 से रामायण और मानस का प्रकाशन आरंभ किया। यहां से मानस की हिन्दी में प्रकाशित 3,32,14250 प्रतियां, गुजराती में 46,55000, अंग्रेजी में 1,48,500, उड़िया में 1,21500, मराठी में 73,000, तेलुगु में 69,000, बांग्ला में 45,000, कन्नड़ में 23,000, नेपाली में 12,500 और असमिया 2000 प्रतियां बिक चुकी हैं। वहीं अन्य प्रकाशकों ने तमिल, उर्दू, मैथिली, मलयालम, कोंकणी, सिंधी, भोजपुरी और डोगरी में अनुवादित श्रीरामचरितमानस का प्रकाशन किया है।

निरीक्षा शाखा

सूचना एवं जनसम्पर्क विभाग, उत्तर प्रदेश

जागरण पेज न0–8–बदायूं

01 नवम्बर 2020

हर्षोल्लास से मनाई गई महर्षि वाल्मीकि जयंती

महर्षि वाल्मीकि जयंती मनाने के दौरान उझानी में की गई विशेष पूजा। जागरण

जागरण संवाददाता, बदायूं : जिले में शनिवार को महर्षि वाल्मीकि जयंती हर्षोल्लास से मनाई गई। जिला समेत शहर के मुहल्ला [illegible], [illegible], [illegible], [illegible], [illegible] एवं [illegible] में वाल्मीकि समाज ने मंदिरों में दीप प्रज्वलित कर महर्षि वाल्मीकि की प्रतिमा पर माल्यार्पण किया है। रामायण का पाठ व हवन किया।

अपर जिला अधिकारी प्रशासन ऋतु पुनिया ने शहर के वाल्मीकि मंदिरों में पहुंचकर महर्षि वाल्मीकि की प्रतिमा पर माल्यार्पण किया। उन्होंने कहा कि महर्षि वाल्मीकि ने रामायण की रचना की थी। भगवान श्रीराम के दोनों पुत्र लव और कुश ने महर्षि से शिक्षा-दीक्षा प्राप्त की थी। वहीं शहर एवं देहात के महर्षि वाल्मीकि के मंदिरों में विशेष आयोजन किया गया। मंदिरों को रंग-बिरंगी लाइटों से सजाया गया। पूजा के समय समाज के लोगों ने पहले हवन पूजन किया। वहीं उन्होंने वाल्मीकि के जीवन चरित्र से सीख लेकर उनके मार्ग व विचारों पर चलने का संकल्प लिया।

रामायण का पाठ कर बांटी मिठाई: उझानी के मुहल्ला [illegible] की वाल्मीकि बस्ती में शनिवार को महर्षि वाल्मीकि जयंती धूम धाम से मनाई गई। मंदिर में हवन यज्ञ कर प्रसाद वितरण किया गया। [illegible] ने वाल्मीकि द्वारा रचित संस्कृत रामायण का भी पाठ किया। इस मौके पर हरपाल वाल्मीकि, बंटी वाल्मीकि, मनीष वाल्मीकि, सचिन वाल्मीकि, रामदास, प्रतीक, वाल्मीकि, [illegible], [illegible], [illegible] आदि मौजूद रहे।

निरीक्षा शाखा
सूचना एवं जनसम्पर्क विभाग, उत्तर प्रदेश

अमर भारती–पीलीभीत

01 नवम्बर 2020

मवासे ने धूमधाम से मनायी बाल्मीकि जयंती

अमर भारती ब्यूरो

पीलीभीत । महऋि वाल्मीकि सेना अटल के कार्यकर्ताओं ने इस बार 31 अक्टूबर को मनायी जाने वाली वाल्मीकि जयन्ती को अनूठा रूप दे कर यादगार बनाने का प्रयास किया। महऋि वाल्मीकि सेना अटल के राष्ट्रीय अध्यक्ष अटल वाल्मीकि ने अपनी देख रेख में सभी व्यवस्थायें पूर्ण कराई। इस बार की वाल्मीकि जयन्ती को महऋि वाल्मीकि सेना अटल ने अपने समाज के होनहार और समाज के नाम को ख्याति के शिखर पर पहुचाने वाले मेधावियों को यथोचित सम्मान प्रदान किया गया, यही नहीं महऋि वाल्मीकि सेना अटल ने कोरोना काल मे अनवरत अपनी सेवायें समाज को समर्पित करने वाले कोरोना वारियर के योगदान और अनमोल सहयोग के सापेक्ष आधार के रूप में सम्मानित किया गया है। पूरे कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में जनपद के पुलिस अधीक्षक जयप्रकाश एव शहर विधायक संजय सिंह गंगवार उपस्थित रहे। कार्यक्रम का संचालन

महऋि वाल्मीकि सेना अटल के राष्ट्रीय अध्यक्ष अटल वाल्मीकि ने किया तथा कार्यक्रम का शुभारम्भ मुख्य अतिथियों द्वारा महऋि वाल्मीकि की प्रतिमा के समक्ष दीप प्रज्वलित कर किया गया। जिसके उपरान्त समाज के लोगों को सम्बोधित करते हुए मुख्य अतिथि पुलिस अधीक्षक जयप्रकाश एवं शहर विधायक संजय सिंह गंगवार ने महऋि वाल्मीकि की महानता एवं उनके आदर्शों से रूबरू कराया।

निरीक्षा शाखा
सूचना एवं जनसम्पर्क विभाग, उत्तर प्रदेश

वाल्मीकि जयंती पर प्रभात फेरी निकाली

पीलीभीत, 31 अक्टूबर (तरुणमित्र)। कोरोना के चलते महर्षि वाल्मीकि जयंती पर लोगों ने प्रातः चार बजे नहाधोकर प्रभारी फेरी निकाली। व महर्षि वाल्मीकि को याद किया। यह प्रभात फेरी नखासा मोहल्ले के प्रसिद्ध महर्षि वाल्मीकि मन्दिर से शुरू होकर पूरे नगर में घूमी और उसके बाद पुनः नखासा मोहल्ले में पहुंच कर उसको विराम दिया गया। प्रातः चार बजे प्रभात फेरी नखासा मोहल्ले से निकल कर पूरे नगर में घूमी जो कि गैस चौराहे,चावला चौराहा,जाटों का चौराहा,लेखराज चौराहा, होली का चौराहा, आदि स्थानों से होते हुये वापस नखासा स्थित मंदिर में पहुंची जिसके बाद सभी लोग अपने अपने घरों में पूजा अर्चना के लिए रवाना हो गये।

इस मौके पर विकेश वाल्मीकि वेदप्रकाश वाल्मीकि शंकर राही वाल्मीकि, मोहित वाल्मीकि मोन्टी वाल्मीकि शिवम वाल्मीकि सहित दर्जनों लोग शामिल रहे।

दो पक्षों में चले लाठी डंडे, रिपोर्ट दर्ज

पीलीभीत , 31 अक्टूबर (तरुणमित्र)। बरखेडा में मामूली कहासुनी के बाद पिपरिया मंडन गांव में दो पक्षों के बीच मारपीट हो गयी। एक पक्ष से राकेश कुमार ने बताया कि गांव निवासी बावले से टैक्टर से धान की फसल खेत में घर तक पहुंचाने को कहा था। पहले वह तैयार हो गया लेकिन बाद में मना कर दिया। इसी बात पर गाली गलौज करते हुये पिटाई कर दी। ताई रामबेटी बचाने को आयी तो उन्हें भी पीटा गया। दूसरे पक्ष से मिली तहरीर के आधार पर रिपोर्ट दर्ज कर ली गयी है। मामले की जांच करायी जा रही है।

निरीक्षा शाखा
सूचना एवं जनसम्पर्क विभाग, उत्तर प्रदेश

हिन्दुस्तान—पीलीभीत

01 नवम्बर 2020

जयंती के अवसर पर वाल्मीकि रामायण का किया गया पाठ, भजन कीर्तन भी हुए

महर्षि वाल्मीकि को किया याद

रामायण से राम का सामूहिक स्मरण

मानस की अब तक बिक्री

अमर उजाला–पीलीभीत

01 नवम्बर 2020

मंदिरों और घरों में गूंजी रामायण की चौपाइयां, प्रभात फेरी निकाली

वाल्मीकि मंदिर में रामायण का पाठ करते श्रद्धालु। संवाद

संवाद न्यूज एजेंसी

पीलीभीत। रामायण के रचयिता महर्षि वाल्मीकि की जयंती धूमधाम से मनाई गई। कोरोना संक्रमण के चलते इस बार शोभायात्रा के बजाय प्रभात फेरी निकाली गई। मंदिरों में रामायण का पाठ करने के बाद प्रसाद वितरण किया गया। विचार गोष्ठी में कोरोना योद्धाओं के साथ वाल्मीकि समाज के मेधावियों को सम्मानित किया गया।

शनिवार को कोरोना गाइडलाइन का पालन करते हुए सीमित लोगों ने सुबह सात बजे मोहल्ला [illegible] से प्रभात फेरी निकाली। प्रभात फेरी मोहल्ला [illegible] चौधरी, [illegible], [illegible], नई बस्ती और खागुलशेर खां पहुंची। वाल्मीकि मंदिर और घरों में विधि विधान के साथ रामायण का पाठ किया गया। लोगों ने घरों के बाहर मोमबत्ती जलाई। देर शाम तक मंदिरों में भजन संध्या का कार्यक्रम चलता रहा। राष्ट्रीय सफाई कर्मचारी संगठन के राष्ट्रीय महासचिव विकास वाल्मीकि की ओर से विचार गोष्ठी का आयोजन किया। कार्यक्रम के अतिथि शहर विधायक संजय गंगवार ने समाज को शिक्षित और संगठित रहने को कहा। यहां भाजपा जिलाध्यक्ष संजीव प्रताप सिंह आदि मौजूद रहे।

बीसलपुर। मोहल्ला दुबे से शोभायात्रा समिति ने महर्षि वाल्मीकि का प्रकट दिवस धूमधाम से मनाया। इस मौके पर रामायण का पाठ कर मंदिर पर प्रसाद वितरण किया। बच्चों ने सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किए। इस मौके पर रामसरन, रोहित, हरीश, राजकुमार, रामलखन, नीरज, सर्वेश, [illegible] आदि रहे। सरस्वती विद्या मंदिर इंटर कॉलेज के कार्यक्रम में विष्णु गोयल, सुरेंद्र अग्रवाल, डॉ. शशिशरण चौहान, अशोक पांडेय, मेवाराम, राकेश सिंह आदि रहे।

अमरिया। कस्बे में भी कोरोना के चलते शोभायात्रा नहीं निकाली गई। लोगों ने घरों पर पूजा अर्चना कर प्रसाद का वितरण किया। कस्बे के [illegible] के आवास पर समाज के कुछ लोगों ने एकत्र होकर विचार गोष्ठी की। कार्यक्रम में सुधीर, छोटेलाल, रामऔतार, सागर, सरवन, महेंद्र, लखन आदि मौजूद रहे।

मेधावी और कोरोना योद्धा हुए सम्मानित

शहर के मोहल्ला खागुलशेर खां में महर्षि वाल्मीकि सेना संगठन की ओर से सम्मान समारोह आयोजित किया गया। मुख्य अतिथि शहर विधायक संजय सिंह गंगवार और [illegible] ने कोरोना योद्धा के रूप में इंस्पेक्टर [illegible] द्विवेदी, महिला थाना प्रभारी [illegible] सहित मेधावी विद्यार्थियों को सम्मानित किया। यहां [illegible] वाल्मीकि, राजकुमार, [illegible], आनंद, विकास, सौरभ, [illegible], अभिषेक, अतुल आदि रहे।

निरीक्षा शाखा

सूचना एवं जनसम्पर्क विभाग, उत्तर प्रदेश

जागरण–पीलीमीत

01 नवम्बर 2020

महर्षि वाल्मीकि जयंती पर शहर में निकाली प्रभात फेरी

शहर में शनिवार को सुबह महर्षि वाल्मीकि जयंती पर प्रभात फेरी निकालते वाल्मीकि समाज के लोग ● जागरण

जासं, पीलीभीत : रामायण के रचयिता महर्षि वाल्मीकि जयंती पर नगर में प्रभातफेरी निकाली गई। शनिवार को सुबह शहर के मुहल्ला नखासा स्थित महर्षि वाल्मीकि के मंदिर में पहले पूजन किया गया, इसके बाद महर्षि का चित्र सम्मान के साथ एक ठेले पर रखा गया। प्रभात फेरी में पूर्व सभासद वेद प्रकाश, मोहित वाल्मीकि, विकेश बाबू, चंद्रपाल शामिल रहे। उधर राष्ट्रीय सफाई कर्मचारी संगठन की गोष्ठी में शहर विधायक संजय सिंह गंगवार, संगठन के प्रदेश अध्यक्ष ऋषिपाल, भाजपा जिलाध्यक्ष संजीव प्रताप सिंह, संगठन के राष्ट्रीय महासचिव विकास वाल्मीकि, अभिषेक महाजन, शशिकांत, विपिन त्यागी ने विचार व्यक्त किए। । महर्षि वाल्मीकि सेना (अटल) की ओर से एक बरातघर में जयंती कार्यक्रम आयोजित किया गया। शहर विधायक संजय सिंह गंगवार, एसपी जय प्रकाश ने मेधावियों को सम्मानित किया। राष्ट्रीय अध्यक्ष अटल वाल्मीकि, राजकुमार वाल्मीकि, चंद्रप्रकाश, संजीव, आनंद, रामपाल, रामदास शामिल रहे।

निरीक्षा शाखा
सूचना एवं जनसम्पर्क विभाग, उत्तर प्रदेश

अमर उजाला पेज नं0–07–शाहजहांपुर

01 नवम्बर 2020

वाल्मीकि जयंती

अफसरों और मंत्री ने किया रामायण पाठ

मंदिरों में जुटे लोग, महर्षि के बताए रास्ते पर चलने का किया गया आह्वान

हनुमतधाम परिसर में रामायण पाठ करते वित्त मंत्री सुरेश कुमार खन्ना।

कटियाटोला स्थित वाल्मीकि मंदिर में रामायण पाठ करते एडीएम प्रशासन।

संवाद न्यूज एजेंसी

शाहजहांपुर। प्रदेश सरकार के निर्देश पर अफसरों ने शनिवार को वाल्मीकि जयंती के अवसर पर वाल्मीकि मंदिर में रामायण पाठ किया। वित्त मंत्री सुरेश कुमार खन्ना ने हनुमतधाम में रामायण का पाठ किया। कटिया टोला के वाल्मीकि मंदिर में नगर स्वास्थ्य अधिकारी ने रामायण का पाठ किया। अन्य कई मंदिरों में भी रामायण पाठ किया गया। इस दौरान महर्षि के बताए रास्ते पर चलने का आह्वान किया गया।

मंदिरों में रामायण पाठ के लिए अधिकारियों समेत वाल्मीकि समाज के लोग सुबह नौ बजे से जुटने लगे। कटियाटोला के वाल्मीकि मंदिर में एडीएम प्रशासन रामसेवक द्विवेदी ने रामायण पाठ किया। इनके बाद नगर स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. ओपी गौतम, राज्य सफाई कर्मचारी आयोग के अध्यक्ष सुरेंद्र नाथ वाल्मीकि और अन्य लोगों ने भी रामायण पढ़ी। तत्पश्चात हरिद्वार के संत भारतीय वाल्मीकि साधु समाज के राष्ट्रीय अध्यक्ष महंत नित्यानंद महाराज, मुरारीलाल भास्कर, दौलतराम, जगदीश चंद्रा आदि ने हवन और पूजा पाठ किया। टाउनहाल के बाबा विश्वनाथ मंदिर में आयोजन के नोडल अफसर जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी राकेश कुमार, शिक्षक महिपाल सिंह और धर्मांकुर सुजान ने भजन-कीर्तन किए।

अंटा के वाल्मीकि मंदिर में सुबह पूजन के बाद दिन में 11 बजे तक कोई अधिकारी नहीं पहुंचा तो मंदिर के चैनल बंद कर दिए गए, लेकिन शाम चार बजे मंदिर के सेवक रामाराम ने कथा कराई। इस बीच, मंत्री सुरेश खन्ना हनुमतधाम परिसर पहुंचे और वहां राज्य सफाई कर्मचारी आयोग के अध्यक्ष के साथ पूजन कर रामायण पढ़ी। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि महर्षि वाल्मीकि का आरंभिक जीवन कष्टकारक रहा, लेकिन बाद में उन्होंने जिस तरह धार्मिक जीवन बिताया, उसे समाज में प्रचारित करने की आवश्यकता है।

मंडी के मोहल्ला भारद्वाजी स्थित वाल्मीकि मंदिर में अधिकारियों की प्रतीक्षा करने के बाद दिन में 11 बजे अनीता देवी और अनिल पुजारी ने विधिवत पूजन किया। इसी के साथ भजन-कीर्तन आरंभ हो गए, जिसमें संजय कुमार, रामचंद्र, अरुण, राजकुमार, सौरभ, संजय आदि शामिल हुए। गर्रा घाट स्थित हनुमान मंदिर पर समाज कल्याण अधिकारी सुमन कुमार ने भजन-कीर्तन में भागीदारी की। बजीरगंज में पक्का पुल के पास और पुवायां रोड पर कैंट चौकी के पास स्थित वाल्मीकि मंदिरों में देर तक अधिकारी नहीं पहुंचे तो आसपास के श्रद्धालुओं ने स्वयं पूजा कर भजन-कीर्तन किया। पुवायां रोड स्थित मंदिर पर पूरे आयोजन की कमान प्रदीप वाल्मीकि ने संभाली।

वाल्मीकि जयंती समारोह का दीप प्रज्वलन कर उद्घाटन करते सफाई कर्मचारी आयोग के अध्यक्ष सुरेंद्रनाथ वाल्मीकि। संवाद

गांधी भवन में हुआ गोष्ठी का आयोजन

शाहजहांपुर। गांधी भवन में आयोजित विचार गोष्ठी में मुख्य अतिथि वित्त मंत्री सुरेश कुमार खन्ना ने कहा कि महर्षि वाल्मीकि ने रामायण जैसे अनुपम ग्रंथ के साथ योग वशिष्ठ की रचना की, जिससे पूरी मानव जाति लाभान्वित हो रही है। इसलिए महर्षि वाल्मीकि योग के जन्मदाता भी कहे जाते हैं। विशिष्ट अतिथि के सुरेंद्र नाथ वाल्मीकि ने वाल्मीकि मंदिरों पर कराए जा रहे रामायण पाठ के लिए योगी सरकार की सराहना की। मुरारीलाल भास्कर ने कहा कि इन आयोजनों से महर्षि वाल्मीकि की शिक्षाएं जन-जन तक पहुंचेंगी। महादलित परिसंघ के प्रदेश अध्यक्ष विकास चंद्रा ने कहा वाल्मीकि ने प्राचीन भारत में एक संविधान देने का काम किया और उनके बताए रास्ते पर चलकर शिक्षा को हथियार बनाना है। गोष्ठी में दौलतराम, रमेश चंद्र, अजय प्रधान, मुरारीलाल भास्कर, रामकृपाल, अमित वाल्मीकि, शिवराम, आकाश आनंद, अनिल भास्कर आदि ने विचार व्यक्त किए। इस मौके पर विनोद कुमार, राजू, संतोष कुमार, सत्येंद्र कुमार, राजीव कुमार, आशीष कुमार, संजीव कुमार, रजनीश आदि मौजूद रहे। संवाद

निरीक्षा शाखा

सूचना एवं जनसम्पर्क विभाग, उत्तर प्रदेश

हिन्दुस्तान पेज नं0–02–शाहजहांपुर

01 नवम्बर 2020

जिले में बेसिक शिक्षकों ने तलाशे मंदिरों में हुआ भजन कीर्तन, वित्त मंत्री ने किया पाठ

26 वाल्मिकी मंदिरों मे हुआ रामायण पाठ

वाल्मीकि जयंती

शाहजहांपुर | हिन्दुस्तान संवाद

महर्षि वाल्मीकि की जयंती पर मंदिर में कार्यक्रम कराने के लिए शासन ने दिशा-निर्देश दिए थे। देर शाम पत्र प्रशासन को प्राप्त हुआ। नोडल अधिकारी बीएसए राकेश कुमार ने शिक्षकों से वाल्मीकि मंदिर की तलाश कराया। तुरन्त ही वहां पर सारी तैयारी कराई गई। शनिवार को हनुमत धाम स्थित मंदिर में वित्त मंत्री सुरेश खन्ना ने रामायण का पाठ किया। जिले में मंदिरों मे भजन हुए।

शुक्रवार शाम को शासन से आए पत्र के बाद प्रशासन ने वाल्मीकि मंदिर तलाश कराने और तैयारियों को मुकम्मल कराने का जिम्मा बीएसए को दिया। बीएसए ने शिक्षकों को लगाया। महानगर में हनुमत धाम विसरात घाट, कटिया टोला, निशात टॉकीज, महर्षि वाल्मीकि मन्दिर, बाबा विश्वनाथ मन्दिर, गर्रा पुल श्री हनुमान मन्दिर आदि तैयारी कराई गई।

शाहजहांपुर में वित्त मंत्री सुरेश खन्ना ने भगवान वाल्मीकि की जयंती पर पूजन किया।

शनिवार सुबह सभी स्थानों पर रामायण का पाठ, भजन कीर्तन आदि का आयोजन किया गया। हनुमत धाम पर वित्त मंत्री सुरेश खन्ना ने रामायण पाठ एवं भजन कीर्तन किया। सफाई कर्मचारी आयोग के अध्यक्ष सुरेन्द्र नाथ वाल्मीकि ने कटिया टोला, निशात टॉकीज के पास वाल्मीकि मन्दिर व गर्रा पुल के पास श्री हनुमान मन्दिर पर जाकर रामायण पाठ एवं भजन कीर्तन किया। तहसील स्तर स्थित मंदिरों में भगवान वाल्मीकि की जयंती पर कार्यक्रम का आयोजन किया गया।

'दुनिया में रामायण काबिले मिसाल'

शाहजहांपुर। भगवान वाल्मीकि का प्राकट्य दिवस शनिवार को मनाया गया। भगवान वाल्मीकि प्रकाशोत्सव समिति व महादलित परिसंघ की ओर से कटिया टोला स्थित मंदिर में अखंड पाठ और हवन पूजन किया। इस दौरान गांधी भवन में हुए कार्यक्रम में वित्त मंत्री सुरेश खन्ना ने विचार रखे।

भगवान वाल्मीकि मंदिर कटिया टोला में सुबह आठ बजे प्रार्थना और रामायण का अखंड पाठ हुआ। हरिद्वार के संत भारतीय वाल्मीकि साधु समाज के राष्ट्रीय अध्यक्ष महंत नित्यानंद महाराज व मुरारीलाल भास्कर ने हवन किया। अखंड पाठ में एडीएम, बीएसए, नगर स्वास्थ्य अधिकारी ने पूजन किया।

दोपहर में गांधी भवन में विचार गोष्ठी का आयोजन किया गया। जिसमें मुख्य अतिथि वित्त मंत्री सुरेश खन्ना ने कहा कि भगवान वाल्मीकि ने रामायण एक अनुपम ग्रंथ लिखा है, जो दुनिया में काबिले मिसाल है। विशिष्ट अतिथि दर्जा राज्यमंत्री सुरेंद्र नाथ वाल्मीकि विकास चंद्रा एडवोकेट, दौलतराम एडवोकेट, रमेश चंद, अजय प्रधान, मुरारीलाल भास्कर, रामकृपाल अमित वाल्मीकि, सियाराम, आकाश ने विचार रखे।

निरीक्षा शाखा

सूचना एवं जनसम्पर्क विभाग, उत्तर प्रदेश

हिन्दुस्तान पेज नं0—02—शाहजहांपुर

01 नवम्बर 2020

जिला प्रशासन ने पटेल जयंती पर बांटा भोजन

कैंजा में शनिवार को वाल्मीकि जयंती पर पूजा अर्चना की गई

शाहजहांपुर | हिन्दुस्तान संवाद

मुख्य विकास अधिकारी प्रेरणा शर्मा की अध्यक्षता में लौह पुरुष सरदार वल्लभ भाई पटेल के जन्म दिवस को राष्ट्रीय अखण्डता दिवस के रूप में कलेक्ट्रेट सभागार एवं विकास भवन सभागार में मनाया गया। सीडीओ ने राष्ट्रीय एकता शपथ दिलाई। इसके उपरान्त मुख्य विकास अधिकारी ने लौह पुरुष सरदार वल्लभ भाई पटेल जी के जन्म दिवस के उपलक्ष्य में रेलवे क्रासिंग के पास कुष्ठ आश्रम फल भी वितरित किए।

खुदागंज में पटेल की जयंती मनाई गई । खुदागंज नगर पंचायत कार्यालय में पटेल जयंती मनाई गई। पूर्व चेयरमैन एवं वरिष्ठ भाजपा नेता सुधीर सिंह ने। सरदार वल्लभ भाई पटेल की जयंती पर उनके चित्र पर पुष्पांजलि अर्पित की। इस दौरान सभासद सौरभ गुप्ता, तुलसीराम, रोहित सिंह आदि मौजूद रहे।

जलालाबाद में मनाई गई वाल्मीकि और पटेल जयंती : जलालाबाद। महर्षि वाल्मिकी एवं लौहपुरुष सरदार वल्लभ भाई पटेल का जन्मदिवस पुरूषोत्तम आदर्श कन्या इंटर कालेज में राष्ट्रीय एकता दिवस के रूप में मनाया गया। देश की सुरक्षा और एकता के लिये प्रधानाचार्या श्रद्धा टण्डन ने समस्त स्टाफ सहित छात्राओं को शपथ दिलवाई। इस अवसर पर सरोज, स्वाति पुरवार, रेनू, रूबी, नीमा सक्सेना, कमलेश कुमारी मिश्रा, शालिनी, मानी कश्यप, शमिन्दर सिंह, आदि रहे।

वाल्मीकि और पटेल जयंती पर हुई प्रतियोगिता के विजयी प्रतिभागी पुरस्कृत किए गए।

वाल्मीकि और पटेल जयंती पर हुई प्रतियोगिताएं

सिंधौली। एमए पब्लिक स्कूल ग्लोरियस पब्लिक स्कूल में सरदार वल्लभ भाई पटेल की जयंती राष्ट्रीय एकता दिवस एवं वाल्मीकि जयंती को आदि कवि दिवस के रूप में मनाई गई।
स्कूल प्रबंधक मोहम्मद आसिफ अली मंसूरी व शिक्षक प्रभाकर वर्मा, शिखा अवस्थी, शिल्पी अवस्थी इरम मंसूरी ने भगवान वाल्मीकि के चित्र पर पुष्प अर्पित कर एवं बच्चों को मिष्टान वितरित कर वाल्मीकि जयंती मनाई। इस मौके पर बच्चों ने पोस्टर व निबंध प्रतियोगिता में भाग लेते हुए अच्छे चित्र एवं निबंध प्रस्तुत किए जिसमें नैंसी मिश्रा ने प्रथम, राखी वर्मा ने द्वितीय, तहसीन सलमानी ने तृतीय स्थान प्राप्त किया।

निरीक्षा शाखा
सूचना एवं जनसम्पर्क विभाग, उत्तर प्रदेश

पहली बार हुआ वाल्मीकि रामायण अखंड पाठ

वाराणसी | अरविंद मिश्र

रामायण और श्रीरामचरितमानस-दोनों ही कथा श्रीराम की है मगर तुलसी के राम मर्यादा पुरुषोत्तम हैं तो महर्षि वाल्मीकि के राम यथार्थ। मानस के जरिए सदियों से श्रीराम के मर्यादा पुरुषोत्तम स्वरूप का स्मरण कर रहे सनातनी समाज ने 'रामायण' के माध्यम से यथार्थ राम का सामूहिक स्मरण किया। न सिर्फ काशी बल्कि समूचे उत्तर प्रदेश में आजादी के बाद यह पहला मौका है जब श्रीरामचरितमानस के अनुगामी समाज ने वाल्मीकि रामायण का अखंड पाठ किया। यह अविस्मरणीय संयोग 'आदिकवि' महर्षि वाल्मीकि की जयंती पर शनिवार को बना। शनिवार को हजारों मंदिरों पर यह विशिष्ट आयोजन हुआ।

आधुनिक भारत में सनातनी धर्मग्रंथों को घर-घर पहुंचाने में सबसे बड़ा योगदान करने वाले गीता प्रेस के आंकड़े बताते हैं कि वर्ष 1939 से अब तक श्रीरामचरितमानस की तीन करोड़ 84 लाख से अधिक प्रतियां बिक चुकी हैं। वहीं रामायण की मात्र 11 लाख प्रतियां बिकी हैं। श्रीरामचरितमानस और रामायण की प्रतियों की बिक्री के बीच विशाल अंतर का विषय विशेषज्ञ अलग-अलग कारण बताते हैं मगर इस तथ्य पर अटूट आस्था रखते हैं कि वाल्मीकि ने ही संत तुलसीदास के रूप में पुनः जन्म लिया और श्लोक की जटिलताओं से बाहर निकाल कर राम को लोक में स्थापित करने के लिए उनका मर्यादा पुरुषोत्तम स्वरूप प्रस्तुत किया। मानस मर्मज्ञ डॉ. राघव शरण शास्त्री के अनुसार रामायण संस्कृत में होने के कारण जनसामान्य के लिए जटिल हो गई। 24 हजार श्लोकों वाले आदि महाकाव्य को अपनी दिनचर्या में शामिल करना अधिकाधिक लोगों के लिए दुरूह है। पं. मानस मृदुल शास्त्री कहते हैं कि रामायण में यथार्थ अंकित है किंतु मानस में उसे परिमार्जित किया गया है। उदाहरण स्वरूप फुलवारी के प्रसंग में रामायण में लिखा गया कि देवी सीता के बदन पर साड़ी बहुत सुंदर लग रही है। वहीं मानस में लिखा गया कि जगत जननी की छवि अवर्णननीय है। दूसरा उदाहरण जयंत नेत्र भंग के प्रसंग से दिया। रामायण में उल्लेख है कि जयंत ने जानकी पर चोंच मारी जबकि गोस्वामीजी ने इसे मर्यादा का आवरण देकर लिखा कि जयंत ने जगत जननी के पैर पर चोंच मारी। वयोवृद्ध मानस मर्मज्ञ पं. सूर्यकुमार शास्त्री दावे के साथ कहते हैं कि मानस की तर्ज पर रामायण का पाठ आजादी से पहले हुआ हो तो मैं नहीं कह सकता लेकिन आजादी के बाद रामायण का अखंड पाठ नहीं हुआ।

मानस की अब तक बिक्री

गीता प्रेस ने वर्ष 1939 से रामायण और मानस का प्रकाशन आरंभ किया। यहां से मानस की हिन्दी मे प्रकाशित 3,32,14250 प्रतियां, गुजराती में 46,55000, अंग्रेजी में 1,48,500, उड़िया में 1,21500, मराठी में 73,000, तेलुगु में 69,000, बांग्ला में 45,000, कन्नड़ में 23,000, नेपाली में 12,500 और असमिया 2000 प्रतियां बिक चुकी हैं। वहीं अन्य प्रकाशकों ने तमिल, उर्दू, मैथिली, मलयालम, कोंकड़ी, सिंधी, भोजपुरी और डोंगरी में अनुवादित श्रीरामचरितमानस का प्रकाशन किया है।

निरीक्षा शाखा
सूचना एवं जनसम्पर्क विभाग, उत्तर प्रदेश

वाल्मीकि जयंती पर मंत्री ने पढ़ी रामायण, किया पूजन

प्रशासनिक स्तर से आयोजित हुए कार्यक्रम, वक्ताओं ने रखे विचार

जास, शाहजहांपुर : महर्षि वाल्मीकि जयंती को प्रशासनिक स्तर पर धूमधाम से मनाया गया। कैबिनेट मंत्री सुरेश खन्ना ने हनुमतधाम में वाल्मीकि रामायण पढ़कर महर्षि का पूजन किया। निगोही रोड स्थित महर्षि वाल्मीकि मंदिर में दर्शन कर माथा टेका। भगवान वाल्मीकि प्रकाशोत्सव समिति के बैनर तले गांधी भवन में आयोजित समारोह में महर्षि के चित्र पर माल्यार्पण कर पूजन किया। हरिद्वार से आए साधु समाज के राष्ट्रीय अध्यक्ष स्वामी नित्यानंद महाराज ने महर्षि वाल्मीकि तथा रामायण पर विचार साझा किए।

हनुमतधाम पर रामायण का पाठ करते कैबिनेट मंत्री सुरेश कुमार खन्ना • जागरण

वाल्मीकि जयंती उत्सव की शुरुआत हुई हनुमतधाम से। यहां सफाई कर्मचारी आयोग के अध्यक्ष सुरेंद्र वाल्मीकि, जिला पंचायत अध्यक्ष अजय प्रताप सिंह यादव भी मौजूद रहे। गांधी भवन में भगवान वाल्मीकि प्रकाशोत्सव समिति के संयोजक दौलतराम, अध्यक्ष अजय प्रधान, अमित वाल्मीकि, मंदिर कमेटी प्रबंधक रामकृपाल ने कैबिनेट मंत्री सुरेश खन्ना, स्वामी नित्यानंद, सुरेंद्र वाल्मीकि, एडवोकेट राजेश अवस्थी को अंगवस्त्र व प्रशस्ति पत्र भेंट किया। इस अवसर पर पूर्व सभासद मंगला, मुन्नीदेवी, शर्मिला सिंह मौजूद रहीं। संचालन मुरारी लाल भास्कर ने किया।

पुवायां में निगोही रोड स्थित वाल्मीकि मन्दिर, कासीराम कालोनी, राम नगर, देवस्थान मन्दिर एवं तहसील तिलहर में कुंवरगंज वाल्मीकि मन्दिर, तहसील कलान में राम जानकी मंदिर, मिर्जापुर और तहसील जलालाबाद में सुभाष नगर, वाल्मीकि मंदिर, हनुमान मन्दिर जलालाबाद चौराहा पर कार्यक्रम हुए।

स्कूलों में क्विज के साथ दिलाई एकता की शपथ

जास, शाहजहांपुर : सरदार पटेल की जयंती पर जीआइसी में क्विज प्रतियोगिता हुई। डीआइओएस रवींद्र सिंह यादव ने राष्ट्रीय एकता व अखंडता की शपथ दिलाई। प्रधानाचार्य रणवीर सिंह ने विचार साझा किए। बच्चों ने क्विज कक्षाओं के जवाब देकर इनाम झटके। [illegible] कुमार ने सरदार पटेल के चित्र पर माल्यार्पण किया। सहायक जिला [illegible] संतोष सिंह, जिला स्काउट मास्टर [illegible], जिला गाइड कैप्टन [illegible] और समस्त स्टाफ ने पुष्पांजलि अर्पित की। इस्लामिया इंटर कालेज में प्रधानाचार्य मोहम्मद आमीन ने शपथ दिलाई। इस दौरान डा. मलिक असलम अली, मोहम्मद अब्दुल समद खान, अतीक अहमद सिद्दीकी, मतलूब उल्लाह खान, आफताब आलम खान मौजूद रहे। एसपी कॉलेज में लौहपुरुष के चित्र पर माल्यार्पण कर शपथ दिलाई गई। प्रधानाचार्य महेश चंद्र [illegible] रहे।

[illegible] बाल विद्या मंदिर कन्या इंटर कॉलेज में सरदार वल्लभ भाई पटेल की जयंती पर उनके चित्र पर पुष्प अर्पित करतीं छात्राएं व शिक्षकाएं • जागरण

हिन्दुस्तान–मुरादाबाद

01 नवम्बर 2020

शासन के निर्देश के बाद वाल्मीकि जयंती को भव्य बनाने में जुटा प्रशासन, मंदिरों में रामायण व भजन कीर्तन किया जाएगा

मंदिरों का डाटा तैयार, नोडल अधिकारी तैनात

मुरादाबाद | मुख्य संवाददाता

हाथरस की घटना के बाद यह सियासी मजबूरी है या वक्त का तकाजा, लेकिन इस बार वाल्मीकि जयंती को भव्य बनाने का जिम्मा शासन ने अपने ऊपर ले लिया है। शासन के निर्देश मिलने के बाद प्रशासन ने आनन-फानन भगवान श्री राम और हनुमान मंदिरों का डाटा जुटाया है। वाल्मीकि जयंती पर शनिवार को इन मंदिरों में अखंड रामायण, भजन-कीर्तन का आयोजन प्रशासन की ओर से होगा। इसके लिए भजन-कीर्तन करने वाली टोलियों की सूची तैयार करके इनसे संपर्क साधा जा रहा है। आयोजनों के लिए नोडल अधिकारी भी तैनात किए गए हैं।

प्रदेश सरकार महर्षि वाल्मीकि जयंती पर हर जिले में भव्य कार्यक्रमों का आयोजन करवाएगी। इकतीस अक्टूबर को वाल्मीकि जयंती पर जयंती को भव्यता के साथ मनाने का आदेश है। मुख्य सचिव के आदेश पर प्रमुख सचिव मुकेश मेश्राम ने सभी जिलों के डीएम कमिश्नर को इस संबंध में आदेश जारी किया है। इसके बाद मुरादाबाद में राम मंदिर, हनुमान मंदिर अथवा रामायण से संबंधित अन्य मंदिरों का डिटेल फोटो, जीपीएस लोकेशन समेत तैयार किया जाने लगा है। जिन जिलों में राम जानकी मार्ग और वन गमन मार्ग जो वाल्मीकि रामायण में वर्णित हैं उनकी भी सूचना मांगी गई है। कुछ मंदिर 8 घंटे, 12 घंटे और 24 घंटे अनवरत रामायण पाठ के लिए चयनित किए जा रहे हैं। चयनित मंदिरों में भजन मंडली, कलाकारों की लिस्ट तैयार होने लगी है। जिला, तहसील और ब्लाक स्तर पर जहां आयोजन होंगे वहां एक समिति गठित कर विधिवत भव्य कार्यक्रमों का आयोजन करवाया जाएगा।

वाल्मीकि जयंती पर होने वाले आयोजन को लेकर बैठक करते नोडल अधिकारी एडीएम प्रशासन लक्ष्मी शंकर सिंह व अन्य अधिकारी।

> शासन के निर्देश पर मुरादाबाद में वाल्मीकि जयंती को भव्य बनाने के लिए ड्यूटी लगा दी गई है। सांस्कृतिक टोलियों के माध्यम से रामायण, भजन कीर्तन आदि का आयोजन होगा। आयोजनस्थलों पर साफ सफाई, अफसरों की तैनाती की जा रही है। नोडल अधिकारी भी तैनात कर दिए गए हैं।
>
> राकेश कुमार सिंह- जिलाधिकारी

परंपरागत कार्यक्रमों का आयोजन विधिवत होगा

जो कार्यक्रम हर साल होते हैं वह तो होंगे ही इस बार अतिरिक्त कार्यक्रमों का आयोजन किया जाएगा। हालांकि, कोविड नियमों के पालन के साथ और मंदिरों में विविध आयोजन अलग से होंगे। इसके लिए एडीएम प्रशासन लक्ष्मी शंकर सिंह को नोडल अधिकारी बनाया गया है। सभी एसडीएम, ईओ और बीडीओ भी नोडल अधिकारी होंगे।

वाल्मीकि रामायण का पाठ व उनकी महत्ता भी बताएंगे

वाल्मीकि जयंती पर महर्षि वाल्मीकि के जीवन पर भी रोशनी डाली जाएगी। इसके साथ ही महर्षि वाल्मीकि रामायण का पाठ भी होगा। इस आयोजन के बहाने एक बार फिर शासन प्रशासन भगवान राम की गाथा को फिर से दोहरा कर लोगों का ध्यान इस ओर आकर्षित करना चाहता है। इसके लिए प्राथमिकता के आधार पर तैयारी की जाने लगी है।

27 वाल्मीकि बस्तियों में भव्य आयोजन की तैयारी

मुरादाबाद | मुख्य संवाददाता

वाल्मीकि जयंती को भव्यता के साथ मनाने के लिए जिला प्रशासन ने एक महत्वपूर्ण बैठक की। वाल्मीकि समुदाय के 18 कार्यक्रमों के आयोजकों के साथ विचार विमर्श किया गया। नोडल अधिकारी एडीएम प्रशासन लक्ष्मी शंकर सिंह ने आयोजन पर चर्चा की।

बैठक में बताया गया लाईनपार मझोला, वाल्मीकि उपवन दौलतबाग, वाल्मीकि पार्क, कटघर वाल्मीकि मंदिर, भूड़े का चौराहा, वाल्मीकि मंदिर, काजरी सराय, टाउन हाल, समेत मुरादाबाद में स्थित 27 वाल्मीकि बस्तियों में स्थित मंदिरों में आयोजन होंगे। नोडल अधिकारी लक्ष्मी शंकर सिंह ने बताया कि चारों तहसीलों में महर्षि वाल्मीकि जयंती के भव्य आयोजन को एसडीएम को नोडल अधिकारी बनाया गया है। सभी 9 टाउन एरिया एवं नगर पालिका परिषदों में संबंधित अधिशासी अधिकारियों को नोडल अधिकारी नामित किया। ब्लाक स्तर पर दो - दो ग्रामों में इस वर्ष वाल्मीकि जयंती आयोजन होगा। इसके नोडल बीडीओ होंगे। चयनित मंदिरों व स्थलों पर कोविड-19 संक्रमण की रोकथाम के लिए गाइड लाइन का पालन होगा। बैठक में एसडीएम, तहसीलदार, सहायक नगर आयुक्त, नगर निकायों के अधिशासी अधिकारी, ओमीलाल वाल्मीकि, धर्मेन्द्र गुल्लाटी, रवि द्रविड़, मुरारीलाल बेचैन, ब्रजेश कुमार, लल्ला बाबू, द्रविड़, विनय राजोरिया, संजीव चौधरी वाल्मीकि आदि उपस्थित थे।

जिम्मेदारी सौंपी

- एडीएम प्रशासन ने सभी अफसरों को जिम्मेदारी सौंपी
- लाइनपार, दौलतबाग, टाउन हाल, भूड़ा का चौराहा, काजरी सराय समेत कई स्थलों को आयोजन के लिए चिन्हित किया

निरीक्षा शाखा
सूचना एवं जनसम्पर्क विभाग, उत्तर प्रदेश

अमर उजाला–मुरादाबाद

01 नवम्बर 2020

भव्य तरीके से मनाई जाएगी वाल्मीकि जयंती

एडीएम ने ली बैठक, वाल्मीकि मंदिरों पर जलेंगे दीप, 6, 12 और 24 घंटे का रामायण पाठ भी होगा

अमर उजाला ब्यूरो

मुरादाबाद। 31 अक्टूबर को महर्षि वाल्मीकि जयंती को भव्य तरीके से मनाया जाएगा। प्रशासन की ओर से इसके लिए कमर कस ली गई है। महर्षि वाल्मीकि से संबन्धित स्थलों, मंदिरों आदि पर दीप प्रज्ज्वलन, दीप दान के साथ-साथ अनवरत 06, 12 अथवा 24 घंटे का वाल्मीकि रामायण का पाठ किए जाने का कार्यक्रम निर्धारित किया गया है।

वाल्मीकि जयंती के लिए आयोजित बैठक में उपस्थित वाल्मीकि समाज के लोग और बैठक को संबोधित करते एडीएम।

अपर जिलाधिकारी प्रशासन लक्ष्मीशंकर सिंह ने कलक्ट्रेट मुशायरा ग्राउंड में आयोजित बैठक में वाल्मीकि जयंती की तैयारियां की बैठक ली। कहा कि भगवान वाल्मीकि ने महाकाव्य रामायण की रचना कर लोगों को सत्य एवं कर्तव्य परायणता पर चलने का मार्ग दिखाया। रामायण में निहित मानव मूल्यों, सामाजिक मूल्यों व राष्ट्र मूल्यों के व्यापक प्रचार-प्रसार व जनमानस को इससे जोड़ने के लिए उनकी जयंती पर कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। श्रीराम व वीर हनुमान तथा रामायण से संबन्धित अन्य महत्वपूर्ण स्थलों, मंदिरों का चयन करते हुए, वहां सुरुचिपूर्ण आयोजन के साथ रामायण पाठ, भजन आदि के कार्यक्रम कराए जाएंगे।

उन्होंने बताया कि महर्षि वाल्मीकि द्वारा वर्णित स्थल, जिन्हें राम-जानकी मार्ग, राम वन-गमन मार्ग आदि के रूप में जाना जाता है, संपूर्ण भारत वर्ष में लगभग 280 स्थलों के रूप में आज भी विद्यमान है। उत्तर प्रदेश में राम-जानकी मार्ग तथा राम वन-गमन मार्ग के अंतर्गत अनेक स्थल विद्यमान हैं, जहां भारतीय संस्कृति के मूल तत्व एवं मान्यताएं सुरक्षित हैं।

बैठक में वाल्मीकि समुदाय के पदाधिकारियों से विचार विमर्श उपरांत निर्णय लिया गया कि लाईनपार मझोला, वाल्मीकि उत्थान दौलतबाग, वाल्मीकि पार्क, कटघर वाल्मीकि मंदिर, भूड़े का चौराहा वाल्मीकि मंदिर, कंजरी सराय, टाउन हॉल, सहित मुरादाबाद में स्थित 27 वाल्मीकि बस्तियों में स्थित मंदिर शामिल हैं। सभी पर दीप प्रज्ज्वलन व पाठ होगा। इसके अतिरिक्त चारों तहसीलों में महर्षि वाल्मीकि जयंती के भव्य आयोजन हेतु उपजिलाधिकारियों को नोडल अधिकारी नामित किया तथा जनपद की सभी 9 टाउन एरिया एवं नगर पालिका परिषदों में संबंधित अधिशासी अधिकारियों को वाल्मीकि जयंती आयोजन हेतु नोडल अधिकारी नामित किया। इसके अतिरिक्त ब्लाक स्तर पर दो - दो ग्रामों में इस संबंधित विकास अधिकारियों को नोडल अधिकारी नामित किया गया है। कहा कि इस मौके पर कोविड नियमों का पालन किया जाए।

बैठक में उपजिलाधिकारी, तहसीलदार, सहायक नगर आयुक्त, नगर निकायों के अधिशासी अधिकारी, नाजिर सदर सहित वाल्मीकि समुदाय के प्रतिनिधि ओमीलाल वाल्मीकि, धर्मेन्द्र मुल्तानी, रवि द्रविड, नुरतेलाल सैशन, बिरजेश कुमार, लल्ला बाबू, द्रविड, विनय रजौड़िया, संजीव चौधरी वाल्मीकि, प्रेम बाबू वाल्मीकि आदि उपस्थित थे।

विधान केसरी–मुरादाबाद

01 नवम्बर 2020

महर्षि वाल्मीकि जयन्ती कार्यक्रम को लेकर कलेक्ट्रेट में बैठक सम्पन्न

वाल्मीकि जयन्ती के आयोजन भव्य तरीके से सम्पन्न करायें: एडीएम

- महर्षि वाल्मीकि ने रामायण की रचना कर लोगों को सत्य एवं कर्तव्यपरायणता का मार्ग दिखाया: लक्ष्मीशंकर
- वाल्मीकि जयन्ती कार्यक्रमों में कोविड-19 के प्रोटोकॉल तथा सोशल डिस्टेंसिंग का पूर्ण पालन करायें
- महर्षि वाल्मीकि द्वारा रचित रामायण सामाजिक मूल्यों, मानव मूल्यों एवं राष्ट्र मूल्यों की स्थापना का आदर्श

मुरादाबाद (विधान केसरी)। अपर जिलाधिकारी प्रशासन, नोडल अधिकारी वाल्मीकि जयंती आयोजन लक्ष्मीशंकर सिंह ने आज कलेक्ट्रेट मुरादाबाद सभागार में आयोजित बैठक में 31 अक्टूबर, 2020 को महर्षि वाल्मीकि जयन्ती के आयोजन को भव्य तरीके से सम्पन्न कराने के निर्देश दिए हैं। उन्होंने कहा कि आदि कवि महर्षि वाल्मीकि ने महाकाव्य रामायण की रचना कर लोगों को सत्य एवं कर्तव्यपरायणता पर चलने का मार्ग दिखाया। महर्षि वाल्मीकि द्वारा रचित रामायण सामाजिक मूल्यों, मानव मूल्यों एवं राष्ट्र मूल्यों की स्थापना का आदर्श है। बैठक में बताया गया कि इस वर्ष आगामी 31 अक्टूबर, 2020 को महर्षि वाल्मीकि की जयन्ती का पावन दिवस है, जिसे शासन द्वारा भव्य रूप में मनाए जाने का निर्णय लिया गया है। वाल्मीकि रामायण में निहित मानव मूल्यों, सामाजिक मूल्यों व राष्ट्र मूल्यों के व्यापक प्रचार-प्रसार व जनमानस को इससे जोड़ने के लिए महर्षि वाल्मीकि से सम्बन्धित स्थलों, मंदिरों आदि पर दीप प्रज्ज्वलन, दीप दान के साथ-साथ अनवरत 08, 12 अथवा 24 घण्टे का वाल्मीकि रामायण का पाठ किए जाने का कार्यक्रम निर्धारित किया गया है। श्रीराम व श्री हनुमान तथा रामायण से सम्बन्धित अन्य महत्वपूर्ण स्थलों, मंदिरों का चयन करते हुए, वहां सुरुचिपूर्ण आयोजन के साथ रामायण पाठ, भजन आदि के कार्यक्रम कराए जाएंगे। बैठक में एडीएम प्रशासन श्री सिंह ने कहा कि महर्षि वाल्मीकि द्वारा वर्णित स्थल, जिन्हें राम-जानकी मार्ग, राम वन-गमन मार्ग आदि के रूप में जाना जाता है, सम्पूर्ण भारत वर्ष में लगभग 280 स्थलों के रूप में आज भी विद्यमान हैं। उत्तर प्रदेश में राम-जानकी मार्ग तथा राम वन-गमन मार्ग के अन्तर्गत अनेक स्थल विद्यमान हैं, जहाँ भारतीय संस्कृति के मूल तत्व एवं मान्यताएं सुरक्षित हैं। बैठक में वाल्मीकि समुदाय के पदाधिकारियों से विचार विमर्श उपरान्त वाल्मीकि जयन्ती पर कार्यक्रमों के आयोजन हेतु महानगर मुरादाबाद के तीन मंदिरों का चयन किया गया उनमें लाईनपार मझोला, वाल्मीकि उत्थान दौलतबाग, वाल्मीकि पार्क, कटघर वाल्मीकि मंदिर, बूढ़े का बैठका वाल्मीकि मंदिर, कंजरी सराय, टाउन हॉल, सहित मुरादाबाद में स्थित 27 वाल्मीकि बस्तियों में स्थित मंदिर शामिल हैं। इसके अतिरिक्त एडीएम प्रशासन, नोडल अधिकारी ने जनपद की चारों तहसीलों में महर्षि वाल्मीकि जयंती के भव्य आयोजन हेतु उपजिलाधिकारियों को नोडल अधिकारी नामित किया तथा जनपद की सभी 9 टाउन एरिया एवं नगर पालिका परिषदों में संबंधित अधिशासी अधिकारियों को वाल्मीकि जयंती आयोजन हेतु नोडल अधिकारी नामित किया। इसके अतिरिक्त ब्लाक स्तर पर दो - दो ग्रामों में कुल को वाल्मीकि जयन्ती आयोजन हेतु संबंधित खण्ड विकास अधिकारियों को नोडल अधिकारी नामित किया गया है। एडीएम प्रशासन ने जनपद स्तर पर चयनित मंदिरों व स्थलों पर आयोजित होने वाले कार्यक्रमों में कोविड-19 संक्रमण की रोकथाम हेतु शासन द्वारा जारी दिशानिर्देशों व गाइड लाइन का कड़ाई से अनुपालन सुनिश्चित करने तथा सोशल डिस्टेंसिंग का पूर्ण पालन करते हुए इस भव्य एवं दिव्य आयोजन में स्थानीय जनप्रतिनिधियों की व्यापक उचित भागीदारी भी सुनिश्चित करने पर बल दिया। एडीएम प्रशासन ने सभी चयनित वाल्मीकि मन्दिरों पर आक्सीमीटर, थर्मल स्कैनिंग एवं सैनिटाइजर आदि की व्यवस्था सुनिश्चित करने के भी अधिकारियों को निर्देश दिये। उन्होंने वाल्मीकि जयन्ती पर आयोजित किये जाने वाले समस्त कार्यक्रमों में कोविड-19 के प्रोटोकॉल तथा सोशल डिस्टेंसिंग का पूर्ण पालन कराने के निर्देश दिये। बैठक में उपजिलाधिकारी, तहसीलदार, सहायक नगर आयुक्त, नगर निकायों के अधिशासी अधिकारी, नाजिर सदर सहित वाल्मीकि समुदाय के प्रतिनिधि यथा ओमीलाल वाल्मीकि, धर्मेन्द्र मुल्तानी, रवि चटिक, मुरारीलाल चौहान, विरजेश कुमार, लल्ला बाबू, प्रविंद, विनय रजौड़िया, संजीव चौधरी वाल्मीकि, प्रेम बाबू वाल्मीकि आदि उपस्थित थे।

विधान केसरी–मुरादाबाद

01 नवम्बर 2020

महर्षि वाल्मीकि ने विश्व को सत्य एवं कर्तव्य परायणता पर चलने का मार्ग दिखाया: डीएम

मुरादाबाद(विधान केसरी)। उत्तर प्रदेश शासन द्वारा जनपद मे 31 अक्टूबर को महर्षि वाल्मीकि जयन्ती के आयोजन के निर्देशों के क्रम मे जिलाधिकारी राकेश कुमार सिंह ने आज कलेक्ट्रेट मुशायरा ग्राउंड मे कहा कि महाकाव्य रामायण के रचयिता महर्षि वाल्मीकि की जयन्ती पूरे जनपद मे श्रद्धा एवं हर्षोल्लास के साथ मनायी जा रही है।

जिलाधिकारी ने कहा कि महर्षि वाल्मीकि ने आदिकाव्य रामायण की रचना कर लोगो को सत्य एवं कर्तव्य परायणता पर चलने का मार्ग दिखाया तथा देश की प्राचीन संस्कृति को देश - दुनिया मे पहुंचाने का श्रेय महर्षि वाल्मीकि को जाता है। उन्होने कहा कि महर्षि वाल्मीकि द्वारा दी गयी शिक्षा और आदर्शों को अपनाकर प्रगतिशील एवं समरसतायुक्त समाज का निर्माण किया जा सकता है। जिलाधिकारी ने कहा कि महर्षि वाल्मीकि द्वारा रचित रामायण सामाजिक मूल्यों, मानव मूल्यों एवं राष्ट्र मूल्यों की स्थापना का आदर्श है। उन्होने जिले स्तर पर महर्षि वाल्मीकि जयन्ती के अवसर पर आयोजित होने वाले कार्यक्रमों

मे कोविड-19 के प्रोटोकाल तथा सोशल डिस्टेंसिंग का पूर्ण पालन करने की अपील की है। इस अवसर पर अपर जिलाधिकारी प्रशासन लक्ष्मीशंकर सिंह, अपर जिलाधिकारी नगर राजेन्द्र सिंह सेंगर, डिप्टी कलेक्टर प्रबुद्ध सिंह, डिप्टी कलेक्टर राजेश कुमार, नाजिर सदर गोपी कृष्ण, सहित कलेक्ट्रेट के विभिन्न अनुभागीय अधिकारी एवं कर्मचारीगण उपस्थित थे।

निरीक्षा शाखा
सूचना एवं जनसम्पर्क विभाग, उत्तर प्रदेश

अमर उजाला पेज नं0—06—रामपुर

01 नवम्बर 2020

वाल्मीकि जयंती पर मंदिरों में हुआ रामायण पाठ

तहसीलों में अधिकारियों ने भी की पूजा, भगवान वाल्मीकि के जीवन और उनके संदेशों पर भी प्रकाश डाला

संवाद न्यूज एजेंसी

पटवाई/शाहबाद/स्वार/टांडा/मिलक (रामपुर)। जिले भर में वाल्मीकि जयंती के अवसर पर मंदिरों में रामायण पाठ किया गया। इस अवसर पर भगवान वाल्मीकि के जीवन और उनके संदेशों पर भी प्रकाश डाला। वाल्मीकि जयंती को जनपद में भव्य रूप से मनाया गया। महर्षि वाल्मीकि से संबंधित स्थलों, मंदिरों पर दीप प्रज्ज्वलन और दीपदान के साथ अनवरत आठ, 12 एवं 24 घंटों का वाल्मीकि रामायण पाठ किए जाने का कार्यक्रम निर्धारित किया गया। श्री राम और श्री हनुमान तथा रामायण से संबंधित महत्वपूर्ण स्थलों, मंदिरों का चयन कर वहां पर सुरुचिपूर्ण आयोजन के साथ रामायण पाठ, भजन आदि कराए गए। मिलक में खंड शिक्षाधिकारी विनोद कुमार ने सिरसा स्थित बागेश्वर महादेव शिव मंदिर, धमोरा स्थित श्री ओंकारेश्वर महादेव मंदिर, श्री राम दरबार मंदिर लखीमपुर विष्णु और प्राचीन दुर्गा मंदिर मिलक में आयोजित रामायण पाठ में शिरकत की और रामायण पाठ किया। शाहबाद के मोहल्ला हकीमान स्थित महर्षि वाल्मीकि मंदिर को सजाया गया। शनिवार सुबह को एसडीएम राकेश कुमार गुप्ता, तहसीलदार महेंद्र बहादुर सिंह और खंड शिक्षा अधिकारी नरेंद्र श्रीवास्तव मंदिर पहुंचे। कोरोना गाइडलाइन के अनुसार झांकियां नहीं निकाली गईं। सोशल डिस्टेंस के साथ कार्यक्रम का आयोजन मंदिर परिसर में किया गया। एसडीएम और तहसीलदार ने दीप प्रज्ज्वलित किया तथा पुष्पांजलि अर्पित करने के साथ वाल्मीकि रामायण पाठ का शुभारंभ किया। राहुल द्विवेदी ने पूरे विधि विधान से पूजन किया। वहीं [illegible] के मंदिर पर अधिशासी अधिकारी नगर पंचायत प्रेमचंद ने महर्षि वाल्मीकि रामायण का पाठ शुरू कराया। नायब तहसीलदार हर्ष कुमार द्वारा पटवाई क्षेत्र में, सीडीपीओ ओपी त्रिपाल द्वारा दढ़ियाल क्षेत्र में तथा एडीओ चंद्रमोहन बिश्नोई द्वारा सैफनी क्षेत्र में वाल्मीकि रामायण का शुभारंभ कराया गया।

स्वार में शनिवार को वाल्मीकि प्रकट दिवस के अवसर पर कई वाल्मीकि मंदिरों में पहुंचकर पूजा अर्चना कर रामायण का पाठ करेंगे। शनिवार को अध्यापक प्रेम सिंह, अध्यापक राकेश कुमार संगीत मंडली के साथ स्वार रामपुर मोहल्ला पक्का स्वार स्थित वाल्मीकि मंदिर पहुंचे जहां उन्होंने पूजा-अर्चना कर रामायण का पाठ प्रारंभ किया। क्षेत्र में महर्षि वाल्मीकि जयंती धूमधाम से मनाई गई। शनिवार को खंड शिक्षा अधिकारी प्रेम सिंह राणा विभागीय अधिकारियों कर्मचारियों के साथ सुबह 9 बजे धुनापुर स्थित बालाजी मंदिर पहुंचे और विधिवत पूजा और दीप प्रज्ज्वलित कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया। दीपदान कार्यक्रम के साथ ही वाल्मीकि रामायण का अखंड पाठ किया गया। टांडा में भगवान वाल्मीकि जयंती के अवसर पर नगर के मोहल्ला भगवानपुरी स्थित वाल्मीकि मंदिर में रामायण के पाठ का आयोजन कराया गया इसमें वाल्मीकि रामायण को संस्कृत का अनुपम महाकाव्य बताया।

मिलक में नगर और क्षेत्र में वाल्मीकि जयंती धूमधाम से मनाई गई। जिसको लेकर नगर के श्री प्राचीन दुर्गा मंदिर में रामायण का पाठ हुआ। जिसका उपजिलाधिकारी मनोज कुमार सागर ने दीप प्रज्ज्वलित कर शुभारंभ किया। क्षेत्र के लखीमपुर विष्णु, सिरसा स्थित मंदिरों में रामायण पाठ हुआ। जिसमें उप जिलाधिकारी मनोज कुमार सागर, तहसीलदार अशोक कुमार सिंह, नायब तहसीलदार अर्चि गुप्ता, खंड शिक्षाधिकारी विनोद कुमार आदि रहे।

रामपुर में शनिवार को श्री हरि मंदिर में वाल्मीकि जयंती के अवसर पर रामायण पाठ के शुभारंभ में पूजा अर्चना करते राज्य मंत्री बलदेव सिंह औलख।

शाहबाद में वाल्मीकि मंदिर में पूजा करते एसडीएम। संवाद

निरीक्षा शाखा
सूचना एवं जनसम्पर्क विभाग, उत्तर प्रदेश

अमर उजाला पेज नं0–06–रामपुर

01 नवम्बर 2020

त्रिपुरेश्वरी शक्तिपीठ में वाल्मीकि जयंती पर हुआ पूजन का कार्यक्रम

रामपुर में त्रिपुरेश्वरी शक्तिपीठ में वाल्मीकि जयंती पर रामायण का पाठ करते आचार्य राधेश्याम वासंतेय। संवाद

संवाद न्यूज एजेंसी

रामपुर। श्री त्रिपुरेश्वरी शक्तिपीठ और परमहंस भारतीय महायोग शोध संस्थान रामपुर में आदिकवि वाल्मीकि के प्रकाशोत्सव पर विशिष्ट कार्यक्रम आयोजित किया गया।

कार्यक्रम में शक्तिपीठ महायोगी आचार्य राधेश्याम वासंतेय ने वाल्मीकि रामायण का सस्वर पाठ किया। जिसमें अनेक साधकों ने रामायण के सस्वर पाठ को विशेष सराहा तथा सब ने संकल्प लिया कि हम सभी रामायण का पाठ करना प्रारंभ करेंगे। वाल्मीकि के जन्म उत्सव तथा शारदीय पूर्णिमा के अवसर पर 51 दीप प्रज्ज्वलित किए गए। जिसमें सुनीता सैनी ने 21 दीपक मां ललिता एवं महर्षि वाल्मीकि को समर्पित किए। इस अवसर पर आचार्य वासंतेय ने कहा कि समाज के आदि प्रेरणा दायक अनेक महर्षियों की तरह वाल्मीकि के कई जीवन से जुड़ी जानकारियां दीं। सभी ने स्तुति कर वाल्मीकि जी का अर्चन पूजन तथा आरती की। कार्यक्रम में विनय शर्मा, प्रदीप भारद्वाज, ओमपाल सिंह सैनी, सुनीता सैनी, गौरव गुप्ता, पंकज अग्रवाल, सुरेश वाल्मीकि, रजत आदि ने भाग लिया।

निरीक्षा शाखा

सूचना एवं जनसम्पर्क विभाग, उत्तर प्रदेश

हिन्दुस्तान पेज नं0–04–रामपुर

01 नवम्बर 2020

प्रशासन की ओर से मनाई गई महर्षि वाल्मीकि जयंती, जिले के 38 मंदिरों में हुआ रामायण पाठ और कीर्तन का आयोजन

मंदिरों में वाल्मीकि रामायण पाठ और भजन कीर्तन

हिन्दुस्तान लाइव

रामपुर | हिन्दुस्तान संवाद

महर्षि वाल्मीकि जयंती पर जिले भर में 38 मंदिरों में शासन की गाइड लाइन के अनुसार जिला प्रशासन की देखरेख में वाल्मीकि रामायण का पाठ हुआ। दिन भर महर्षि वाल्मीकि के जयकारों से वातावरण गूंज ता रहा। कहीं वाल्मीकि भजन हुए तो कहीं हुआ गुणगान। राज्य मंत्री बलदेव सिंह औलख समेत जनप्रतिनिधियों और अफसरों ने मंदिरों में जाकर पूजा अर्चना में शिरकत किया। दिनभर पूजा-अर्चना का क्रम चलता रहा।

नोडल अधिकारी जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी ऐश्वर्या लक्ष्मी ने बताया कि जिले भर में मंदिरों पर श्री वाल्मीकि रामायण का अखंड पाठ चल रहा है। जबकि 30 मंदिरों में विधि-विधान से भगवान वाल्मीकि की पूजा अर्चना की गई। इसके बाद भगवान वाल्मीकि को नमन कर भजन कीर्तन किए गए। दिन भर सभी मंदिरों में भगवान वाल्मीकि के भजन कीर्तन होते रहे। सभी तहसीलों में उप जिलाधिकारी, तहसीलदार, खंड शिक्षा अधिकारी समेत तहसील स्तरीय अफसर अपने-अपने क्षेत्रों में वाल्मीकि रामायण पाठ की तैयारी में जुट गए थे।

महर्षि वाल्मीकि के उद्घोष से गूंज उठी जिला: महर्षि वाल्मीकि प्रकट दिवस के मौके पर निकाली गई। प्रभात फेरी में भगवान वाल्मीकि के उद्घोष से जिला गूंज उठी। शनिवार की सुबह भारतीय वाल्मीकि धर्म समाज की ओर से प्रभात फेरी निकाली गई। तोपखाना से प्रारंभ हुई प्रभात फेरी का प्रारंभ बार एसोसिएशन के पूर्व अध्यक्ष श्यामलाल ने फीता काटकर किया। तोपखाना से प्रारंभ होकर प्रभात फेरी चरका वाली खिड़की, मदरसा चौराहा, अब्दुन खेल न, अजमवाल पक्का बाग, हाथी खाना, कुंडा होते हुए वाल्मीकि मंदिर को सिंह मार्ग पर पहुंचकर समाप्त हुई। प्रभात फेरी पर जगह-जगह पुष्प वर्षा कर लोगों ने स्वागत किया। भारतीय वाल्मीकि धर्म समाज प्रमुख भीम अनार्य ने कहा की जब तक संसार रहेगा, वाल्मीकि रामायण का गुणगान होता रहेगा। वाल्मीकि रामायण ग्रंथ नहीं बल्कि अंधेरे से उजाले की ओर ले जाने का रास्ता है। रामायण का अध्ययन करने के बाद हमें अपना रास्ता स्वयं निकालना होगा। प्रभात फेरी में भगवान वाल्मीकि के उद्घोष से जिला गूंज उठी। इस दौरान भारतीय वाल्मीकि धर्म समाज के जिला अध्यक्ष कमल दर्शित, उपाध्यक्ष अनिल गुड्डू, पवन अनार्य, राकेश, कमल अंबेडकर, पारस वाल्मीकि, शिवम चौहान, अविनाश, शरद राज, सुरेश चौधरी, अनिल राजा, शंकर बबलू, संजय विराट, नितिन कुमार, शिवा, मुकेश चौधरी, दिनेश रहे।

वाल्मीकि जयंती पर प्रभात फेरी निकालते वाल्मीकि समाज के लोग

राजा रोड स्थित वाल्मीकि मंदिर में रामायण की चौपाइयां गाती महिलाएं।

[illegible]
सुबह 09:30 बजे

शासन की गाइड लाइन के अनुसार सुबह से ही मंदिर में महर्षि वाल्मीकि रामायण पाठ की तैयारी शुरू हो गई थी। राज्यमंत्री बलदेव सिंह औलख ने विधि विधान से पूजा-अर्चना की। पंडित राम लखन मिश्र ने मंत्रों की आहुति के बीच पूजा अर्चना कराई। पहले हुई गणेश वंदना, गुरु वंदना के बाद हुई सरस्वती वंदना। इस दौरान नोडल अधिकारी जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी ऐश्वर्या लक्ष्मी, नगर शिक्षा अधिकारी शाहिद हुसैन, जिला समन्वयक एमडीएम राहुल रहे।

वाल्मीकि मंदिर कोसी मार्ग
सुबह 10:00 बजे

वाल्मीकि मंदिर कोसी मार्ग पर वाल्मीकि धर्म समाज द्वारा प्रभातफेरी निकालने के बाद वाल्मीकि रामायण पाठ प्रारंभ हुआ। मंदिर में श्रद्धालुओं की भीड़ उमड़ पड़ी। मंदिर में वाल्मीकि रामायण पाठ में हिस्सा लेने के लिए श्रद्धालु अपनी बारी का इंतजार करते रहे। इस दौरान भारतीय वाल्मीकि धर्म समाज के राष्ट्रीय प्रमुख भीम अनार्य, खंड शिक्षा अधिकारी सैद नगर प्रेम सिंह तोमर, ए आर पी भारत सिंह और अभिनव गुप्ता, किरन भारद्वाज, रानी, अंशिका गुप्ता, नीलम शर्मा आदि रहे।

वाल्मीकि मंदिर राजारोड
सुबह 10:30 बजे

राजा रोड वाल्मीकि मंदिर के पुजारी ओमप्रकाश ने विधि विधान से पूजा अर्चना कराई। भगवान वाल्मीकि के चित्र पर जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी ऐश्वर्या लक्ष्मी समेत अन्य लोगों ने माल्यार्पण किया। पूजा अर्चना के बाद प्रारंभ हुआ वाल्मीकि रामायण का पाठ। भगवान वाल्मीकि की पूजा अर्चना चलती रही। भगवान वाल्मीकि के चित्र पर जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी ऐश्वर्या लक्ष्मी समेत अन्य लोगों ने माल्यार्पण किया। इस दौरान मंदिर में बड़ी संख्या में श्रद्धालु मौजूद थे।

श्री वाल्मीकि दरबार
पूर्वाह्न 11:00 बजे

मंदिर में भगवान वाल्मीकि की पूजा अर्चना हो चुकी थी। श्रद्धालुओं ने भगवान वाल्मीकि के चित्र पर माल्यार्पण कर विश्व कल्याण की मंगल कामना को लेकर यज्ञ में आहुति दी। इसके बाद विधि विधान से वाल्मीकि रामायण का पाठ शुरू हुआ। श्रद्धालुओं ने भगवान वाल्मीकि के चित्र पर माल्यार्पण कर विश्व कल्याण की मंगल कामना को लेकर यज्ञ में आहुति दी। इसके बाद विधि विधान से वाल्मीकि रामायण का पाठ शुरू हुआ। श्रद्धालुओं में पाठ करने की होड़ लगी थी।

वाल्मीकि के आदर्शों को अपनाएं लोग

रामपुर। श्री त्रिपुरेश्वरी शक्तिपीठ एवं परमहंस भारतीय महायोग शोध संस्थान में आदि कवि महर्षि वाल्मीकि के जन्म उत्सव पर विशिष्ट कार्यक्रम आयोजित किया गया। शनिवार को हुए कार्यक्रम में पीठाधीश्वर आचार्य डॉक्टर राधेश्याम भारतेन्दु ने महर्षि वाल्मीकि रामायण का सस्वर पाठ किया। महर्षि वाल्मीकि ने विश्व का अद्वितीय प्रथम ग्रंथ रामायण लिखा। कार्यक्रम में विनय शर्मा, प्रदीप भारद्वाज, ओमपाल सिंह सैनी, सुनीता सिंह सैनी, गौरव गुप्ता, पंकज अग्रवाल, सुरेश रहे।

महर्षि वाल्मीकि ने संपूर्ण समाज के लिए की रामायण की रचना

रामपुर। वाल्मीकि शक्ति दल की ओर से वाल्मीकि जयंती पर गोष्ठी का आयोजन किया गया। जिसमें महर्षि वाल्मीकि के आदर्शों पर चलने का आह्वान किया गया। मोहल्ला पायर वाला बाग में भगवान वाल्मीकि प्रकट दिवस के उपलक्ष में हुई गोष्ठी में प्रदेश अध्यक्ष प्रेम प्रकाश ने कहा कि भगवान वाल्मीकि ने रामायण केवल वाल्मीकि समाज के लिए नहीं बल्कि दुनिया के समस्त समाज के लिए लिखी थी। इसके बाद हुआ प्रसाद वितरण। सोनू प्रकाश, गौरव सागर, अंकित, अन्नू, सोनू, बॉबी, विनोद कुमार, आकाश रहे।

निरीक्षा शाखा
सूचना एवं जनसम्पर्क विभाग, उत्तर प्रदेश

हिन्दुस्तान पेज नं0—04—रामपुर

01 नवम्बर 2020

स्वार में निकाली वाल्मीकि प्रभातफेरी

स्वार में महर्षि वाल्मीकि की जयंती पर प्रभातफेरी निकालते भावाधस के कार्यकर्ता।

महर्षि वाल्मीकि मंदिर में रामायण पाठ करते श्रद्धालुगण।

कार्यक्रम

स्वार | हिन्दुस्तान संवाद

महर्षि वाल्मीकि की जयंती पर आज भारतीय वाल्मीकि समाज के कार्यकर्ताओं ने नगर में प्रभातफेरी निकाली। इस दौरान ढोल और नक्कारों के साथ कार्यकर्ता जमकर थिरके। प्रभातफेरी जिधर से भी निकली उधर लोगों ने उसका स्वागत किया।

महर्षि वाल्मीकि के प्रकटोत्सव पर आज वाल्मीकि समाज में उल्लास का [illegible] समाज के लोग सुबह से ही सज-धज कर तैयार हो गए। वह प्रभातफेरी में शामिल हुए। प्रभातफेरी का शुभारंभ पुलिस क्षेत्राधिकारी धर्म सिंह मार्छाल ने फीता काट कर किया। उन्होंने कहा कि महर्षि वाल्मीकि ने रामायण महाकाव्य की रचना कर श्रीराम को देश एवं दुनिया में प्रस्तुत किया। कहा कि महर्षि वाल्मीकि ने मानव कल्याण की बात कही है। इसके बाद प्रभातफेरी का शुभारंभ हुआ और नगर के मोहल्लों व गली-कूचों से होते हुए नगर के अधिकांश क्षेत्रों में घूमी। प्रभातफेरी में सबसे आगे ढोल एवं नगाड़े बजाती टोली चल रही थी। इस मौके पर भावाधस के प्रांतीय महामंत्री दीप सिंह राही, राष्ट्रीय कार्यकारिणी सदस्य कैलाश एकलव्य, संजय राज, संदीप चौधरी, सुरेश, बिजेश, प्रेम खदाना, अजय, अर्जुन, गुड्डू, सर्वेश आदि रहे। प्रभातफेरी के दौरान पुलिस साथ रही।

मंदिरों में हुआ रामायण पाठ

स्वार। नगर एवं ग्रामीण क्षेत्र के वाल्मीकि मंदिरों समेत अन्य मंदिरों में आज रामायण का अखंड पाठ शुरू हो गया। रामायण पाठ सुनने के लिए श्रद्धालु उमड़ आए। नोडल अधिकारी ने मंदिरों का भ्रमण कर व्यवस्थाओं को देखा। महर्षि वाल्मीकि की जयंती इस बार शासन ने उत्साह एवं भव्य तौर पर मनाने के निर्देश दिए। इसके चलते विशेष तौर पर वाल्मीकि मंदिरों पर रामायण के अखंड पाठ करने के निर्देश दिए गए। आज शनिवार को नगर समेत ग्रामीण क्षेत्र के वाल्मीकि मंदिरों को भव्य रूप से सजाया-संवारा गया। सुबह से ही श्रद्धालुओं के आने का सिलसिला शुरू हो गया। अखंड पाठ से पहले पूजन किया गया। उल्लेखनीय है कि भगवान श्रीराम की गाथा को देश-दुनिया में पहुंचाने का श्रेय महर्षि वाल्मीकि को जाता है। इस लिए प्रदेश सरकार के निर्देश पर आज साप्ताहिक बाजार के सामने स्थित वाल्मीकि मंदिर में अखंड पाठ प्रारंभ हुआ। उधर, नगर के हनुमान मंदिर, भूवरा स्थित वाल्मीकि मंदिर, पाकपुरा के वाल्मीकि मंदिर समेत अनेक मंदिरों में रामायण का अखंड पाठ शुरू हुआ। नोडल अधिकारी खंड शिक्षा अधिकारी विजय वीरेंद्र सिंह ने भ्रमण कर व्यवस्थाओं का जायजा लिया है।

निरीक्षा शाखा

सूचना एवं जनसम्पर्क विभाग, उत्तर प्रदेश

प्रकटोत्सव पर निकाली प्रभातफेरी, पुष्पवर्षा

वाल्मीकि जयंती पर मंदिरों में रामायण पाठ का हुआ आयोजन, प्रभातफेरी का लोगों ने जगह-जगह किया स्वागत

भगवान के हाथ में कलम हमें शिक्षा की ओर करती है प्रेरित

वाल्मीकि जन्मोत्सव पर मंदिरों को आकर्षक ढंग से सजाया गया

जन्मोत्सव पर 51 दीप किए प्रज्जवलित

राज्यमंत्री ने महर्षि के आदर्शों पर चलने की अपील की

[illegible]

जागरण संवाददाता, बिलासपुर : जलशक्ति राज्यमंत्री बलदेव सिंह औलख ने कहा कि महर्षि वाल्मीकि के जीवन आदर्शों पर चल जीवन को आदर्श बनाएं। शनिवार को वह धूमपुर के वाल्मीकि मंदिर में कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे।

वाल्मीकि प्रकटोत्सव पर जनपद के 38 मंदिरों में वाल्मीकि जयंती के अवसर पर भजन कार्यक्रम आयोजित किए गए। इस दौरान आठ मंदिरों में रामायण का अखंड पाठ हुआ। भोट थाना क्षेत्र के धूमपुर गांव स्थित मंदिर में वाल्मीकि जयंती पर रामायण पाठ हुआ। कार्यक्रम का जलशक्ति राज्यमंत्री बलदेव सिंह औलख ने दीप प्रज्वलित कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया। बाद में उन्होंने रामायण का अखण्ड पाठ सुना। इसके बाद भजन कीर्तन का आयोजन हुआ। इस दौरान भजनों पर श्रद्धालु जमकर झूमे। इस दौरान राज्यमंत्री ने कहा कि समाज को महर्षि वाल्मीकि के जीवन आदर्शों को जीवन में उतारें। इस दौरान भाजपा के जिलाध्यक्ष अभय कुमार गुप्ता, कार्यक्रम की नोडल अधिकारी [illegible], बीईओ [illegible], जिला व्यायाम शिक्षक [illegible] आदि मौजूद रहे। दूसरी ओर मुहल्ला [illegible] टोला स्थित वाल्मीकि मंदिर कमेटी तथा भारतीय वाल्मीकि धर्म समाज के पदाधिकारियों ने कोरोना महामारी को देखते हुए इस बार प्रभातफेरी को स्थगित कर दिया। इसी बीच शासन के आदेश पर नायब तहसीलदार [illegible] सिंह तथा खंड शिक्षाधिकारी विजय कुमार ने वाल्मीकि प्रकटोत्सव पर वाल्मीकि मंदिर में रामचरित मानस के पाठ का शुभारंभ कराया।

वाल्मीकि जयंती पर आयोजित हुए हवन-यज्ञ

नवयुवक वाल्मीकि संघ के तत्वावधान में हवन के बाद हुआ रामायण पाठ और जागरण का आयोजन

गजरौला में नवयुवक वाल्मीकि संघ के तत्वावधान में वाल्मीकि जयंती पर हवन-यज्ञ करते समाज के लोग।

संवाद न्यूज एजेंसी

गजरौला। वाल्मीकि जयंती पर मोहल्ला मालपुरी में निर्माणाधीन मंदिर पर हवन-यज्ञ कर रामायण पाठ का आयोजन किया गया।

शनिवार की शाम नगर पालिका परिषद के अधिशासी अधिकारी विजेंद्र सिंह पाल एवं स्वायत्त शासन कर्मचारी महासंघ के प्रदेश उप महामंत्री आदेश अग्रवाल ने स्टाफ के साथ कार्यक्रम में शिरकत की। अधिशासी अधिकारी ने 37 सौ रुपये नकद एवं पांच हजार ईंट मंदिर निर्माण के लिए प्रदान कीं। इस मौके पर वाल्मीकि समाज के कई लोग मौजूद रहे। उधर, बस्ती में नवयुवक वाल्मीकि संघ के तत्वावधान में महर्षि वाल्मीकि की जयंती पर हवन-यज्ञ के उपरांत रामायण पाठ और जागरण का आयोजन किया गया। शनिवार की रात साढ़े आठ बजे संगठन के अध्यक्ष अनिल कुमार और महामंत्री प्रदीप कुमार के साथ ही उत्तर प्रदेशीय सफाई कर्मचारी महासंघ के शाखा अध्यक्ष दीपक बाबू ने संयुक्त रूप से महर्षि वाल्मीकि के चित्र की आरती उतारकर कार्यक्रम की शुरुआत की। इस मौके पर विपिन कुमार, विशाल पवन पंवार, मुकेश कुमार, दिनेश, गौरव, श्यामवीर, सुशील कुमार, नरेश, बब्लू, मुन्नालाल आदि रहे।

प्रभात फेरी और जागरण का आयोजन

अमरोहा। महर्षि वाल्मीकि के प्रकाश उत्सव पर विभिन्न कार्यक्रम हुए। इसके अलावा प्रभात फेरी निकाली गई, जो शहर के विभिन्न रास्तों से होकर गुजरी। शहर के रेलवे स्टेशन के समीप महर्षि वाल्मीकि आश्रम में कार्यक्रम हुआ। भक्त जनों ने महर्षि वाल्मीकि की आरती उतारी। उनके जीवन पर प्रकाश डाला गया। इसके अलावा मोहल्ला कुरैशी में वाल्मीकि मंदिर में जागरण किया गया। जुगल किशोर, रंजीत मर्दान, दयाराम वाल्मीकि आदि रहे। संवाद

सादगी से मनाई गई महर्षि वाल्मीकि जयंती

वाल्मीकि जयंती पर पूजा करते लोग।

मंडी धनौरा/हसनपुर। नगर के मोहल्ला गांधीनगर स्थित वाल्मीकि आश्रम में वाल्मीकि की जयंती सादगी के साथ मनाई गई। इस अवसर पर श्याम सिंह ने उनके जीवन चरित्र पर प्रकाश डालते हुए कहा कि महर्षि वाल्मीकि जी ने रामायण जैसे धार्मिक ग्रंथ की रचना कर पूरी दुनिया को राम व सीता का परिचय पूरी दुनिया से कराया। माता सीता को अपने आश्रम में शरण देकर उन्होंने महिलाओं के प्रति मानवीय सोच रखने का संदेश दिया। इस मौके पर सोनू कुमार, दिनेश पवार, तेजपाल सिंह, महेंद्र कुमार, राजकुमार, किशोर पवार आदि मौजूद रहे। वहीं, हसनपुर में शनिवार को विधायक महेंद्र सिंह खड़गवंशी के आवास पर महर्षि वाल्मीकि के चित्र पर विधायक व अन्य कार्यकर्ताओं ने पुष्प अर्पित किए। विक्रम महेर, अजयपाल आदि रहे। विश्व हिंदू परिषद बजरंग दल और मठमंदिर विभाग की ओर मोहल्ला वाल्मीकि बस्ती में वाल्मीकि मंदिर में स्थित प्रतिमा पर माल्यार्पण किया। जिलाध्यक्ष राज कमल यादव, प्रमोद अग्रवाल, अशोक कुमार रहे। संवाद

निरीक्षा शाखा
सूचना एवं जनसम्पर्क विभाग, उत्तर प्रदेश

हिन्दुस्तान पेज नं0–04–अमरोहा

01 नवम्बर 2020

हर्षोल्लास पूर्वक मनाई महर्षि वाल्मीकि जयंती

वासुदेव तीर्थ स्थल पर महर्षि वाल्मीकि की जयंती मनाते समाज के लोग दूसरी ओर गजरौला में स्थित मंदिर मे आयोजित हवन से पहले पूजा करते ईओ व अन्य लोग।

हिन्दुस्तान लाइव

अमरोहा | निज संवाददाता

वासुदेव तीर्थ स्थल स्थित वाल्मीकि मंदिर पर भगवान महर्षि वाल्मीकि जयंती हर्षोल्लास पूर्वक मनाई गई। वाल्मीकि रामायण का अखंड पाठ हुआ। महाआरती कर प्रसाद वितरण किया गया। सोशल डिस्टेंस के साथ कार्यक्रम आयोजित हुआ।

शनिवार को आयोजित कार्यक्रम में वक्ताओं ने कहा कि महर्षि वाल्मीकि महान लेखक व महाकवि थे। उन्होंने कई हजार वर्ष पहले भगवान राम के जीवन काल की सभी घटनाओं का वर्णन कर महाकाव्य रामायण की रचना की। योग वशिष्ठ जैसे महान ग्रंथों की भगवान वाल्मीकि ने रचना की। वासुदेव तीर्थ स्थल प्रबंध समिति के अध्यक्ष शिव स्वरूप टंडन ने बताया कि हर वर्ष की तरह इस बार भी वाल्मीकि मंदिर पर वाल्मीकि रामायण का अखंड पाठ हुआ। शनिवार शाम शहर के मोहल्ला कुरैशी में भारतीय वाल्मीकि धर्म समाज के गुलशन कुमार वाल्मीकि के आवास से अखंड ज्योति वासुदेव तीर्थ वाल्मीकि मंदिर पहुंची। अखंड ज्योति से 104 दीपों को प्रज्वलित किया गया। भजन कीर्तन के बाद भगवान वाल्मीकि की महाआरती की गई। इस मौके पर दिलीप कुमार वाल्मीकि, दयाराम वाल्मीकि, सुरेश लाल, बालादास, कृपाल सिंह, चंदन कुमार, सतीश कुमार, आदेश कुमार, धर्मवीर सिंह, राजकुमार, प्रधान जसवीर सिंह, कपिल कुमार, सचिन राज, लोक चंद, अंकित राही रहे।

वाल्मीकि जयंती पर मंदिर में हुआ हवन व रामायण पाठ

गजरौला। वाल्मीकि जयंती पर नगर पालिका परिषद की ओर से निर्माणाधीन मंदिर पर हवन व रामायण का पाठ कराया गया। शुभारंभ विधि विधान से पूजन के बाद हुआ। मुख्य यजमान ईओ विजेंद्र सिंह पाल रहे। शनिवार की दोपहर शहर के मायापुरी मोहल्ले में स्थित निर्माणाधीन मंदिर में विधि विधान से हवन किया गया। यज्ञ के मुख्य यजमान अधिशासी अधिकारी विजेंद्र सिंह पाल रहे। संतनगर मोहल्ले में स्थित शिव मंदिर में भी हवन के साथ रामायण का पाठ भी किया गया। इस दौरान आदेश कुमार, प्रदीप कुमार, अनिल पवार, जयचंद, पवन, समरपाल, राहुल, महेश, दीपक, विपिन, मूलचंद, सतीश आदि मौजूद रहे।

निरीक्षा शाखा

सूचना एवं जनसम्पर्क विभाग, उत्तर प्रदेश

01 नवम्बर 2020

हसनपुर में मनाई गई महर्षि वाल्मीकि जयंती

हसनपुर | हिन्दुस्तान संवाद

विधायक महेंद्र सिंह खड़गवंशी ने शनिवार को अपने आवास पर महर्षि वाल्मीकि जयंती मनाई। कहा कि आदि रामायण के रचियता महर्षि वाल्मीकि असाधारण व्यक्तित्व के धनी थे। इस मौके पर अजयपोल, संजय शर्मा रहे।

मंडी धनौरा के मोहल्ला गांधीनगर स्थित महर्षि वाल्मीकि आश्रम में महर्षि वाल्मीकि प्रकटोत्सव पर सोशल डिस्टेंस का पालन कर महर्षि वाल्मीकि की पूजा की गई। इस दौरान रतन सिंह, सोनू पिवाल, दिनेश पवार, श्याम सिंह, राजकुमार, महेंद्र सिंह रहे। क्षेत्र के गांव हथियाखेड़ा में चल रही श्रीमद्भागवत कथा में शनिवार को तीसरे दिन कथावाचक बृजराज बिहारी ने शिव विवाह का प्रसंग सुनाया। इस दौरान ओंकार सिंह, पुरुषोत्तम सिंह, चंद्रपाल सिंह, होते सिंह, चेतराम सिंह, कमल सिंह, खेम सिह, रंजीत सिह, रोहताश सिंह, डोरी सिंह, नंदराम सिंह, राम अवतार सिंह आदि मौजूद रहे।

हसनपुर में महर्षि वाल्मीकि के चित्र पर माल्यार्पण करते विधायक महेंद्र खड़गवंशी।

निरीक्षा शाखा
सूचना एवं जनसम्पर्क विभाग, उत्तर प्रदेश

अमर उजाला पेज नं0–04–बिजनौर

01 नवम्बर 2020

जयंती पर महर्षि वाल्मीकि को किया नमन

हवन यज्ञ कर उनके आदर्शों पर चलने का लिया गया संकल्प

संवाद न्यूज एजेंसी

बिजनौर/हल्दौर। महर्षि वाल्मीकि जयंती पर नगर पालिका की टीम ने मोहल्ला जाटान में वाल्मीकि बस्ती में जाकर पूजा अर्चना की। सभी से महर्षि वाल्मीकि की शिक्षा को अपनाने का आह्वान किया।

प्रशासन ने महर्षि वाल्मीकि जयंती पर छुट्टी पहले ही रद्द कर दी थी। कोरोना के कारण जुलूस निकालने की अनुमति नहीं थी। हालांकि नगर पालिका के अफसरों को वाल्मीकि बस्तियों में जाकर पूजन कराने का निर्देश दिया था। शनिवार को ईओ दुर्गेश्वर त्रिपाठी, सफाई निरीक्षक गोविंद चौधरी आदि कर्मचारी मोहल्ला जाटान स्थित महर्षि वाल्मीकि मंदिर पहुंचे और हवन कराया। ईओ दुर्गेश्वर त्रिपाठी ने कहा वाल्मीकि समाज का जिले के विकास में मुख्य योगदान है। इस दौरान सुभाष कुमार, विशाल, सुरेंद्र, महेश कुमार, कपिल कुमार आदि मौजूद रहे। उधर हल्दौर में मोहल्ला जमनीवाला वाल्मीकि बस्ती स्थित महर्षि वाल्मीकि मंदिर परिसर में शनिवार सुबह हवन कीर्तन किया गया। हवन पूजन पंडित नरेंद्र शर्मा ने संपन्न कराया। इसके बाद महर्षि वाल्मीकि द्वारा रचित श्री रामायण पाठ एवं लवकुश कांड का पाठ किया गया। इस मौके पर वाल्मीकि समाज के रिंकू कुमार, नंदकिशोर, अंकित कुमार, बंटी, अरुण, नकुल, सचिन, हैप्पी, सोनू डॉक्टर, सुशील कुमार आदि मौजूद रहे।

घरों को मोमबत्तियों और झालरों से सजाया

बिजनौर। मोहल्ला जाटान वाल्मीकि बस्ती में शुक्रवार रात को समाज के लोगों ने अपने घरों को मोमबत्तियों और झालरों से सजाया। इस दौरान बच्चों की शिक्षा पर विशेष बल दिया गया। साथ ही समाज को नशा मुक्त बनाने के लिए और अंधविश्वास से दूर रहने के लिए प्रेरित किया गया। शनिवार सुबह प्रभात फेरी निकाली गई। इसके बाद भगवान वाल्मीकि मंदिर पर पूजन और हवन कर उनकी महिमा का गुणगान किया गया। कार्यक्रम में भारतीय वाल्मीकि धर्म समाज के प्रदेश अध्यक्ष संदीप राजवंश, शिवप्रकाश वाल्मीकि, विनोद, अजय सूद, वीर सिंह, कुलदीप कुमार, नीरज कार्तिक, अनिल सिद्धार्थ, धनराज मोनू, विकेश, सुमित चंद भारती, विशाल, नेपाल, सचिन, ऋषि, संजय, कमल राजन, उमेश भारती आदि मौजूद रहे। संवाद

उच्च शिक्षा ग्रहण कराने का आह्वान

बढ़ापुर। वाल्मीकि जयंती पर वाल्मीकि समाज द्वारा आयोजित कार्यक्रम में मुख्य अतिथि नगर पंचायत के ईओ शिवराम राजभर ने वाल्मीकि समाज के लोगों से अपने बच्चों को उच्च शिक्षा ग्रहण कराने का आह्वान किया। ईओ ने समाज के छात्र-छात्राओं को पठन-पाठन सामग्री उपलब्ध कराई। साथ ही बच्चों को प्रत्येक रविवार को स्वयं पढ़ाने की बात कही। इस अवसर पर नामित सभासद लक्ष्मण सिंह प्रजापति, काजल वाल्मीकि, रूपचंद सिंह कश्यप, कमल वाल्मीकि, विपिन वाल्मीकि, शिवानी वाल्मीकि, अरविंद वाल्मीकि, मोहित वाल्मीकि आदि मौजूद रहे। संवाद

पूजा-अर्चना की

नजीबाबाद। वाल्मीकि मंदिर निर्माण समिति एवं वाल्मीकि समाज ने भगवान वाल्मीकि के चित्र के समक्ष दीप प्रज्वलित, पुष्पार्चन व विधि विधान पूर्वक पूजा अर्चना की। इस दौरान सुनीता तहिम, कौशल कुमार तिवारी, ईओ कौशल कुमार, आलमगीर सिंह के अलावा सचिन पंवार, रंजीत पंवार, अनूप कुमार, सुनील पंवार, सोनू पंवार, सत्यप्रकाश पंवार, अर्जुन पंवार, [illegible] आदि रहे। संवाद

बिजनौर में वाल्मीकि बस्ती में पूजन करते लोग। संवाद

नजीबाबाद में पगड़ी बांधकर अधिकारियों का स्वागत करते राजू सहगल। संवाद

बढ़ापुर में वाल्मीकि जयंती पर बच्चों को पुरस्कृत करते ईओ शिवराम राजभर। संवाद

महर्षि वाल्मीकि की प्रतिमा पर माल्यार्पण करते पालिकाध्यक्ष राजू गुप्ता। संवाद

निरीक्षा शाखा
सूचना एवं जनसम्पर्क विभाग, उत्तर प्रदेश

अमर उजाला पेज नं0–04–बिजनौर

01 नवम्बर 2020

वाल्मीकि मंदिरों को सजाया गया

धामपुर/कालागढ़/शेरकोट। वाल्मीकि कॉलोनी में आयोजित हुए कार्यक्रम में पालिकाध्यक्ष राजू गुप्ता ने महर्षि वाल्मीकि के चित्र पर माल्यार्पण कर उनको नमन कर उनके आदर्शों पर चलने का संकल्प दिलाया। इस मौके ईओ सुभाष कुमार, जितेंद्र गोयल, जसवीर सिंह राठी, सुरेंद्र सिंह धामी, सोनू वाल्मीकि, [illegible] कुमार रहे। [illegible] इंटर कॉलेज आदि स्कूलों में भी जयंती मनाई गई। कालागढ़ में वाल्मीकि जयंती पर केंद्रीय वाल्मीकि [illegible] मंदिर [illegible] को सजाया गया। इस दौरान अशोक [illegible], [illegible] देवी, सुनील कुमार, रवि [illegible] आदि मौजूद रहे। उधर शेरकोट में [illegible] आदर्श [illegible] इंटर कॉलेज में भी जयंती मनाई गई। इस अवसर पर [illegible] सिंह, [illegible] कुमार, [illegible] सिंह, [illegible] देवी, [illegible] चंद, [illegible] कुमार, [illegible] कुमार, [illegible] कुमार, [illegible] कुमार रहे। संवाद

नजीबाबाद में वाल्मीकि प्रकटोत्सव पर हवन करते लोग। संवाद

वाल्मीकि प्रकटोत्सव पर लवकुश लीला का मंचन

संवाद न्यूज एजेंसी

नजीबाबाद। वाल्मीकि प्रकटोत्सव सादगी के साथ मनाया गया।

वाल्मीकि प्रकटोत्सव पर वाल्मीकि मंदिर रम्पुरा में मुख्य अतिथि एसडीएम सुधीर कुमार सिंह, सीओ प्रवीण कुमार सिंह और थाना प्रभारी संजय शर्मा ने महर्षि वाल्मीकि के चित्र पर माल्यार्पण कर वाल्मीकि प्रकटोत्सव का शुभारंभ किया। मंदिर परिसर में हवन का आयोजन किया गया। वाल्मीकि समाज की ओर से राजू धापर, कपिल सिसोदिया, विजयपाल सिंह, चंद्रशेखर, उमेश सिसौदिया, विनोद केसरी ने प्रशासनिक अधिकारियों को पगड़ी पहनाकर स्वागत किया गया। इससे पूर्व वाल्मीकि समाज की ओर से महर्षि वाल्मीकि प्रकटोत्सव पर लवकुश झांकि लीला, रामायण पाठ आदि का आयोजन किया गया। आयोजन में हवन-पूजन में वीरेंद्र कुमार, सतीश [illegible], प्रदीप धापर, मीनू, महेंद्र सिंह, आकाश, अंकित, रेखा धापर, सुधा, सरिता, अंजलि ने भाग लिया।

वाल्मीकि जयंती पर रामायण पाठ का किया गया आयोजन

उधर, मोहल्ला जाब्तागंज और [illegible] वाल्मीकि समाज की ओर से भी वाल्मीकि मंदिर में विशेष रामायण पाठ और पूजा-अर्चना के कार्यक्रम आयोजित किए गए। प्रेमचंद, नरेंद्र [illegible], संतराम, प्रकाश, विनीत, अशोक, सुमेर, अरविंद सूद, चमन आदि रहे।

निरीक्षा शाखा

सूचना एवं जनसम्पर्क विभाग, उत्तर प्रदेश

हल्दौर में वाल्मीकि जयंती पर रामायण पाठ

कोतवाली देहात/हल्दौर | हिटी

महर्षि बाल्मीकि की जयंती ग्राम शादीपुर में हर्षोल्लास के साथ मनाई गई। इस अवसर पर वक्ताओं ने महर्षि बाल्मीकि के चरित्र पर प्रकाश डाला। हल्दौर मे रामायण का पाठकिया गया।

ग्राम शादीपुर में आयोजित कार्यक्रम का उद्घाटन अतिथियों द्वारा फीता काटकर तथा महर्षि बाल्मीकि के चित्र के सम्मुख दीप प्रज्वलित कर किया गया। भाजपा के जिला मंत्री अनूप बाल्मीकि ने कहा कि महर्षि बाल्मीकि ने रामायण के रूप में एक ऐसा ग्रंथजिससे राम के मर्यादा पुरुषोत्तम होने का पता चलता है। भाजपा के नगीना नगर अध्यक्ष नीरज बिश्नोई ने महर्षि बाल्मीकि से जुड़ी कई कहानियां सुनाई।

शनिवार को बढ़ापुर में वाल्मीकि जयंती के अवसर पर आयोजित कार्यक्रम का उपस्थित छात्र-छात्राएं।

अध्यक्षता नितिन मौर्य ने तथा संचालन अरुण राज बाल्मीकि ने किया। हल्दौर में हवन कीर्तन व श्री रामायण पाठ किया गया। हवन पूजन पंडित नृपेंद्र शर्मा ने संपन्न कराया। इसके बाद श्री रामायण पाठ एवं लवकुश कांड का पाठ किया।

नगीना में बाल्मीकि जयंती नगर व आसपास के ग्रामीण क्षेत्रों में हर्षोल्लास के साथ मनाई गई। इस मौके पर सभी ने कोविड-19 का पालन करते हुए घरों में रहकर ही बाल्मीकि जयंती मनाई। विचार गोष्ठियों का आयोजन हुआ।

पठन सामग्री उपलब्ध कराई

बढ़ापुर। शनिवार को वाल्मीकि जयंती पर वाल्मीकि समाज के कार्यक्रम में मुख्य अतिथि अधिशासी अधिकारी नगर पंचायत बढ़ापुर सेवाराम राजभर ने लोगों से अपने बच्चों को उच्च शिक्षा ग्रहण कराने का आह्वान किया। संकल्प लेना है कि हमें अपने बच्चों को अच्छी शिक्षा देकर उनका भविष्य उज्जवल बनाना है।

रामायण पाठ का आयोजन

नूरपुर। महिर्षि वाल्मीकि जयंती के मौके पर विकास खण्ड परिसर में स्थित मंदिर पर ब्लॉक कर्मियों द्वारा रामायण पाठ का आयोजन किया गया। लॉक परिसर के मंदिर में महिर्षि वाल्मीकि जयंती के अवसर पर मंदिर मे रामायण का पाठ आयोजन किया मनरेगा उपायुक्त ज्ञान सिंह, बीडीओ दिनेश शर्मा, एडीओ पंचायत ललित प्रताप सिंह रहे।

बाल्मीकि जयंती पर हवन किया

नहटौर। वाल्मीकि की जयंती के अवसर पर लवकुश मंदिर पर हवन यज्ञ व भंडारे का आयोज किया गया इस अवसर पर समाज द्वारा सजाई गई रंगोली आकर्षण का केंद्र रही। इस बार वाल्मीकि जयंति पर शोभायात्रा का आयोजन समाज की ओर से नही किया गया। लोगों ने व्रत रखकर अपने परिवार के लिये ईश्वर से सुख समृद्धि की कामना की।

रामायण के जो रचयिता संस्कृत के जो कवि महान...

नजीबाबाद। कविताओं के माध्यम से रामायण के रचयिता परम पूजनीय भगवान भगवान का प्रकटोत्सव मनाया।

निर्मला गोकुल सिंह यादव सरस्वती विद्या मंदिर इंटर कॉलेज में उपप्रधानाचार्य संजय सिंह ने महर्षि भगवान वाल्मीकि के चित्र के समक्ष दीप प्रज्जवलित और माल्यार्पण कर प्रकटोत्सव पर्व का शुभारंभ किया।

राष्ट्रीय एकता एवं अखंडता की दिलाई शपथ

बिजनौर। राजा ज्वाला प्रसाद आर्य इंटर कॉलेज बिजनौर की राष्ट्रीय सेवा योजना की दोनों इकाई द्वारा महर्षि वाल्मीकि एवं लोह पुरुष सरदार वल्लभ भाई पटेल की जयंती के उपलक्ष पर राष्ट्रीय एकता एवं अखंडता दिवस के रूप में मनाया गया। कार्यक्रम में दोनों महापुरुषों को पुष्प अर्पित किए गए एवं समस्त शिक्षकों को प्रधानाचार्य ओमपाल सिंह द्वारा राष्ट्रीय एकता एवं अखंडता की शपथ दिलाई गई।

अफजलगढ़ में शनिवार को के वाल्मीकि मंदिर निर्माण समिति के बैनर तले भगवान वाल्मीकि की आरती तथा पूजा-अर्चना की गई।

हिन्दुस्तान पेज नं0–02–बिजनौर

01 नवम्बर 2020

450 मंदिरों में वाल्मीकि रामायण का अखंड पाठ

बिजनौर में शनिवार को महर्षि बाल्मीकि जयंती पर पूजा अर्चना करते श्रद्धालु।

बिजनौर | संवाददाता

जिले में करीब 450 मंदिरों पर वाल्मीकि रामायण का अखंड पाठ हुआ। पहले से ही इस भव्य कार्यक्रम की तैयारी कर ली गई थी। आजादी के बाद पहली बार इतनी बड़ी संख्या में मंदिरों पर वाल्मीकि रामायण का अखंड पाठ हुआ।

जिले भर में करीब 450 मंदिरों पर वाल्मीकि रामायण का अखंड पाठ हुआ। सवेरे से ही लोग मंदिरों पर होने वाले अखंड पाठ में प्रतिभाग करने पहुंचे। दिन भर मंदिरों पर वाल्मीकि रामायण का अखंड पाठ किया गया। मंदिरों पर काफी संख्या में लोग मौजूद रहे। सरकारी मशीनरी की देखरेख में मंदिरों पर यह आयोजन हुआ। अखंड पाठ से पहले मंदिरों पर साफ सफाई व्यवस्था कर ली गई थी।

प्रभातफेरी निकाली

बिजनौर। जाटान वाल्मीकि बस्ती में भगवान वाल्मीकि प्रकट उत्सव बड़ी धूमधाम से मनाया गया ' विचार गोष्ठी की गई ' जिसमें बच्चों की शिक्षा पर विशेष बल दिया गया और समाज को नशा मुक्त बनाने के लिए और अंधविश्वास से दूर रहने के लिए विचार विमर्श किया गया ' शनिवार की प्रात: काल में प्रभात फेरी निकाली गई ' उसके बाद भगवान वाल्मीकि मंदिर पर हवन पूजन किया गया और भगवान वाल्मीकि को माल्यार्पण कर दीप प्रज्वलित कर पुष्प वर्षा की।

सरदार पटेल और महर्षि वाल्मीकि को किया याद

कालेज और संस्थाओं में आयोजित किए गए विभिन्न कार्यक्रम, दी गई श्रद्धांजलि

संवाद सहयोगी, बिजनौर : सरदार वल्लभ भाई पटेल और महर्षि वाल्मीकि जयंती पर उन्हें श्रद्धांजलि देते हुए उनके बताए मार्ग पर चलने का आह्वान किया गया। राष्ट्रीय एकता दिवस पर सरदार वल्लभ भाई पटेल की जयंती पर ग्राम देदीदासवाला में रन फॉर यूनिटी तीन किलोमीटर दौड़ का आयोजन किया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि पूर्व सांसद राजा भारतेंद्र सिंह, अतिथि थानाध्यक्ष मंडावर लव सिरोही व पूर्व जिला मंत्री भाजपा जितेंद्र राजपूत रहे। कार्यक्रम में भाजपा मंडावर मंडल अध्यक्ष राजीव राजपूत व पूर्व मंडल अध्यक्ष मनोज अहलावत, ग्राम प्रधान राजपाल सिंह, विपिन कुमार, महावीर सिंह, अमित आदि ने अपने विचार रखे।

कार्यक्रम संयोजक अभिषेक राजपूत, विनीत राठी, महिपाल सिंह, नीरज राठी, भूपेंद्र राजपूत, प्रवेश, शुभम,कपिल राजपूत आदि मौजूद रहे। इस दौड़ प्रतियोगिता में प्रथम स्थान अंशु नजीबाबाद, द्वितीय स्थान हिमांशु नजीबाबाद व तृतीय स्थान आशीष बिजनौर ने प्राप्त किया। विजेताओं को मेडल और पुरस्कार देकर सम्मानित किया गया। वहीं

ग्राम देदीदासवाला में राष्ट्रीय एकता दिवस पर खिलाड़ी को सम्मानित करते पूर्व सांसद भारतेन्द्र सिंह • जागरण

विवेक कॉलेज में राष्ट्रीय एकता दिवस पर आनलाइन गोष्ठी का आयोजन किया गया, जिसका शीर्षक भारत की एकता में पटेल का योगदान था। कार्यक्रम में सरदार वल्लभ भाई पटेल के जीवन आदर्शो पर प्रकाश डाला गया। इस अवसर पर कॉलेज के चेयरमैन अमित गोयल ने शिक्षकों व छात्र/छात्राओं द्वारा देश की आन्तरिक सुरक्षा एवं राष्ट्रीय एकता अखंडता बनाने में अपना योगदान देने की शपथ दिलाई। कार्यक्रम का शुभारंभ सरदार वल्लभ भाई पटेल एवं महर्षि वाल्मीकि को चेयरमैन अमित गोयल, सचिव दीपक मित्तल व कोषाध्यक्ष धर्मेन्द्र अग्रवाल ने पुष्प अर्पित कर किया गया। इस मौके पर अमित गोयल बताया कि स्वतंत्रता के समय देश कई रियासतों में बंटा हुआ था, परन्तु सरदार वल्लभ भाई पटेल के अथक प्रयासों ने सभी रियासतों को एक सूत्र में पिरोकर भारत देश दिया। सचिव दीपक मित्तल ने उनके जीवन पर प्रकाश डाला। कार्यक्रम में डा. दीप्ती तिवारी, डा. संदीप अग्रवाल, डा. राजीव चौधरी, डा. हितेश शर्मा, डा. सौरभ शर्मा, डा रंगनाथ आदि मौजूद रहे। उधर कुंवर सत्यवीरा कॉलेज ऑफ इंजीनियरिंग एंड मैनेजमेंट में सरदार वल्लभ भाई पटेल जयंती और महर्षि वाल्मीकि जयंती पर इनके चित्र पर पुष्पांजलि अर्पित की गई। इस मौके पर महर्षि वाल्मीकि के जीवन के विभिन्न पहलुओं पर आयोजित गोष्ठी में जातिगत भेदभाव से ऊपर उठकर समाज में समता व समरसता लाने पर बल दिया गया।

इस मौके पर संस्था निदेशक डा. स्वतंत्र कुमार पोरवाल, कॉलेज सचिव कुंवर उदयवीरा, ग्रुप निदेशक उमेश गुप्ता, प्रो. लोकेश अग्रवाल सहित समस्त विभागाध्यक्ष, शुएब अली खान, सुनील आदि उपस्थित रहे। राजा ज्वाला प्रसाद आर्य इंटर कॉलेज बिजनौर की राष्ट्रीय सेवा योजना की दोनों इकाई द्वारा महर्षि वाल्मीकि एवं लौह पुरुष सरदार वल्लभभाई पटेल की जयंती को राष्ट्रीय एकता एवं अखंडता दिवस के रूप में मनाया गया। कार्यक्रम में दोनों महापुरुषों को पुष्प अर्पित कर प्रधानाचार्य ओमपाल सिंह ने शिक्षकों को राष्ट्रीय एकता एवं अखंडता की शपथ दिलाई गई। कार्यक्रम में उप प्रधानाचार्य कैप्टन किशनलाल, वीएस चौहान, मंसूर, आसिफ सुधांशु, कार्यक्रम अधिकारी कलेश कुमार आदि उपस्थित रहे।

जागरण पेज नं0—04—बिजनौर

01 नवम्बर 2020

बिजनौर के मोहल्ला जाटान वाल्मीकि बस्ती में यज्ञ में आहुति देते लोग • जागरण

भगवान वाल्मीकि प्रकट उत्सव धूमधाम से मनाया

जागरण संवाददाता, बिजनौर : मोहल्ला जाटान वाल्मीकि बस्ती भगवान वाल्मीकि प्रकट उत्सव धूमधाम से मनाया गया। शुक्रवार की रात घरों पर मोमबत्ती और झालर डालकर रोशनी की। वाल्मीकि जागरण कराया गया और विचार गोष्ठी की गई जिसमें बच्चों की शिक्षा पर विशेष बल दिया गया और समाज को नशा मुक्त बनाने और अंधविश्वास को दूर करने पर जोर दिया गया। शनिवार को प्रातः काल में प्रभात फेरी निकाली गई। भगवान वाल्मीकि मंदिर पर हवन पूजन किया और भगवान वाल्मीकि को माल्यार्पण कर दीप प्रज्वलित झंडे को वाल्मीकि बस्ती में घुमाया गया। इस मौके पर हलवा और पूरी का प्रसाद वितरण किया गया। इस मौके पर संदीप कुमार राजवंश प्रदेश अध्यक्ष भारतीय वाल्मीकि धर्म समाज, विनोद अजय, शेर सिंह, कुलदीप कुमार एडवोकेट जिला अध्यक्ष राष्ट्रीय दलित पिछड़ा वर्ग नीरज कार्तिक आदि मौजूद रहे।

वाल्मीकि व पटेल की जयंती मनाई

संवाद सहयोगी, चांदपुर : शनिवार को नगर क्षेत्र में महर्षि वाल्मीकि और सरदार पटेल की जयंती हर्षोल्लास से मनाई गई।

नगर के गुलाब सिंह महाविद्यालय में प्राचार्या डा. साधना ने दोनों के चित्र पर पुष्प अर्पित किए। बाद में उन्होंने महर्षि वाल्मीकि व सरदार पटेल के जीवन के बारे में विस्तार से बताया। विवेकानंद इंटर कालेज हरबाड़ा में छात्र-छात्राओं व स्टाफ ने सरदार पटेल की जयंती हर्षोल्लास के साथ मनाई। प्रधानाचार्य टीकम सिंह ने उनके जीवन पर प्रकाश डाला। लोकप्रिय इंटर कालेज किलनपुर भी दोनों महापुरुषों की जयंती मनाई गई। प्रधानाचार्य हरवीर सिंह ने विचार रखे। सर्वोदय विद्यापीठ इंटर कालेज में जयंती पर कार्यक्रम हुआ। प्रबंधक दिनेश कुमार ने विचार रखे। उधर, हीमपुरदीपा के गांव गांव उमरी में किसान सेवा सहकारी समिति सिरसीना के पूर्व चेयरमैन सुरेंद्र सिंह की देखरेख में कार्यक्रम हुआ। आर्य समाज से कुलदीप विद्यार्थी द्वारा यज्ञ किया गया। दयानंद जनता इंटर कॉलेज में कार्यवाहक प्रधानाचार्य अखिलेश कुमार ने शिक्षकों और छात्र छात्राओं को राष्ट्रीय एकता अखंडता की शपथ दिलाई गई।

निरीक्षा शाखा

सूचना एवं जनसम्पर्क विभाग, उत्तर प्रदेश

स्कूल कॉलेज में दिलाई शपथ

धूमधाम से विद्यार्थियों ने सरदार पटेल और महर्षि वाल्मिकी जयंती मनाई

संवाद न्यूज एजेंसी

चंदौसी के मनोकामना इंटर कॉलेज में पटेल जयंती मनाई भाजपा पदाधिकारी। संवाद

चंदौसी। सरदार वल्लभ भाई पटेल की जयंती पर एफ.आर इंटर में प्रधानाचार्य वसीमुद्दीन ने राष्ट्रीय एकता व अखंडता की शपथ दिलाई। अब्दुल जाहिद, वाहिद हुसैन, मुहम्मद मकसूद, अता हुसैन, सुधीर मिश्रा, शरीफ अहमद आदि मौजूद रहे।

नानकचंद आदर्श इंटर कॉलेज में राष्ट्र की एकता, अखंडता व सुरक्षा की शपथ ग्रहण कराई। संजीव कुमार, प्रभु दयाल, मनोज कुमार, राजीव कुमार, विवेक उपाध्याय, धनंजय आर्य, श्रीराम शर्मा, मुकेश शर्मा, संजय शर्मा, राजेश गौड़, अजहर खान आदि मौजूद रहे।

एसएम कॉलेज की राष्ट्रीय सेवा योजना छात्र इकाई के तत्वावधान में ऑनलाइन राष्ट्रीय एकता दिवस मनाया गया। कार्यक्रम अधिकारी डॉ. राम आधार सिंह यादव ने स्वयंसेवकों को राष्ट्रीय एकता की शपथ दिलाई गई।

मॉडल पब्लिक एजुकेशन कालेज में प्राचार्य डॉ. एसबीएन श्रीवास्तव ने सभी को राष्ट्रीय एकता व अखंडता की शपथ ग्रहण कराई। इस अवसर पर डॉ. शालिनी अग्रवाल, डॉ. राजकुमार गोयल, सुमित कुमार, अमित कुमार, जयदीप यादव आदि मौजूद रहे।

सरस्वती शिशु मंदिर जुनियर हाईस्कूल मोहल्ला महाजन में सरदार पटेल व महर्षि वाल्मीकि जयंती मनाई गई। इस दौरान प्रधानाचार्य अरुण विपिन शर्मा, जमुना सिंह, हरेश यादव, राजवीर सिंह, राजेश कुमार शर्मा, रवि अग्रवाल, आनंद पाल सिंह, अंजना वार्ष्णेय आदि मौजूद रहे।

सरस्वती शिशु मंदिर इंटर कालेज हनुमानगढ़ी में जयंती मनाई गई। इस अवसर पर प्रधानाचार्य महेश सिंह, चंद्रपाल, कन्हैया, रामस्वरूप, विजय, जगपाल, महेंद्र प्रताप आदि मौजूद रहे।

निरीक्षा शाखा

सूचना एवं जनसम्पर्क विभाग, उत्तर प्रदेश

महापुरुषों के बताए रास्ते पर चलने का लिया संकल्प

सपाइयों ने लौहपुरुष, वाल्मीकि व नरेंद्र देव को किया नमन

[illegible]

[illegible]

पटेल के आदर्शों पर चलकर देश को बनाएं उन्नत

[illegible]

पुण्यतिथि पर लौहपुरुष के दृढ़ संकल्प को किया गया नमन

[illegible]

वल्लभ भाई पटेल को बताया अखंड भारत का निर्माता

[illegible]

जनपद संभल में वाल्मीकि समाज के लोगों ने उत्साह से मनाई महर्षि वाल्मीकि जयंती, रामायण का पाठ भी हुआ

महर्षि वाल्मीकि की जयंती पर हुई आरती और जले दीये

संभल | हिन्दुस्तान संवाद

संभल जिले में महर्षि वाल्मीकि की जयंती उत्साह के साथ मनाई गई। वाल्मीकि समाज के लोगों ने महर्षि वाल्मीकि की आरती की और दीये जलाए। रामायण का पाठ भी हुआ। संभल में हुए आरती कार्यक्रम में अधिकारियों ने भी हिस्सा लिया।

वाल्मीकि समाज के लोगों ने महर्षि वाल्मीकि जयंती मनाने के लिए सभी तैयारियों को अंतिम रूप दे दिया था। शनिवार को दिन निकलते ही समाज के लोगों ने जयंती पर कार्यक्रम आयोजित करने शुरू किए। महर्षि वाल्मीकि के चित्र के समक्ष दीये जलाने के साथ ही आरती की गई। समाज के लोगों ने महर्षि वाल्मीकि जीवन पर प्रकाश डाला और उनके बताए मार्ग पर चलने का संकल्प लिया। शहर के मुहल्ला आलम सराय में स्थित मंदिर पर भी कार्यक्रम हुआ। जिसमें एसडीएम दीपेंद्र यादव, तहसीलदार करम सिंह चौहान व अधिशासी अधिकारी नगर पालिका रामपाल सिंह ने भी हिस्सा लिया। महर्षि वाल्मीकि की आरती की गई। इस कार्यक्रम से माहौल भक्तिमय बन गया। संभल के अलावा असमोली, सौंधन, पंवासा, बहजोई, बबराला, गुन्नौर, रजपुरा, समस्त क्षेत्र में भी वाल्मीकि समाज के लोगों ने उत्साह के साथ महर्षि वाल्मीकि की जयंती मनाई।

बहजोई के मंडी समिति मंदिर में पूजा पाठ में हिस्सा लेते डीएम व एसपी।

संभल में महर्षि वाल्मीकि की पूजा करते वाल्मीकि समाज के लोग।

पुलिस लाइन मंदिर में हुआ रामायण पाठः बहजोई। महर्षि वाल्मीकि जयंती के उपलक्ष्य में मंडी समिति पुलिस लाइन के लक्ष्मी नारायण मंदिर में रामायण पाठ का का शुभारंभ डीएम व एसपी ने विधि विधान के साथ किया। महर्षि वाल्मीकि के बारे में डीएम ने विस्तार से अपने विचार रखे। ब्राह्मणों ने महर्षि वाल्मीकि लिखित रामायण का पाठ किया। जिसमें उन्होंने रामायण के विभिन्न पहलुओं को बताया। इस दौरान सीडीओ उमेश कुमार त्यागी, एडीएम कमलेश कुमार अवस्थी, एसएसपी आलोक कुमार जायसवाल आदि मौजूद रहे।

वाल्मीकि जयंती पर मंदिर में हुआ भजन कीर्तन

बहजोई। महर्षि वाल्मीकि जयंती के उपलक्ष में मंदिर पर वाल्मीकि समाज द्वारा कार्यक्रम का आयोजन किया गया। जिसमें नागरिकों ने भजन कीर्तन कर भगवान वाल्मीकि का गुणगान किया। उनके आदर्शों पर चलने का आह्वान किया। यादव कॉलोनी स्थित महर्षि वाल्मीकि मंदिर पर आयोजित कार्यक्रम का शुभारंभ पालिकाध्यक्ष रमेश चंद्र बादशाह तथा अधिशासी अधिकारी ज्ञानेंद्र सिंह ने पूजा अर्चना कर किया। इसके बाद वाल्मीकि समाज के लोगों ने भजन कीर्तन कर गुणगान किया। अंत में आरती का आयोजन किया गया। जिसमें श्रद्धालुओं ने प्रतिभाग करते हुए महर्षि वाल्मीकि गुणगान किया। इस दौरान रमाकांत लक्ष्मी वाल्मीकि, संजय वाल्मीकि, कृष्ण कुमार वाल्मीकि रहे।

निरीक्षा शाखा

सूचना एवं जनसम्पर्क विभाग, उत्तर प्रदेश

दैनिक हिन्दुस्तान पेज नं0 02 वाराणसी

● आजादी के बाद पहली बार वाल्मीकि रचित रामायण का अखंड पाठ हुआ ● काशी समेत प्रदेश भर में जुटा सनातनी समाज

'रामायण' से यथार्थ राम का सामूहिक स्मरण

सनातन आस्था

वाराणसी | अरविंद मिश्र

रामायण और श्रीरामचरितमानस दोनों ही ग्रंथ श्रीराम की कथा सुनाते हैं। राम मर्यादा पुरुषोत्तम हैं। महर्षि वाल्मीकि के राम यथार्थ मानव के रूप में दिखते हैं। श्रीराम के मर्यादा पुरुषोत्तम स्वरूप का स्मरण कर रहे सनातनी समाज ने 'रामायण' के माध्यम से यथार्थ राम का सामूहिक स्मरण किया। न सिर्फ काशी बल्कि समूचे उत्तर प्रदेश में आजादी के बाद यह पहला मौका है जब श्रीरामचरितमानस के अनुगामी समाज ने वाल्मीकि रामायण का अखंड पाठ किया। यह अविस्मरणीय संयोग 'आदिकवि' महर्षि वाल्मीकि की जयंती पर शनिवार को बना। वाराणसी समेत हजारों मंदिरों पर यह विशिष्ट आयोजन हुआ।

गीता प्रेस के आंकड़े बताते हैं कि वर्ष 1939 से अब तक श्रीरामचरितमानस की तीन करोड़ चौरासी लाख से अधिक प्रतियां बिक चुकी हैं। वहीं रामायण की मात्र 11 लाख प्रतियां बिकी हैं। श्रीरामचरितमानस और रामायण की प्रतियों की बिक्री के बीच विशाल अंतर का विद्वान अलग-अलग कारण बताते हैं मगर इस तथ्य पर अटूट आस्था रखते हैं कि वाल्मीकि ने ही संत तुलसीदास के रूप में पुनः जन्म लिया और लोक की जटिलताओं से बाहर निकाल कर राम को लोक में स्थापित करने के लिए उनका मर्यादा पुरुषोत्तम स्वरूप प्रस्तुत किया। मानस मर्मज्ञ डा. ... शास्त्री के अनुसार रामायण संस्कृत में होने के कारण जनसामान्य के लिए जटिल हो गई। 24 हजार श्लोकों वाले आदि महाकाव्य को अपनी दिनचर्या में शामिल करना अधिकांश लोगों के लिए दुष्कर है। पं. ... शास्त्री कहते हैं कि रामायण का यथार्थ मानस में परिमार्जित किया गया है। उदाहरण स्वरूप फुलवारी के प्रसंग में वाल्मीकि ने लिखा कि देवी सीता के बदन पर साड़ी बहुत सुंदर लग रही है। वहीं मानस में उल्लेख है- जनक नंदिनी ... । दूसरा उदाहरण जयंत नेत्र भंग के प्रसंग का है। रामायण में उल्लेख है कि जयंत ने जानकी पर चोंच मारी जबकि गोस्वामीजी ने मर्यादा के आवरण में लिखा कि जयंत ने जनक नंदनी के पैर पर चोंच मारी। मानस मर्मज्ञ पं. ... शास्त्री इसके साथ कहते हैं कि मानस की तर्ज पर रामायण का पाठ आजादी से पहले हुआ हो तो भी नहीं कह सकता लेकिन आजादी के बाद रामायण का अखंड पाठ नहीं हुआ।

शनिवार को ... स्थित वाल्मीकि मंदिर में रामायण पाठ ... तथा (दाएं) ... में रामायण के सुंदरकांड का पाठ करते बटुक व आचार्य।

मानस में 1072 दोहे

श्रीरामचरितमानस के बालकांड में 360 दोहे, अयोध्या में 326, अरण्य में 46, किष्किंधा में 30, सुंदर कांड में 60, लंका 120 और उत्तरकांड में 130 दोहे हैं।

मानस की अब तक तीन करोड़ से ज्यादा प्रतियां बिकीं

गीता प्रेस ने वर्ष 1939 से रामायण और मानस का प्रकाशन आरंभ किया। वर्ष से मानस की हिन्दी में प्रकाशित 3,32,14250 प्रतियां, गुजराती में 46,55000, अंग्रेजी में 1,48,500, उड़िया में 1,21500, मराठी में 75,000, तेलुगु में 69,000, बांग्ला में 45,000, कन्नड़ में 23,000, नेपाली में 12,500 और असमिया 2000 प्रतियां बिक चुकी हैं। वहीं अन्य प्रकाशकों ने तमिल, उर्दू, मैथिली, मलयालम, कोंकणी, सिंधी, भोजपुरी और अंग्रेजी में अनूदित श्रीरामचरितमानस का प्रकाशन किया है।

दैनिक हिन्दुस्तान पेज नं0 02 वाराणसी

सप्तर्षियों को समर्पित रही महर्षि की जयंती

वाराणसी | प्रमुख संवाददाता

काशी में महर्षि वाल्मीकि की जयंती सप्तर्षियों को समर्पित रही। मार्कंडेय महादेव मंदिर परिसर कैथी, वाल्मीकि शिव मंदिर करौंदी, सीरगोवर्धन, शूलटंकेश्वर शिव मंदिर, संकुलधारा तट, कालरात्रि भवानी मंदिर और शास्त्रार्थ महाविद्यालय दशाश्वमेध में रामायण के पाठ सात ऋषियों-वशिष्ठ, कश्यप, अत्रि, जमदग्नि, गौतम, विश्वामित्र और भारद्वाज को समर्पित किए गए। यह आयोजन पर्यटन विभाग की देखरेख में हुआ।

आयोजन का मुख्य केंद्र करौंदी स्थित वाल्मीकि शिव मंदिर रहा। वहां संस्कृति एवं धर्मार्थकार्य राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) डॉ. नीलकंठ तिवारी ने संकल्प लेकर यहां पाठ का श्रीगणेश कराया।

इस अवसर पर उन्होंने कहा कि महर्षि वाल्मीकि ने रामायण की रचना कर लोगों को सत्य एवं कर्तव्य के मार्ग पर चलने की प्रेरणा दी। महर्षि वाल्मीकि ही कालांतर में संत तुलसीदास के रूप में अवतरित हुए और उन्होंने सनातनी समाज में प्रभु श्रीराम की प्रतिष्ठा मर्यादा पुरुषोत्तम के रूप में की।

श्रद्धा

- नरिया के वाल्मीकि मंदिर समेत सात स्थानों पर हुआ रामायण का पाठ
- महर्षि ने सत्य व कर्तव्य के मार्ग पर चलने की प्रेरणा दी : डॉ. नीलकंठ

संस्कृत के आदि काव्य का सस्वर पाठ: "धर्मादर्थः प्रभवति धर्मात्प्रभवते सुखम्। धर्मेण लभते सर्वं धर्मसारमिदं जगत्॥" अर्थात् - धर्म से ही धन, सुख तथा सब कुछ प्राप्त होता है। इस संसार में धर्म ही सार वस्तु है। मानव समाज को सत् जीवन का मूल मन्त्र देने वाले आदिकवि महर्षि वाल्मीकि की जयंती पर शनिवार को काशी विद्वत समाज के कैंड वाले आचार्यों व बटुकों ने उनके ही श्लोक का अनुसरण करते हुए 'रामायण' के सुंदरकांड का पाठ किया। दशाश्वमेध स्थित शास्त्रार्थ महाविद्यालय परिसर में आचार्य पवन शुक्ला के संयोजकत्व और डॉ. गणेश शरण मिश्र के आचार्यत्व में 11 बटुकों व आचार्यों ने पाठ किया। पाठ में प्राचार्य डॉ. गणेश दत्त शास्त्री, आचार्य भूतनाथ तिवारी, विकास दीक्षित, डॉ. अशोक पाण्डेय, उदित मिश्र, अंकित द्विवेदी, अमन शास्त्री थे।

कैथी स्थित मार्कंडेय महादेव में अखंड रामायण का पाठ करते श्रद्धालु। • हिन्दुस्तान

दैनिक अमर उजाला पेज नं0 09 वाराणसी

श्री राम कथा दुनियाभर में पहुंचाने का श्रेय महर्षि वाल्मीकि को : डॉ. नीलकंठ

अमर उजाला ब्यूरो

वाराणसी। महर्षि वाल्मीकि जयंती पर काशी के मंदिर वाल्मीकि रामायण के अखंड पाठ से गुंजायमान हो उठे। शनिवार को पर्यटन राज्यमंत्री डॉ. नीलकंठ तिवारी ने प्राचीन महर्षि वाल्मीकि शिव मंदिर में पूजन कर अखंड रामायण पाठ का शुभारंभ किया।

पंचक्रोशी मार्ग पर स्थित शिव मंदिर में पूजन के बाद राज्यमंत्री ने कहा कि भगवान राम की गाथा को देश-दुनिया तक पहुंचाने का श्रेय महर्षि वाल्मीकि को जाता है। प्रदेश सरकार ने इस वर्ष 31 अक्तूबर को महर्षि वाल्मीकि जयंती के पावन दिवस को भव्य रूप से मनाए जाने का निर्णय लिया है। इसके अतिरिक्त मार्कंडेय महादेव, कैथी, शूलटंकेश्वर, नकटेश्वरी भवानी, ज्वर हरेश्वर महादेव, नरसिंह मठ, शंकुलधारा मठ में भी पर्यटन विभाग द्वारा वाल्मीकि रामायण का पाठ आरंभ हुआ।

प्राचीन वाल्मिकी शिव मंदिर में वाल्मीकि रामायण के पाठ का शुभारंभ करते पर्यटन मंत्री डॉ. नीलकंठ तिवारी। अमर उजाला

संस्कृत के प्रथम महाकाव्य का हुआ सस्वर पाठ

वाराणसी। संस्कृत के प्रथम महाकाव्य रामायण का शनिवार को सस्वर पाठ शास्त्रार्थ महाविद्यालय में पाठ हुआ। काशी के विद्वानों के साथ बटुकों ने भी पाठ किया। संयोजक आचार्य पवन शुक्ला ने बताया कि राज्यमंत्री डॉ. नीलकंठ तिवारी के आवाहन पर विप्र समाज ने डॉ. राघव शरण मिश्र के आचार्यत्व में 11 संस्कृत बटुकों व काशी के विद्वानों के साथ श्लोकों का पाठ किया। ब्यूरो

संघर्षों से भरा था महर्षि वाल्मीकि का जीवन

वाराणसी। साहित्य सेवा समिति की ओर से आदि कवि महर्षि वाल्मीकि की जयंती शनिवार को कोनिया में मनाई गई। वक्ताओं ने कहा कि महर्षि वाल्मीकि का जीवन संघर्षों से भरा था लेकिन सच्चे रास्ते पर चलकर उन्होंने इतिहास सृजन कर लिया। कार्यक्रम में महर्षि वाल्मीकि से संबंधित साहित्य और यथार्थ गीता का वितरण किया गया। इस दौरान गोरखनाथ, गणेश यादव, सोमनाथ, मनोज यादव आदि उपस्थित रहे। ब्यूरो

दैनिक जागरण पेज नं0 10 वाराणसी

वाल्मीकि जयंती पर गूंजी रामायण की चौपाइयां

जागरण संवाददाता, वाराणसी : महर्षि वाल्मीकि की जयंती पर शनिवार को गांव से लेकर शहर तक विभिन्न मंदिरों मे रामायण की चौपाइयां गूंजी। पर्यटन, संस्कृति, धर्मार्थ कार्य एवं प्रोटोकाल राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) डा. नीलकंठ तिवारी ने करौंदी स्थित प्राचीन महर्षि वाल्मीकि शिव मंदिर में पूजन-अर्चन कर अखंड रामायण पाठ का शुभारंभ किया। उन्होंने कहा कि महर्षि वाल्मीकि ने आदिकाव्य रामायण की रचना कर लोगों को सत्य एवं कर्तव्य परायणता का मार्ग दिखाया। भगवान श्रीराम की गाथा को देश-दुनिया मे पहुंचाने का श्रेय महर्षि वाल्मीकि को जाता है। उनके द्वारा दी गई शिक्षा और आदर्शों को अपनाकर प्रगतिशील एवं समरसतायुक्त समाज का निर्माण किया जा सकता है।

दैनिक हिन्दुस्तान पेज नं0 04 जौनपुर

मुंगराबादशाहपुर कस्बे के साहबगंज मोहल्ले में दो दिवसीय ऐतिहासिक भरत मिलाप देखने के लिए उमड़ी भीड़

प्रभु श्रीराम की झांकी देख श्रोता हुए विह्वल, किए जयकारे

मुंगराबादशाहपुर | हिन्दुस्तान संवाद

साहबगंज मोहल्ला का दो दिवसीय ऐतिहासिक भरत मिलाप में शनिवार को श्रीराम दल भरत मिलाप रोशनी कमेटी के तत्वावधान बाजे गाजे के साथ प्रभु श्रीराम व माता जानकी तथा हनुमान जी की झांकी निकाली गयी। कमेटी के लोगों ने झांकी को नगर भ्रमण कराया। जिसे देख श्रद्धालु भावविह्वल हो उठे। इससे पहले रथ पर विराजमान प्रभु राम के रूप में सिद्धि, सीता-सुरभि व हनुमान जी-आदर्श गुप्ता की आरती उतार कर सभासद सौरभ जायसवाल ने भगवान की झांकी वाले रथ को रवाना किया। रथ के आगे आगे श्रद्धालु संकीर्तन करते हुए चल रहे थे। जगह-जगह लोगों ने अपने घरों से फूलों की वर्षा की। बीच में बालाजी आयसफल व सभासद सुरेश सोनी की तरफ से श्रद्धालुओं के लिए जलपान की व्यवस्था की गई थी। रथ मां काली जी मंदिर से भ्रमण कर वापस हो गया। संचालन रूपेश गुप्ता व राकेश मिश्रा ने किया। अध्यक्ष राजेश गुप्ता, संरक्षक सन्तोष कुमार मिश्रा, योगेश जायसवाल मोनू, बन्टी जायसवाल, उमाशंकर चौरसिया, सुनील जायसवाल गामा, अजय केसरी, ओमप्रकाश मिश्रा, आलोक मोदनवाल, नितिन जायसवाल, गोलू केसरी व अभिषेक रहे।

मुंगराबादशाहपुर में भरत मिलाप के उपलक्ष्य में निकाली गई झांकी।

महर्षि वाल्मीकि जयंती पर सुंदरकांड पाठ

जलालपुर। तल्लमझवारा गांव में तारकेश्वर महादेव स्थित हनुमान मंदिर पर शनिवार को महर्षि वाल्मीकि जयंती पर सुंदरकांड का आयोजन किया गया। इसमें बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं ने प्रसाद ग्रहण किया। ग्राम पंचायत अधिकारी कृष्ण कुमार चौबे ने कहा कि शासन के आदेश है कि महर्षि वाल्मीकि जयंती पर गांव के हर मंदिर में सुंदरकांड का पाठ होना चाहिए। इससे सुख-समृद्धि आती है। इस अवसर पर ग्राम प्रधान आरती चौबे, रामपूर्ति चौबे, वनारायन चौबे, श्याम नारायण चौबे, हरिशंकर चौबे, अशोक सिंह, नीरज सिंह, आशुतोष पांडेय, आदित्य पांडेय, धर्मेंद्र, सतीश, मोनू, विमल, अनुज, शालू, भीम, सुरेश गुप्ता मौजूद रहे।

दैनिक अमर उजाला पेज नं0 06 जौनपुर

महर्षि वाल्मीकि जयंती पर किया गया हवन-पूजन

जलालपुर। वाल्मीकि जयंती जिले में धूमधाम व श्रद्धा के साथ मनाई गई। तालामझवारा गांव में हवन-पूजन किया गया।

ग्राम प्रधान आरती चौबे व ग्राम पंचायत विकास अधिकारी कृष्ण कुमार चौबे ने तालेस्वर महादेव स्थित हनुमान मंदिर पर सुंदरकांड पाठ कराया। राममूर्ति चौबे ,घनश्याम चौबे,श्यामानारायन चौबे,हरिशंकर चौबे,अशोक सिंह, नीरज सिंह,आसुतोष पांडेय, आदित्य पांडेय, धर्मेंद्र, सर्वेश, गोलू, विमल, अनुज, शालू, भीम, सुरेश गुप्ता आदि मौजूद रहे

मुफ्तीगंज के बारी गांव में बीडीओ लाल ब्रत यादव की अध्यक्षता में रामायण पाठ एवं भजन कीर्तन का आयोजन किया गया। इस अवसर पर ग्राम विकास अधिकारी रवि शंकर ,आलोक मिश्रा ,संजय श्रीवास्तव, हवलदार यादव आदि उपस्थिति रहे।

खेतासराय: शाहगंज (सोंधी) ब्लाक कार्यालय में शनिवार को महर्षि वाल्मीकि जयंती मनाई गई। हनुमान मंदिर में रामायण पाठ के साथ हवन पूजन हुआ। बीडीओ अनुराग राय के नेतृत्व में पाठ किया। इस मौके पर एडीओ पंचायत रामकृष्ण यादव, एडीओ आईएसबी हलिहारी राम, जेई आरईएसविमलेश कुमार आदि उपस्थित रहे। संवाद

दैनिक हिन्दुस्तान पेज नं0 05 गाजीपुर

हर्षोल्लास पूर्वक मनाई गई वाल्मीकि जयंती

मुहम्मदाबाद। स्थानीय तहसील सभागार मे शनिवार को हर्षोल्लास पूर्वक बाल्मिकी जयन्ती मनाई गयी। वाल्मीकि जयंती के अवसर पर उप जिलाधिकारी राजेश कुमार गुप्ता ने संत बाल्मिकी के चित्र पर माल्यार्पण के पश्चात दीप प्रज्जवलित करके कार्यक्रम का शुभारंभ किया। उन्होंने महर्षि बाल्मिकी के जीवन वृतान्त का उल्लेख करते हुए उन्हें महान संत बताया। इस मौके पर तहसीलदार अमित शेखर, नायब तहसीलदार संदीप श्रीवास्तव, नामिका अधिवक्ता विश्वम्भर दूबे, भाजपा नेता राजेन्द्र चौधरी, तहसील के नायब नाजीर राजेश कुमार, सगीर अहमद, रामभिलन राम, सुबच्चन यादव आदि थे।

दैनिक अमर उजाला पेज नं0 06 गाजीपुर

वाल्मीकि जयंती पर मंदिरों में कराया गया रामायण का पाठ, बताई महत्ता

अमर उजाला ब्यूरो

गाजीपुर। शासन के निर्देशानुसार आदि काव्य रामायण के रचयिता महर्षि वाल्मीकि की जयंती शनिवार को जिले में भव्य रूप में मनाई गई। इस अवसर पर कई आयोजन किए गए। जिले के सभी ग्राम पंचायतों, गंगा आश्रम जोगीपुर(?), रघुनाथपुर एवं गोविंदपुर(?) रामपुर माझा के मंदिरों पर रामायण का पाठ कराया गया।

इस पर जिलाधिकारी एमपी सिंह ने कहा कि महर्षि वाल्मीकि विश्व के आदि कवि हैं। उन्होंने विश्व प्रसिद्ध कालजयी कृति रामायण महाकाव्य की रचना श्रीराम के जीवन काल में की। उनके द्वारा रचित रामायण विश्व के आदि ग्रंथ के रूप में आज भी पूजनीय है, जो व्यक्ति, समाज एवं राष्ट्रीय मूल्यों के निर्माण में नैतिक स्तर पर मार्गदर्शन का आधार है। वाल्मीकि रामायण में निहित मानव मूल्यों, सामाजिक मूल्यों एवं राष्ट्र मूल्यों के व्यापक प्रचार-प्रसार एवं जन सामान्य को इससे जोड़ने के लिए मंदिरों पर दीप प्रज्ज्वलन, दीपदान के साथ-साथ अनवरत आठ, 12 एवं 24 घंटे का रामायण का पाठ किए जाने का कार्यक्रम निर्धारित किया गया। इसके क्रम में मंदिरों में रामायण का पाठ कराया जा रहा है। कार्यक्रम का क्रियान्वयन पर्यटन विभाग द्वारा किया गया। मुहम्मदाबाद: स्थानीय तहसील सभागार में शनिवार को वाल्मीकि जयंती मनाई गयी। उप जिलाधिकारी राजेश कुमार गुप्ता ने महर्षि वाल्मीकि के चित्र पर माल्यार्पण के बाद दीप प्रज्ज्वलित कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया। उन्होंने महर्षि के जीवन वृतांत का उल्लेख करते हुए उन्हें महान संत बताया। इस मौके पर तहसीलदार अमित शेखर, नायब तहसीलदार संदीप श्रीवास्तव, नाजिका अधिवक्ता विश्वनाथ दूबे, भाजपा नेता राजेंद्र चौधरी, राजेश कुमार, रागीर अहमद, धर्मनिलन राम, सुखराम यादव, विनोद यादव आदि उपस्थित थे। कासिमाबाद संवाददाता के अनुसार ग्राम पंचायत सुरवत में शनिवार को वाल्मीकि जयंती के अवसर पर ग्राम प्रधान संतोष राम द्वारा अखंड रामायण का आयोजन किया गया। इस अवसर पर ग्राम प्रधान श्री राम ने महर्षि वाल्मीकि के जीवन पर प्रकाश डालते हुए लोगों से अपील किया कि उनके पद चिन्हों पर चलकर ही हम समतामूलक समाज की स्थापना कर सकते हैं। कासिमाबाद: ग्राम पंचायत सुरवत में शनिवार को वाल्मीकि जयंती के अवसर पर ग्राम प्रधान संतोष राम द्वारा अखंड रामायण का आयोजन किया गया। ग्राम प्रधान सुरवत संतोष राम ने अपने गांव के लोगों के साथ फल्गुनु(?) बाबा के मंदिर में अखंड पाठ का रामायण का आयोजन किया।

सेवराई तहसील के ग्राम अमौरा में महर्षि पराशर की जयंती पर कार्यक्रम में शामिल लोग।

करंडा ब्लाक के रायपुर माझा स्थित एक मंदिर में आयोजित महर्षि वाल्मीकि जयंती पर उपस्थित लोग।

पराशर जयंती मनाई

सेवराई। तहसील के ग्राम अमौरा में महर्षि पराशर की जयंती मनाई गई। सभी ने इस मौके पर उन्हें श्रद्धा से नमन किया और महर्षि पराशर के आदर्शों की चर्चा की। कार्यक्रम में चौरासी के संयोजक मंत्री रमाकांत उपाध्याय, गहमर जन कल्याण युवा मंच के अध्यक्ष एवं महामंत्री क्रमशः अनिल कुमार उपाध्याय एवं आचार्य जयप्रकाश, कौशल कुमार, रमाकांत, जनमेजय, रामबहादुर सिंह, लक्ष्मण(?) कुमार तिवारी, शिवेंद्र उपाध्याय, श्यामधाम उपाध्याय, मनोज सिंह, नंद कुमार उपाध्याय आदि रहे।

दैनिक हिन्दुस्तान पेज नं0 05 चंदौली

महर्षि वाल्मीकि ने किया मार्गदर्शन

जयंती

सकलडीहा | हिन्दुस्तान संवाद

उत्तर प्रदेश पर्यटन विभाग द्वारा महर्षि वाल्मीकि जयंती पर शनिवार को सेवखरकलां गांव के हनुमान मंदिर पर धार्मिक गोष्ठी का आयोजन किया गया। इस दौरान रामायण पाठ किया गया। अतिथि डॉ. अजय नारायण द्विवेदी, पंडित विकास अवस्थी व पंडित अंकित गर्ग ने संस्कृत पाठ किया। अंत में बाल्मीकि रामायण पाठ, सांस्कृतिक कार्यक्रम, भजन कीर्तन, सूचना विभाग द्वारा प्रचार-प्रसार आदि का आयोजन किया गया।

सेवखरकलां गांव के हनुमान मंदिर पर महर्षि बाल्मिकी जंयती पर पूजा अर्चना करते सीडीओ डा. एके श्रीवास्तव व पर्यटन अधिकारी दिव्या तिवारी। • हिन्दुस्तान

सीडीओ डॉ. एके श्रीवास्तव ने कहा कि महर्षि बाल्मिकी विश्व के आदि कवि रहे। उन्होंने सर्वप्रथम काव्य की रचना रामायण महाकाव्य के रूप में की थी। महर्षि जी के जीवन से हमें प्रेरणा लेनी चाहिए। जीवन परयंत उनकी रामायण कृति में एक आदर्श मनुष्य व एक आदर्श समाज की प्रस्तुति मिलती है। मंदिर में आठ घंटे की बाल्मिकी रामायण का पाठ किया गया। इस मौके पर पर्यटन अधिकारी दिव्या तिवारी, महेंद्र प्रताप सिंह, मनोज सिंह, नंदलाल पांडेय, सूरज खरवार, रामलोचन यादव आदि मौजूद रहे।

दैनिक अमर उजाला पेज नं0 06 चंदौली

वाल्मीकी ने की आदर्श समाज की स्थापना

चंदौली/सकलडीहा। महर्षि वाल्मीकि जयंती पर शनिवार को विविध कार्यक्रम हुए। उत्तर प्रदेश पर्यटन विभाग की ओर से सेवखर कला गांव के हनुमान मंदिर पर भव्य तरीके से धार्मिक गोष्ठी कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस अवसर पर श्रीराम व श्री हनुमान रामायण के भव्य पाठ का आयोजन हुआ। इस मौके पर वक्ताओं ने कहा कि महर्षि वाल्मीकी ने रामायण जैसे महाकाव्य की रचना में एक आदर्श समाज की स्थापना का संदेश दिया। इससे पहले डॉ अजय नारायण द्विवेदी, पं0 विकास अवस्थी पं0 अंकित गर्ग ने संस्कृत में पाठ किया। इस मौके पर मुख्य विकास अधिकारी डॉ. अभय कुमार श्रीवास्तव ने कहा कि महर्षि वाल्मीकि विश्व के आदि कवि हैं। महर्षि वाल्मीकि की रामायण की रचना कर एक आदर्श मनुष्य, एक आदर्श समाज को प्रस्तुत किया है। संवाद

दैनिक हिन्दुस्तान पेज नं0 04 मिर्जापुर

लोगों ने महर्षि वाल्मीकि की जयंती मनाई

उत्साह

मिर्जापुर | निज संवाददाता

शरद पूर्णिमा के अवसर पर मिर्जापुर संस्कृत भारती के तत्वावधान में महर्षि वाल्मीकि जयंती मनाई गई। इस अवसर पर आयोजित वेबीनार के मुख्य अतिथि के रूप में डा. बलदेवानंद सागर रहे। मुख्य अतिथि ने कहाकि आदि कवि वाल्मीकि ने समाज को संस्कृति और परंपरा बनाए रखने का मार्ग दिखाया। महर्षि वाल्मीकि ने वैदिक संस्कृत के बाद लौकिक संस्कृत के माध्यम से रामायण की रचना कर के मर्यादा पुरुषोत्तम श्रीराम को नायक के रूप में स्थापित किया।

अध्यक्षता कर रहे श्रीराम पांडेय ने कहा कि रामायण पढ़ने पर चेतना जागृत होती है। इसके बाद मनुष्य धीरे-धीरे मर्यादा पुरुषोत्तम राम के आदर्शों से जुड़ने लगते हैं। विशिष्ट अतिथि मनोज श्रीवास्तव ने राम को समाज उद्धारक बताया। डा. आशा ने मां सीता को नारी समाज का आदर्श बताते हुए कहा कि सीता स्वाभिमान सत्य और पतिव्रता की मूर्ति थी। उनके चरित्र को स्मरण करते हुए उसका अपने जीवन में अनुपालन करना चाहिए। इसके पूर्व कार्यक्रम का शुभारंभ सर्वेश त्रिपाठी ने मंगलाचरण से किया। कुमारी क्षमा पांडेय ने मां की संस्कृत गीत प्रस्तुत की। आरती कटियार, अंकिता ने स्वागत गीत प्रस्तुति सराहनीय रही। राजनाथ तिवारी ने अतिथियों का स्वागत किया। प्रफुल्ल कुमार सिंह ने धन्यवाद ज्ञापित किया। संचालन जगदंबा दुबे ने किया। संस्कृत भारती काशी प्रांत के नागेश पांडेय ने कार्यक्रम का संयोजन किया।

नारी सशक्तिकरण के पक्षधर थे महर्षि वाल्मीकि

मिर्जापुर। अध्यात्मनिष्ठ लोगों ने वेद-उपनिषद, पुराण एवंग्रन्थों के शिल्पकार-ऋषि वाल्मीकि की जयंती अत्यंत श्रद्धा एवं आस्था के साथ मनाई। वैदिक मंत्रों व आरती-श्लोकों के साथ महर्षि की प्रतिमा पर माल्यार्पण किया गया। इसके साथ महर्षि वाल्मीकि की रचना को वर्तमान युग की जरूरत बताया गया। नगर के गऊघाट स्थित रामजानकी मन्दिर में स्थित उनकी भव्य प्रतिमा पर पैंजाट हनुमानजी मन्दिर के पुजारी रामानुजदास ने माल्यार्पण किया। पुरोहित रामजी दुबे ने यजुर्वेद के रक्षित्वावान मंत्रों के साथ पूजन कराया। इस अवसर पर वक्ताओं ने कहाकि महर्षि वाल्मीकि ने विभिन्न प्रसंगों में माता-सीता को अत्यंत सशक्त नारी के रूप में चित्रित किया है।

डीएम ने वाल्मीकी रामायण पाठ का शुभारंभ किया

मिर्जापुर। डीएम सुशील कुमार पटेल ने महर्षि वाल्मीकी जयंती के असर पर शनिवार को लोहदी महावीर मंदिर पर महर्षि बाल्मीकी रामायण पाठ का शुभारम्भ किया सीडीओ अविनाश सिंह ने कलना गैपुरा स्थित हनुमान मंदिर पर पूजा अर्चन कर रामायण पाठ का शुभारम्भ किया। तदुपरान्त डीएम ने उपस्थित श्रोताओं व श्रद्धालुओं को प्रसाद वितरण किया। गया। इस दौरान एडीएम यूपी सिंह, मंदिर के पुजारी विनय उपाध्याय व अन्य गण्मान्य लोग मौजूद रहे।

दैनिक अमर उजाला पेज नं0 06 मिर्जापुर

वाल्मीकि रामायण का पाठ किया

मिर्जापुर। जिलाधिकारी सुशील कुमार पटेल ने महर्षि वाल्मीकि जयंती के अवसर पर शनिवार को लोहंदी महावीर मंदिर पर महर्षि वाल्मीकि रामायण पाठ का शुभारम्भ किया। इस अवसर पर जिलाधिकारी द्वारा विधिवत पूजा-अर्चन किया गया तथा दीप प्रज्वलित कर रामायण पाठ का शुभारंभ किया गया। इसी क्रम में मुख्य विकास अधिकारी अविनाश सिंह ने कलना गैपुरा स्थित हनुमान मंदिर पर पूजा अर्चन कर रामायण पाठ का शुभारंभ किया गया। जिलाधिकारी ने उपस्थित श्रोताओं व श्रद्धालुओं को प्रसाद वितरण किया। जिलाधिकारी के निर्देश के अनुपालन में शनिवार को जिले के तीन प्रमुख मंदिरों- कलना गैपुर के अंजनीनन्दन मंदिर एवं चेतगंज स्थित मंदिर पर महर्षि वाल्मीकि रामायण पाठ का शुभारंभ किया गया। संवाद

वाल्मीकि जयंती पर हुआ मानस पाठ

मानस के सुनने मात्र से होता है समस्त पापों का नाश

संवाद न्यूज एजेंसी

अहरौरा। मानस के श्रवण मात्र से ही मनुष्य के सभी पापों का नाश होता है। रामायण का हर प्रसंग व पात्र अनुकरणीय है। जिसे मनुष्य को अपने दिनचर्या में शामिल किया जा सकता है। उक्त बातें पालिकाध्यक्ष गुलाब मौर्य ने वाल्मीकि जयंती पर शनिवार को दोपहर पट्टी कस्बा में स्थित दुर्गा जी मंदिर पर आयोजित राम चरित मानस के पाठ के दौरान कही।

उन्होंने कहा कि रामायण कलियुग का ऐसा महान ग्रंथ है जिससे मनुष्य के सभी विकार नष्ट होते हैं। मानस के पाठ को सुनने मात्र से ही मनुष्य भव सागर से पार होता है। नगर प्रशासन द्वारा वाल्मीकि जयंती के अवसर पर दुर्गा जी के मंदिर पर चौबीस घंटे का मानस पाठ का आयोजन किया गया। इस दौरान पू दायरा में आए मानस मर्मज्ञ द्वारा मानस का पाठ विधि विधान से पूजन अर्चन के साथ शुरू किया गया। गुलाब मौर्य ने चौबीस घंटे तक के पाठ का संकल्प लिया।

इसके बाद विद्वानों द्वारा पाठ शुरू किया गया। रविवार को दोपहर पाठ की पूर्णाहुति होने पर भंडारा का आयोजन किया गया है।

इस दौरान ईओ विनय कुमार तिवारी, संजय कुशवाहा, नीतीश कुमार, माता सिंह, मनीष केसरी, सुशील मोहन निगम, कुमार आनंद, कृष्ण कुमार, इरशाद आलम, रामचन्द्र, बिहारी लाल यादव सहित अन्य उपस्थित रहे।

वाल्मीकि जयंती पर अहरौरा के पट्टी कस्बा में स्थित दुर्गा जी के मंदिर पर राम चरित मानस के पाठ का आयोजन किया गया।

वाल्मीकि जयंती पर पूजन-अर्चन

जिगना। गैपुरा स्थित अंजनेयधाम में वाल्मीकि जयंती पर पर्यटन विभाग के निर्देशन में वाल्मीकि रामायण का पाठ किया गया। विद्वानों की ओर से विधि-विधान से हुए पूजन अर्चन के बाद पाठ शुरू किया गया वाल्मीकि रामायण के सुंदरकांड का पाठ आचार्य कमलाकांत तिवारी, डॉ. श्रीकांत मिश्र की ओर से लगभग 8 घंटे में पूरा किया गया। इस दौरान मुख्य विकास अधिकारी अविनाश कुमार सिंह, डीडीओ एएन मिश्र, डीपीआरओ अरविंद कुमार ने मंत्रोच्चारण के साथ पूजन अर्चन किया। इस मौके पर मां अंजनीनंदन सेवा समिति के राष्ट्रीय अध्यक्ष कृपाशंकरधर दुबे, रमा शंकर दुबे, रविशंकर दुबे, प्रेमशंकर दुबे, जीतलाल यादव, साहबलाल शुक्ला, अशोकधर दुबे, यूपीपीसीएल के सहायक परियोजना प्रबंधक जेपी सिंह, अवर अभियंता रेखा सिंह, राजेश मिश्र, सहित काफी संख्या में लोग मौजूद रहे। संवाद

दैनिक जागरण पेज नं0 04 मिर्जापुर

जयंती पर याद किए गए कवि वाल्मीकि

पटेहरा (मीरजापुर) : विकास खंड क्षेत्र के दीपनगर स्थित दुर्गा मंदिर के प्रांगण में भगवान राम के लीला के प्रथम कवि वाल्मीकि जयंती यादगार बनाने हेतु विहिप जनों ने संकल्प लिया। विहिप जिलाध्यक्ष रामचन्द्र शुक्ल ने अपने उद्बोधन में कहा कि भगवान राम के कठोर निर्णय में माता सीता को अपने तपोस्थली में सुरक्षा देकर लव और कुश को सभी वेद और वेदांत से पारंगत कर धनुर्धर और शस्त्र विद्या में निपुण बनाने का काम किया। रामचरित मानस की प्रथम संरचना कर मानव समाज को पथ प्रदर्शक बनाने का काम ऋषि वाल्मीकि ने किया। कार्यक्रम का संचालन गोपालजी प्रखंड मंत्री, अध्यक्षता अभय शंकर, विजय बहादुर पांडेय, आनंद शंकर तिवारी, सिपाही कोल, डा. राजकुमार, रामनरेश कोल आदि मौजूद रहे। (जासं)

दैनिक हिन्दुस्तान पेज नं0 02 सोनभद्र

जगह-जगह हुआ रामायण का पाठ, आयोजित किए गए विविध कार्यक्रम

हर्षोल्लास से मनी वाल्मीकि जयंती

सोनभद्र | हिन्दुस्तान टीम

आदि काव्य रामायण के रचयिता महर्षि वाल्मीकि जयन्ती शनिवार को जिले भर में हर्षोल्लास के साथ मनाई गई। इस दौरान जगह-जगह मंदिरों में रामायण पाठ का भी आयोजन किया गया। इस दौरान महर्षि वाल्मीकि के जीवन मूल्यों पर भी प्रकाश डाला गया।

इस दौरान डीएम एस राजलिंगम ने कहा कि महर्षि वाल्मीकि विश्व के आदि कवि हैं जिनके द्वारा रचित रामायण विश्व के आदि ग्रंथ के रूप में आज भी पूज्यनीय है, जो व्यक्ति,समाज एवं राष्ट्रीय मूल्यों के निर्माण में वैश्विक स्तर पर मार्गदर्शन का आधार है। महर्षि वाल्मीकि द्वारा रचित रामायण सामाजिक मूल्यों, मानव मूल्यों एवं राष्ट्र मूल्यों की स्थापना का आदर्श है। उन्होंने बताया कि वाल्मीकि रामायण में निहित मानव मूल्यों, सामाजिक मूल्यों व राष्ट्र मूल्यों के व्यापक प्रचार- प्रसार व जन सामान्य को इससे जोड़ने के लिए महर्षि वाल्मीकि से संबंधित मंदिरों पर दीप प्रज्ज्वलन दीपदान के साथ साथ अनवरत 8 घंटे का रामायण का पाठ, मंचन व अन्य कार्यक्रम प्रस्तुत किया गया। इस दौरान राबर्ट्सगंज शहर में श्रीराम जानकी मंदिर, दुद्धी में संकट मोचन मंदिर दुद्धी, घोरावल में श्रीराम जानकी मंदिर घोरावल, ओबरा में श्री हनुमान मंदिर ओबरा में किया गया। राबर्ट्सगंज के श्रीराम जानकी मंदिर में दीप प्रज्जवलन, अखण्ड महर्षि वाल्मीकि रामायण पाठ का आयोजन अध्यक्ष जिला पंचायत अमरेश सिंह पटेल, विधायक सदर भूपेश चौबे, जिलाध्यक्ष भाजपा अजीत चौबे, जिला मंत्री भाजपा अजीत रावत, अपर जिलाधिकारी योगेन्द्र बहादुर सिंह, अधिशासी अधिकारी प्रदीप गिरि, राजीव शुक्ला आदि की मौजूदगी में किया गया।

राबर्ट्सगंज नगर के रामजानकी मंदिर में रामायण पाठ करते भाजपा कार्यकर्ता।

दुद्धी प्रतिनिधि के अनुसार शासन के निर्देशानुसार कस्बे के श्रीसंकट मोचन मंदिर में शनिवार को महर्षि वाल्मीकि जयंती धूमधाम से मनाई गई। शुभारंभ उपजिलाधिकारी रमेश कुमार व नगर पंचायत अध्यक्ष राजकुमार अग्रहरि ने हनुमानजी के पूजन व उनके प्रतिमा के समक्ष दीप प्रज्ज्वलित कर किया। इसके बाद अखंड रामायण का पाठ शुरू किया गया, जो सुबह साढ़े 9 बजे से शुरू हुआ। अखंड रामायण का पाठ देर शाम तक चला। इस मौके पर मंदिर के पुजारी कल्याण मिश्र, अधिशाषी अधिकारी भारत सिंह, वार्ड सदस्य धीरज जायसवाल आदि मौजूद रहे।

ओबरा प्रतिनिधि के अनुसार महर्षि वाल्मीकि जयंती के अवसर पर शनिवार को नगर पंचायत ओबरा द्वारा स्थानीय श्रीराम मंदिर के प्रांगण में सुंदरकांड का पाठ कराया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ नगर पंचायत अध्यक्ष प्रानमति, ओबरा एसडीएम प्रकाश चंद व तहसीलदार सुनील कुमार ने संयुक्त रूप से वैदिक मंत्रोच्चार के बीच विधि विधान के साथ पूजन अर्चन किया। सुंदरकांड का पाठ आचार्य महेशदेव पांडेय, सुरेश देव पांडेय, अरविंद शुक्ल, अनुराग दूबे द्वारा किया गया। इस मौके पर नायब तहसीलदार रवि प्रजापति, अधिशासी अधिकारी अमित कुमार सिंह, सभासद राहुल श्रीवास्तव, चंद्रावती देवी, विकास सिंह, सतीश पांडेय, सौरभ अग्रवाल, नीरज भाटिया, बिंदु कन्नौजिया, मनोज सिंह, बब्बू तिवारी, राजेश यादव आदि मौजूद रहे।

दैनिक अमर उजाला पेज नं0 06 सोनभद्र

महर्षि वाल्मीकि जयंती पर हुआ सुंदरकांड का पाठ

जिले के चारों तहसील मुख्यालयों पर मंदिर परिसरों में पंचांग पूजन के बाद रामायण के श्लोकों की गूंज, लगे जयकारे

संवाद न्यूज एजेंसी

सोनभद्र। रामायण के रचयिता महर्षि वाल्मीकि की जयंती पर शनिवार को जिले के चारों तहसील मुख्यालयों स्थित मंदिर परिसर में सविधि पंचांग पूजन के बाद सुंदर कांड का पाठ किया गया। सुबह 10 बजे से शुरू होकर रामायण का पाठ शाम छह बजे तक चला। इसके बाद भजन कीर्तन का आयोजन किया गया।

रॉबर्ट्सगंज स्थित रामजानकी मंदिर में जिला पंचायत अध्यक्ष अमरेश पटेल, सदर विधायक भूपेश चौबे, भाजपा जिलाध्यक्ष अजीत चौबे ने महर्षि वाल्मीकि के चित्र के समक्ष दीप प्रज्वलित कर रामायण पाठ का शुभारंभ किया। इस दौरान सदर विधायक भूपेश चौबे ने कहा कि प्रत्येक वर्ष वाल्मीकि जयंती आश्विन मास की पूर्णिमा को मनाया जाता है। सामाजिक सद्भाव, समानता और न्याय पर आधारित उनके आदर्श विचार देशवासियों को सदैव प्रेरित करते रहेंगे। उन्होंने कहा कि महर्षि कहते हैं कि किसी भी मनुष्य की इच्छा शक्ति अगर उसके साथ हो तो वह कोई भी काम बहुत आसानी से कर सकता है। इससे पहले आचार्य संतोष धर द्विवेदी ने सविधि पंचांग पूजन एवं रामायण पूजन कराया। इसके बाद रामायण के सुंदर कांड पाठ का आरंभ हुआ। वहां आचार्य संतोष धर द्विवेदी के साथ पंडित हरिगोविंद देव पांडेय, अनुज शुक्ल और अजय मिश्र ने सुंदरकांड का पाठ किया। एडीएम वीरेंद्र बहादुर सिंह, सीएमओ डॉ. एसके उपाध्याय, अधिशासी अधिकारी प्रदीप गिरि, डॉ. कुसमाकर, भाजपा जिलामंत्री विनोद कुमार पटेल, अजीत रहे। राजा शारदा महेश इंटर कालेज में रॉबर्ट्सगंज में महर्षि वाल्मीकि जयंती मनाई गई। इस मौके पर भाजपा जिलामंत्री अजीत रावत, चोपन के मंडल अध्यक्ष सुनील सिंह, सरजू बैसवार, सुनील कुमार राय, सुरेश चंद कनौजिया, राकेश चंद्र शुक्ला, राजेश, अखिलेश रहे।

राजा शारदा महेश इंटर कालेज में वाल्मीकि जयंती पर पुष्प अर्पित करते लोग।

रामजानकी मंदिर में पूजन अर्चन करते जिला पंचायत अध्यक्ष अमरेश पटेल, विधायक भूपेश चौबे।

रामजानकी मंदिर में रामायण पाठ करते लोग।

काशी से आए पंडितों ने किया पाठ

घोरावल: नगर पंचायत घोरावल के चनाहवा तालाब पर स्थित संकटमोचन हनुमान मंदिर परिसर में शनिवार को विधि विधान से महर्षि वाल्मीकि की जयंती मनाई गई। इस अवसर पर काशी से आए विद्वान पंडितों ने वाल्मीकि रामायण के सुंदरकांड का पाठ किया। वहीं लोकगीत गायिका मोना कौशल ने धार्मिक व सामाजिक कार्यक्रमों की आकर्षक प्रस्तुति दी। काशी से आए आचार्य पं. विजय मिश्र, पं. दिनेश पांडेय, पं. मोहित पाठक व पं. प्रमोद मिश्रा ने सबसे पहले एसडीएम शैलेंद्र सिंह व नगर पंचायत अध्यक्ष राकेश कुमार को पूजन का संकल्प दिलाया। इसके बाद विधि विधान के साथ भगवान श्रीराम एवं महर्षि वाल्मीकि की पूजा अर्चना की गई। इस मौके पर तहसीलदार विकास पांडेय, ईओ चैतन्य कुमार तिवारी, प्रभारी लेखा कुमार उमर, धनंजय सिंह, रोहित तिवारी, सु. हनीफ, कर्मचारी मौजूद रहे।

दुद्धी: नगर स्थित श्रीमंगल मोचन मंदिर में महर्षि वाल्मीकि जयंती मनाई गई। कार्यक्रम का शुभारंभ उपजिलाधिकारी रमेश कुमार व नगर पंचायत अध्यक्ष राजकुमार अग्रहरि ने हनुमान जी की पूजा और दीप प्रज्वलित कर किया। इसके बाद अखंड रामायण का पाठ शुरू हुआ। इस मौके पर मंदिर के पुजारी कल्याण मिश्र, अधिशासी अधिकारी भरत सिंह, वार्ड सदस्य धीरज जायसवाल आदि रहे। ओबरा: स्थानीय राम मंदिर प्रांगण में वाल्मीकि जयंती पर रामायण पाठ का आयोजन किया गया। आयोजित कार्यक्रम में ओबरा एसडीएम प्रकाश चंद, तहसीलदार सुनील कुमार, नगर पंचायत अध्यक्ष चांदमती देवी ने विद्वान पंडितों के वैदिक मंत्रोच्चार के साथ विधि विधान से पूजन अर्चन किया। सुंदर कांड पाठ आचार्य महेशदत्त पांडेय, सुरेश देव पांडेय, अरविंद शुक्ल, अतुल दुबे ने किया। ईओ अमित कुमार सिंह, नायब तहसीलदार रवि प्रजापति, सभासद राहुल श्रीवास्तव, चंद्रावती देवी, विकास सिंह, भाजपा मंडल अध्यक्ष मनोज पांडेय, सुनील मिश्रा आदि मौजूद थे।

वाल्मीकि जयंती पर मंदिर में रामायण पाठ

जागरण संवाददाता, सोनभद्र : महर्षि वाल्मीकि की जयंती के मौके पर शनिवार को राबर्ट्सगंज स्थित राम जानकी मंदिर में रामायण पाठ हुआ। इस दौरान भजन-कीर्तन के साथ महर्षि के जीवन पर प्रकाश डाला गया। सदर विधायक भूपेश चौबे ने बधाई देते हुए उनके विचारों को आत्मसात करने के लिए सभी से अपील की।

रामायण पाठ के दौरान दौरान जिला पंचायत अध्यक्ष अमरेश पटेल, भाजपा जिलाध्यक्ष अजीत चौबे, एडीएम योगेंद्र बहादुर सिंह भी मौजूद थे। भाजपा जिलाध्यक्ष ने कहा कि पौराणिक कथाओं के मुताबिक जब भगवान राम ने सीता का त्याग किया था तो उस दौरान वह कई वर्षों तक वाल्मीकि आश्रम में रही थीं। इसलिए माता सीता को वन देवी भी कहा जाता है। इस दौरान सीएमओ डा. एसके उपाध्याय, नगर पालिका के अधिशासी अधिकारी प्रदीप गिरी, डा. कुसुमाकर आदि मौजूद थे। इसी तरह राजा शारदा महेश इंटर कालेज राबर्ट्सगंज में भी जयंती मनाई गई।

भाजपा के जिला मंत्री एवं निवर्तमान अनुसूचित मोर्चा के जिलाध्यक्ष अजीत रावत ने माल्यार्पण किया। चोपन के मंडल अध्यक्ष सुनील सिंह भी मौजूद थे। ओबरा के राम मंदिर में रामायण पाठ हुआ। इसमें एसडीएम प्रकाश चंद्र, तहसीलदार सुनील कुमार, नगर पंचायत अध्यक्ष प्रानमती देवी, ईओ अमित आदि मौजूद थे। सभी, भाजपा के कार्यालयों में भी जयंती मनाई गई। दुद्धी तहसील मुख्यालय पर संकट मोचन मंदिर में जयंती मनाई गई। उपजिलाधिकारी रमेश कुमार एवं नगर पंचायत अध्यक्ष राजकुमार अगरहरि, तहसीलदार सुरेश शुक्ला सहित अन्य मौजूद थे।

आरएसएम इंटर कालेज में महर्षि वाल्मीकि की जयंती मनाते लोग • जागरण

स्मरण

- सदर विधायक ने महर्षि के जीवन पर डाला प्रकाश, दी शुभकामनाएं
- भारतीय जनता पार्टी के सभी मंडलों में हुआ आयोजन

सर्वतुक ई-पत्रिका का विमोचन

वाल्मीकि जयंती के मौके पर शनिवार को सर्वतुक ई-पत्रिका का विमोचन किया गया। इसका प्रकाश महादेवी वर्मा साहित्य शोध संस्थान की ओर कराया गया। सर्वतुक के संपादक डा. कृजेश महादेव ने बताया कि ई-प्रकाशन दो भागों में हुआ है। प्रथम भाग शोधार्थियों के लिए और द्वितीय भाग साहित्यकारों के लिए। ई-पत्रिका को दो दर्जन से अधिक कलमकारों ने संवारा है। इसमें मुख्य संरक्षक डा. मीना सिंह एसोसिएट प्रोफेसर जीडी बिनानी कॉलेज मीरजापुर तथा संरक्षक डा. गोरखनाथ पटेल जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी सोनभद्र ने बधाई दी है।

महर्षि विश्व के आदि कवि

महर्षि वाल्मीकि जयंती पर शनिवार को डीएम ने कहा कि महर्षि विश्व के आदि कवि हैं। उन्होंने कालजयी कृति रामायण महाकाव्य की रचना श्रीराम के जीवन काल में की। बताया कि राबर्ट्सगंज शहर में श्रीराम-जानकी मंदिर, दुद्धी में संकट मोचन मंदिर, घोरावल में श्रीराम-जानकी मंदिर, ओबरा में श्री हनुमान मंदिर में पाठ हुए।

दैनिक अमर उजाला पेज नं0 06 भदोही

जयंती पर याद किए गए महर्षि वाल्मीकि

कई स्थानों पर रामायण एवं सुंदरपाठ का आयोजन, रामायण रूपी राम मंदिर से तीनों लोग होंगे पवित्र

संवाद न्यूज एजेंसी

सीतामढ़ी/लालानगर। भुवन के प्रथम महाकाव्य रामायण के रचयिता भगवान महर्षि वाल्मीकि की जयंती सीतामढ़ी स्थित महर्षि वाल्मीकि आश्रम में पूरे श्रद्धा और भाव पूर्वक मनाया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ जिलाधिकारी राजेंद्र प्रसाद और पुलिस अधीक्षक रामबदन सिंह ने दीप जलाकर किया। महर्षि वाल्मीकि की रचित वाल्मीकि रामायण का पाठ और प्रवचन संत हरिकेश पांडेय और आचार्य संदीप पांडेय ने किया।

मुख्य वक्ता संत केशव कृपाल पांडेय ने कहा कि दुनिया के प्रथम राम मंदिर का निर्माण सीतामढ़ी में महर्षि वाल्मीकि जी ने रामायण रूपी रचना से किया। कहा रामायण रूपी राम मंदिर तीनों लोकों को पवित्र करने वाले हैं। रामायण चलता फिरता राम मंदिर है। गंगा हम सब की हैं। इसी क्रम में आश्रम के प्राचीन सीता मंदिर में स्थापित भगवान वाल्मीकि जी का विधिवत पूजा अर्चन किया गया। महर्षि वाल्मीकि आश्रम के महंत आचार्य हरिप्रसाद मिश्रा ने कहा कि सीतामढ़ी की पावन स्थली पर महर्षि जी ने रामायण की रचना की थी इसी दिव्य स्थल पर माता सीता का अंतिम वनवास काल व्यतीत हुआ और महर्षि वाल्मीकि के आश्रम में लवकुश कुमारों का जन्म हुआ और महर्षि के सानिध्य में लवकुश कुमारों की शिक्षा- दीक्षा हुई थी।

इस मौके पर समाजसेवी राहुल दुबे, मिठाईलाल प्रधान, पं.महेश्वर मिश्रा, जजो पांडेय, विमल मिश्रा, मुन्नालाल पांडेय, धर्मेंद्र सिंह, राधेश्याम दुबे, सुनील दुबे, मुकेश केसरवानी आदि रहे। गोपीगंज नगर के मिर्जापुर रोड स्थित हनुमानगढ़ी मंदिर में वाल्मीकि जयंती पर सुंदरकांड पाठ का आयोजन किया गया। इस मौके पर अधिशासी अधिकारी अमिता सिंह, मोहित उमर, अरुण सिंह, जितेंद्र गुप्ता, बृजेश, लल्लू, गुन्नू अली, विजय साहू, विष्णु प्रसाद पांडेय, चंद्रिका प्रसाद पांडेय, अभय, आशीष, बिंदू, अनिल, मनोज आदि रहे।

भदोही। महर्षि वाल्मीकि जयंती पर शनिवार को नगर पालिका परिषद द्वारा अहमदगंज श्रीराम जानकी मंदिर प्रांगण में रामायण पाठ का आयोजन किया गया। इस मौके पर पालिकाध्यक्ष अशोक कुमार जायसवाल ने कहा कि हमें महर्षि वाल्मीकि के आदर्शों और सिद्धांतों को आत्मसात करने की जरूरत है। कहा कि महर्षि वाल्मीकि ने रामायण की रचना की थी। इसमें बुराई पर अच्छाई की जीत का संदेश है। इस मौके पर जुटे लोगों ने महर्षि के जीवन चरित्र पर प्रकाश डाला और समाज में फैली कुरीतियों को समाप्त कर शिक्षित समाज की स्थापना करने पर जोर दिया। इस मौके पर उनके चित्र पर माल्यार्पण किया गया। अधिशासी अधिकारी पी.लाल जी, जेई दिनेश सिंह, जल अभियंता प्रदीप यादव, मुकेश दुबे, आशीष जायसवाल, सभासद कन्हैया शंकर दुबे, महेंद्र सिंह, फुल्लू यादव, राजकुमार, शिवम जायसवाल, शंभु सेठ, इंदर साहू, उमाकांत गुप्ता, रामजीत चौधर, अवधनारायण यादव आदि रहे।

उधर नगर पालिका परिषद सभागार में लौहपुरुष सरदार वल्लभ भाई पटेल की जयंती को राष्ट्रीय एकता दिवस के रूप में मनाया गया।

मा गंगा की हुई भव्य आरती

सीतामढ़ी। भगवान महर्षि वाल्मीकि जयंती कार्यक्रम के अंतिम सोपान में पतित पावनी माँ गंगा की भव्य आरती की गई। विद्वानों ने वैदिक मंत्रोच्चार के बीच मां गंगा की भव्य आरती संपन्न कराई। महर्षि वाल्मीकि आश्रम के मां गंगा के पावन तट पर जिलाधिकारी राजेंद्र प्रसाद, पुलिस अधीक्षक रामबदन सिंह, संत केशव कृपाल पांडेय, क्षेत्राधिकारी भूषण वर्मा, डीघ खंड विकास अधिकारी सुरेंद्र चौधरी, समाजसेवी राहुल दुबे, महंत पं हरिप्रसाद मिश्रा, जजो पांडेय, विमल मिश्रा, मिठाईलाल, कौशलेंद्र श्रीवास्तव, भानुप्रताप सिंह आदि रहे।

गोपीगंज के हनुमानगढ़ी में सुंदरकांड पाठ करते श्रद्धालु।

महर्षि वाल्मीकि जयंती पर रामायण का पाठ करते पालिकाध्यक्ष व अन्य।

दैनिक अमर उजाला पेज नं0 06 भदोही

समारोह में देश की एकता और अखंडता की ली शपथ

महर्षि वाल्मीकि और सरदार वल्लभभाई पटेल के चित्र पर माल्यार्पण, प्रतियोगिताएं आयोजित

संवाद न्यूज एजेंसी

ज्ञानपुर/औराई। काशी नरेश राजकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय में शनिवार को राष्ट्रीय एकता दिवस पर विचार गोष्ठी, भाषण प्रतियोगिता और शपथ ग्रहण समारोह हुआ। सर्वप्रथम महर्षि वाल्मीकि और सरदार वल्लभभाई पटेल के चित्र पर माल्यार्पण किया गया। डॉ. कामिनी वर्मा ने दोनों महान विभूतियों के जीवन एवं कृतित्व पर प्रकाश डाला। कहा देश इनके चातुर्य पूर्ण निर्देशन एवं सक्रिय योगदान के कारण एकजुट हुआ। प्राचार्य डॉ. पीएन डोंगरे ने रामायण पाठ किया और एकता और अखंडता की शपथ दिलाई। डॉ. विनय मिश्र ने बताया कि पटेल जी की कुशलता के कारण देश एकजुट हुआ। डॉ. अमित गौतम ने बताया कि महर्षि वाल्मीकि ने समाज को रामायण जैसा ग्रंथ देकर जगत को मानवता एवं भाईचारे का पाठ पढ़ाया। इस दौरान छात्र-छात्राओं में एकता एवं अखंडता पर भाषण

भाषण में रागिनी प्रथम, आशीष को दूसरा स्थान

प्रतियोगिता हुई। इसमें रागिनी पांडेय प्रथम, आशीष यादव द्वितीय और कृष्णा मौर्य तृतीय रहे। इस मौके पर डॉ. घनश्याम मिश्र, डॉ. अनिल गिरि, डॉ. संजय चौबे, डॉ. हेमंत सिंह, डॉ. आनंद सिंह और डॉ. मनीषा उपस्थित रहीं। औराई के केशव प्रसाद मिश्र राजकीय महिला महाविद्यालय में सरदार वल्लभ भाई पटेल की जयंती राष्ट्रीय एकता दिवस के रूप में मनाई गई। प्राचार्य डॉ. बृजकिशोर त्रिपाठी ने कहा कि सरदार ने देश की बिखरी रियासतों को एक किया। उनके बताए मार्ग पर चलकर ही देश विश्व गुरु बन सकता है। इस मौके पर डॉ. आराधना वर्मा, डॉ. विनोद कुमार मिश्र, डॉ. रीना सिंह, डॉ. रमेश कुमार मौर्य, डॉ. सुचिता वर्मा, डॉ. विनोद कुमार, डॉ. प्रवीण राय, डॉ. जयकुमार, डॉ. अमरनाथ जैन आदि

एकता और अखंडता की शपथ लेते छात्र-छात्राएं।

केएनपीजी में शपथ लेते शिक्षक और विद्यार्थी।

स्टेडियम में हुए कार्यक्रम में नहीं पहुंचे अधिकारी

अमर उजाला ब्यूरो

ज्ञानपुर। सरदार वल्लभ भाई पटेल की जयंती का कार्यक्रम शनिवार को अधिकारियों की लापरवाही की भेंट चढ़ गया। जिला स्टेडियम में प्रस्तावित कार्यक्रम में कोई भी जिम्मेदार अधिकारी नहीं पहुंचा। हालांकि छात्र सुबह सात बजे से लेकर 10:30 बजे तक अधिकारियों का इंतजार करने के बाद खुद ही लौट गए।

शासन ने जिला प्रशासन को सरदार पटेल की जयंती राष्ट्रीय एकता अखंडता दिवस के रूप में मनाने का निर्देश दिया था। इसके लिए डीआईओएस राजेंद्र प्रसाद ने कार्यक्रमों की रूपरेखा जारी करते हुए अफसरों को जिम्मेदारी सौंपी थी। मगर ज्यादातर कार्यक्रमों में अधिकारी नहीं पहुंचे। जिला स्टेडियम में रैली के बाद स्लोगन, भाषण और पेंटिंग प्रतियोगिता कराई जानी थी। इसमें कंपोजिट विद्यालय बड़ागांव, नेशनल इंटर कॉलेज भदोही और गुरुकुल पब्लिक स्कूल के छात्र-छात्राओं ने प्रतिभाग किया था।

घंटों इंतजार के बाद मायूस होकर घर लौट गए छात्र-छात्राएं और शिक्षक

कोविड-19 को देखते हुए रैली और प्रभात फेरी के कार्यक्रम रद्द कर दिए गए थे। संभवतः यह विभाग स्कूलों और बच्चों तक नहीं पहुंच पाया। इससे असमंजस की स्थिति पैदा हो गई। राजेंद्र प्रसाद, डीआईओएस

कार्यक्रम में एडीएम और एसडीएम को पहुंचना था। सुबह सात बजे निकलकर बच्चे स्टेडियम पहुंच गए। लेकिन, वहां कोई तैयारी नहीं की गई थी। मैदान की ठीक से साफ-सफाई तक नहीं कराई गई थी। बच्चों और शिक्षकों के लिए जलपान की भी व्यवस्था नहीं थी। लगभग साढ़े तीन घंटे तक इंतजार करने के बाद भी जब कोई अधिकारी नहीं पहुंचा तो शिक्षकों ने खुद ही यहां कार्यक्रम कर प्रतिभागी छात्र-छात्राओं के बीच विजेताओं की घोषणा कर दी और वापस लौट गए।

दैनिक जागरण पेज नं0 06 भदोही

धूमधाम से मनाई गई महर्षि वाल्मीकि जयंती

आस्था

- सीतामढ़ी सहित सात मंदिरों में रामायण पाठ का आयोजन
- रामायण की उपादेयता पर विस्तार से की चर्चा

जागरण संवाददाता, ज्ञानपुर (भदोही) : सीतामढ़ी स्थित तपोभूमि पर आदि कवि महर्षि वाल्मीकि की जयंती धूमधाम से मनाई गई। उनकी प्रतिमा पर माल्यार्पण कर श्रद्धासुमन अर्पित किया गया तो उनके व्यक्तित्व व कृतित्व के साथ उनके रचित रामायण की उपादेयता व प्रासंगिकता पर चर्चा की गई।

डीएम राजेंद्र प्रसाद ने कहा कि भारतीय ज्ञान परंपरा इतनी समृद्ध रही है कि जीवन के शाश्वत मूल्य इसमें परिलक्षित होते हैं। एसपी रामबदन सिंह ने आदि कवि के जीवन आदर्शों पर प्रकाश डाला। आचार्य शरद पांडेय, संदीप पांडेय एवं संत हरिकेश पांडेय ने वाल्मीकि रचित रामायण का पाठ किया। संत केशव कृपाल जी महाराज ने रामायण का हिंदी रूपांतरित कर उपस्थितजनों को नायक श्रीराम के आदर्श का चित्रण किया। साथ ही रामायण में छिपे हुए त्याग, सद्भाव, सामाजिक समरसता जैसे मूल्यों को आत्मसात करने के लिए प्रेरित किया। रामजानकी मंदिर भदोही, गोपीगंज, खमरिया, नई बाजार, घोसिया आदि स्थानों पर रामायण पाठ का आयोजन किया गया। सीएमओ डा. लक्ष्मी सिंह, खंड विकास अधिकारी सुरेंद्र मौर्य, एडीओ पंचायत अजय पांडेय, डा. गुलाब यादव, महंत हरिप्रसाद, मुन्ना पांडेय, राहुल दुबे आदि थे।

दैनिक हिन्दुस्तान पेज नं0 02 भदोही

रामायण रचयिता को किया नमन

जयंती

भदोही/गोपीगंज। हिन्दुस्तान टीम

रामायण के रचयिता महर्षि वाल्मिकी जयंती पर कालीन नगरी में विभिन्न आयोजन किए गए। इस दौरान रामायण का सस्वर पाठ करने के साथ ही उनके जीवन पर प्रकाश डाला गया। साथ ही केंद्र व प्रदेश सरकार से पर्यटन स्थल सीतामढ़ी का सुंदरकरण कराते हुए उसे देशव्यापी स्तर का बनाने की मांग की गई।

भदोही नगर पालिका परिषद कार्यालय में रामायण का पाठ आयोजित किया गया। जिसमें चेयरमैन अशोक कुमार जायसवाल, ईओ जीलाल, अवर अभियंता दिनेश सिंह, जल अभियंता प्रदीप यादव, मुकेश, आशीष जायसवाल, सभासद करुणा शंकर दुबे, महेन्द्र बिंद, फुल्लु यादव, राजकुमार, शिवम जायसवाल, प्रभु सेठ, इंदर साहू, उमाकांत गुप्ता, रामजीत धीवर, अवध नारायण यादव, नितेश गुप्ता आदि रहे।

इसी तरह गोपीगंज भदोही नगर के मिर्जापुर रोड स्थित हनुमानगढ़ी मंदिर प्रांगड़ में सुंदरकांड पाठ का आयोजन किया गया। उसके बाद प्रसाद वितरण। इस मौके पर चेयरमैन प्र''ह्लादास गुप्ता, अधिशासी अधिकारी अमृता सिंह, सभासद मोहित उमर, अरूण मिंकू, जितेन्द्र गुप्ता, बृजेश, लल्लू, चुन्नू अली, विजय साहू, शिव शंकर, विष्णु प्रसाद पांडेय, मंगला प्रसाद पांडेय, अंचल, आशीष, पिंटू, अनिल, मनोज माली, ओम प्रकाश, मनोज आदि रहे।

नपा कार्यालय गोपीगंज में शनिवार को रामायण का पाठ करते लोग (बाएं) व हनुमान गढ़ी मंदिर में शनिवार की शाम सुंदरकांड पाठ करते नपा कर्मी व अधिकारी। • हिन्दुस्तान

वाल्मीकि जयंती पर रामायण पाठ

सीतामढ़ी। महर्षि वाल्मिकी की जयंती पर शनिवार को काशी-प्रयाग के मध्य सीतामढ़ी तट पर दीपदान व रामायण पाठ का आयोजन किया गया। आस्थावानों ने विधि-विधान से दर्शन-पूजन कर सुख-समृद्धि की कामना की। लवकुश तपोस्थली, सीतामढ़ी मंदिर, उड़ियाबीर समेत अन्य धार्मिक स्थलों पर पूजा-पाठ का क्रम चलता रहा। भजन संध्या में भक्ति गीतों का श्रवण कर श्रद्धालु निहाल होते रहे। इसी क्रम में रामपुर गंगा घाट, भीगांव व इब्राहिमपुर समेत अन्य घाटों पर दीपदान का क्रम देर शाम तक चलता रहा। इसी तरह रामजानकी मंदिर लिप्पन तिराहा भदोही, हनुमानगढ़ी मंदिर गोपीगंज, चकवा महावीर मंदिर, हनुमान मंदिर खमरिया पर पूजा-पाठ का क्रम चलता रहा। डीएम राजेंद्र प्रसाद व एसपी रामबदन सिंह ने सीतामढ़ी मंदिर पर कार्यक्रम का शुभारंभ किया।

अमर उजाला – अयोध्या

02-Nov-2020

महर्षि वाल्मीकि की मनाई जयंती

अयोध्या। राम नगरी के 23 मंदिरों में संस्कृति विभाग के तत्वावधान में धूमधाम से आदि कवि महर्षि वाल्मीकि की जयंती मनाई गई। इस अवसर पर रामायण पाठ व भजन आदि के कार्यक्रम संपन्न हुए। मणिरामदास की छावनी में आयोजित कार्यक्रम में महंत कमलनयन दास ने कहा कि महर्षि वाल्मीकि तपोबल से सभी घटनाओं की जानकारी रखते थे।

उन्होंने रामायण महाकाव्य की रचना कर मर्यादा पुरुषोत्तम श्रीराम के चरित्र को जन-जन तक पहुंचाने का काम किया। जिलाधिकारी अनुज कुमार झा द्वारा महर्षि वाल्मीकि की जयंती पर कनक भवन, हनुमानगढ़ी में जिला प्रशासन एवं संस्कृति विभाग के सहयोग से आयोजित रामायण पाठ एवं भजन कार्यक्रमों का अवलोकन किया। इस अवसर पर अपर जिलाधिकारी नगर डॉ. वैभव शर्मा व क्षेत्रीय सांस्कृतिक अधिकारी लवकुश द्विवेदी भी मौजूद रहे। संस्कृति विभाग एवं जिला प्रशासन के सहयोग से अयोध्या में राम जन्मभूमि, हनुमान गढ़ी, कनक भवन, दशरथ महल, मतगजेन्द्र नाथ, बिड़ला मन्दिर, वाल्मीकि भवन, सरयू आरती स्थल नयाघाट आदि स्थानों पर भी कार्यक्रम हुए। (संवाद)

हनुमानगढ़ी में महर्षि वाल्मीकि की जयंती पर चित्र पर माल्यार्पण करते पुजारी राजू दास।

निरीक्षा शाखा
सूचना एवं जनसम्पर्क विभाग, उत्तर प्रदेश

संघ की महानगर इकाई की ओर से भी आयोजित हुई गोष्ठी, संघ पदाधिकारियों ने किया नमन

मन्दिरों में वाल्मीकि जयंती पर हुए उत्सव

अयोध्या | हिन्दुस्तान टीम

शरद पूर्णिमा के पावन पर्व पर शनिवार को प्रदेश सरकार के निर्देश पर उत्तर प्रदेश संस्कृति विभाग के तत्वावधान में वाल्मीकि जयंती का आयोजन व्यापक रूप से किया गया। इसी कड़ी में संस्कृति विभाग की स्वायत्तशासी संस्था अयोध्या शोध संस्थान की ओर से रामनगरी के मंदिरों समेत जिले में दो दर्जन स्थानों पर भजन-कीर्तन व श्रीमद वाल्मीकि रामायण का पाठ व गोष्ठी का आयोजन किया गया।

नोडल अधिकारी डा. लवकुश द्विवेदी के निर्देशन व शोध संस्थान के प्रशासनिक अधिकारी रामतीरथ ने संचालकत्व में आयोजित सांस्कृतिक कार्यक्रमों की मानीटरिंग जिला प्रशासन ने भी की। जिलाधिकारी अनुज कुमार झा ने कनक भवन एवं हनुमानगढ़ी में आयोजित कार्यक्रम का स्वयं अवलोकन किया। इस मौके पर एडीएम सिटी वैभव शर्मा भी मौजूद रहे। बताया गया कि संस्कृति विभाग एवं जिला प्रशासन के सहयोग से राम जन्मभूमि व हनुमान गढ़ी के अलावा कनक भवन, दशरथ महल, मत्तगजेन्द्र नाथ, बिड़ला मन्दिर, वाल्मीकि भवन, सरयू आरती स्थल नयाघाट, जानकी महल, हनुमान बाग, दिगम्बर अखाड़ा, तपस्वी जी की छावनी, बड़ा भक्तमाल, मणि पर्वत, यज्ञवेदी सीताकुण्ड, अशर्फी भवन, झुनकी घाट, बड़ी देवकाली, नया पुरवा वाल्मीकि मन्दिर कैन्ट, गुप्तार घाट, राम जानकी मंदिर, भरत कुण्ड तथा डेमना घाट पर कार्यक्रम आयोजित किए गए।

शरद पूर्णिमा पर्व

- मंदिरों के अलावा जिले में दो दर्जन स्थानों में किया आयोजन
- कई स्थानों पर आयोजन का जिलाधिकारी ने किया अवलोकन

कनक भवन में वाल्मीकि जयंती के अवसर पर आयोजित किया गया रामायण पाठ

उधर राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ की अयोध्या महानगर के सामाजिक समरसता कार्य विभाग द्वारा रानोपाली स्थित मकान लान में महर्षि वाल्मीकि जी की जयंती मनाई गई। कार्यक्रम का शुभारंभ इतिहास संकलन समिति के अखिल भारतीय अधिकारी संजय जी द्वारा महर्षि वाल्मीकि के चित्र पर पुष्पांजलि अर्पित कर किया। उन्होंने महर्षि वाल्मीकि जी के जीवन चरित्र पर प्रकाश डालते हुए कहा कि 24 वें व्यास के रूप में स्थापित तथा विज्ञान विशारद के रूप में ख्याति प्राप्त की।

कार्यक्रम में महानगर संघ चालक डा. विक्रमा प्रसाद जी, सह संघ चालक मुकेश तोलानी, महानगर कार्यवाह देवेंद्र जी, सह महानगर कार्यवाह राहुल व सूरज, विभाग कार्यवाह रामकुमार, महानगर प्रचारक अनिल, महानगर सामाजिक समरसता प्रमुख डा. अजय सिंह, प्रो. रमापति मिश्र, साकेत के पूर्व प्राचार्य डा. अजय मोहन श्रीवास्तव, डा. शिवकुमार तिवारी व अन्य बन्धु उपस्थित रहे।

निरीक्षा शाखा
सूचना एवं जनसम्पर्क विभाग, उत्तर प्रदेश

जागरण – अयोध्या

02-Nov-2020

वाल्मीकि जयंती को बनाया यादगार

संसू, अयोध्या : रामनगरी रामकथा के आदि कवि वाल्मीकि को उनकी जयंती पर पहले से याद करती रही है, पर इस बार वाल्मीकि जयंती का रंग चटख था। कनकभवन एवं हनुमानगढ़ी में जिला प्रशासन एवं संस्कृति विभाग के सहयोग से आयोजित रामायण पाठ एवं भजन के कार्यक्रम में एडीएम सिटी डॉ. वैभव शर्मा व क्षेत्रीय सांस्कृतिक अधिकारी लवकुश द्विवेदी भी शामिल हुए। संस्कृति विभाग एवं जिला प्रशासन के सहयोग से दशरथ महल, अमावा मंदिर, मत्तगजेंद्र मंदिर, बिड़ला मंदिर, वाल्मीकि रामायण भवन, सरयू आरती स्थल- नयाघाट, जानकीमहल, हनुमानबाग, दिगंबर अखाड़ा, तपस्वीजी की छावनी, बड़ा भक्तमाल, मणि पर्वत, यज्ञवेदी, सीताकुंड, अशर्फीभवन, झुनकी घाट, बड़ी देवकाली, वाल्मीकि मंदिर - किट, भरत-हनुमान मिलन मंदिर - भरत कुंड आदि स्थानों पर रामायण पाठ के कार्यक्रम आयोजित किए गए।

अमर उजाला – अमेठी

02-Nov-2020

समारोह पूर्वक मनाई गई वाल्मीकि जंयती

गौरीगंज। जिले में शनिवार को महर्षि वाल्मीकि की जयंती पर धार्मिक अनुष्ठानों के अलावा लौह पुरुष सरदार बल्लभ भाई पटेल व इंदिरा गांधी को याद किया गया।

महर्षि वाल्मीकि व देश के पहले गृहमंत्री लौह पुरुष सरदार वल्लभ भाई पटेल की जयंती तथा पूर्व प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी के 36वें शहादत दिवस पर जिले में विभिन्न कार्यक्रम आयोजित हुए। कलेक्ट्रेट में एडीएम वंदिता श्रीवास्तव, विकास भवन में सीडीओ डॉ. अंकुर लाठर, सीएमओ कार्यालय में सीएमओ डॉ. आशुतोष दुबे व एसपी कार्यालय में एसपी दिनेश सिंह ने तो सभी थानों में प्रभारियों ने शपथ दिलाई। अमेठी जीजीआईसी में प्रधानाचार्य डॉ. फूलकली गुप्ता की अगुवाई में निबंध प्रतियोगिता आयोजित कर मेधावी रुचि तिवारी, आकांक्षा मिश्र व नंदिनी समेत सभी प्रतिभागी छात्राओं को सम्मानित किया गया। कांग्रेस कार्यालय में जिलाध्यक्ष प्रदीप सिंघल की अगुवाई में तो जामो में ब्लाक अध्यक्ष राजकरन त्रिपाठी, मुसाफिरखाना में संजय गुप्ता की अगुवाई में कांग्रेसियों ने पूर्व प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी के चित्र पर पुष्प अर्पित करते हुए उनकी शहादत याद करते हुए लोगों की मदद करने का संकल्प लिया। इसके अलावा भाजपाई ने पार्टी कार्यालय के साथ विभिन्न स्थानों पर सरदार पटेल के चित्र पर पुष्प अर्पित कर उनके पद चिन्हों पर चलने का संकल्प लिया।(संवाद)

निरीक्षा शाखा
सूचना एवं जनसम्पर्क विभाग, उत्तर प्रदेश

हिन्दुस्तान — अमेठी

02 Nov 2020

बाल्मीकि जयंती पर हनुमानगढ़ी पर सुंदरकांड

तिलोई। महर्षि वाल्मीकि जयंती के अवसर पर तिलोई के हनुमान गढ़ी मंदिर में सुंदरकांड का पाठ आयोजित किया गया। एसडीएम महात्मा सिंह ने रामायण की रचना करने वाले महर्षि बाल्मीकि के जीवन चरित्र पर प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि युगों युगों से रामायण सम्पूर्ण विश्व को प्रभु श्री राम के जीवन, धर्मनिष्ठा, तप और संघर्ष का दर्शन करा कर सत्य व धर्म के मार्ग पर चलने के लिए प्रेरित कर रहा है। हनुमान गढ़ी में वैदिक मंत्रोच्चारण के साथ सुंदर काण्ड पाठ व हवन पूजन किया गया। इस मौके पर एडीओ पंचायत सर्वेश कुमार,प्रधान प्रतिनिधि शेर बहादुर सिंह रहे।

निरीक्षा शाखा
सूचना एवं जनसम्पर्क विभाग, उत्तर प्रदेश

अमर उजाला – श्रावस्ती

02-Nov-2020

महर्षि वाल्मीकि की जयंती मनाई

श्रावस्ती। शरद पूर्णिमा पर शनिवार को महर्षि वाल्मीकि की जयंती मनाई गई। इस दौरान भिनगा में महर्षि वाल्मीकि मंदिर में प्रतिमा पर माल्यार्पण किया गया। मौके पर मौजूद लोगों ने महर्षि वाल्मीकि के जीवन चरित्र पर प्रकाश डाला। इस दौरान पूर्व सांसद दद्दन मिश्र ने कहा कि दुनिया को मर्यादा पुरुषोत्तम श्रीराम के जीवन चरित्र का दर्शन महर्षि वाल्मीकि ने कराया। उन्होंने मर्यादा पुरुषोत्तम भगवान श्रीराम की जीवन गाथा पर आधारित वाल्मीकि रामायण की रचना की। मौके पर पंकज मिश्रा सहित काफी संख्या में लोग मौजूद रहे।

वाल्मीकि जयंती पर भंडारे का आयोजन

गिलौला। विकासखंड गिलौला के महर्षि बाल्मीकि शिव मंदिर पर विशाल भंडारे का आयोजन किया गया। भंडारे में दूर दराज क्षेत्रों से आए श्रद्धालुओं ने भंडारे का प्रसाद ग्रहण किया। साथ ही साथ साधु संतों की ओर से भजन कीर्तन का आयोजन किया गया। मंदिर के पुजारी संयोजक साधु दास व गंगा दास ने बताया के यह नगरी लव-कुश की नगरी कहलाती है क्योंकि पास में प्रसिद्ध सीता माता पवित्र भूमि सीताद्वार पर लव कुश का जन्म स्थल है। जिसका संरक्षण महर्षि बाल्मीकि जी ने किया था।बाल्मीकि के जन्मोत्सव के उपलक्ष में प्रति वर्ष लोगों की सहायता से विशाल भंडारे का आयोजन किया जाता है। इस मौके पर संतोष कुमार, चुन्नीलाल, राजेंद्र प्रसाद, शिवनाथ, पाटनदीन, सदानंद, महादेव, दुखीराम, मंगल रमेश आदि लोग मौजूद रहे।

एबीवीपी ने मनाई सरदार पटेल व वाल्मीकि की जयंती

श्रावस्ती। महर्षि बाल्मीकि जयंती के मौके पर गुरुवार को विभिन्न कार्यक्रमों का आयोजन किया गया। इस मौके पर बाल्मीकि मंदिरों में पूजा अर्चना की गई। एबीवीपी ने भी सरदार पटेल व वाल्मीकि जयंती पर महर्षि बाल्मीकि की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर उनकी जयंती मनाई।

भिनगा के नगर मंत्री अमित पांडेय की अध्यक्षता में आज अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद के कार्यकर्ता सुबह दशाना स्थित पटेल चौराहा पहुंचे। जहां उन्होंने अखंड भारत के निर्माता सरदार वल्लभ भाई पटेल की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर उनकी जयंती मनाई गई। अमित पांडेय ने कहा कि सरदार वल्लभ भाई पटेल अखंड भरत के निर्माता थे। उन्होंने भारत को एकता की डोर में पिरोने का कार्य किया और देश को आर्थिक सबलता प्रदान की। इसके बाद सभी पानी टंकी चौराहा स्थित बाल्मीकि मंदिर में पहुंच कर महर्षि बाल्मीकि की प्रतिमा पर श्रद्धा सुमन अर्पित किया।

श्रावस्ती में भी हुए विविध आयोजन

संसू, श्रावस्ती : महार्षि बाल्मीकि की जयंती पर शनिवार को जिले भर में विविध कार्यक्रम हुए। महर्षि के चित्र पर पुष्प अर्पित हवन व पूजन अर्चन किया गया। भिनगा तहसील में सुंदरकांड पाठ का आयोजन किया गया। पूर्व सांसद ददन मिश्र ने भिनगा नगर स्थित बाल्मीकि मंदिर में महार्षि के मूर्ति पर माल्यार्पण किया। उन्होंने कहा कि महर्षि ने रामायण की रचना कर हिंदू संस्कृति की रचना की। वे महान व्यक्तित्व व साहित्यकार थे। उनके जीवन से प्रेरणा लेने का संकल्प लिया गया। भाजपा जिलाध्यक्ष संजय कैराती, पंकज मिश्र, आशीष आर्य, विजय आर्य मौजूद रहे। सपा कार्यालय पर महार्षि बाल्मीकि व आचार्य नरेंद्र देव की जयंती मनाई गई। उनके चित्र पर माल्यार्पण कर व्यक्तित्व पर चर्चा हुई।

वाल्मीकि जयंती पर मंदिरों में रामायण का पाठ

संसू, गोंडा: शनिवार को महर्षि वाल्मीकि की जयंती जिले में मनाई गई। वाल्मीकि मंदिरों में पूजन अर्चन संग रामायण का पाठ हुआ।डीएम डॉ. नितिन बंसल ने बताया कि महर्षि वाल्मीकि द्वारा रचित रामायण में निहित मानव, सामाजिक व राष्ट्र मूल्यों के प्रचार-प्रसार के लिए मंदिरों पर दीप जलाए गए। आंबेडकर चौराहा , बड़गांव चुंगी गोदाम व पंतनगर मुहल्ले में स्थित वाल्मीकि मंदिर पर महर्षि वाल्मीकि के चित्र पर माल्यार्पण किया गया। नगर पालिका परिषद के अधिशासी अधिकारी विकास सेन ने पूजन किया। किया। बाद में रामायण पाठ का भी आयोजन हुआ।

दैनिक अमर उजाला

धूमधाम से मनाई गई महर्षि वाल्मीकि जयंती

मंदिरों में हुआ रामायण पाठ, कोविड प्रोटोकाल के तहत हुए कार्यक्रम

संवाद न्यूज एजेंसी

गोंडा। आदि काव्य रामायण के रचयिता महर्षि वाल्मीकि की जयंती शनिवार को धूमधाम से मनाई गई। इस अवसर जनपद में कई आयोजन किये गए। वाल्मीकि मंदिरों में दीप प्रज्ज्वलन तथा माल्यार्पण के साथ ही रामायण का पाठ हुआ।

जिलाधिकारी डॉ. नितिन बंसल ने कहा कि महर्षि वाल्मीकि विश्व के आदि कवि हैं। उन्होंने विश्व प्रसिद्ध कालजयी कृति रामायण महाकाव्य की रचना श्रीराम के जीवन काल में की। महर्षि वाल्मीकि विश्व के आदि कवि हैं, जिनके द्वारा रचित रामायण विश्व के आदि ग्रंथ के रूप में आज भी पूजनीय है, जो व्यक्ति, समाज एवं राष्ट्रीय मूल्यों के निर्माण में वैश्विक स्तर पर मार्गदर्शन का आधार है। महर्षि वाल्मीकि द्वारा रचित रामायण सामाजिक मूल्यों, मानव मूल्यों एवं राष्ट्र मूल्यों की स्थापना का आदर्श है।

जिलाधिकारी ने कहा कि वाल्मीकि रामायण में निहित मानव मूल्यों, सामाजिक मूल्यों व राष्ट्र मूल्यों के व्यापक प्रचार-प्रसार व जन सामान्य को इससे जोड़ने के लिए महर्षि वाल्मीकि से संबंधित मंदिरों पर दीप प्रज्ज्वलन दीपदान के साथ-साथ अनवरत 8 घंटे, 12 घंटे, 24 घंटे का वाल्मीकि रामायण का पाठ किए जाने का कार्यक्रम निर्धारित किया गया है, जिसके क्रम में वाल्मीकि मंदिर अंबेडकर चौराहा, वाल्मीकि मंदिर चुंगी गोदाम बड़गांव व पंतनगर में वाल्मीकि रामायण का पाठ कराया गया। जिलाधिकारी ने कहा कि जनपद के चयनित मंदिरों पर नोडल अधिकारियों को नामित कर ड्यूटी लगाई गई है।

जनपद के धार्मिक तहसीलों में चयनित मंदिरों पर विशेष कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे हैं। कार्यक्रमों में कोविड-19 के शासन के निर्देशों का कड़ाई से पालन सुनिश्चित कराया गया तथा सभी लोगों ने मास्क पहन रखा था और दो गज की दूरी का पालन किया गया। जयंती के कार्यक्रम [illegible] रूप से संपन्न कराए जाने के लिए नोडल अधिकारी नामित किए गए हैं।

वहीं जिलाधिकारी के निर्देशन में नगर पालिका परिषद गोंडा द्वारा सभी चयनित मंदिरों में रामायण का पाठ व पूजा कार्यक्रम आयोजित कराया गया। ईओ नगर पालिका परिषद विकास सेन ने स्वयं वाल्मीकि मंदिरों में पहुंचकर वाल्मीकि जी की प्रतिमा पर माल्यार्पण किया तथा पूजा पाठ किया। कार्यक्रम [illegible] ने

अंबेडकर चौराहे पर स्थित वाल्मीकि मंदिर में महर्षि वाल्मीकि की पूजा करते लोग।

भगवान वाल्मीकि ने पढ़ाया मानवता का पाठ

गोंडा। आदि धर्म समाज के कार्यकर्ताओं ने शनिवार को पंतनगर में महर्षि भगवान वाल्मीकि की जयंती मनाई। धर्म प्रचारक राजू वाल्मीकि के अगुवाई में शहर के चुंगी नाका गोदाम के पास, अंबेडकर चौराहा व पंतनगर में स्थापित भगवान वाल्मीकि की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर नमन किया। राजू वाल्मीकि ने कहा कि रामायण के रचयिता भगवान वाल्मीकि ने अंतर्यामी महापुरुष थे। जिन्होंने दुनिया को मानवता व कर्तव्यनिष्ठता का पाठ सिखाया। इस अवसर पर सफाई कर्मचारी महासंघ के पदाधिकारी सतई चौधरी, सूरज चौधरी, मनोज वाल्मीकि, राजकुमार, सिकंदर, अर्जुन आदि उपस्थित रहे।

हिन्दुस्तान – गोण्डा

02-Nov-2020

वाल्मीकि मन्दिरों पर हुआ रामायण का पाठ

वाल्मीकि जयंती

गोण्डा | हिन्दुस्तान संवाद

रामायण के रचयिता महर्षि वाल्मीकि जयन्ती की जिले में मनाई गई। वाल्मीकि मंदिरों में दीप प्रज्वलन और माल्यार्पण के साथ ही रामायण का पाठ हुआ।

डीएम डॉ. नितिन बंसल ने कहा कि महर्षि वाल्मीकि विश्व के आदि कवि हैं। उन्होंने विश्व प्रसिद्ध कालजई कृति रामायण महाकाव्य की रचना श्री राम के जीवन काल में की। रचित रामायण विश्व के आदि ग्रंथ के रूप में आज भी पूज्यनीय है, जो व्यक्ति, समाज एवं राष्ट्रीय मूल्यों के निर्माण में वैश्विक स्तर पर मार्गदर्शन का आधार है। महर्षि वाल्मीकि द्वारा रचित रामायण सामाजिक मूल्यों, मानव मूल्यों एवं राष्ट्र मूल्यों की स्थापना का आदर्श है।

महर्षि वाल्मीकि की प्रतिमा पर माल्यार्पण करते डीएम • हिन्दुस्तान

डीएम ने कहा कि बाल्मीकि रामायण में निहित मानव मूल्यों, सामाजिक मूल्यों व राष्ट्र मूल्यों के व्यापक प्रचार-प्रसार व जन सामान्य को इससे जोड़ने के लिए महर्षि वाल्मीकि से संबंधित मंदिरों पर दीप प्रज्वलन दीपदान के साथ साथ बाल्मीकि रामायण का पाठ किए जाने का कार्यक्रम निर्धारित किया गया है। जिसके क्रम में वाल्मीकि मन्दिर अम्बेडकर चैराहा, बाल्मीकि मन्दिर चुंगी गोदाम बड़गांव व पन्त नगर में बाल्मीकि रामायण का पाठ कराया गया। डीएम ने कहा कि जनपद के चयनित मंदिरों पर नोडल अधिकारियों को नामित कर ड्यूटी लगाई गई है और जनपद के प्रत्येक तहसीलों में चयनित मंदिरों पर विशेष कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे हैं। कार्यक्रमों में कोविड-19 के शासन के निर्देशों का कड़ाई से पालन सुनिश्चित कराया गया तथा सभी लोग मास्क अनिवार्य रूप से पहने रहने तथा 2 गज की दूरी का पालन किया गया।

वहीं डीएम के निर्देशन में नगर पालिका परिषद द्वारा सभी चयनित मन्दिरों में रामायण का पाठ व पूजा कार्यक्रम आयोजित कराया गया। ईओ नगर पालिका परिषद विकास सेन ने स्वयं बाल्मीकि मन्दिरों में पहुंचकर बाल्मीकि प्रतिमा पर माल्यार्पण किया तथा पूजा पाठ किया। इस कार्यक्रम में बाल्मीकि समाज के तमाम लोगों ने भी प्रतिभाग किया। कई अन्य जगहों पर भी आयोजन हुआ।

निरीक्षा शाखा
सूचना एवं जनसम्पर्क विभाग, उत्तर प्रदेश

हिन्दुस्तान – बलरामपुर

02-Nov-2020

महर्षि वाल्मीकि जयंती पर हुए विभिन्न आयोजन

बलरामपुर। महर्षि वाल्मीकि जयंती पर जिले में विभिन्न कार्यक्रमों का आयोजन हुआ। मंदिरों में दीप प्रज्ज्वलन, माल्यार्पण के साथ रामायण पाठ किया गया। जयंती कार्यक्रम को सफल बनाने के लिए डीडीओ को नोडल अधिकारी बनाया गया था। डीएम कृष्णा करुणेश ने कहा कि महर्षि वाल्मीकि आदि कवि हैं। उनके द्वारा रचित रामायण विश्व के आदि ग्रंथ के रूप में आज भी पूजनीय है जो व्यक्ति, समाज एवं राष्ट्रीय मूल्यों के निर्माण में वैश्विक स्तर पर मार्गदर्शन का आधार है। रामायण में निहित सामाजिक व राष्ट्रीय मूल्यों के व्यापक प्रचार प्रसार एवं जनमानस को इससे जोड़ने के लिए राम मंदिर, हनुमानगढ़ी सहित अन्य मंदिरों को रामायण पाठ का आयोजन हुआ। मुख्यालय के नगर पालिका, हनुमानगढ़ी, हनुमान मंदिर, रामजानकी मंदिर, झारखंडी, बाल्मीकि मंदिर पर कार्यक्रम आयोजित कर महर्षि बाल्मीकि के जीवन पर प्रकाश डाला गया।

निरीक्षा शाखा
सूचना एवं जनसम्पर्क विभाग, उत्तर प्रदेश

वाल्मीकि जयंती पर कार्यक्रमों की धूम

कवि महर्षि वाल्मीकि की जयंती पर जगह-जगह आयोजित हुए कार्यक्रम

संवाद न्यूज एजेंसी

बलरामपुर। शासन के निर्देश पर शनिवार को काव्य रामायण के रचियता आदि कवि महर्षि वाल्मीकि की जयंती जिले भर में धूमधाम के साथ मनाई गई। कोरोना प्रोटोकॉल का पालन कर वाल्मीकि की जयंती के सभी कार्यक्रम कराए गए। श्रीराम व हनुमान मंदिर के साथ-साथ वाल्मीकि मंदिर व रामायण से संबंधित अन्य मंदिरों में दीप प्रज्ज्वलन व माल्यार्पण के साथ रामायण का पाठ हुआ। डीएम कृष्णा करुणेश ने महर्षि वाल्मीकि को विश्व का आदि कवि बताया और कहा कि उनके द्वारा रचित रामायण विश्व के आदि ग्रंथ के रूप में पूजनीय है। व्यक्ति, समाज व राष्ट्रीय मूल्यों के निर्माण में वैश्विक स्तर पर मार्गदर्शन का आधार है।

वीर विनय चौराहे के हनुमानगढ़ी मंदिर में उत्तराधिकारी महंत महेंद्र दास जी महराज ने भगवत गीता भेंटकर सीडीओ

बलरामपुर के हनुमानगढ़ी मंदिर में रामायण पाठ करते महंत महेंद्र दास जी महराज व अन्य।

आशीर्वाद मांगा। जिले के सभी मंदिरों में 8, 12 और 24 घंटे का रामायण पाठ कार्यक्रम कराया गया। महर्षि वाल्मीकि जयंती कार्यक्रम को भव्य रूप से कराने के लिए डीडीओ गिरीश कुमार पाठक को नोडल अधिकारी नामित किया गया। नगर पालिका बलरामपुर में हनुमानगढ़ी मंदिर के

ललिया, हनुमान मंदिर शिवपुरा, रेहरा बाजार में आदि शक्ति मां दुर्गा मंदिर, श्रीदत्तगंज में हनुमान मंदिर सहदेइया, शिव मंदिर गुमड़ी, हनुमान मंदिर बेला तुलसीपुर, पचपेड़वा में हनुमान मंदिर गोबरी, श्रीराम मंदिर गनवरिया बगुलहा, गैसड़ी में श्रीराम मंदिर जैतापुर, सदर ब्लॉक में श्रीराम मंदिर

जागरण - बलरामपुर

02-Nov-2020

महर्षि वाल्मीकि जयंती पर हुए धार्मिक कार्यक्रम

जागरण टीम, बलरामपुर : महाकाव्य रामायण के रचयिता महर्षि वाल्मीकि की जयंती पर जिले भर में विभिन्न कार्यक्रमों का आयोजन हुआ। रामभक्तों के अखंड रामायण व भजन-कीर्तन किया। इन आयोजनों में सरकारी अमला भी लगा रहा।

सदर विकास खंड के भीखपुर गांव स्थित रामजानकी मंदिर पर प्रधान चंद्रप्रकाश पांडेय की अगुवाई में 24 घंटे का अखंड रामायण पाठ किया गया। अदुरपाकड़, हंसुवाडोल, बिशुनापुर, भगवानपुर, बौध त्रिलोकिया में आठ से 12 घंटे तक रामचरितमानस पाठ किया गया। खंड विकास अधिकारी राजेश कुमार, एडीओ आनंद बाबू, सचिव ओमप्रकाश तिवारी मौजूद रहे। उतरौला के पंचवटी मंदिर पर महर्षि वाल्मीकि की जयंती पर अखंड कीर्तन व भजन हुआ। बीडीओ दिव्या त्रिपाठी, ग्राम विकास अधिकारी मनोरमा सिंह, वरिष्ठ लिपिक

नगर के हनुमानगढ़ी मंदिर में महर्षि वाल्मीकि जयंती पर रामायण का पाठ करते महंत मोहन दास व पुजारी • जागरण

किशोर प्रसाद, जेई रामसनेही भारती, उमाशंकर पाल, मुकेश कुमार, चंचल सिंह, जितेंद्र ने महर्षि वाल्मीकि की प्रतिमा पर माल्यार्पण किया। हनुमानगढ़ी मंदिर पर नगर पालिका परिषद की ओर से कीर्तन हुआ। जगदंबा प्रसाद गुप्त, उमाशंकर सिंह, भुवन चंद्र द्विवेदी, निर्मल कुमार गुप्त, अमित कुमार गुप्ता, पुनीत जायसवाल, आशुष चौरसिया, विशाल, राजा बाबू मौजूद रहे। ललिया के जय मोहन दास बाबा रामजानकी मंदिर में महर्षि वाल्मीकि की जयंती पर रामायण पाठ किया गया। रामायण पाठ का शुभारंभ बीडीओ सागर सिंह ने दीप दान कर किया। लक्ष्मी शास्त्री, कमलेश द्विवेदी, गिरिजा दयाल जायसवाल, सौरभ श्रीवास्तव, विनोद विश्वकर्मा व कुलदीप कुमार मौजूद रहे।

रामायण पाठ का हुआ आयोजन

डीएम कृष्णा करुणेश ने कहाकि महर्षि वाल्मीकि विश्व के आदि कवि हैं जिनकी रचित रामायण विश्व के आदि ग्रंथ के रूप में आज भी पूजनीय है। व्यक्ति, समाज एवं राष्ट्रीय मूल्यों के निर्माण में वैश्विक स्तर पर मार्गदर्शन का आधार है। मंदिरों पर आठ, 12 व 24 घंटे का रामायण पाठ आयोजित किया गया। कहाकि भव्यता पूर्ण कार्यक्रम आयोजन के लिए सीडीओ गिरीश चंद्र पाठक को नोडल अधिकारी बनाया गया था।

निरीक्षा शाखा
सूचना एवं जनसम्पर्क विभाग, उत्तर प्रदेश

अमर उजाला – अम्बेडकर नगर

02-Nov-2020

विश्व हिंदू परिषद ने मनाई वाल्मीकि जयंती

संवाद न्यूज एजेंसी

अंबेडकरनगर के मिर्जापुर संदीपुर में वाल्मीकि जयंती पर माल्यार्पण करते अतिथि।

अंबेडकरनगर। विश्व हिंदू परिषद व बजरंग दल ने शनिवार को वाल्मीकि जयंती पर पूजा-अर्चना व भजन कीर्तन का आयोजन किया।

मुख्य अतिथि एसडीएम जलालपुर महेंद्र पाल सिंह ने युवाओं से एकजुटता के साथ समाज व देश के नवनिर्माण में अपनी भूमिका तय करने का आह्वान किया। कहा कि युवा शक्ति किसी भी देश की सबसे बड़ी ताकत होती है। ऐसे में यह जरूरी है कि युवा वर्ग समाज व राष्ट्र के प्रति अपनी भूमिका को निभाएं और स्वयं के साथ साथ देश की भी खुशहाली तय करें। प्रधान संदीपुर जयप्रकाश सिंह ने वाल्मीकि के जीवन वृतांत पर विस्तार से प्रकाश डाला। कहा कि महापुरुषों के आदर्शों से सीख लेकर हम सभी अपनी कर्तव्यों एवं दायित्वों को पूरा कर सकते हैं। इस मौके पर बजरंग दल अध्यक्ष शुभम मोदनवाल, उपाध्यक्ष सचिन सोनी, अमरनाथ गौड़, विवेक तिवारी, आकाश गुप्त, घनश्याम अग्रहरि, रमेश गुप्त, हनुमान गुप्त आदि मौजूद रहे।

निरीक्षा शाखा

सूचना एवं जनसम्पर्क विभाग, उत्तर प्रदेश

जयंती

शहर से गांव तक मनाई गई जयंती, हुए विविध आयोजन, कोरोना महामारी से बचाव के नियमों का किया गया पालन

लौह पुरुष और महर्षि वाल्मीकि को श्रद्धा से किया गया याद

[illegible]

अमर उजाला – बाराबंकी

02-Nov-2020

धूमधाम से मनाई महर्षि वाल्मीकि की जयंती

संवाद न्यूज एजेंसी

बाराबंकी। आदिकवि महर्षि वाल्मीकि जयंती शनिवार को जिले में धूमधाम से मनाई गई। वाल्मीकि पुरम में प्रकटोत्सव मनाया गया। हवन पूजन के बाद भंडारे का आयोजन किया गया। इस मौके पर मनोज वाल्मीकि, दीपक, जगदीश चौधरी, किशोरीलाल, हरिलाल, रामलाल आदि मौजूद रहे।

वाल्मीकि नगर मोहल्ले में प्रतिमा पर माल्यार्पण करते लोग।

अखिल भारतीय श्री वाल्मीकि नवयुवक संघ ने हवन पूजन कर जयंती मनाई। नागेश्वर नाथ मंदिर में हवन पूजन किया। संघ के प्रदेश अध्यक्ष आलोक ने कहा कि हमारा समाज शिक्षायुक्त एवं नशामुक्त होना चाहिए। अखिल भारतीय वाल्मीकि महासभा की ओर से छाया चौराहे पर जयंती हर्षोल्लास के साथ मनाई गई।

वाल्मीकि मंदिर व संतोषी माता मंदिर में पूजा अर्चना की गई। सुबह छाया चौराहे पर वाल्मीकि की प्रतिमा रखकर प्रसाद वितरण किया गया।

कांग्रेसियों ने इंदिरा गांधी को किया याद

बाराबंकी। छाया चौराहा के पास स्थित कांग्रेस कार्यालय और राज्यसभा सांसद डॉ. पीएल पुनिया के आवास पर शनिवार को देश की पूर्व प्रधानमंत्री इंदिरागांधी के बलिदान दिवस पर उन्हें याद किया गया। उनके चित्र पर श्रद्धासुमन अर्पित किए। इसके अलावा कांग्रेसियों ने आदि कवि महर्षि वाल्मीकि को भी याद किया। इस मौके पर राजेन्द्र वर्मा, सरजू शर्मा, कपिलदेव वर्मा, इरफान कुरैशी, सिकंदर अब्बास रिजवी, केके श्रीवास्तव, कमल भल्ला आदि मौजूद थे। (संवाद)

निरीक्षा शाखा

सूचना एवं जनसम्पर्क विभाग, उत्तर प्रदेश

हिन्दुस्तान – बाराबंकी

03-Nov-2020

जिला मुख्यालय से लेकर ग्रामीण अंचलों तक महर्षि वाल्मीकि की पूजा अर्चना में शामिल हुए लोग

रामायण के रचयिता वाल्मीकि की पूजा हुई

मनाई जयंती

बाराबंकी | हिन्दुस्तान टीम

रामायण के रचयिता भगवान वाल्मीकि प्रकाट्य उत्सव शरद पूर्णिमा के अवसर पर पूरे जिले में हवन-पूजन कर काफी धूमधाम के साथ मनाई गई। नागेश्वरनाथ स्थित वाल्मीकि मन्दिर में हवन-पूजन किया गया। इस अवसर पर राजन वाल्मीकि, करन, राजू, जितेन्द्र, सुनील सोनी, अरुण वाल्मीकि, सुमेश वाल्मीकि व शिवा वाल्मीकि उपस्थित रहे।

भगवान वाल्मीकि की प्रतिमा पर माला चढ़ाकर पूजा करते लोग

पीरबटावन के संतोषी माता मंदिर के पास भगवान वाल्मीकि की पूजा करते भक्त • हिन्दुस्तान

महर्षि वाल्मीकि ने ही की थी कालजयी कृति रामायण की रचना: वाल्मीकि नगर में वाल्मीकि समाज द्वारा महर्षि वाल्मीकि जन्मोत्सव एवं पूजा पाठ के साथ बड़ी धूमधाम से मनाया गया। समाज सेवी तिलक चन्द्र चौधरी ने महर्षि वाल्मीकि पार्क में स्थापित प्रतिमा महर्षि वाल्मीकि को माला पहनाकर देश प्रदेश वासियों को सुख समृद्धि की कामना की। श्री चौधरी ने कहा महर्षि वाल्मीकि विश्व के आदि कवि हैं जिन्होंने विश्व प्रसिद्ध कालजयी कृति रामायण महाकाव्य की रचना श्री राम के जीवनकाल में की थी। महर्षि वाल्मीकि द्वारा रचित रामायण सामाजिक मूल्यों, मानव मूल्यों एवं राष्ट्र मूल्यों की स्थापना का आदर्श है। महर्षि वाल्मीकि द्वारा वर्णित स्थल जिन्हें राम-जानकी मार्ग, राम वन-गमन मार्ग आदि के रूप में जाना जाता है।

अखिल भारतीय वाल्मीकि महासभा के सौजन्य से पीरबटावन स्थित संतोषी माता मन्दिर पर पूजा अर्चना की गई। नागेश्वरनाथ भाग पर महर्षि वाल्मीकि ध्यान मन्दिर पर भी महासभा द्वारा पूजा अर्चना की गई। तत्पश्चात छाया चौराहे पर महासभा द्वारा वाल्मीकि जी की प्रतिमा रखकर वाल्मीकि भगवान जी का पाठ कर प्रसाद वितरण किया। इस मौके पर महासभा के दीपक, ऋषि व शिवा वाल्मीकि द्वारा दीप प्रज्वलित कर भगवान की मूर्ति पर माल्यार्पण कर पूजा अर्चना की गई।

अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद के जिला कार्यालय पर प्रदेश सह मंत्री आकाश पटेल, नगर अध्यक्ष रजनीश मिश्र व नगर मंत्री अंजलिका रावत ने महर्षि वाल्मीकि जी के चित्र पर पुष्पांजलि व माल्यार्पण किया। नगर अध्यक्ष रजनीश मिश्र ने महर्षि वाल्मीकि जी के जीवन पर प्रकाश डाला।

निरीक्षा शाखा
सूचना एवं जनसम्पर्क विभाग, उत्तर प्रदेश

02-Nov-2020

वाल्मीकि जयंती पर हवन और सुंदरकांड का पाठ

जयंती पर बंकी ब्लाक स्थित मंदिर में पूजन करते अधिकारी व कर्मचारी • जागरण

संवादसूत्र, बाराबंकी : रामायण के रचयिता भगवान वाल्मीकि की जयंती हवन-पूजन कर मनाई गई। सुंदरकांड का पाठ के साथ मंदिरों में पूजा-अर्चना की गई। सरकारी कार्यालयों में एकता दिवस भी मनाया गया। गैर सरकारी संस्थाओं में भी वाल्मीकि जयंती मनाई गई।

विकास भवन में जिला विकास अधिकारी केके सिंह ने पुष्प अर्पित कर जयंती मनाई। डीआरडीए में परियोजना निदेशक डॉ. हरिचरन सिंह ने जयंती मनाई। राजेश सिंह, गंगाराम, सुमन थापा, अनिल श्रीवास्तव, सुनील कुमार आदि एकता की शपथ भी ली।

वहीं, ब्लाक बंकी में बीडीओ सरिता गुप्ता, एडीओ दिवाकर सिंह, ग्राम्य विकास संगठन के प्रदेश अध्यक्ष गंगेश शुक्ला, कर्मचारी संगठन के मंत्री, लालचंद्र आदि ने हवन-पूजन और सुंदरकांड का पाठ कर जयंती मनाई। वाल्मीकि नगर स्थित शीतला माता मंदिर में जन्मोत्सव व पूजा-पाठ किया गया। रामकुमार दीवान, देवराज चौधरी पुजारी, राम नरेश चौधरी, रमेश कुमार मौजूद रहे।

नागेश्वर नाथ मंदिर में हवन व पूजन कर जयंती मनाई गई। अखिल भारतीय श्री वाल्मीकि के प्रदेश अध्यक्ष आलोक ने कहा कि समाज शिक्षायुक्त और नशामुक्त होना चाहिए, तभी हम अपनी बात दुनिया के सामने रख सकते हैं। करन, राजू, जितेंद्र वाल्मीकि, सुनील सोनी मौजूद रहे। विद्यार्थी परिषद ने भी महर्षि की जयंती मनाई। जिला कार्यालय पर प्रदेश सह मंत्री आकाश पटेल, नगर अध्यक्ष रजनीश मिश्रा व नगर मंत्री अर्चितिका रावत ने जयंती मनाई। भावना वर्मा, आदर्श सिंह, कल्पना थापा, हर्ष वर्मा, आकाश व संस्कार आदि मौजूद थे।

निरीक्षा शाखा
सूचना एवं जनसम्पर्क विभाग, उत्तर प्रदेश

महर्षि वाल्मीकि की जयंती पर हुआ रामायण पाठ

सुल्तानपुर। महर्षि वाल्मीकि की जयंती पर शनिवार को रामायण पाठ हुआ। विभिन्न जगहों पर कार्यक्रमों में उनके जीवन व काव्य पर चर्चा हुई। इसमें अधिकारियों समेत अन्य ने हिस्सा लिया। शासन के निर्देश पर शनिवार को शहर के सुदर्शन पार्क में महर्षि वाल्मीकि की जयंती पर कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में शहर विधायक सूर्यभान सिंह ने कहा कि सरकार प्रदेश भर में कार्यक्रम का आयोजन कर रही है। सभ्यता व संस्कृति को याद करने के लिए अपने महापुरुषों की जयंती मना रही है। अभी तक किसी सरकर ने ऐसा नहीं किया। जिलाधिकारी रवीश गुप्ता ने महर्षि के जीवन पर चर्चा करते हुए कहा कि महर्षि वाल्मीकि अपने बचपन में धार्मिक कार्यों से दूर रहे। जब उन्हें ज्ञान प्राप्त हुआ तो वे प्रभु में लीन हो गए।मुख्य विकास अधिकारी अतुल वत्स ने महर्षि के जीवन पर प्रकाश डाला। नगर पालिका परिषद की चेयरमैन बबिता जायसवाल ने महर्षि को याद करते हुए कहा कि मुख्यमंत्री की देन है कि पूरे प्रदेश में जयंती मनाई जा रही है। (संवाद)

जागरण – सुलतानपुर

02-Nov 2020

महापुरुषों को याद करना सभ्यता और संस्कृति में : विधायक

महर्षि वाल्मीकि के जीवन पर गीत के माध्यम से प्रकाश डालते कलाकार • जागरण

संवादसूत्र, सुलतानपुर : महापुरुषों को याद करना उनकी जयंती को मनाना भाजपा सरकार की सभ्यता एवं संस्कृति में है। महापुरुषों के आदर्शों, सिद्धांतों एवं उनके कार्यों से हम सभी को प्रेरणा मिलती है।

जीवन में आगे बढ़ने में आ रहे अवरोधों को दूर करने का रास्ता उनके द्वारा सुझाए गए मार्गों से प्राप्त होता है। यह विचार शनिवार को बतौर मुख्य अतिथि भाजपा के विधायक सूर्यभान सिंह ने सुदर्शन पार्क में आयोजित महर्षि वाल्मीकि जयंती कार्यक्रम में व्यक्त किए। उन्होंने जिलाधिकारी रवीश गुप्ता, सीडीओ अतुल वत्स, नगर पालिका परिषद अध्यक्ष बबिता जायसवाल के साथ वाल्मीकि की प्रतिमा पर पुष्प अर्पित किया। विशिष्ट अतिथि पालिकाध्यक्ष जायसवाल ने लोगों को इस अवसर पर शुभकामना दी। डीएम ने कहा कि महर्षि बचपन में धार्मिक कार्यों से दूर रहते थे, लेकिन जब उन्हें ज्ञान प्राप्त हुआ तो वह प्रभु राम की शरण में चले गए और उनकी भक्ति में लीन हो गए। सूचना एवं जनसंपर्क विभाग के सांस्कृतिक दल पूर्वांचल लोक गीत कलाकेंद्र की ओर से रामायण पाठ व गीत प्रस्तुत किया गया। मुख्यालय पर आयोजित कार्यक्रम का संचालन डीडीओ डॉ. डीआर विश्वकर्मा ने किया। सीएमओ डॉ. सीबीएन त्रिपाठी, वरिष्ठ कोषाधिकारी वरुण खरे, डीएसटीओ पन्नालाल, डीसी मनरेगा विनय कुमार, डीसी एनआरएलएम जितेंद्र मिश्र आदि मौजूद रहे। वहीं सपा कार्यालय में अध्यक्ष पृथ्वीपाल यादव की अध्यक्षता में वाल्मीकि की जयंती पर उनकी प्रतिमा पर माल्यार्पण किया गया और उनके व्यक्तित्व पर चर्चा की गई।

हिन्दुस्तान — सुलतानपुर
07 Nov 2020

जयंती पर याद किए गए महर्षि वाल्मीकि

सुलतानपुर | हिन्दुस्तान संवाद

महर्षि सुपत सुदर्शन पार्क में मनाई गई बाल्मीकि जयंती • हिन्दुस्तान

शनिवार को महर्षि सुपत सुदर्शन पार्क में महर्षि बाल्मीकि जी की जयन्ती मनाई गई। मुख्य अतिथि विधायक सूर्यभान सिंह रहे।

जयंती कार्यक्रम में शासन की गाइडलाइन के अनुसार कोविड नियमों का पालन किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता जिलाधिकारी रवीश गुप्त ने की। कार्यक्रम को सम्बोधित करते हुए विधायक श्री सिंह ने कहा कि वर्तमान सरकार महापुरुषों की जयंती पर कार्यक्रम आयोजित कर हमे संदेश देने का काम करती है कि यह सरकार महापुरुषों का सम्मान करने वाली है। नगर पालिका अध्यक्ष बबिता जायसवाल ने कहा कि सरकार की देन है कि आज प्रदेश के समस्त प्रशासनिक अधिकारी अपने-अपने कार्यालयों में पूर्ण मनोयोग एवं हर्षोल्लास के साथ जयंती मना रहे हैं। डीएम ने कहा कि महर्षि बाल्मीकि जी के जयन्ती के अवसर पर हम उनके जीवन दर्शन का आत्मसात करते हुए आगे बढ़ने की प्रेरणा लेते हैं। इस मौकेपर सीडीओ अतुल वत्स, सीएमओ डॉ. सीबीएन त्रिपाठी, वरिष्ठ कोषाधिकारी वरूण खरे व अन्य अधिकारी मौजूद रहे।

निरीक्षा शाखा
सूचना एवं जनसम्पर्क विभाग, उत्तर प्रदेश

अमर उजाला – बहराइच

03 Nov 2020

रामायण का पाठ कर महर्षि वाल्मीकि की जयंती मनाई

संवाद न्यूज एजेंसी

बहराइच के छावनी स्थित राम जानकी मंदिर में महर्षि वाल्मीकि की जयंती पर आयोजित कार्यक्रम में पूजन करते जिलाधिकारी।

बहराइच। जिले में महर्षि वाल्मीकि जयंती धूमधाम से मनाई गई। श्री रामजानकी मंदिर में मुख्य कार्यक्रम आयोजित हुआ। संस्कृत के आचार्यों ने वाल्मीकि रामायण व सुंदर कांड का गायन शैली में पाठ किया। जिलाधिकारी शंभु कुमार ने पूजन कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया।

जिलाधिकारी ने कहा कि वाल्मीकि जयंती पर इस प्रकार के आयोजन से हमारी सांस्कृतिक विरासत मजबूत होगी और समाज को सही मार्ग पर चलने के लिए प्रेरणा मिलेगी। महर्षि वाल्मीकि सामाजिक समरसता के प्रतीक थे। इनके द्वारा रचित रामायण आदर्श सामाजिक संरचना के लिए मानक प्रस्तुत करती है। ऐसे आयोजनों से हम अपनी गौरवशाली परंपरा को स्थापित करते हैं। इसी प्रकार माध्यमिक विद्यालयों द्वारा विभिन्न क्षेत्रों में महर्षि वाल्मीकि जयंती पर वाल्मीकि रामायण का पाठ किया गया। विशेश्वरगंज के श्री बालाजी मंदिर, पयागपुर के पंचायत मंदिर, शिवपुर के श्री रामजानकी मंदिर, कैसरगंज के हनुमान मंदिर, तजवापुर के श्री निरंकारेश्वर मंदिर, फखरपुर के श्री हनुमान मंदिर, हुजूरपुर के श्री हनुमान मंदिर व

जिलेभर के मंदिरों, विद्यालयों व अन्य स्थानों पर हुए आयोजन

मिहींपुरवा के श्री रामजानकी मंदिर में भी आयोजन किया गया। शहर के बड़ीहाट स्थित वाल्मीकि मंदिर में पूजन किया गया। सुंदर कांड पाठ के समापन पर लोगों को प्रसाद का वितरण किया गया।

कार्यक्रम के दौरान सोशल डिस्टेंसिंग का पालन कराया गया। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ ने शहर में पानी टंकी चौराहे पर प्रसाद वितरण किया। महर्षि वाल्मीकि के चित्र पर माल्यार्पण कर दीप प्रज्ज्वलन से कार्यक्रम का शुभारंभ किया गया। मौके पर प्रवीण, अर्जुन कुमार, दिलीप, प्रवीण, डॉ. देवेंद्र उपाध्याय, रमेश, अतुल गौड़, मुकुट बिहारी तिवारी आदि मौजूद रहे।

निरीक्षा शाखा
सूचना एवं जनसम्पर्क विभाग, उत्तर प्रदेश

जागरण – बहराइच

03-Nov-2020

सामाजिक समरसता के प्रतीक पुंज थे महर्षि वाल्मीकि

जागरण संवाददाता, बहराइच : शनिवार को सामाजिक समरसता के प्रतीक महर्षि वाल्मीकि जयंती धूमधाम से मनाई गई। सरकारी तंत्र के ओर से विधि-विधान से पूजन-अर्चन का कार्यक्रम आयोजित किया गया। रामजानकी मंदिर में अनुष्ठान का आयोजन किया गया। आचार्यों ने वेद ऋचाएं पढ़ी। संस्कृत के श्लोकों से शहर गूंजता रहा।

डीएम शंभु कुमार ने यजमान बनकर रामजानकी मंदिर में अनुष्ठान किया। कोविड-19 के प्रोटोकॉल का पालन किया। डीएम ने कहा कि महर्षि के पदचिह्नों पर चलने से हमारी सांस्कृतिक विरासत मजबूत होगी और समाज को सही मार्ग पर चलने के लिए प्रेरणा प्राप्त होगी। महर्षि वाल्मीकि सामाजिक समरसता के प्रतीक थे। उनकी रामायण आदर्श सामाजिक संरचना का मानक प्रस्तुत करता है। ऐसे आयोजनों से हम अपने गौरवशाली परंपरा को स्थापित करते हैं। इंटर कॉलेजों में वाल्मीकि जयंती पर रामायण का पाठ किया गया।

विशेश्वरगंज क्षेत्र के श्रीबालाजी मंदिर में, पयागपुर में पंचायत मंदिर, शिवपुर में श्रीरामजानकी मंदिर, कैसरगंज में हनुमान मंदिर, तेजवापुर में श्रीसिद्धेश्वर मंदिर, फखरपुर में श्रीहनुमान मंदिर, हुजूरपुर में श्रीहनुमान मंदिर व मिहींपुरवा में श्रीरामजानकी मंदिर में भजन कीर्तन का आयोजन किया गया। एडीएम जयचंद्र पांडेय, सीआरओ प्रदीप कुमार यादव, डीआइओएस राजेंद्र कुमार पांडेय, जनता राजा इंटर कॉलेज के प्रधानाचार्य डॉ. दीनबंधु शुक्ल मौजूद रहे।

पानी टंकी चौराहे पर प्रसाद वितरण करते आरएसएस कार्यकर्ता • जागरण

आरएसएस ने मनाई जयंती, बांटा प्रसाद

राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ ने महर्षि वाल्मीकि की जयंती मनाई। शहर के पानी टंकी चौराहे पर स्टाल लगाकर प्रसाद वितरित किया। नगर प्रचारक प्रवीण ने कहा कि लौकिक साहित्य में प्रथम महाकाव्य के रूप में वाल्मीकि रामायण भारत के इतिहास में महाकाव्य के रूप में मर्यादा पुरुषोत्तम भगवान श्रीराम के उदात्त चरित्र को चरितार्थ किया है। कहा, तमसा नदी के किनारे तपस्या रत सारस पक्षी के जोड़े में एक को बहेलिया के मारने पर मादा पक्षी के विलाप से द्रवित हो महर्षि वाल्मीकि का शोक श्लोक के रूप में परिणित हो गया। महाकाव्य 24 हजार श्लोकों से समन्वित है। महर्षि वाल्मीकि समता, ममता, समरसता के प्रतीक हैं। अर्जुन कुमार दिलीप, डॉ. वेदेंद्र उपाध्याय, रमेश कुमार, अतुल गौड़, मुकुट बिहारी तिवारी, शिवपाल शुक्ल, पुष्पेंद्र, अमन, सूरज, सौरभ, अभिषेक, नीरज मौजूद रहे।

सपा कार्यालय पर महर्षि वाल्मीकि जयंती मनाई गई। उनके चित्र पर माल्यार्पण कर कृतित्व व व्यक्तित्व पर प्रकाश डाला गया। जफर उल्ला खां बंटी, अब्दुल मन्नान, अजीत सिंह, संत कुमार व अन्य मौजूद रहे।

छावनी चौराहा स्थित पंचायती मंदिर में पूजन करते जिलाधिकारी शंभु कुमार • जागरण

श्रावस्ती में भी हुए विविध आयोजन

संसू, श्रावस्ती : महर्षि वाल्मीकि की जयंती पर शनिवार को जिले भर में विविध कार्यक्रम हुए। महर्षि के चित्र पर पुष्प अर्पित, हवन व पूजन अर्चन किया गया। भिनगा तहसील में सुंदरकांड पाठ का आयोजन किया गया। पूर्व सांसद दद्दन मिश्र ने भिनगा नगर स्थित वाल्मीकि मंदिर में महर्षि की मूर्ति पर माल्यार्पण किया। उन्होंने कहा कि महर्षि ने रामायण की रचना कर हिंदू संस्कृति की रचना की। वे महान व्यक्तित्व व साहित्यकार थे। उनके जीवन से प्रेरणा लेने का संकल्प लिया गया। भाजपा जिलाध्यक्ष सतीश कैसरी, पंकज मिश्र, आशीष आर्य, विजय आर्य मौजूद रहे। सपा कार्यालय पर महर्षि वाल्मीकि व आचार्य नरेंद्र देव की जयंती मनाई गई। उनके चित्र पर माल्यार्पण कर व्यक्तित्व पर चर्चा हुई।

अमर उजाला – कानपुर नगर

02-Nov-2020

महर्षि वाल्मीकि जयंती

संवाद न्यूज एजेंसी

कानपुर। महर्षि वाल्मीकि जन्मोत्सव केंद्रीय शिक्षा कमेटी द्वारा शनिवार को मोतीझील वाल्मीकि उपवन में 22वां जयंती समारोह और सामूहिक विवाह समारोह आयोजित किया गया। इसमें 16 जोड़ों ने सात फेरे लिए।

देर शाम सात बजे पहुंची बारात का स्वागत किया गया। इसके बाद जयमाल हुआ। वर-वधू को आशीर्वाद देने राज्यमंत्री नीलिमा कटियार, विधायक अभिजीत सांगा, भाजपा नेता सुरेश अवस्थी और छविलाल सुदर्शन पहुंचे। यहां शिक्षा कमेटी के मंडिया प्रभारी सुनील हजारिया, प्रकाश हजारिया, विनोद कुमार, राम गोपाल वाल्मीकि और डीडी सुमन मौजूद थे।

जयंती के मौके पर महापौर प्रमिला पांडेय ने नानाराव पार्क में स्थित महर्षि वाल्मीकि की प्रतिमा को नमन किया। संवाद न्यूज एजेंसी

महापौर ने किया प्रतिमा पर माल्यार्पण

कानपुर। महर्षि वाल्मीकि की जयंती पर शनिवार को महापौर प्रमिला पांडेय ने नानाराव पार्क में महर्षि वाल्मीकि की प्रतिमा पर माल्यार्पण किया। इस दौरान हवन व सुंदरकांड का पाठ हुआ। यहां पार्षद विकास जायसवाल, किशन लाल सुदर्शन, धीरज वाल्मीकि मौजूद थे।

वाल्मीकि समाज का दिल जीतने को अफसरों ने मनवाई जयंती

कानपुर। महर्षि वाल्मीकि की जयंती पर इस बार प्रशासनिक अफसरों की ओर से कई जगह वाल्मीकि रामायण का पाठ कराया गया। कहा जा रहा है कि हाथरस कांड के बाद वाल्मीकि समाज की नाराजगी कम करने को सरकार ने यह कदम उठाया है। इसके लिए सरकार ने बाकायदा गाइडलाइन जारी की थी।

प्रमुख सचिव मुकेश मेश्राम की ओर से जारी गाइडलाइन के तहत मंडलायुक्त और डीएम को वाल्मीकि मंदिर या अन्य स्थानों पर धार्मिक आयोजन कराने के निर्देश दिए गए थे। शनिवार रात वाल्मीकि समाज के लोगों से प्रशासन ने संपर्क कर मंदिरों में टेंट लगवाए और पढ़ने के लिए वाल्मीकि रामायण उपलब्ध कराई। जनपद में ऐसी 25 जगह चुनी गईं।

जारी की गई ईमेल आईडी

वाल्मीकि जयंती के कार्यक्रमों की रिकॉर्डिंग और मोबाइल के जरिए फोटो खींचकर शासन को भेजने के भी निर्देश दिए। इसके लिए संस्कृति विभाग ने मेल आईडी valmikijayanticul-

निरीक्षा शाखा

सूचना एवं जनसम्पर्क विभाग, उत्तर प्रदेश

जागरण – कानपुर नगर

02-Nov-2020

आयोजन

वैदिक मंत्रोच्चार के बीच एक दूजे के हुए 17 जोड़े, 23 वर्षों से हो रहा सामूहिक विवाह का आयोजन

महर्षि वाल्मीकि जयंती पर हुआ सामूहिक विवाह

जासं, कानपुर : महर्षि वाल्मीकि जन्मोत्सव केंद्रीय मेला कमेटी द्वारा 17 जोड़ों का विधि-विधान से विवाह कराया गया। मोतीझील स्थित वाल्मीकि उपवन में कोविड नियमावली का पालन करते हुए मंत्रोच्चार के बीच विवाह की रस्में अदा की गईं। आयोजन की शुरुआत रामायण पाठ व वाल्मीकि महाराज के पूजन से की गई। कमेटी के मुन्ना हजारिया ने बताया कि कमेटी द्वारा आयोजित 23 वां कार्यक्रम है। इस बार सीमित संख्या में जोड़ों की बरात मोतीझील स्थित विवेकानंद वाटिका से निकाली गई। मुन्ना हजारिया ने बताया कि कमेटी की ओर से हर जोड़े को गृहस्थी का सामान दिया गया। महापौर प्रमिला पांडेय, उच्च शिक्षा राज्यमंत्री नीलिमा कटियार, सांसद सत्यदेव पचौरी, विधायक अभिजीत बाजपेई, सोहेल अंसारी, सदस्य एससीएसटी आयोग छविलाल सुदर्शन ने नवदंपती को आशीर्वाद दिया। सत्यप्रकाश, विनोद कुमार, रामगोपाल वाल्मीकि, मुकेश भारती, टोनी समेत आदि रहे।

मोतीझील में आयोजित सामूहिक विवाह समारोह में वर-वधू को आशीर्वाद देते दाएं से तीसरे नंबर पर सांसद सत्यदेव पचौरी। साथ में मंत्री नीलिमा कटियार व पदाधिकारी • जागरण

इन जोड़ों ने लिए फेरे : सतीश ने नैन्सी, सोनू ने शिवानी, राजेश ने मनीषा, सुगंध ने शालू, राजन ने काजल, विनय ने रिंकी, दीपू ने अंजली, शुभम ने आरती, जितेंद्र ने रागनी, शिवा ने दीपिका, गोकुल ने माधुरी, अमन ने कशिश, हरजीत ने निशा व अमित ने चांदनी संग फेरे लिए।

एक-दूजे के हुए पांच जोड़े : वाल्मीकि विकास समिति द्वारा शनिवार को महर्षि वाल्मीकि जयंती पर नानाराव पार्क जयंती उत्सव धूमधाम से मनाया गया। आयोजक धीरज वाल्मीकि ने बताया कि समिति द्वारा 30 वर्षों से मेधावी बच्चों का सम्मान व गरीब कन्याओं का विवाह कराया जाता रहा है। इस वर्ष कोविड नियमावली का पालन करते हुए पांच जोड़ों का विवाह संपन्न कराया गया। सामूहिक विवाह में शानू ने शालू, आकाश ने गुनगुन, छवि ने अंकिता, विशाल ने शिवानी और अर्जुन ने कोमल संग सात फेरे लिए। महापौर प्रमिला पांडेय, सांसद सत्यदेव पचौरी, विधायक अभिजीत बाजपेई, सोहेल अंसारी, किशन लाल सुदर्शन, दया कुमार, ज्ञान प्रकाश, धीरज वाल्मीकि, सुशील बैरवा, हरीश्चंद्र, महेश उपस्थित रहे।

महापौर ने किया माल्यार्पण

कानपुर : महर्षि वाल्मीकि जयंती पर नानाराव पार्क स्थित महर्षि वाल्मीकि की प्रतिमा पर महापौर प्रमिला पांडेय ने माल्यार्पण किया गया। महर्षि के प्रतिमा के पास ही हवन पूजन कर सुंदरकांड का पाठ विधि-विधान से किया गया। इस अवसर पर पार्षद विकास जायसवाल, कर्मचारी नेता किशन लाल सुदर्शन, धीरज वाल्मीकि आदि उपस्थित रहे।

जिंदगी भर एक-दूजे का साथ निभाने की खाई कसम : नौबस्ता मछरिया में वाल्मीकि समाज उत्थान समिति की ओर से देर शाम सात जोड़ों की शादी संपन्न हुई। इस दौरान कार्यक्रम संयोजक सुरेंद्र कुमार, पुनीत पासवान, राकेश, हरिओम कश्यप, रामविलास, दिनेश, सभी की शादी हुई। कार्यक्रम में प्रमुख रूप से शिव कुमार वाल्मीकि, नरेश सिंघिया, जितेंद्र सक्सेना, कालू व पीरू मौजूद रहे।

निरीक्षा शाखा

सूचना एवं जनसम्पर्क विभाग, उत्तर प्रदेश

हिन्दुस्तान — कानपुर नगर

03-Nov-2020

कोविड नियमों का पालन कर 17 जोड़े एक सूत्र में बंधे

वाल्मीकि जयंती

कानपुर | वरिष्ठ संवाददाता

महर्षि वाल्मीकि जयंती पर शनिवार को मोतीझील स्थित वाल्मीकि उपवन में सामूहिक विवाह का आयोजन किया गया। 17 जोड़े कोविड नियमों का पालन कर परिणय सूत्र में बंधे।

महर्षि मेला कमेटी के बैनर तले आयोजित कार्यक्रम में रामायण के पाठ के बाद विवाह की रस्में शुरू हुईं। आयोजक मुन्ना हजारिया ने बताया कि यह 23वां आयोजन होगा। हर वर्ष महर्षि वाल्मीकि जयंती पर शोभायात्रा निकालने के बाद बड़े स्तर पर सामूहिक विवाह किया जाता था। संक्रमण के खतरे को देखते हुए इस बार शोभा यात्रा नहीं निकाली गई। मुख्य द्वार पर थर्मल स्क्रीनिंग और सेनिटाइजेशन के बाद दूल्हा-दुल्हन व उनके रिश्तेदारों को प्रवेश दिया गया। हर जोड़े को गृहस्थी का सामान के साथ सेनिटाइजर और मास्क भी दिए गए।

सात जोड़े एक-दूजे के हुए

कानपुर दक्षिण। वाल्मीकि समाज उत्थान समिति की ओर से शनिवार को नौबस्ता के धरीपुरवा रामलीला मैदान में सामूहिक विवाह आयोजित किया गया। सर्व समाज के सात जोड़ों ने जीवन भर एक-दूसरे का साथ निभाने की कसम खाई। समिति के पदाधिकारियों ने बताया कि यह समिति का तीसरा सामूहिक विवाह समारोह है। पार्षद अनूप शुक्ला, प्रशांत शुक्ला, लक्ष्मीशंकर राजूपत, नरेन्द्र खन्ना, मोहनलाल, शिवकुमार वाल्मीकि रहे।

निरीक्षा शाखा
सूचना एवं जनसम्पर्क विभाग, उत्तर प्रदेश

हिन्दुस्तान – कानपुर देहात

02-Nov-2020

महर्षि वाल्मीकि जयंती पर आयोजित हुए कार्यक्रम

कानपुर देहात | हिन्दुस्तान संवाद

महर्षि वाल्मीकि की जयंती पर जनपद में जगह-जगह भव्य कार्यक्रमों का आयोजन किया गया। महर्षि की प्रतिमा पर पुष्प अर्पित कर लोगों ने सुख समृद्धि की कामना की। इस अवसर पर कलक्ट्रेट सभागार में डीएम डॉ. दिनेश चंद्र ने कलेक्ट्रेट के सफाई कर्मचारियों को शॉल पहनाने के साथ नकद पुरस्कार देकर सम्मानित करते हुए आगे ऐसे ही बेहतर कार्य करने के लिए प्रेरित भी किया।

डीएम ने कहा कि महर्षि वाल्मीकि जी भारत ही नहीं विश्व के आदि कवि हैं। पहले शब्द ही करुणा भाव के जन्में जो रामायण महाकाव्य के रूप जाना गया। महर्षि के जीवन, उनकी रामायण कृति में एक आदर्श मनुष्य, एक आदर्श समाज को प्रस्तुत किया गया है अतः हमें उनसे प्रेरणा लेनी चाहिए। इस मौके पर कलेक्ट्रेट नाजिर जगदीश यादव, स्टेनो दिलीप कुमार, डीएमओ सुनील कुमार, सीबीओ डीएस लाखड़िया आदि लोग मौजूद रहे।

इस दौरान सीडीओ सौम्या

भोगनीपुर तहसील सभागार में वाल्मीकि जयंती पर आयोजित कार्यक्रम का दीप प्रज्वलित करती एसडीएम। • हिन्दुस्तान

जिलाधिकारी [illegible] पंकज वर्मा के निर्देशन में जनपद की सभी तहसीलों अकबरपुर में एसडीएम आनन्द कुमार सिंह, सिकन्दरा अरुणी यादव, डेरापुर में अभिलाषा [illegible], रसूलाबाद अंजू वर्मा, भोगनीपुर दिपाली भार्गव, मैथा [illegible] व नगर पंचायत शिवली चेयरमैन अशोक शुक्ला ने प्रतिमा पर माल्यार्पण किया। वाल्मीकि रामायण में निहित

मूल्यों के व्यापक प्रचार प्रसार व जनमानस को इससे जोड़ने के लिए जनपद के महर्षि वाल्मीकि से सम्बन्धित स्थलों, मंदिरों आदि पर दीप प्रज्वलन के साथ साथ वाल्मीकि रामायण का पाठ किया गया।

इसी तरह नगर पंचायत रूरा, [illegible] आश्रम अकबरपुर आदि स्थानों में हर्षोल्लास के साथ महर्षि वाल्मीकि के चित्र पर माल्यार्पण कर जयंती

शिवली के साकेत धाम में [illegible] नगर पंचायत अध्यक्ष ने अर्पित की पुष्पांजलि।

झींझक कस्बे में भी धूम-धाम से मनाई गई महर्षि की जयंती

झींझक। कस्बे में वाल्मीकि समाज सेवा समिति के द्वारा तृतीय वार्षिक महोत्सव में महर्षि वाल्मीकि की जयंती धूम-धाम से मनाई गई। अमित तिवारी ने महर्षि वाल्मीकि के प्रतिमा पर पुष्प अर्पित कर पूजा अर्चना की। भगवान राम के दोनों पुत्र लव और कुश की शिक्षा-दीक्षा भी इनकी देख-रेख में हुई। कार्यक्रम में अखिल भारतीय वाल्मीकि महासभा के प्रदेश महासचिव कुलदीप वाल्मीकि ने कहा इस वर्ष जयंती के अवसर पर रैली का आयोजन कोविड प्रोटोकाल के कारण नहीं किया गया है। लोग अपने घरों में ही उल्लास के साथ कार्यक्रम आयोजित कर जयंती मनाए। इस दौरान हरिशंकर तिवारी, राजकुमार, मनोज, कन्हैया, सुरेश, किशन, शिवकुमार श्रीकिशन, राम, राजेश सहित अन्य लोग मौजूद रहे।

अमर उजाला - कानपुर देहात

02-Nov-2020

वाल्मीकि के आदर्शों पर चलें

डीएम ने उत्कृष्ट कार्य करने वाले सफाई कर्मचारियों को किया सम्मानित

संवाद न्यूज एजेंसी

कानपुर देहात। शनिवार को वाल्मीकि जयंती पर विकास भवन में कार्यक्रम का आयोजन किया गया। डीएम डॉ. दिनेश चंद्र ने उत्कृष्ट कार्य करने वाले सफाई कर्मचारियों को शॉल पहनाकर सम्मानित किया। डीएम ने कहा कि महर्षि वाल्मीकि विश्व के पहले कवि थे। जिन्होंने सबसे पहले काव्य की रचना रामायण महाकाव्य के रूप में किया।

इस दौरान सीडीओ सौम्या पांडेय, एडीएम पंकज वर्मा, डीएसओ सुनील कुमार, सीबीओ दीपन स्वर्णनिका आदि मौजूद रहे। इसी प्रकार अकबरपुर तहसील में एसडीएम आनंद कुमार सिंह की उपस्थिति में कार्यक्रम किया गया। यहीं डेरापुर कस्बे के श्याम नगर वार्ड के वाल्मीकि आश्रम में एसडीएम ऋषिकांत राजवंशी, ईओ सुरेश कुमार की उपस्थिति में कार्यक्रम आयोजित किया गया। यहां वाल्मीकि रामायण पाठ किया गया। रामप्रकाश, दीपू, गोविंद, गंगाराम आदि मौजूद रहे। शिवली के साकेत धाम मंदिर में एसडीएम रामशिरोमणि, चेयरमैन अवधेश शुक्ला, थाना प्रभारी वीरपाल सिंह पहुंचे। प्रतिमा पर माल्यार्पण किया। मंदिर में भजन, सुंदरकांड पाठ भी किया गया। झींझक में महर्षि वाल्मीकि समाज सेवा समिति के पदाधिकारियों ने महर्षि वाल्मीकि प्रतिमा पर माल्यार्पण कर पूजा अर्चना की। अखिल भारतीय वाल्मीकि महासभा के प्रदेश सचिव कुलदीप वाल्मीकि, समाजसेवी सोनू तिवारी, हरिशंकर तिवारी, शेरा, राजकुमार, मनोज आदि मौजूद रहे। रसूलाबाद में एसडीएम अंजू वर्मा की मौजूदगी में सुंदरकांड का पाठ किया गया। इस दौरान सतेंद्र कुमार तिवारी, गणेश शंकर तिवारी, महेंद्र कुमार श्रीवास्तव, प्रहलाद बाबू गुप्ता आदि मौजूद रहे।

डेरापुर वाल्मीकि आश्रम में आरती करते एसडीएम ऋषिकांत राजवंशी। संवाद

भंडारे में भक्तों ने चखा प्रसाद

कानपुर देहात। वाल्मीकि जयंती के मौके पर शनिवार को कुम्हीखेड़ा के मुड़िया महादेव मंदिर में भंडारे का आयोजन किया गया। रामचरित मानस पाठ के समापन पर भंडारे में भक्तों ने प्रसाद चखा। यहां मनोज पाठक, विश्वनाथ प्रसाद त्रिपाठी, राम जी पाठक, लल्ला पाठक, दीपू पाठक, अरविंद तिवारी, बलराम शुक्ला, हर्षित तिवारी, शिवा, बहादुर वर्मा रहे। (संवाद)

निरीक्षा शाखा

सूचना एवं जनसम्पर्क विभाग, उत्तर प्रदेश

जागरण -- कानपुर देहात

09-Nov-2020

वाल्मीकि जयंती पर हुआ सुंदर कांड का पाठ

जागरण संवाददाता, कानपुर देहात : वाल्मीकि जयंती पर जिले में मंदिरों व क्षेत्रों में कार्यक्रम आयोजित किए गए। वहीं डीएम सफाई कर्मियों को कलेक्ट्रेट में सम्मानित किया।

डॉ. दिनेश चंद्र ने कलेक्ट्रेट के सफाई कर्मचारी कल्लू, संतोष, आनंद को उनके उत्कृष्ट कार्य को लेकर शॉल पहनाकर व नकद पुरस्कार देकर सम्मानित किया और उन्हें आगे ऐसे ही बेहतर कार्य करने के लिए प्रेरित भी किया। जिलाधिकारी ने कहा कि महर्षि वाल्मीकि जी विश्व के आदि कवि हैं इन्होंने सर्वप्रथम काव्य की रचना रामायण महाकाव्य के रूप में की थी। उन्होंने कहा कि महर्षि वाल्मीकि जी के जीवन से हमें प्रेरणा लेनी चाहिए। धानेपुर में अखिल भारतीय वाल्मीकि नवयुवक संघ की ओर नगर पालिका परिषद में जयंती का आयोजन किया गया। जयंती समारोह में संघ के जिलाध्यक्ष रवि कुमार वाल्मीकि, रामशंकर महामंत्री रविराज वाल्मीकि, शिवकुमार भारती, पुत्तन मौजूद रहे। रसूलाबाद के श्रीधर्मगढ़ बाबा मंदिर परिसर में

अकबरपुर के ... वाल्मीकि मोहल्ले में ... रामायण की पुस्तक भेंट करते आयोजक • जागरण

... वाल्मीकि का पूजन करते ... अशोक शुक्ला, ... संजय पटेल • जागरण

एसडीएम रसूलाबाद अनु वर्मा ने ग्रामवासियों के सुंदरकांड पाठ का आयोजन कराया। मंदिर के मुख्य पुजारी सतेंद्र कुमार तिवारी, रमेश शंकर तिवारी, महेंद्र कुमार श्रीवास्तव, प्रहलाद बाबू गुप्ता मौजूद रहे। शिवली में एसडीएम राम शिरोमणि ने कहा कि सप्तऋषियों के कहने पर महर्षि वाल्मीकि जी ने राम नाम के जप का उच्चारण मरा-मरा कहकर किया था, जिससे तीनों लोकों की बातें जानने वाले महाविद्वान हो गए और उन्होंने भगवान श्रीराम के समय में रामायण महाकाव्य की रचना की थी। चेयरमैन अवधेश शुक्ला, साकेत धाम के महंत कुमार, कोतवाल वीरपाल सिंह तोमर, अधिशासी अधिकारी संजय कुमार पटेल, अमन पाठक, अनुपम मिश्र, अवनीश शुक्ला, विमल त्रिवेदी मौजूद रहे। उधर झींझक में महर्षि वाल्मीकि समाज सेवा समिति द्वारा कस्बा के बस्ती मोहल्ले स्थित वाल्मीकि प्रतिमा की पूजा अर्चना नगर के प्रमुख समाज सेवी सोनू तिवारी व हरिशंकर तिवारी के अखिल भारतीय वाल्मीकि महासभा के प्रदेश सचिव कुलदीप वाल्मीकि ने पूजन किया। रोहित, राजकुमार, मनोज, कन्हैया, रवि, श्रीकिशन, रतन, राजेश व सुनील मौजूद रहे।

अकबरपुर के समाज में वाल्मीकि समाज की तरफ से कार्यक्रम हुआ। जहां पर एसडीएम एफआर साहब लाल को राष्ट्रीय समिति पदाधिकारियों ने रामायण भेंट की। एसडीएम ने कहा कि वाल्मीकि जी का पूरा जीवन श्रीराम को समर्पित था और उनकी तपस्या का ही फल था कि श्रीराम की प्राप्ति हुई। कैलाशराम वाल्मीकि, दिलीप वाल्मीकि, विजय वाल्मीकि, मनोज निगम, गुड्डन सिंह, जहान यादव, सुनील गुप्ता व दुर्गेश शर्मा मौजूद रहे।

निरीक्षा शाखा
सूचना एवं जनसम्पर्क विभाग, उत्तर प्रदेश

अमर उजाला – औरैया
09 Nov 2020

राम मंदिरों में हुआ रामायण पाठ

वाल्मीकि जयंती पर रंग-बिरंगी झालरों से जगमगाए मंदिर, पूजा-अर्चना भी की गई

संवाद न्यूज एजेंसी

श्री रामजानकी मंदिर पर श्रद्धालु अखंड रामायण का पाठ करते हुए। संवाद

औरैया। जिले भर में वाल्मीकि जयंती धूमधाम से मनाई गई। इस दौरान राम मंदिरों पर अखंड रामायण पाठ का आयोजन कराया गया। राम मंदिरों पर रंग-बिरंगी झालरों से सजावट की गई। महर्षि वाल्मीकि मंदिर में भी पूजा-अर्चना की गई।

शहर में होमगंज सदर बाजार स्थित श्री राम जानकी मंदिर पर सुबह से ही अखंड रामायण का पाठ का आयोजन किया गया। इस मौके पर पालिका नामित सभासद सोनू सोनी, शिवपाल सिंह भदौरिया, पुष्पा शर्मा, अमर चंद्र राठौर, अरविंद चौबे के अलावा ओम प्रकाश शर्मा, बच्चू मिश्रा, संतोष सोनी, ब्रज मोहन वर्मा आदि का सहयोग रहा। पाठ समापन होने पर मंदिर पुजारी कमलेश नारायण दीक्षित ने आरती कार्यक्रम संपन्न कराया। बाद इसके प्रसाद का वितरण किया गया।

इसी तरह से श्री संकट मोचन मंदिर पर सुबह आठ बजे से रामायण का पाठ कराया गया। इस दौरान नगर पालिका परिषद की ओर से मंदिर पर रंग-बिरंगी झालरों से सजावट कराई गई। दिबियापुर के संजय नगर स्थित महर्षि वाल्मीकि मंदिर में वाल्मीकि जयंती पर श्रद्धालुओं ने पूजा-अर्चना की। साथ ही वाल्मीकि रामायण का पाठ भी किया गया। इस मौके पर दिबियापुर चेयरमैन अरविंद पोरवाल, सभासद साधना, सभासद अखिलेश कश्यप, सभासद सचिन गुप्ता ने पाठ कराया।

फफूंद में वाल्मीकि जयंती पर सुबह से ही फफूंद के तिवारियान मुहल्ले स्थित राम मंदिर में महंत हरिकांत तिवारी द्वारा अखंड रामायण का पाठ शुरू कर दिया गया। इस मौके पर मंदिर संरक्षक अन्नू अग्निहोत्री, पूर्व एसआई कन्हैयालाल व अमित पेटर आदि मौजूद रहे। वहीं, प्रसिद्ध श्री वाल्मीकि आश्रम मंदिर पर जयंती के उपलक्ष्य में कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम में मंदिर के महंत कमल स्वरूप महाराज ने आस्थावानों को महर्षि वाल्मीकि की जीवनी के बारे में बताया। इस मौके पर वाल्मीकि मंदिर में चेयरमैन प्रतिनिधि अनुराग शुक्ला ने भी महर्षि वाल्मीकि के चित्र पर माल्यार्पण व पुष्प चढ़ाए। इस मौके पर एडीओ स्वाहार सहित सभासद अनिल कुमार वाल्मीकि, समाजसेवी राजू खरे, वाल्मीकि समाज अध्यक्ष प्रदीप, मनोज वाल्मीकि, संजय, अजय वाल्मीकि व मक्खन आदि मौजूद रहे।

निरीक्षा शाखा
सूचना एवं जनसम्पर्क विभाग, उत्तर प्रदेश

जागरण – औरैया

03 Nov 2020

सृष्टि के प्रथम आदिकवि हैं महर्षि वाल्मीकि

संवाद सूत्र, उसराहार : सृष्टि के प्रथम आदिकवि महर्षि वाल्मीकि हैं। जगत को आश्रय देने वाली जगदंबा सीता को भी जिन्होंने अपने आश्रम में आश्रय दिया रामायण रूपी पंचम वेद की संज्ञा पाए ग्रंथ को रचकर उनकी कीर्ति सदा के लिए अमर हो गयी। उसराहार में वाल्मीकि जयंती पर रामायण पाठ और हवन पूजन किया गया। कस्बा के कालिका माता मंदिर पर वाल्मीकि जयंती का धूमधाम से आयोजन किया गया। वाल्मीकि रामायण पर आधारित प्रसंगों की चर्चा करते हुए सुरेश तिवारी ने कहा कि महर्षि वाल्मीकि प्रचेता के पुत्र थे। प्रेमानंद में डूबे क्रौंच पक्षी को शिकारी द्वारा बाण मारने के बाद पीड़ा से निकले शब्द मां निषाद प्रतिष्ठां त्वमगमः शाश्वतीः समाः यत्क्रौंचमिथुनादेकम अवधीः काममोहितम इस सृष्टि का प्रथम श्लोक है। विद्वान महेश तिवारी ने कहा कि भगवान राम को चित्रकूट में निवास करने की सलाह वाल्मीकि ने ही दी थी।

वाल्मीकि जयंती के अवसर पर कालिका माता मंदिर पर हवन करते श्रद्धालु ● जागरण

निरीक्षा शाखा
सूचना एवं जनसम्पर्क विभाग, उत्तर प्रदेश

हिन्दुस्तान - औरैया

09-Nov-2020

फफूंद में वाल्मीकि जयंती पर किया रामायण पाठ

फफूंद | हिन्दुस्तान संवाद

नगर के राम लीला मैदान के पास स्थित महर्षि वाल्मीकि आश्रम पर वाल्मीकि जयंती पर रामायण पाठ का आयोजन किया गया। जिसमें लोगों ने बढ़-चढ़ कर हिस्सा लिया।

शनिवार को कस्बे के महर्षि वाल्मीकि आश्रम पर रामायण पाठ के समापन के दौरान अध्यक्ष प्रतिनिधि अनुराग शुक्ला ने महर्षि वाल्मीकि के चित्र पर पुष्प चढ़ाकर आरती उतारी। उनके जीवन परिचय को लेकर कहाकि पौराणिक कथाओं के मुताबिक महर्षि वाल्मीकि एक डाकू थे। इनका नाम पहले रत्नाकर था। हमेशा जंगल से गुजरने वाले लोगों को लूट लेते थे। एक बार एक मुनि जंगल से गुजर रहे थे। तभी रत्नाकर की नजर उन पर पड़ी। उन्होंने उन्हें बंधक बना लिया। मुनि ने रत्नाकर से सवाल किया कि वो ऐसा पाप क्यों कर रहे है। तब रत्नाकर ने कहा कि वह यह सब अपने परिवार के लिए कर रहे हैं। नारद मुनि ने कहा कि अपने परिवार से जाकर पूछो कि उनके इस पाप में वह भागीदार बनेंगे। जब उन्होंने परिवार से इस प्रश्न का उत्तर पूछा तो परिवार ने साफ इनकार कर दिया। रत्नाकर दुखी होकर वापस आ गए और मुनि को परिवार की आपबीती बताई। उन्होंने मरा नाम का जाप करने को कहकर अंतर्ध्यान हो गए और अखंड तप करके रत्नाकर से महर्षि वाल्मीकि बनकर रामायण के रचियता बन गए। इस मौके पर वाल्मीकि समाज के प्रदीप, अनिल कुमार, राजू खरे, संजय खरे, मुकेश कुमार, अरविंद कुमार, राजाराम, अजय कुमार, राम प्रसाद, किशन, मनोज, सन्जाराम, राम अवतार आदि रहे।

शनिवार को पूजन के दौरान मौकेपर मौजूद चेयरमैन प्रतिनिधि अनुराग शुक्ला। • हिन्दुस्तान

निरीक्षा शाखा
सूचना एवं जनसम्पर्क विभाग, उत्तर प्रदेश

वाल्मीकि जी ने रामायण न लिखी होती धर्म भी नहीं होता

जयंती पर आयोजित कार्यक्रम में भाजपा विधायक ने कहा

रामायण के रचयिता की प्रतिमा पर माल्यार्पण किया

मंदिरों में जले दीप, हुआ रामायण का पाठ

हिन्दुस्तान – इटावा

02-Nov-2020

महर्षि वाल्मीकि के आदर्शों से प्रेरणा ले समाज- राजबहादुर

वाल्मीकि जयंती मनाई

भरथना | हिन्दुस्तान संवाद

भारतीय जनता पार्टी के वरिष्ठ नेता डा राजबहादुर सिंह यादव ने कहा है कि महर्षि वाल्मीकि ने सभी समाजों को [illegible]

महर्षि वाल्मीकि की प्रतिमा पर माल्यार्पण करते डा. राजबहादुर। • हिन्दुस्तान

महर्षि वाल्मीकि की प्रतिमा पर माल्यार्पण करते हाकिम सिंह व अन्य। • हिन्दुस्तान

कांग्रेस ने लौह पुरुष व इन्दिरा को किया याद

इटावा। [illegible]

[illegible]

निरीक्षा शाखा

सूचना एवं जनसम्पर्क विभाग, उत्तर प्रदेश

अमर उजाला – फर्रुखाबाद

02-Nov-2020

महर्षि वाल्मीकि मंदिर में सजी स्वरूप। संवाद

धूमधाम से मनाई गई महर्षि वाल्मीकि जयंती

दरीबा पश्चिम वाल्मीकि आश्रम में रामायण पाठ

संवाद न्यूज एजेंसी

फर्रुखाबाद। महर्षि वाल्मीकि की जयंती समारोह शनिवार को धूमधाम से मनाया गया। श्रीरामचरित मानस पाठ, हवन पूजन के बाद श्रीराम, लक्ष्मण, सीता आदि देवी-देवताओं की झांकियां सजाई गईं। वक्ताओं ने वाल्मीकि के जीवन पर प्रकाश डाला।

महर्षि वाल्मीकि संस्कार समिति के संयोजक करतार सिंह भैय्या वाल्मीकि की देखरेख में दरीबा पश्चिम वाल्मीकि आश्रम में सुबह गंगा स्नान के बाद कार्यक्रम शुरू हुआ। मानस पाठ किया गया। हवन पूजन हुआ। आश्रम में श्रीराम, लक्ष्मण, सीता, लवकुश, हनुमान, शंकर, सरस्वती, काली, गणेश आदि देवी देवताओं के स्वरूपों को सजाकर झांकियों का प्रदर्शन किया। समिति संयोजक ने कहा कि महर्षि वाल्मीकि रामायण में 100 करोड़ श्लोक हैं। इसके बाद ही अन्य ग्रंथों की रचना हुई। तमाम लोगों ने देवी देवताओं के स्वरूपों की आरती उतारी और पुष्प वर्षा की। बताया कि इस बार कोरोना के चलते शोभायात्रा को स्थगित कर दिया गया है। राकेश बाबू, प्रताप सिंह, विजय सिंह चौधरी, रामविलास, विनोद राज, कैलाश चंद्र, कुलदीप प्रकाश चंद्र, रामचंद्र, रतन लाल, कालीचरन, राजेश, महेश मिश्रा, मुकेश, ब्रजेश आदि थे।

वीणा साहित्य परिषद ने कादमपुरी में आचार्य ज्योति स्वरूप अग्निहोत्री के निवास पर संगोष्ठी की। वक्ताओं ने कहा कि महर्षि वाल्मीकि अद्वितीय रचनाकार थे। वाल्मीकि रामायण त्रेतायुग के इतिहास का प्रमाणित दस्तावेज है। यह ग्रंथ संस्कृत में लिखा गया है। संस्कृत भाषा देश की राजभाषा के लिए सर्वथा योग्य है। इस मौके पर डा. कृष्णकांत अक्षर, रामशंकर अवस्थी, रामअवतार शर्मा, नरेश चंद्र द्विवेदी, डॉ. रामबाबू आदि थे।

निरीक्षा शाखा

सूचना एवं जनसम्पर्क विभाग, उत्तर प्रदेश

अमर उजाला – कन्नौज
02 Nov 2020

महर्षि वाल्मीकि विश्व के आदि कवि थे: डीएम

जिलेभर के मंदिरों में महर्षि वाल्मीकि की जयंती मनाई गई, आयोजन हुए

नगर कोट मंदिर में वाल्मीकि की पूजा-अर्चना करते डीएम राकेश कुमार मिश्र, सीडीओ आदित्य सिंह व अन्य लोग। संवाद

संवाद न्यूज एजेंसी

कन्नौज। शहर के नगर कोट मंदिर में डीएम राकेश कुमार मिश्र ने महर्षि वाल्मीकि की पूजा-अर्चना की। उन्होंने कहा महर्षि वाल्मीकि ने विश्व प्रसिद्ध रामायण की रचना की थी। इसकी वजह से उन्हें विश्व कवि पुकारा जाता रहा था।

डीएम ने कहा वाल्मीकि रामायण में निहित मानव मूल्य, सामाजिक मूल्यों, राष्ट्र मूल्यों के व्यापक प्रचार-प्रसार व जनसामान्य को इससे जोड़ने का कार्य किया जा रहा है। महर्षि वाल्मीकि से संबंधित मंदिरों में दीप प्रज्ज्वलन के साथ-साथ वाल्मीकि रामायण का पाठ किया गया। राम जानकी मंदिर, कलक्ट्रेट परिसर, वाल्मीकि मंदिर ताजपुर कन्नौज, बाबा गौरी शंकर मंदिर कन्नौज, ठाकुरद्वारा मंदिर कन्नौज, राम जानकी मंदिर कन्नौज, श्री दीलेश्वर धाम तिर्वा, प्राचीन ठाकुरद्वारा मंदिर तिर्वा, नीलेश्वर नाथ मंदिर छिबरामऊ, महेश्वर नाथ मंदिर, छिबरामऊ, महर्षि वाल्मीकि मंदिर छिबरामऊ, राम मंदिर छिबरामऊ, गणकामेश्वर नाथ मंदिर छिबरामऊ में वाल्मीकि रामायण का पाठ कराया गया। चयनित मंदिरों पर नोडल अधिकारियों को नामित किया गया था।

राम मंदिर में हुआ वाल्मीकि रामायण का पाठ

गुरसहायगंज में रामायण का पाठ करते तहसीलदार अभिमन्यु सिंह। संवाद

गुरसहायगंज। कस्बे के प्रमुख राम मंदिर में तहसीलदार छिबरामऊ अभिमन्यु सिंह, कानूनगो अमित मिश्रा, लेखपाल दुर्गेश गुप्ता आलोक दुबे आदि ने वाल्मीकि रामायण का पाठ किया। मंदिर के प्रमुख महंत राकेश त्रिवेदी के नेतृत्व में वाल्मीकि रामायण पूजा-पाठ में कई लोगों ने भाग लिया। इसके बाद सुंदरकांड पाठ का आयोजन किया गया। समधन स्थित गोमती देवी आदर्श इंटर कॉलेज में कॉलेज के पूर्व जिलाध्यक्ष विजय मिश्रा, पूर्व बीडीसी प्रभा दुबे, [illegible] संदीप दुबे गुप्ता, प्रधानाचार्य प्रकाश प्रताप सिंह, शिव कुमार वर्मा, सुरेंद्र नाथ मिश्रा [illegible] शर्मा आदि ने लौह पुरुष सरदार वल्लभ भाई पटेल और पूर्व प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी की पुण्यतिथि मनाई। (संवाद)

धूमधाम से मनाई गई वाल्मीकि जयंती

समधन। समधन नगर पंचायत के सफाई कर्मचारियों ने वाल्मीकि जयंती को धूमधाम से मनाया। इस दौरान सफाई नायक नीरज कुमार ने सभी कर्मचारियों को लड्डू का वितरण किया। साथ ही महर्षि के बताए मार्ग पर चलने का संकल्प लिया। (संवाद)

वाल्मीकि रामायण पाठ का आयोजन करवाया

तिर्वा। महर्षि वाल्मीकि की जयंती पर एसडीएम प्रशासन ने कस्बे के दीलेश्वर मंदिर पर समाजसेवियों के सहयोग से वाल्मीकि रामायण पाठ का आयोजन करवाया गया। एसडीएम ने महर्षि वाल्मीकि के चित्र पर माल्यार्पण कर रामायण पाठ की शुरुआत की। मंदिर प्रशासन समेत अन्य लोगों ने वाल्मीकि रामायण को सुना। बताया गया कि महर्षि वाल्मीकि पहले डाकू थे। नारद मुनि के कहने पर वह राम-राम कहने लगे थे। इसके बाद वह राम भक्त हो गए। राम भक्त होने पर उन्होंने श्रीराम कथा संस्कृत में लिख डाली। इसलिए सभी को महर्षि वाल्मीकि से प्रेरणा लेनी चाहिए। (संवाद)

निरीक्षा शाखा
सूचना एवं जनसम्पर्क विभाग, उत्तर प्रदेश

जागरण - कन्नौज

02-Nov-2020

मंदिरो में जले दीप, लोगों ने किया रामायण का पाठ

जनपद में धूमधाम से मनाई गई महर्षि वाल्मीकि जयंती

जागरण संवाददाता, कन्नौज: आदिकवि महर्षि वाल्मीकि जयंती पर पहली बार सभी मंदिरों में दीप जले और अखंड पाठ व संकीर्तन का आयोजन किया गया। वहीं, जिलाधिकारी ने भी महर्षि वाल्मीकि की महिमा का बखान कर उनके बताए मार्ग पर चलने का संकल्प दिलाया।

शनिवार को जिला एवं सत्र न्यायालय स्थित मंदिर पर जिलाधिकारी राकेश कुमार मिश्र ने पूजा-अर्चना की। उन्होंने कहा कि महर्षि वाल्मीकि विश्व के आदि कवि हैं। उन्होंने विश्व प्रसिद्ध कालजयी कृति रामायण महाकाव्य की रचना कर पूरे विश्व को सत्य का पाठ पढ़ाया था। उन्होंने कहा कि वाल्मीकि रामायण में निहित मानव मूल्य, सामाजिक मूल्य व राष्ट्र मूल्यों के व्यापक प्रचार-प्रसार व जनसामान्य को इससे जोड़ने के लिए सभी मंदिरों पर पूजा पाठ का आयोजन किया गया है। छिबरामऊ में एसडीएम देवेंद्र कुमार गुप्त तथा तिर्वा में एसडीएम [illegible] ने भी पूजा- अर्चना कर सुंदरकांड पाठ का आयोजन कराया। इस दौरान कोविड प्रोटोकॉल का पालन किया गया। शाम को सभी मंदिरों पर दीपोत्सव किया गया। महर्षि वाल्मीकि मंदिर ताजपुर नौकास्त में बच्चों ने भी दीप जलाकर आदिकवि से विद्या, बुद्धि और विनय की प्रार्थना की।

इन मंदिरों में पर हुए कार्यक्रम: जनपद में राम जानकी मंदिर [illegible] परिसर, वाल्मीकि मंदिर ताजपुर नौकास्त, बाबा गौरी शंकर मंदिर, ठाकुर राम मंदिर, राम जानकी मंदिर कन्नौज, श्री सिद्धेश्वर धाम तिर्वा, प्राचीन ठाकुरद्वारा मंदिर तिर्वा, गंगेश्वर नाथ मंदिर छिबरामऊ, भोलेश्वर नाथ मंदिर, महर्षि वाल्मीकि मंदिर छिबरामऊ, राम मंदिर, [illegible] नाथ मंदिर छिबरामऊ में वाल्मीकि रामायण का पाठ कराया गया। सभी चयनित मंदिरों पर नोडल अधिकारियों की ड्यूटी लगाई। जनपद के प्रत्येक तहसीलों में चयनित मंदिरों पर विशेष कार्यक्रम किए गए।

[illegible] ● राहुल सक्सेना

नहीं निकली शोभायात्रा

संवाद सहयोगी, तिर्वा: कोविड-19 के प्रभाव को लेकर महर्षि वाल्मीकि की शोभायात्रा नहीं निकाली गई। समुदाय के लोगों ने वाल्मीकि मंदिर में दीपक जलाकर खुशियां मनाई। लोगों ने प्रसाद बांटकर धार्मिक गीतों का गुणगान किया। शनिवार को कस्बे के [illegible] धाम में रामायण का पाठ एक निजी विद्यालय के शिक्षकों ने कराया। कस्बे में प्रतिवर्ष धूमधाम से शोभायात्रा निकाली जाती थी।

निरीक्षा शाखा

सूचना एवं जनसम्पर्क विभाग, उत्तर प्रदेश

हिन्दुस्तान – कन्नौज

02-Nov-2020

वाल्मीकि जयंती पर मंदिरों में गूंजी रामायण और सुंदरकांड की धुन

छिबरामऊ | हिन्दुस्तान संवाद

कोविड-19 का असर इस बार वाल्मीकि जयंती पर भी पूरी तरह दिखाई दिया। शासन की गाइडलाइंस को मद्देनजर रखते हुए वाल्मीकि समाज के लोगों ने शोभायात्रा तो निकाली लेकिन इसमें सिर्फ एक झांकी ही शामिल हुई। इसके अलावा शासन के निर्देश पर शहर के 3 मंदिरों में सुंदरकांड और रामायण का पाठ हुआ। महेश्वरनाथ मंदिर के सेवक पं. संजीत पांडेय ने शोभायात्रा में शामिल लोगों को फल वितरित किए।

शनिवार को वाल्मीकि जयंती पर वाल्मीकि समाज के लोग शहर के पश्चिमी बाईपास स्थित नहर कोठी पर एकत्र हुए। वहां एक रथ पर भगवान वाल्मीकि के स्वरूप में सजाकर पात्र को बिठाया गया था। शोभा यात्रा में इस बार पिछले वर्षों की तरह विभिन्न भगवानों की झांकियां शामिल नहीं हुई थीं। कोविड-19 के प्रभाव के चलते और शासन की गाइडलाइंस के अनुसार वाल्मीकि समाज के लोगों ने भी उसका पूरी तरह पालन किया। न बैंड बाजा और न ही डीजे की धुन सुनाई दी। साधारण रूप से भगवान महर्षि वाल्मीकि शोभा यात्रा पश्चिमी बाईपास से शुरू होकर नगर के मुख्य मार्ग से होते हुए मोहल्ला कसावान के वाल्मीकि मंदिर पर पहुंचकर समाप्त हुई।

शोभायात्रा जब पांची प्रतिमा के आगे पहुंची तो वहां श्रीमहेश्वरनाथ मंदिर के सेवक पंडित संजीत पांडेय, सभासद चंद्रपाल गौतम, सभासद शब्बीर खान ने महर्षि वाल्मीकि का माल्यार्पण किया। साथ ही शोभायात्रा में शामिल लोगों को फल वितरित किए।

इस दौरान एसडीएम देवेंद्र कुमार गुप्ता के अलावा वाल्मीकि समाज के तमाम लोग मौजूद रहे।

महेश्वरनाथ मंदिर में हुआ सुंदरकांड का पाठ: इस बार शासन के निर्देश पर क्षेत्र के राम और हनुमान मंदिरों पर सुंदरकांड रामायण और अखंड पाठ के आयोजन के निर्देश दिए गए थे। उसी के तहत नगर के श्रीमहेश्वरनाथ मंदिर में सुंदरकांड के पाठ का आयोजन किया गया। जबकि मोहल्ला कसावान स्थित महर्षि वाल्मीकि मंदिर और नगेश्वर नाथ मंदिर के अलावा बाबा की बगिया स्थित प्राचीन हनुमान मंदिर में भी रामायण का पाठ किया गया।

रथ पर सवार वाल्मीकि का माल्यार्पण।

उल्टा नाम जपत जगु जाना, वाल्मीकि भए ब्रह्म समाना

छिबरामऊ। वाल्मीकि जयंती के पावन पर्व पर नगर के प्राचीन महेश्वरनाथ मंदिर, नागेश्वरनाथ मंदिर के साथ मोहल्ला कसावान स्थित वाल्मीकि मंदिर पर पूजा अर्चना और रामायण के पाठ के साथ कार्यक्रम का आयोजन किया गया। श्री राम कथा वाचक आचार्य पंडित प्रशांतानंदजी महाराज चंदन ने बताया कि भगवान के नाम के प्रताप से डाकू रत्नाकर महर्षि वाल्मीकि के नाम से जगत में प्रसिद्ध हुए। जिन्हें सनातन धर्म में आदि कवि के नाम से भी जाना जाता है। महर्षि वाल्मीकि का पालन पोषण भील समुदाय में हुआ, जो राहगीरों को लूटने का काम करते थे। एक बार नारद जी के संपर्क में आने के बाद डाकू रत्नाकर पर सत्संग का इतना प्रभाव हुआ कि उन्होंने सारे पाप कर्मों का त्याग कर भगवान नाम का आश्रय लिया। भगवान के नाम के प्रभाव से उनका जीवन इतना परिवर्तित हुआ कि वह आज महर्षि वाल्मीकि रामायण की रचना कर सारे विश्व में मार्गदर्शक बने।

निरीक्षा शाखा
सूचना एवं जनसम्पर्क विभाग, उत्तर प्रदेश

अमर उजाला – प्रयागराज

02-Nov-2020

वाल्मीकि जयंती पर मंदिरों, आश्रमों में रामायण पाठ

चयनित 11 स्थलों पर आयोजन, शाम को दीपोत्सव भी, एसडीएम, एसीएम की लगाई गई थी ड्यूटी, जुटे लोग

अमर उजाला ब्यूरो

ऋषिकुल विद्यालय में महर्षि वाल्मीकि को नमन करते भाजपाई।

माल्यार्पण करते पुलिस के वरिष्ठ अधिकारी।

बड़े हनुमान मंदिर परिसर में दीपोत्सव का आयोजन हुआ।

प्रयागराज। महर्षि वाल्मीकि जयंती पर शनिवार को मंदिरों आश्रमों समेत अनेक स्थलों पर विविध आयोजन हुए। जिला प्रशासन की ओर से भी इस मौके पर चयनित 11 स्थलों पर वाल्मीकि रामायण का पाठ तथा अन्य आयोजन कराए गए। मंदिरों और आश्रमों में शाम को दीपोत्सव का आयोजन भी हुआ। इस दौरान बड़ी संख्या में श्रद्धालु मौजूद रहे। आयोजन एसडीएम और एसीएम की अगुवाई में हुए।

शासन की ओर से 27 अक्तूबर को महर्षि वाल्मीकि से जुड़े स्थलों, भगवान राम एवं हनुमान मंदिरों में आयोजन का निर्देश दिया गया था। इसी क्रम में जिले में सात छोटा-शृंग ऋषि मंदिर आश्रम, शृंगवेरपुर धाम, भरद्वाज आश्रम, संगम स्थित लेटे हनुमानजी, हंडिया में लाक्षागृह, बारा के लालापुर स्थित मनकामेश्वर मंदिर, फूलपुर के ककरा दुबावल स्थित दुर्वासा ऋषि आश्रम, मेजा में पाल्हे पुर स्थित ब्रह्म मुनिदेव धाम, औरैं में चक्र माधव मंदिर, आदि वेणी माधव, तक्षकेश्वर नाथ, करछना स्थित वाल्मीकि आश्रम में वाल्मीकि रामायण पाठ, भजन आदि आयोजन हुए। शासन की ओर से आठ घंटे, 12 घंटे और 24 घंटे के रामायण पाठ का निर्देश दिया गया था। अफसरों का कहना है कि तैयारी के लिए कम समय मिला, इसलिए आठ और 12 घंटे के रामायण पाठ का आयोजन ही सका। आयोजन के नोडल अधिकारी एडीएम प्रशासन विजय शंकर दुबे ने बताया कि आयोजन सकुशल संपन्न हुए।

वाल्मीकि की मंत्री ने उतारी आरती

प्रयागराज। राजापुर स्थित ऋषिकुल उच्चतर माध्यमिक विद्यालय परिसर में स्थित मंदिर में कैबिनेट मंत्री सिद्धार्थनाथ सिंह ने महर्षि वाल्मीकि की आरती उतारी। पर्यटन विभाग की ओर से धर्म क्षेत्र हंडिया स्थित लाक्षागृह में पर्यटन विकास समिति [illegible] वाल्मीकि जयंती मनाई गई। समिति के संस्थापक ओंकार नाथ त्रिपाठी ने महर्षि वाल्मीकि के रामायण ग्रंथ पर चर्चा की। इसी तरह तक्षक तीर्थ दारागंज में भी महर्षि वाल्मीकि जयंती पर राम चरित मानस का पाठ किया गया। राजापुर स्थित ऋषिकुल उच्चतर माध्यमिक विद्यालय में अखिल भारतीय वाल्मीकि नवयुवक संघ की ओर से जयंती मनाई गई। [illegible] धार्मिक गोष्ठी में महर्षि वाल्मीकि के व्यक्तित्व-कृतित्व पर रोशनी डाली गई।

निरीक्षा शाखा
सूचना एवं जनसम्पर्क विभाग, उत्तर प्रदेश

हिन्दुस्तान - प्रयागराज

02 Nov 2020

वाल्मीकि रामायण के सुंदरकांड का मंदिरों में हुआ भव्य पाठ

श्रीराम व हनुमान के गुणगान में जुटा शहर

प्रयागराज | वरिष्ठ संवाददाता

महर्षि वाल्मीकि जयंती पर शनिवार को सुंदरकांड का पाठ कराया गया। शासन के निर्देश पर प्रशासन ने जिले के 11 स्थानों पर कार्यक्रम का आयोजन किया गया। हर कोई राम-जानकी और हनुमान के रंग में डूबा दिखा। मंदिरों में सुबह नौ बजे से सुंदरकांड पाठ शुरू हुआ। संकल्प के पाठ में पांच से छह घंटे का समय लगा और फिर दीपदान किया गया।

प्रशासन की ओर से शनिवार को श्रद्धापूर्वक मनाई गई। शहर के तीन स्थानों को वाल्मीकि रामायण के पाठ के लिए चुना गया। शनिवार का दिन होने के कारण सभी जगह सुंदरकांड का पाठ किया गया। भरद्वाज मंदिर में प्रशासन की टीम पहुंची। यहां आयोजन की जिम्मेदारी समाज कल्याण अधिकारी प्रवीण सिंह को दी गई। सुबह नौ बजे कार्यक्रम की शुरुआत हो गई। पुरोहितों की टीम ने जब सुंदरकांड में हनुमानजी की महिमा का बखान किया तो लोग भक्ति के रंग में डूब गए। लाउड स्पीकर पर आवाज दूर तक सुनाई दी। वहीं, बड़े हनुमान मंदिर परिसर में बाल विकास एवं पुष्टाहार विभाग की टीम पहुंची। यहां आदर्श मिश्रा, कुसुम साहू, सरोज सिंह, उर्मिला देवी, रेणुका शर्मा, गीता मिश्रा, किरण सिंह, पुष्पा देवी, रजनी, रश्मि देवी, लक्ष्मी देवी आदि ने पाठ में हिस्सा लिया। डीपीओ मनोज राव, राजेंद्र त्रिपाठी विभाग की ओर से लगातार मौजूद रहे। तक्षकतीर्थ दरियाबाद में कार्यक्रम सुबह से शुरू हुआ। नोडल अधिकारी उप निदेशक पर्यटन दिनेश कुमार ने बताया कि सभी जगह पर कार्यक्रम धूमधाम से हुआ। लाइट और साउंड सिस्टम लगाया गया।

भरद्वाज मंदिर में जिला प्रशासन की ओर से महर्षि वाल्मीकि जयंती पर वाल्मीकि रामायण पाठ किया गया। • हिन्दुस्तान

आजादी के बाद पहली बार हुआ ऐसा भव्य आयोजन

पहली बार वाल्मीकि जयंती पर इस प्रकार का आयोजन देखकर लोग गदगद हुए। भरद्वाज आश्रम के पास रहने वाले विवेक गुप्ता ने कहा कि यहां पर तमाम आयोजन हुए। ऐसा आयोजन पहली बार देखा। गायत्री शुक्ला ने कहा कि आनंद भवन और इलाहाबाद विश्वविद्यालय करीब होने के कारण अक्सर यह स्थान राजनीतिक कार्यक्रमों के लिए ही जाना जाता है। अब तक ऐसा आयोजन नहीं हुआ। सुबह से मंदिर में शंख ध्वनि सुनाई दे रही है। साउंड सिस्टम पर श्रीराम के जयघोष हो रहे हैं। यह सुखद अनुभूति है।

निरीक्षा शाखा

सूचना एवं जनसम्पर्क विभाग, उत्तर प्रदेश

जागरण – प्रयागराज

02 Nov 2020

मंदिरों में रामायण पाठ और हुआ दीपदान

जागरण संवाददाता, प्रयागराज : महर्षि वाल्मीकि जयंती के मौके पर शनिवार को 11 स्थलों व मंदिरों पर दीपदान, भजन और वाल्मीकि रामायण का पाठ हुआ। जिला प्रशासन की ओर से हुए आयोजन में लोगों ने बढ़चढ़कर हिस्सा लिया।

प्रयागराज में भगवान राम से जुड़े स्थलों पर शनिवार को धूमधाम से वाल्मीकि जयंती मनाई गई। प्रशासन की ओर से श्रृंगवेरपुर धाम, भारद्वाज आश्रम, लेटे हनुमान मंदिर, महाभारत कालीन लाक्षागृह स्थल हंडिया, मनकामेश्वर मंदिर लालापुर, दुर्वासा ऋषि आश्रम ककरा दुबावल फूलपुर, ब्रह्म सुदिष्ट धाम परानीपुर मेजा, श्रीचक्र माधव मंदिर अरैल, श्रीआदि वेणी माधव अरैल, श्रीतक्षकेश्वर नाथ तक्षक तीर्थ दरियाबाद, वाल्मीकि आश्रम गढ़ैला करछना में जयंती के मौके पर वाल्मीकि रामायण का पाठ और दीपदान किया गया। एसडीएम, डीपीआरओ और बीडीओ की निगरानी में हुए कार्यक्रम में क्षेत्रीय लोगों ने सहभागिता की।

बड़ा हनुमान मंदिर त्रिवेणी संगम के पास महर्षि वाल्मीकि जयंती के उपलक्ष्य में दीपदान के बाद मौजूद लोग •सौजन्य: डीपीआरओ

निरीक्षा शाखा
सूचना एवं जनसम्पर्क विभाग, उत्तर प्रदेश

अमर उजाला – बस्ती

02-Nov-2020

वाल्मीकि जयंती पर हुआ रामायण पाठ

संवाद न्यूज एजेंसी

बस्ती। ओम साईं धाम मंदिर परिसर में महर्षि वाल्मीकि जयंती पर रामायण पाठ का आयोजन हुआ। मंत्रोच्चार व पूजन के साथ शनिवार सुबह पाठ का शुभारंभ किया गया।

रामायण पाठ अवध बिहारी पांडेय, अयोध्या धाम से आए पं. मोहित शास्त्री व पं. आकाश वैदिक ने किया। पाठ का समापन देर शाम को हवन के साथ हुआ। सूचना एवं जनसंपर्क विभाग की ओर से पंजीकृत सांस्कृतिक दल रामभवन यादव एंड पार्टी व जोखूलाल यादव एंड पार्टी ने वाल्मीकि के जीवन को गीतों के माध्यम से प्रस्तुत किया। इस मौके पर अधिशासी अधिकारी नगर पालिका अखिलेश त्रिपाठी, पुजारी त्रियुगी नारायण द्विवेदी, परशुरामपुर प्रतिनिधि ब्लॉक क्षेत्र के अध्यक्ष राजेंद्र मोदनवाल, रोहित शर्मा, किशन गुप्ता, राहुल शर्मा, दीपक श्रीवास्तव, अमरजीत सिंह, संजय अग्रवाल आदि मौजूद रहे।

मखौड़ाधाम में महर्षि वाल्मीकि जयंती मनाते लोग। अमर उजाला

वाल्मीकि के जीवन को गीतों के माध्यम से प्रस्तुत किया

शांता देवी मंदिर परिसर श्रृंगीनारी व राजजानकी मंदिर मखौड़ा में वाल्मीकि जयंती मनाई गई। मखौड़ा धाम में बीडीओ रामरेखा सरोज व बीईओ श्याम बिहारी ने महर्षि वाल्मीकि को श्रद्धासुमन अर्पित किया। पुजारी सूरजदास आदि मौजूद रहे। श्रृंगीनारी में सुंदर कांड का पाठ हुआ। इस मौके पर लालजी पांडेय, जगदम्बा पांडेय, राजू पांडेय, दिनेश पांडेय, दीपू, लवकुश गुप्ता आदि मौजूद रहे।

निरीक्षा शाखा
सूचना एवं जनसम्पर्क विभाग, उत्तर प्रदेश

महर्षि वाल्मीकि ने भारतीय समाज को दी नई दिशा

महराजगंज के नरायनपुर तिवारी में शनिवार को आयोजित महर्षि वाल्मीकि जयंती समारोह में सुंदरकांड का पाठ करते श्रद्धालु।

कप्तानगंज | हिन्दुस्तान संवाद

महर्षि वाल्मीकि जयंती के अवसर पर नारायणपुर तिवारी महाराजगंज हनुमान गढ़ी मंदिर पर समारोह का आयोजन हुआ। श्रद्धालुओं ने सुंदरकांड पाठ कर महर्षि वाल्मीकि के समाज में किए गए योगदान पर चर्चा किया। वक्ताओं ने कहा कि महर्षि वाल्मीकि ने भारतीय समाज को नई दिशा दी। इस मौके पर हवन व्याय बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं ने प्रसाद ग्रहण किया।

कप्तानगंज विकास खण्ड के ग्राम पंचायत धर्म सिंहपुर महाराजगंज की ओर से नरायनपुर तिवारी महाराजगंज हनुमान गढ़ी मंदिर पर भव्य आयोजन कर महर्षि वाल्मीकि जयंती मनाई गई। महर्षि वाल्मीकि के चित्र पर माल्यार्पण कर संगीतमयी सुंदरकांड पाठ किया। प्रशिक्षु मजिस्ट्रेट/बीडिओ कप्तानगंज विनय कुमार सिंह एवं तहसीलदार हरैया चंद्रभूषण प्रताप भी मौके पर पहुंचे।

मंत्रोच्चार के साथ हुआ रामायण का पाठ

बस्ती। महर्षि वाल्मीकि की जयंती त्रिपाठी गली स्थित ओम साईं धाम मंदिर में राम चरित मानस का पाठ कर मनाया गया। इसका शुभारम्भ मंत्रोच्चार एवं पूजन के साथ प्रातः नौ बजे से किया गया। रामायण का पाठ पंडित अवध बिहारी पाण्डेय, अयोध्या धाम से आए पंडित मोहित शास्त्री तथा पंडित आकाश वैदिक ने किया। पाठ का समापन देर शाम तक हवन के साथ पूर्ण हुआ।

कीर्तन मंडली ने मानस आरती के साथ कार्यक्रम का समापन किया। प्रमुख रूप से ग्राम प्रधान विनोद गुप्ता के अलावा समाजसेवी इंजीनियर वीरेंद्र कुमार मिश्र, सुनील कुमार, अर्जुन गुप्ता, पवन कसौधन, शिवम तिवारी, कृष्णानी यादव, धर्मेंद्र सिंह, ध्रुव चंद कसौधन आदि मौजूद रहे।

जयंती पर याद किए गए महर्षि वाल्मीकि

जासं, बस्ती : महर्षि वाल्मीकि की जयंती शनिवार को समारोह पूर्वक मनायी गयी। त्रिपाठी गली स्थित ओम साई धाम मंदिर में रामायण का पाठ किया गया। शुभारंभ मंत्रोच्चार एवं पूजन के साथ सुबह नौ बजे किया गया। रामायण पाठ पं.अवध बिहारी पांडेय, अयोध्या धाम से आये पं. मोहित शास्त्री तथा पं.आकाश ने कराया। कार्यक्रम हवन के साथ पूर्ण हुआ।

सूचना एवं जनसंपर्क विभाग की ओर से पंजीकृत सांस्कृतिक दल रामभवन यादव एंड पार्टी तथा ओमखुलाल यादव एंड पार्टी ने महर्षि बाल्मिकी के जीवन चरित्र एवं कृतित्व पर प्रकाश डालते हुए गीत-संगीत का मधुर कार्यक्रम प्रस्तुत किया। अधिशासी अधिकारी नगर पालिका अखिलेश त्रिपाठी, पुजारी त्रियुगी नारायण द्विवेदी, अध्यक्ष राजेंद्र मोदनवाल, रोहित शर्मा, किशन गुप्ता, प्रबंधक राजा भैया, राहुल शर्मा मौजूद रहे।

वाल्मीकि जयंती पर रामजानकी मंदिर गायघाट में अखंड रामायण पाठ करते आचार्य शुभम व ग्रामीण • जागरण

महर्षि वाल्मीकि जयंती पर रामायण पाठ

जासं, गायघाट,बस्ती : कुदरहा ब्लाक के पांऊ व गायघाट में राम जानकी मंदिर परिसर में शनिवार को महर्षि वाल्मीकि जयंती के अवसर पर पूजा अर्चना कर अखंड रामायण पाठ का शुभारंभ किया गया। आचार्य शुभम ने कहा कि महर्षि वाल्मीकि ने आदिकाव्य रामायण की रचना कर लोगों को सत्य एवं कर्तव्य परायणता पर चलने का मार्ग दिखाया है। भगवान श्रीराम की गाथा को देश दुनिया में पहुंचाने का श्रेय महर्षि वाल्मीकि को जाता है। पांऊ ग्राम प्रधान अभिषेक पांडे ने बताया कि सरकार के निर्देश के अनुसार इस साल 31 अक्टूबर को महर्षि वाल्मीकि जयंती के पावन दिवस मनाने का अवसर आया। इस दौरान भंडारे का भी आयोजन किया गया। मौके पर प्रधान प्रतिनिधि राजेंद्र प्रसाद उर्फ लाला,पुजारी रविंद्र नाथ,नागा बाबा आदि लोग मौजूद रहे।

निरीक्षा शाखा
सूचना एवं जनसम्पर्क विभाग, उत्तर प्रदेश

महर्षि वाल्मीकि की मनाई गई जयंती

जागरण टीम, संतकबीर नगर : महर्षि वाल्मीकि जयंती पर शनिवार को जिले में उत्साह का माहौल रहा। कोविड-19 के प्रोटोकाल का पालन करते हुए कार्यक्रम आयोजित किए गए। सरकारी दफ्तरों से लेकर शैक्षिक संस्थानों में उनके जीवन वृत्त पर प्रकाश डाला गया। अनेक ग्राम पंचायतों में अखंड रामायण व सुंदरकांड का पाठ हुआ।

खलीलाबाद के मड़या काली मंदिर में सुबह पूजन-अर्चन हुआ। डीआइओएस कार्यालय में अधिकारियों व कर्मचारियों ने महर्षि वाल्मीकि के चित्र पर पुष्प अर्पित करके नमन किया। कुड़ीलाल सरस्वती विद्या मंदिर इंटरमीडिएट कालेज खलीलाबाद पर आयोजित कार्यक्रम में प्रधानाचार्य अनिरुद्ध सिंह ने कहा कि महर्षि वाल्मीकि अपने कार्यों से पूजनीय बने। मेंहदावल के ग्राम पंचायत जमुअरिया में अखंड रामायण पाठ हुआ। इसी प्रकार जनता वैदिक स्नातकोत्तर महाविद्यालय मेंहदावल पर सुंदर कांड का पाठ हुआ। संरक्षक गजेंद्र नाथ राय, जयकुमार पांडेय, डा. अजय त्रिपाठी समेत अनेक

महर्षि वाल्मीकि के चित्र पर पुष्प अर्पित करते सीडीओ अतुल मिश्र • जागरण

लोग मौजूद रहे। जिले के अनेक ग्राम पंचायतों में रामायण पाठ का आयोजन किया गया। परिषद के विद्यालयों के साथ ही सभी विद्यालयों पर महर्षि वाल्मीकि के चरणों में नमन किया गया। ब्लूमिंग बड्स एकेडमी पर प्रबंध निदेशक वैभव चतुर्वेदी ने सुंदरकांड पाठ शुभारंभ कराया। कहा कि रामायण की रचना के साथ ही उनके ही आश्रम में मर्यादा पुरुषोत्तम भगवान राम के दोनों पुत्र लव और कुश की शिक्षा-दीक्षा हुई थी। उनके आदर्शों से यह सीख मिलती है कि गलतियों को सुधार कर व्यक्ति कभी भी महान बन सकता है। अजय भारद्वाज आदि मौजूद रहे। ग्रामीण अंचलों में भी वाल्मीकि जयंती मनाई गई। सांथा, नंदौर, मेंहदावल, हैसर, पौली, धनघटा, मगहर, धर्मसिंहवा, बखिरा, बेलहरसंगर, बेलहर आदि क्षेत्रों में सुबह से ही लोग महर्षि को नमन करने में जुटे रहे। कलेक्ट्रेट, विकास भवन, बेसिक शिक्षा अधिकारी कार्यालय, सेल टैक्स कार्यालय, लोकनिर्माण विभाग, जिले की तीनों तहसीलों पर भी जयंती मनाई गई। सांथा ब्लाक के ग्राम पंचायत जमया में सुंदरकांड का पाठ करके हवन किया गया। जनपद के सभी विकासखंड कार्यालयों में भी पूजन-अर्चन किया गया।

भारतीय संस्कृति के मानदंड हैं वाल्मीकि: जय चौबे : तामेश्वरनाथ मंदिर पर विधायक दिग्विजय नारायण उर्फ जय चौबे ने अखंड रामायण पाठ करवाया। पूजन के बाद उन्होंने कहा कि केंद्र और प्रदेश सरकार ने समाज को सही दिशा दिखाने वाले महर्षि वाल्मीकि की जयंती को व्यापक रूप से मनाने के लिए एक सप्ताह पहले ही निर्देश जारी कर दिए थे। भारतीय संस्कृति में वाल्मीकि के योगदान को कभी भुलाया नहीं जा सकता है। उन्होंने महर्षि के चित्र पर माल्यार्पण किया। सहकारी बैंक के चेयरमैन नागेंद्र भारती आदि मौजूद रहे।

हिन्दुस्तान – संतकबीर नगर

02-Nov-2020

वाल्मीकि जयंती पर तामेश्वरनाथ, हैहेश्वरनाथ और बैजूनाथ धाम में किया गया भव्य आयोजन

रोशनी से नहाए मंदिरों में हुआ रामायण पाठ

संतकबीरनगर | निज संवाददाता

[illegible]

[illegible]

[illegible]

आमी तट 1051 दीप जलाकर हुई आरती

[illegible]

कंकड़ेश्वर नाथ मंदिर के आयोजन में बीडीओ पहुंचे

[illegible]

जनता वैदिक पीजी कॉलेज में हुआ सुंदरकांड का पाठ

[illegible]

निरीक्षा शाखा

सूचना एवं जनसम्पर्क विभाग, उत्तर प्रदेश

हर्षोल्लास के साथ मनाई गई महर्षि वाल्मीकि जयंती

राम-जानकी एवं हनुमान मंदिरों में आयोजित हुआ रामायण पाठ, जिले में जगह-जगह हुए विभिन्न कार्यक्रम

जयंती पर हुआ राम चरित मानस का पाठ

हिन्दुस्तान – प्रतापगढ़

03 Nov 2020

वाल्मीकि जयंती पर रामायण पाठ

प्रतापगढ़ | निज संवाददाता

आदि रामायण के रचयिता महर्षि वाल्मीकि की जयंती शनिवार को पूरे जिले में धूमधाम से मनाई गई। शहर से लेकर ग्रामीण इलाके के मंदिरों पर रामायण पाठ के साथ पूजा-अर्चना की गई। इसमें अफसर, समाजसेवी व जनप्रतिनिधि शामिल रहे।

शहर के प्रमुख मंदिर बेल्हा देवी धाम पर कार्यक्रम की शुरुआत दीप प्रज्ज्वलन व महर्षि के चित्र पर माल्यार्पण से हुई। इसके बाद रामायण पाठ किया गया। आयोजन में पहुंचे डीएम डॉ. रूपेश कुमार ने रामायण पाठ किया और पूजन अर्चन कर महर्षि के चित्र पर माल्यार्पण किया। उन्होंने कहा कि महर्षि भारतीय संस्कृति, सामाजिक मूल्यों, मानव मूल्यों व राष्ट्र मूल्यों के चिंतक थे। उन्होंने रामायण जैसे सांस्कृतिक महाकाव्य रचना की जिसके माध्यम से मानव मूल्य समाज में आज भी महत्वपूर्ण मार्गदर्शन मिल रहा है। उनका आदर्श मूल्य आज भी अनुकरणीय है, वह विश्व के आदि कवि हैं। उनका रचित महाकाव्य रामायण आज भी पूजनीय है जो व्यक्ति, समाज व राष्ट्रीय मूल्यों के निर्माण में वैश्विक स्तर पर मार्गदर्शन का आधार है। वहां से डीएम [illegible] मंदिर [illegible] पहुंचे और महर्षि के चित्र पर माल्यार्पण कर पूजन अर्चन किया। इस दौरान सीडीओ अश्वनी कुमार पांडेय, एडीएम शत्रोहन वैश्य, एसडीएम सदर [illegible] गुप्ता, नगर पालिका के अधिशासी अधिकारी मुदित सिंह, विनय कुमार आदि मौजूद रहे।

महर्षि वाल्मीकि जयंती पर बेल्हा देवी में स्थित प्रतिमा का पूजन करते डीएम डॉ. रूपेश कुमार। • हिन्दुस्तान

नोडल अधिकारियों के नेतृत्व में हुए कार्यक्रम : महर्षि वाल्मीकि की जयंती भव्य रूप से मनाने के लिए डीएम ने जिलेभर के मंदिरों में नोडल अधिकारी नामित किया था। ऐसे में शनिवार सुबह से ही मंदिरों पर कार्यक्रम शुरू हो गए थे। इसमें दहिलामऊ स्थित महर्षि वाल्मीकि मंदिर, देवघाट मंदिर, हनुमान मंदिर [illegible], शिवमंदिर अमरगढ़ बाजार, बाराही देवी धाम मंदिर, रानीगंज स्टेट बैंक के सामने स्थित हनुमान मंदिर, हनुमान मंदिर सांगीपुर, कालाकांकर में गंगा के किनारे स्थित हनुमान मंदिर प्रमुख रहे।

हिन्दुस्तान – सिद्धार्थनगर

10 Nov 2020

महर्षि वाल्मीकि जयंती पर हुआ भजन-कीर्तन

बढ़नी। महर्षि वाल्मीकि जंयती के अवसर पर क्षेत्र के ढेकहरी बुजुर्ग गांव के प्राचीन मंदिर पर भजन–कीर्तन का आयोजन किया गया। बीडीओ सतीश कुमार सिंह व एसओ तहसीलदार सिंह पहुंच कर भजन कीर्तन में श्रद्धालुओं के साथ कीर्तन गाया। इस दौरान चौकी इंचार्ज महेश सिंह, रविंद्र सिंह, ग्राम प्रधान संजू देवी, रिंकू चौधरी, टिंकू चौधरी, फूलचंद अग्रहरि, रमेश अग्रहरि, रामसूरत चौरसिया, विकास, श्याम सलोने सहित अन्य लोग भी भजन–कीर्तन में जमे रहे।

निरीक्षा शाखा
सूचना एवं जनसम्पर्क विभाग, उत्तर प्रदेश

जागरण – सिद्धार्थनगर

02-Nov-2020

जयंती | जगह-जगह मनाई गई वाल्मीकि जयंती, आयोजित हुए कार्यक्रम

समाज के लिए प्रकाश स्तम्भ हैं महर्षि वाल्मीकि

जागरण टीम, सिद्धार्थनगर: महर्षि वाल्मीकि जयंती शनिवार को पूरे जिले में विविध रूप में मनाई गई। कई जगहों पर हवन पूजन किया गया तो कहीं पर संगोष्ठी आदि के माध्यम से महर्षि के विचारों जीवन में अपनाने पर संकल्प दोहराया गया।

जिला मुख्यालय से लगायत सभी तहसील क्षेत्रों में कार्यक्रम का आयोजन किया गया। हनुमानगढ़ी मंदिर व विकास भवन में वाल्मीकि व सरदार वल्लभ भाई पटेल की जयंती एक साथ मनाई गई। मंदिर में हवन पूजन के बीच धार्मिक अनुष्ठान किया गया। साथ ही रामायण में वर्णित विचारों पर चर्चा करते हुए जीवन में उतारने का संकल्प लिया गया।

बांसी नगर के शीतलगंज तिराहा स्थित राम जानकी व पंचशिखा मंदिर पर महर्षि वाल्मीकि जयंती धूमधाम से मनाई गई। सीडीओ पुलकित गर्ग व ज्वाइंट मजिस्ट्रेट बांसी भी पहुंचे। महर्षि के चित्र पर दीप प्रज्वलित कर उन्हें नमन किया। महंत हनुमान दास बाबा, पूर्व प्राचार्य प्रोफेसर केपी त्रिपाठी, डा. बीएन त्रिपाठी, सुरेंद्र श्रीवास्तव, बृजबिहारी शुक्ला आदि मौजूद रहे। इटवा तहसील के हरिजोत चौराहा पर महर्षि वाल्मीकि जयंती मनाई गई। हनुमान गढ़ी मंदिर में विभिन्न धार्मिक आयोजन हुआ। शुभारंभ खण्ड विकास अधिकारी सतीश कुमार पाण्डेय ने किया।

बांसी के शीतलगंज स्थित राम जानकी मंदिर पर महर्षि वाल्मीकि जयंती पर पुष्प अर्पित करते सीडीओ पुलकित गर्ग • जागरण

महर्षि वाल्मीकि के चित्रों पर किए पुष्प अर्पित, हवन-पूजन के साथ उनके विचारों को अपनाने का लिया संकल्प

सहायक विकास अधिकारी श्रीनिवास सिंह व एडीओ (आइएसबी) सुनील कुमार उपस्थित रहे। भजन मंडली के कलाकारों में गौरव श्रीवास्तव, सुनील ओझा, इंद्रजीत उपाध्याय, सर्वेश मिश्र, बृजेश पाण्डेय, गंगोत्री पाण्डेय, रवि ने भजन गीतों से समां बांधा। शोहरतगढ़ तहसील परिसर में एसडीएम की अगुवाई में महर्षि वाल्मीकि जयंती मनाई गई। रामायण, सुंदरकांड, हनुमान चालीसा आदि का पाठ किया गया। नायब तहसीलदार अवधेश कुमार राय, रमेश जायसवाल, अशोक आदि मौजूद रहे।

निरीक्षा शाखा
सूचना एवं जनसम्पर्क विभाग, उत्तर प्रदेश

हिन्दुस्तान -- फतेहपुर

02-Nov-2020

महर्षि वाल्मीक जयंती पर रामायण पाठ में गूंजा राम-नाम, किया नमन

आयोजन

[illegible]

[illegible]

[illegible]

महर्षि के आदर्शों पर चलने का दोहराया संकल्प

[illegible]

निरीक्षा शाखा
सूचना एवं जनसम्पर्क विभाग, उत्तर प्रदेश

राष्ट्रीय सहारा – फतेहपुर

02-Nov-2020

जयंती पर याद किये गये सरदार पटेल

फतेहपुर (एसएनबी)। लौह पुरुष सरदार वल्लभ भाई पटेल की 145वीं जयंती के मौके पर जिले में विभिन्न कार्यक्रमों का आयोजन किया गया। पटेल फाउण्डेशन तथा पटेल सेवा संस्थान द्वारा आयोजित हुये कार्यक्रमों में सरदार पटेल की पटेल नगर स्थित प्रतिमा पर माल्यार्पण किया गया। पटेल फाउण्डेशन द्वारा आयोजित कार्यक्रम में केन्द्रीय ग्रामीण विकास राज्यमंत्री साध्वी [illegible]

पटेल फाउण्डेशन ने निकाली पदयात्रा, महापुरुषों की प्रतिमाओं पर किया माल्यार्पण

पटेल सेवा संस्थान में आयोजित हुई गोष्ठी, 60 मेधावियों का हुआ सम्मान

श्रम कार्यालय व व्यापार मण्डल कार्यालय में भी याद किये गये लौह पुरुष

[illegible]

[illegible]

[illegible]

निरीक्षा शाखा
सूचना एवं जनसम्पर्क विभाग, उत्तर प्रदेश

अमर उजाला – झांसी

03 Nov 2020

अफसरों ने किया रामायण का पाठ, शोभायात्रा में गूंजे जयकारे

धूमधाम से मनाई गई महर्षि वाल्मीकि की जयंती, कमिश्नर ने पंचमुखी महादेव मंदिर में किया पाठ

बबीना में भी निकाली शोभायात्रा, मेधावियों का किया सम्मान

निरीक्षा शाखा

सूचना एवं जनसम्पर्क विभाग, उत्तर प्रदेश

हिन्दुस्तान - झांसी
02 Nov 2020

डीएम ने शोभायात्रा को दिखाई हरी झण्डी, कमिश्नर ने रामायण पाठ कर महर्षि की पूजा-अर्चना की, शाम को कार्यक्रम का किया शुभारम्भ

शोभायात्रा के साथ शहर में धूमधाम से मनाई गई महर्षि बाल्मीकि जयंती

झांसी | निज संवाददाता

वाल्मीकि मंदिर से शोभायात्रा को हरी झण्डी दिखाकर रवाना करते डीएम आंद्रा वामसी।

शोभा यात्रा में सुसज्जित भगवान महर्षि वाल्मीकि के साथ भगवान के स्वरूप। • हिन्दुस्तान

महर्षि वाल्मीकि जयंती पर शनिवार शहर में भव्य शोभायात्रा निकाली गई। डीएम आंद्रा वामसी एवं नगर आयुक्त अवनीश राय ने शोभा यात्रा को हरी झण्डी दिखाकर रवाना किया। इससे पूर्व डीएम ने महर्षि वाल्मीकि मंदिर पहुंचकर महर्षि की पूजा अर्चना की। महर्षि वाल्मीकि जन्मोत्सव समिति के तत्वावधान में आयोजित तीन दिवसीय कार्यक्रम में शाम मेधावी छात्र-छात्राओं का अभिनंदन समारोह के साथ ही समाज के लोगों का सम्मान के अलावा अन्य कार्यक्रमों का आयोजन किया गया। वहीं वाल्मीकि जयंती की पूर्व संध्या पर कमिश्नर ने रामायण पाठ कर महर्षि की पूजा-अर्चना की।

महर्षि वाल्मीकि जन्मोत्सव के अध्यक्ष राकेश [illegible] की अध्यक्षता में सुबह से महर्षि वाल्मीकि मंदिर में सुंदरकाण्ड के साथ अन्य धार्मिक कार्यक्रमों का आयोजन किया गया। दोपहर करीब साढ़े 12 बजे डीएम आंद्रा वामसी ने नया नियम [illegible] स्थित महर्षि वाल्मीकि मंदिर पहुंचकर पूजा-अर्चना के बाद शोभा यात्रा को हरी झण्डी दिखाकर रवाना किया। शोभा यात्रा इलाइट चौराहे होते हुए गोविन्द चौराहा, सैंयर गेट, ओरछा गेट, सुभाष गंज, बड़ाबाजार, मानिक चौक, कोतवाली, खण्डेराव गेट, [illegible] होते हुए नया नियम पहुंची। शोभा यात्रा में महर्षि वाल्मीकि के साथ ही भगवान राम, लक्ष्मण की सुन्दर झांकियां चल रही थी। शोभा यात्रा का जगह-जगह स्वागत किया गया।

इससे पूर्व जन्मोत्सव समिति के मुख्य संयोजक अशोक ध्यानी ने डीएम को फूल माला एवं पगड़ी पहनाकर महाराजा के प्रतीक चिह्न चांदी की तलवार भेंट की। शाम को आयोजित कार्यक्रम में मेधावियों को सम्मान समारोह के साथ ही जनपद में महर्षि वाल्मीकि जयंती धूमधाम से मनायी गयी। इससे पूर्व जयंती की पूर्व संध्या पर मण्डलायुक्त सुभाष चंद शर्मा ने श्री श्री 1008 श्री पंचमुखी महादेव मन्दिर स्थित राम मन्दिर में वाल्मीकि रामायण का अखण्ड पाठ विधि विधान से प्रारम्भ कराया।

उन्होंने इस अवसर पर महर्षि वाल्मीकि रामायण का पाठ भी किया। इस मौके पर बालकृष्ण [illegible], कन्हैयालाल कठेरिया, सूरज [illegible], [illegible], सुभाष माते, मुकेश ठेकेदार, कैलाश खरे, कुलदीप पहलवान, [illegible], माधव कठेरे, ओम प्रकाश बड़े, रामजीलाल कठेरिया, प्रीतम कठेरे, जितेन्द्र [illegible], संजय पहलवान, शम्भू [illegible] सहित भारी संख्या में पदाधिकारी मौजूद थे। इसके अलावा मुख्यालय में श्री राम मन्दिर, श्री हनुमान मन्दिर व महर्षि वाल्मीकि मन्दिर पर विधि विधान से रामायण पाठ व भजन कीर्तन का आयोजन किया गया। श्री राम जानकी मन्दिर [illegible] तथा पंचमुखी हनुमान मन्दिर सिविल लाइन पर भी पूजा अर्चना के साथ भजन-कीर्तन आदि कार्यक्रम किया गया।

इस अवसर पर अपर आयुक्त आरपी सिंह, नगर आयुक्त अवनीश कुमार राय, एडीएम [illegible] प्रसाद, एडीएम [illegible] चौहान, अपर नगर आयुक्त [illegible], नोडल अधिकारी अतुल दीक्षित, प्रभारी [illegible], अभिषेक सिंह सहायक [illegible] सहित अन्य अधिकारी व कर्मचारी उपस्थित रहे। वहीं [illegible] नगर पंचायत में महर्षि वाल्मीकि जयंती मनाई गई। इस मौके पर पार्षद प्रदीप शुक्ला ने कहा कि महर्षि वाल्मीकि ने पहले रामायण की रचना कर लोगों को धर्म व मानवता का संदेश देकर सद्मार्ग पर चलने को प्रेरित किया।

सभी को महर्षि वाल्मीकि के बताये मार्ग का अनुसरण करना चाहिये।

हवन पूजन के साथ मनाई गई बाल्मीकि जयंती

जासं, उरई : महर्षि बाल्मीकि की जयंती शनिवार को भक्तिभाव के साथ मनाई गई। गोपाल गंज स्थित मंदिर में हवन, पूजा पाठ किया गया और प्रसाद वितरित किया गया। शनिवार को सुबह समाजवादी अनुसूचित प्रकोष्ठ के जिलाध्यक्ष जीवन प्रताप बाल्मीकि ने भक्तों के साथ महर्षि की प्रतिमा को दुग्ध स्नान कराया और उनकी प्रतिमा पर पुष्प अर्पित किए। इसके बाद विधिवत हवन पूजन किया गया। दीप प्रज्वलन का कार्य मुख्य अतिथि अपर जिलाधिकारी प्रमिल कुमार सिंह ने किया। उन्होंने कहा कि महर्षि बाल्मीकि विद्वान थे। उन्होंने रामायण जैसे ग्रंथ की रचना की।

दीपक जलाए और किया अखंड पाठ

वाल्मीकि जयंती पर मंदिरों और सरकारी कार्यालयों में हुए कार्यक्रम, शोभायात्रा भी निकाली

संवाद न्यूज एजेंसी

उरई/कालपी। वाल्मीकि जयंती जिले भर में श्रद्धाभाव के साथ मनाई गई। अधिकारियों ने प्रमुख मंदिरों में अखंड पाठ कर दीपक जलाए। सामाजिक और धार्मिक संगठनों ने भी पूजन कर भगवान वाल्मीकि से आशीर्वाद लिया। शोभायात्राएं भी निकाली गईं।

उरई शहर के तुलसीनगर स्थित वाल्मीकि मंदिर में वाल्मीकि प्रतिमा को दूध से स्नान कराया गया। इसके बाद हवन हुआ। वाल्मीकि समाज के अध्यक्ष जीवन प्रताप वाल्मीकि ने दीप प्रज्ज्वलित कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया। एडीएम प्रमिल कुमार सिंह, सपा जिलाध्यक्ष नरेंद्र सिंह यादव व सपा नेता प्रदीप दीक्षित ने विचार रखे। संचालन उमेश वाल्मीकि ने किया।

रमेश सिद्दी, मन्नूलाल, जगमोहन, अशोक, श्यामलाल, संतराम, भगतूलाल, रामफूलाय, रवि नाहर, कल्याण, नरेश, दीपक, राजकुमार आदि शामिल रहे। कालपी तहसील में तहसीलदार शशिसिंह और नगर पालिका कार्यालय में पालिकाध्यक्ष के प्रतिनिधि जीवन अहिरवार ने पूजन किया।

तुलसीनगर स्थित वाल्मीकि मंदिर में हवन करते लोग। संवाद

नगर पालिका कालपी में वाल्मीकि जयंती मनाते ईओ व पालिकाध्यक्ष के प्रतिनिधि। संवाद

कोंच में शोभायात्रा पर बरसाए फूल

कोंच। वाल्मीकि समाज के लोगों ने वाल्मीकि मंदिर से शोभायात्रा निकाली। छावनी की पुलिया होते हुए शोभायात्रा भुर्जरिया चौराहा, सेंट विन्सेंट इंटर कालेज, नई बस्ती चौराहा, नगर पालिका, सागर चौकी, चंदकुआं चौराहे होते हुए वाल्मीकि मंदिर पहुंची। नगर के लोगों ने वाल्मीकि की झांकी पर पुष्पवर्षा किया। समिति अध्यक्ष खान वाल्मीकि, समाजसेवी रामेश्वरी वाल्मीकि, सभासद छोटू ठाकुर, भूरे, मिठाई लाल, सतीश नाहर, मनोज वाल्मीकि, धर्मेंद्र, राजू, नीलू, दीपू पेंटर, संतराम निरंजन आदि मौजूद रहे। गुरसराय वाले हनुमान मंदिर पर नगर पालिका की ओर से कार्यक्रम आयोजित किया गया। यहां तहसीलदार राजेश विश्वकर्मा और आरआई सुनील कुमार ने पूजन किया। विजय अवस्थी, शिवम तमकार, लक्की दुबे, पवन गौतम, विनीत मिश्रा, प्रभु कुशवाहा, आशुतोष चौहान आदि मौजूद रहे। (संवाद)

शहर में वाल्मीकि जयंती पर एडीएम को सम्मानित करते जीवन प्रताप वाल्मीकि व अन्य। संवाद

निरीक्षा शाखा

सूचना एवं जनसम्पर्क विभाग, उत्तर प्रदेश

भजन-कीर्तन व रामायण पाठ के साथ मनाई वाल्मीकि जयंती

कुरारा स्थित वाल्मीकि आश्रम में वाल्मीकि जयंती के मौके पर प्रतिमा पर श्रद्धासुमन अर्पित करते हुए नमन करते कुरारा चेयरमैन श्रीकांत गुप्ता (बाएं से प्रथम) व पूर्व कुरारा चेयरमैन महावीर वाल्मीकि तथा अतिरिक्त महाधिवक्ता राकेश कुमार चौरसिया (बाएं से) • जागरण

जागरण संवाददाता, हमीरपुर : जिले की नगर पालिका व नगर पंचायत समेत 27 ग्राम पंचायतों में धूमधाम के साथ महर्षि वाल्मीकि जयंती मनाई गई। महर्षि वाल्मीकि, श्रीराम व श्री हनुमान एवं रामायण से संबंधित स्थलों, मंदिरों व स्थलों पर दीप जलाकर व दीपदान किया गया तथा वहां पर वाल्मीकि रामायण पाठ का आयोजन किया गया।

डीएम ज्ञानेश्वर त्रिपाठी व एसपी नरेंद्र कुमार सिंह ने महर्षि वाल्मीकि जयंती के मौके पर मुख्यालय के देवदास मंदिर में आयोजित कार्यक्रम में प्रतिभाग किया। देवदास मंदिर में आठ घंटे की वाल्मीकि रामायण का पाठ किया गया। इस अवसर पर परियोजना निदेशक डीआरडीए, नोडल अधिकारी वाल्मीकि जयंती कार्यक्रम चित्रसेन सिंह मौजूद रहे। गोहांड में जग में महर्षि वाल्मीकि जयंती मनाई गई।

मौदहा में चेयरमैन ने दी श्रद्धांजलि: समाजवादी पार्टी के लोहिया वाहिनी के प्रदेश अध्यक्ष रामकरण निर्मल ने शनिवार को नगर पालिका परिषद के चेयरमैन शमकिशोर श्रीवास के आवास पर सरदार वल्लभभाई पटेल और वाल्मीकि जयंती मनाकर श्रद्धांजलि दी। प्रदेश अध्यक्ष ने कस्बे के समाजसेवी साकिर खान को लोहिया वाहिनी का जिला महासचिव नियुक्त किया। अरबाब खान हुसैनिया निवासी जो [illegible] में नेशनल स्तर पर खेल कर जिले का नाम रोशन किया है उन्हें माला पहनाकर हौसला अफजाई की।

अमर उजाला - हमीरपुर

02 Nov 2020

जिले में धूमधाम से मनाई गई वाल्मीकि जयंती

शहर के देवादास मंदिर में हुआ रामायण पाठ, महत्वपूर्ण स्थलों पर जलाए गए दीप

वाल्मीकि समाज से कराया पूजन

निरीक्षा शाखा

सूचना एवं जनसम्पर्क विभाग, उत्तर प्रदेश

हिन्दुस्तान – हमीरपुर

02 Nov 2020

जिले में उल्लास पूर्वक मनाई गई महर्षि जयंती, पहली बार बड़े स्तर पर हुआ आयोजन, अफसर भी रहे मौजूद

महर्षि बाल्मीकि विश्व के आदि कवि: डीएम

हमीरपुर | हिन्दुस्तान संवाद

भजन-कीर्तन के साथ रामायण का पाठ

निरीक्षा शाखा

सूचना एवं जनसम्पर्क विभाग, उत्तर प्रदेश

हिन्दुस्तान – ललितपुर

02 Nov 2020

जयंती पर पूजे गए महर्षि वाल्मीकि, हुआ रामायण पाठ

आयोजन

ललितपुर | हिन्दुस्तान टीम

[illegible]

[illegible]

महर्षि वाल्मीकि मंदिर में आरती उतारते हुए। • हिन्दुस्तान

[illegible]

निरीक्षा शाखा

सूचना एवं जनसम्पर्क विभाग, उत्तर प्रदेश

जनता यूनियन – ललितपुर

02 Nov 2020

महर्षि बाल्मीकि ने सिखाया नारी सम्मान : डीएम

ललितपुर। रामायण महाकाव्य के रचयिता भगवान महर्षि बाल्मीकि जी महाराज के प्रकट दिवस के उपलक्ष्य में जेल चौराहा स्थित भगवान महर्षि बाल्मीकि मंदिर पर प्रातः हवन-पूजन-अर्चन कर श्रीरामायण का पाठ व श्रीसुन्दरकाण्ड पाठ उपरान्त भजन सन्ध्या का आयोजन किया गया। मंदिर में दर्शन को आये जिलाधिकारी आन्द्रा वामसी दिनेश कुमार ने महर्षि की मूर्ति की आरती की, माल्यार्पण किया। उन्होंने कहा कि महर्षि ने दुनियाँ को नारी का सम्मान करना सिखाया। इस दौरान उनके साथ जिला सूचनाधिकारी पीयूषचन्द्र राय भी थे।

महर्षि बाल्मीकि जी की जयंती के सम्बन्ध में शासन के संस्कृति निदेशालय के निर्देश पर प्रदेश के समस्त राम मंदिरों एवं हनुमान मंदिरों में बाल्मीकि रामायण पाठ कराये गये। महर्षि बाल्मीकि जयंती का आयोजन सुरुचिपूर्ण एवं भव्य रूप में कराये गये।

जिलाधिकारी आन्द्रा वामसी [illegible]

ललितपुर। महर्षि बाल्मीकि की मूर्ति की आरती करते जिलाधिकारी व सूचनाधिकारी।

स्तरीय समितियों का गठन कर महर्षि बाल्मीकि जयंती के आयोजन सुरुचिपूर्ण एवं भव्य रूप में सम्पन्न कराया गया। इस हेतु समस्त उप जिला मजिस्ट्रेट, मुख्य विकास अधिकारी, मुख्य चिकित्साधिकारी, जिला पंचायत राज अधिकारी, अधिशासी अधिकारी नगर पालिका परिषद व नगर पंचायत को निर्देश निर्गत किये थे। जिलाधिकारी के निर्देशन में जनपद में रघुनाथजी बड़ा मंदिर, [illegible]

मंदिर रनगांव, बाल्मीकि राम मंदिर रनगांव, दुर्गा जी मंदिर महरौनी, रामजानकी मंदिर तालबेहट, हनुमान मंदिर पूराकलां, बाल्मीकि मंदिर तालबेहट, हनुमान मंदिर महरौनी, हनुमान गढ़ी बिरधा, अंजनी माता मंदिर कुम्हैड़ी, शिवालय मंदिर, हनुमान मंदिर लहरग्राम मड़ावरा, हनुमान मंदिर रामपुरा जखौरा, नाराहट मंदिर, हनुमान मंदिर महरौनी, श्री रघुनाथ जी मंदिर महरौनी सहित जनपद के विभिन्न [illegible]

■ डीएम ने किया महर्षि बाल्मीकि की मूर्ति का पूजन

जेल चौराहे पर मंदिर में वक्ताओं ने महर्षि बाल्मीकि के जीवन चरित्र पर चर्चा की। बताया कि गुरु शिष्य के अगाध प्रेम को भी महाकाव्य रामायण में दिखाया गया है। दोपहर 2 बजे से भण्डारे का आयोजन किया गया जो देर रात तक चलता रहा। मंदिर समिति के सकल पंच गुरुदयाल मातो भारती, श्यामसुन्दर जमादार, दिलीप भारती, बृजकिशोर कोतवाल, सुधीर करोसिया, बलराम भारती, विनीत बाबा बाल्मीकि, कुंजबिहारी बाबरा, दीपक भारती, जितेन्द्र शाहदरा, प्रियांक करोसिया, अशोक महरोलिया, विक्रम चौहान, संदीप धौलपुरिया, मिथुन चौहान, राजकुमार नाहर, खेलाराम नाहर, गनेश बैनवार, एमपी बैचेन कल्याण, शिवशंकर सगीता, कपिल भारती, बलवीर करोसिया, भानू करोसिया, विरेन्दर महरोलिया, राजेश बाल्मीकि सहित समाज के [illegible]

निरीक्षा शाखा

सूचना एवं जनसम्पर्क विभाग, उत्तर प्रदेश

अमर उजाला – बांदा

02 Nov 2020

महर्षि वाल्मीकि को जयंती पर खूब मिला महत्व

पहली बार अफसरों ने दिखाया खास रुझान, जयंती में अधिकारी रहे आगे, सीएम के चित्रकूट स्थित वाल्मीकि आश्रम आने के बाद बढ़ा सम्मान

अमर उजाला ब्यूरो

बांदा। वाल्मीकि जयंती पर अबकी सरकारी अमले ने महर्षि [illegible] चढ़कर बोला। जिले के सभी आला अफसरों ने महर्षि वाल्मीकि के चित्रों पर फूल चढ़ाए और उनसे संबंधित कार्यक्रमों में पूरी भागीदारी दिखाई। जयंती संबंधी कार्यक्रमों में डीएम सहित सभी मुख्य अफसर शामिल हुए।

महर्षि वाल्मीकि की जयंती पहले भी मनाई जाती रही है, लेकिन सरकारी स्तर पर इतनी तवज्जो पहली बार नजर आई। इसके पीछे शासन के निर्देश का भी असर रहा। जयंती के एक दिन पूर्व मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ पहली बार चित्रकूट स्थित लालापुर में महर्षि वाल्मीकि के आश्रम भी पहुंचे थे। शनिवार को जयंती के आयोजनों की धूम रही।

शहर के संकट मोचन मंदिर में आयोजित वाल्मीकि रामायण का पाठ और भजन में डीएम आनंद कुमार सिंह, एडीएम संतोष बहादुर सिंह, सिटी मजिस्ट्रेट सुरेंद्र सिंह सहित उप निदेशक सूचना भूपेंद्र सिंह यादव, अपर जिला सूचना अधिकारी कुमारी शारदा आदि ने शिरकत की। यहां [illegible] के सूचना एवं जनसंपर्क विभाग से पंजीकृत गुंजन कला मंच और राम सिंह एंड लोकगीत पार्टी ने भजन और कीर्तन पेश किए।

अधिकारियों ने महर्षि के चित्र पर फूल चढ़ाए। शाम को इसी मंदिर में डीएम ने 101 दीप जलाए। अपर जिला सूचना अधिकारी ने सभी का आभार जताया।

मुख्य विकास अधिकारी हरिश्चंद्र वर्मा ने विकास भवन में महर्षि वाल्मीकि और सरदार पटेल के चित्रों पर फूल चढ़ाकर उन्हें श्रद्धांजलि दी। एसडीएम सदर सुधीर सिंह (आईएएस) ने तहसील परिसर में आयोजित समारोह में महर्षि वाल्मीकि सहित सरदार पटेल आदि के चित्रों पर फूल चढ़ाए।

महर्षि वाल्मीकि के प्रति बढ़े सरकारी रुझान के पीछे माना जा रहा है कि मुख्य रूप से हाथरस में वाल्मीकि समाज की बिटिया के साथ हुई घटना के बाद इस समाज के लोगों के प्रति सरकारी तवज्जो दी गई है।

वाल्मीकि रामायण पाठ में भाग लेते डीएम आनंद कुमार सिंह (बाएं से पहले), एडीएम संतोष बहादुर सिंह व सिटी मजिस्ट्रेट सुरेंद्र सिंह आदि और तहसील परिसर में महर्षि के चित्र पर फूल चढ़ाते एसडीएम सदर सुधीर सिंह। संवाद

महर्षि वाल्मीकि रामायण की आरती करते डीएम आनंद कुमार सिंह। साथ में एडीएम, सिटी मजिस्ट्रेट व एसडीएम सदर आदि। संवाद

वाल्मीकि जयंती पर एसडीएम और सिटी मजिस्ट्रेट बने मेहमान

बांदा। महर्षि वाल्मीकि जयंती समारोह संचालन समिति द्वारा शहर के [illegible] में आयोजित वाल्मीकि जयंती समारोह में सदर एसडीएम सुधीर सिंह और सिटी मजिस्ट्रेट सुरेंद्र सिंह शामिल हुए। सफाई कर्मियों ने उनकी अगुवानी की। फूलों की माला पहनाई और पुष्प गुच्छ भेंट किए। अध्यक्षता [illegible] ने की। [illegible] आदि उपस्थित रहे। (संवाद)

निरीक्षा शाखा
सूचना एवं जनसम्पर्क विभाग, उत्तर प्रदेश

सरदार पटेल, पूर्व प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी, महर्षि वल्मीकि और आचार्य नरेन्द्र देव को किया याद

लौहपुरुष की जयंती पर एकता का संकल्प

अमर उजाला – महोबा
02-Nov-2020

वाल्मीकि जयंती पर मंदिरों में हुए पाठ

शासन के निर्देश पर भव्य रूप से मनाई गई वाल्मीकि जयंती

श्रीनगर मंदिर में रामायण पाठ और आरती करते भक्त।

संवाद न्यूज एजेंसी

महोबा। जिले में महर्षि वाल्मीकि जयंती भव्य रूप से मनाई गई। इस दौरान जिले के प्रमुख श्रीराम व हनुमान मंदिरों में रामायण का पाठ किया गया। भजन मंडलियों ने राम भजन व कीर्तन कर वाल्मीकि रामायण के मानवीय, सामाजिक व राष्ट्रीय मूल्यों से लोगों को परिचित कराया। अधिकारियों ने मंदिरों में दीप प्रज्ज्वलित कर आदि कवि की प्रतिमा पर माल्यार्पण किया। रामायण पाठ को लेकर भक्तों में खासा उत्साह दिखाई दिया।

शहर के वाल्मीकि चौक पर स्थापित महर्षि वाल्मीकि की प्रतिमा पर एसडीएम राजेश यादव, सूचना अधिकारी सतीश यादव, समाजसेवी दाऊ तिवारी, सफाई नायक रामसेवक द्वारा माल्यार्पण किया गया। इसके बाद रामकुंड धाम मंदिर में सूचना अधिकारी, रोडवेज स्थित बड़े हनुमान मंदिर में एसडीएम सदर, श्रीनगर हनुमान मंदिर में तहसीलदार सदर बालकृष्ण सिंह, हनुमान मंदिर कबरई में एसडीएम चरखारी राकेश कुमार, गढ़ीखार धाम हनुमान मंदिर देवगनपुरा पनवाड़ी में बीडीओ पनवाड़ी रजनीश शुक्ला, भड़ेरवा के हनुमान मंदिर में पालिका ईओ केके भोलकर के नेतृत्व में हर्षोल्लास के साथ रामायण पाठ व कीर्तन भजन के माध्यम से श्रीराम का गुणगान किया गया। जिले के चयनित विभिन्न मंदिरों में रामायण पाठ कराने व महर्षि वाल्मीकि जयंती को भव्य रूप से मनाने में श्रीराम कुंडधाम में महंत अनिल गिरि महाराज, ककुन सरकार के महंत रमेश चंद्र शास्त्री, गढ़ीखार धाम ने ललता प्रसाद तिवारी, पठा वाले हनुमान मंदिर में उत्तम महाराज, श्रीनगर हनुमान मंदिर में भूपेंद्र शुक्ला की भूमिका रही।

शहर के बजरंग चौक स्थित हनुमान मंदिर में शाम को प्रभारी जिलाधिकारी रामसुरेश वर्मा, सीडीओ हीरा सिंह, एसडीएम सदर राजेश यादव व एसडीएम कुलपहाड़ मोहम्मद उवैस ने संयुक्त रूप से दीप प्रज्ज्वलित कर महर्षि वाल्मीकि की प्रतिमा पर माल्यार्पण किया। इस मौके पर मंदिर के संस्थापक शिवकुमार गोस्वामी, ऋषि उपाध्याय, रामस्वरूप विश्वकर्मा, विनीता, सुनीता आदि मौजूद रहे।

हिन्दुस्तान – महोबा

03-Nov-2020

भक्तिभाव के साथ मनाई वाल्मीकि जयंती

महोबा | हिन्दुस्तान संवाद

महर्षि वाल्मीकि की जयंती पर प्रतिमा में माल्यार्पण करते सूचना अधिकारी ।

आदि कवि महर्षि वाल्मीकि जयंती को जिले भर में भक्ति भाव के साथ मनाया गया है। जिले भर के हनुमान मंदिरों में रामचरित मानस पाठ करवाया गया और संगीत मंडलियों के द्वारा कीर्तन भजन के माध्यम से वाल्मीकि रामायण के महत्व पर प्रकाश डाला गया है।

शहर के वाल्मीकि चौक पर स्थापित महर्षि वाल्मीकि की प्रतिमा पर सूचना अधिकारी सतीश यादव ने माल्यार्पण किया।

इसके बाद रामकुंड में स्थित हनुमान मंदिर में सूचना अधिकारी, बजरंग मंदिर महोबा सदर एसडीएम राजेश यादव, श्रीनगर के हनुमान मंदिर में तहसीलदार सदर बालकृष्ण सिंह, कुलपहाड़ के हनुमान मंदिर में एसडीएम चरखारी राकेश कुमार, पनवाड़ी के देवगनपुरा में स्थित गढ़ोखरधाम में खंड विकास अधिकारी पनवाड़ी रजनीश शुक्ला रामायण पाठ में शामिल हुए और भक्ति भाव के साथ मर्यादा पुरुषोत्तम भगवान श्रीराम का भजन किया।

ककुन मंदिर के महंत रमेश चन्द्र शास्त्री, गढ़ोखरधाम के महंत लालता प्रसाद तिवारी, पहाड़ वाले हनुमान मंदिर वीरेन्द्र कुमार शुक्ला, श्रीनगर हनुमान मंदिर के भूपेन्द्र शुक्ला ने रामायण पाठ में हिस्सा लेकर अनुष्ठान कराए हैं।

निरीक्षा शाखा
सूचना एवं जनसम्पर्क विभाग, उत्तर प्रदेश

वाल्मीकि जयंती पर मठ–मंदिरों में दीपदान के साथ र

जागरण संवाददाता, चित्रकूट : प्रभु श्रीराम की तपोभूमि में शनिवार की सुबह से रामनाम संकीर्तन व रामायण पाठ से गूंज रही है। महर्षि वाल्मीकि की जयंती लोग पूरी धर्मनगरी में धूमधाम से मनाई गई। पहली बार शासन भी इसमें सहभागी बना है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने शुक्रवार को वाल्मीकि आश्रम लालापुर में महर्षि वाल्मीकि का पूजा अर्चन किया था और रामायण पाठ का शुभारंभ कर पूरे प्रदेश जयंती समारोह की शुरुआत की थी।

रामघाट वाल्मीकि जयंती पर किए गए दीपदान से जगमग भरत मंदिर • जागरण

गांव से लेकर शहर तक रामनाम की धूम रही। खास कर धर्मनगरी में सभी मठ, मंदिर और आश्रम में सुबह से ही घंटा घड़ियाल के साथ पूजा अर्चन का दौर शुरू हुआ तो शाम तक देखा गया। वाल्मीकि आश्रम समेत रामघाट स्थित भरत मंदिर, मत्यगजेन्द्रनाथ मंदिर में दीपदान किया गया। इस मौके पर महंत भरतदास, महंत दिव्यजीवनदास, महंत रामजन्मदास, महंत मोहितदास, पुजारी विपिन बिहारी तिवारी, प्रदीप तिवारी रहे। पहली बार वाल्मीकि जयंती में इतना उत्साह देखने को मिला। शासन की ओर से सभी जिलाधिकारी को पत्र जारी कर जयंती को भव्यता के साथ मनाने के निर्देश दिए गए थे। क्योंकि प्रधानमंत्री ने मन की बात में महापुरुषों की जयंती भव्यता से मनाने का आह्वान किया था।

आयोजन

- वाल्मीकि आश्रम में सीएम ने किया था अखंड रामायण का शुभारंभ
- धर्मनगरी के मठ मंदिरों में दूसरे दिन सुबह बैठी रामायण, शाम को दीप जले

जिलाधिकारी शेषमणि पांडेय ने कहा कि महर्षि वाल्मीकि विश्व के आदि कवि हैं। विश्व प्रसिद्ध कालजयी कृति रामायण महाकाव्य की रचना श्रीराम के जीवन काल में की थी। उनकी जयंती जिले में भव्य रूप में मनाई जा रही है। एसडीएम तहसीलदार व बीडीओ समेत जिले के अधिकारियों को नोडल के रूप में लगाया गया है।

निरीक्षा शाखा
सूचना एवं जनसम्पर्क विभाग, उत्तर प्रदेश

हिन्दुस्तान – चित्रकूट

10 Nov 2020

वाल्मीकि आश्रम समेत 34 मंदिरों में एक साथ गूंजा रामायण का अखंड पाठ

चित्रकूट | निज संवाददाता

[illegible]

आयोजन

[illegible]

[illegible]

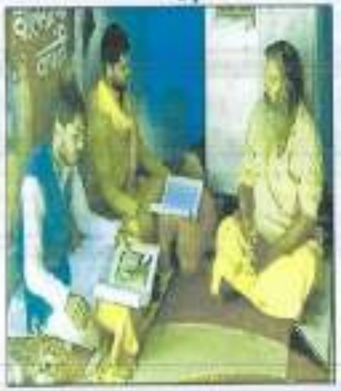

[illegible]

प्रत्येक मंदिर में लगाए गए नोडल अधिकारी

[illegible]

पहली बार वाल्मीकि की रामायण का पाठ

[illegible]

निरीक्षा शाखा

सूचना एवं जनसम्पर्क विभाग, उत्तर प्रदेश

अमर उजाला - मेरठ

09-Nov-2020

राम चरित मानस पाठ में श्रीराम का गुणगान

महर्षि वाल्मीकि जन्मोत्सव पर बजरंग बली के भजनों पर झूमे श्रद्धालु

माई सिटी रिपोर्टर

मेरठ। शहर के विभिन्न मंदिरों में महर्षि वाल्मीकि जन्मोत्सव पर रामकथा, रामचरित मानस पाठ और सुंदरकांड पाठ किया गया। इस दौरान हनुमान जी के भजनों पर श्रद्धालु झूमते नजर आए। कई मंदिरों में कीर्तन भी हुआ।

बुढ़ाना गेट स्थित भूतेश्वरनाथ मंदिर में सुंदरकांड का पाठ हुआ। इस दौरान अमित शर्मा, मयूर आहलान, अंकुर रस्तोगी, संदीप रेवड़ी, अनिल शर्मा, अनिल पाठक, गौरव, वैभव, अभिनव आदि मौजूद रहे।

वेस्ट एंड रोड स्थित सिद्धपीठ हनुमान एवं बालाजी मंदिर में महामंडलेश्वर शनि पीठाधीश्वर महेंद्र दास के महाराज के सानिध्य में रामचरित मानस का पाठ हुआ। मथुरा से आए दुर्गा प्रसाद, नारायण, शंकर और विशाल शर्मा ने अखंड रामचरित का पाठ किया। वहीं जिला पंचायत कार्यालय में गोष्ठी का आयोजन किया गया। इसमें जगमोहन शाकाल समेत अन्य ने विचार रखे।

थापर नगर में महर्षि वाल्मीकि के चित्र पर माल्यार्पण करते लोग। संवाद

भंडारे का आयोजन किया

बाबा मनोहरनाथ मंदिर में महामंडलेश्वर नित्यानंद जी महाराज के सानिध्य में कीर्तन किया गया। सदर कबाड़ी बाजार स्थित हनुमान मंदिर में मूर्ति पूजन और हवन में मुख्य यजमान गौरव गोयल रहे। वहीं रजबन छोटा बाजार स्थित वाल्मीकि चौक पर हवन और भंडारे का आयोजन किया गया। इस दौरान राजू रोड़िया, राजकुमार, ज्ञानचंद ठेकेदार, राजेंद्र यादव, विनोद बैचेन, अनिल मौजूद रहे।

कासमपुर में प्रसाद बांटते लोग और जिला पंचायत कार्यालय में आयोजित कार्यक्रम में विचार रखते जगमोहन शाकाल। अमर उजाला

कासमपुर में हुआ वाल्मीकि रामायण का पाठ

मेरठ/मोदीपुरम। कासमपुर स्थित भगवान वाल्मीकि मंदिर में वाल्मीकि रामायण पाठ का आयोजन किया गया। कार्यक्रम संयोजक भाजपा नेता संजीव मंगलवा और अध्यक्षता भाजपा मेरठ महानगर कार्यकारिणी के सदस्य राजकुमार खोरे ने की। पंडित जगदीश टैन, गोविंद सौदाई, राजू टाक, भूषण करोतिया, विनेंद्र चंडालिया, कैलाश भारती, अरुण मौजूद रहे। संवाद

निरीक्षा शाखा

सूचना एवं जनसम्पर्क विभाग, उत्तर प्रदेश

जागरण – मेरठ

02 Nov 2020

राष्ट्रीय संकल्प व एकता दिवस पर कमिश्नर व डीएम ने दिलाई शपथ

सरदार पटेल व महर्षि वाल्मीकि की जयंती, इंदिरा गांधी की पुण्यतिथि पर हुए कार्यक्रम

कचहरी में भी मनाई गई सरदार पटेल जयंती

राष्ट्रीय एकता की शपथ ली

पीएल शर्मा स्मारक पर 30 मेधावियों को किया गया सम्मानित

निरीक्षा शाखा
सूचना एवं जनसम्पर्क विभाग, उत्तर प्रदेश

हिन्दुस्तान - मेरठ

02-Nov-2020

महर्षि वाल्मीकि जयंती पर पाठ

मेरठ। महर्षि वाल्मीकि के प्रकटोत्सव पर सोशल डिस्टेंसिंग का पालन करते हुए रामायण पाठ हुआ।

वाल्मीकि मंदिर प्रांगण में हुए कार्यक्रम की अध्यक्षता भाजपा महानगर कार्यकारिणी के सदस्य राजकुमार सोदे ने की। उन्होंने श्रद्धालुओं को मास्क वितरित किए गए। पंडित जगदीश टैग ने रामायण पाठ किया। भाजपा नेता संजीव मंगवाना, गोविंद सौदाई, राजू, भूषण करोति, विजेंद्र चंडालिया, कैलाश, भारती, अरुण, रघुवंशी, अनिल, करण, राजकुमार, अमित बाल्मीकि, राजीव कातिया, अजय वाल्मीकि, विकास, मुन्नी देवी रहे।

निरीक्षा शाखा
सूचना एवं जनसम्पर्क विभाग, उत्तर प्रदेश

अमर उजाला – हाथरस

03 Nov 2020

जयंती पर महर्षि वाल्मीकि को किया श्रद्धा से नमन

मंदिर श्रीरामदरबार में वाल्मीकि जयंती पर रामायण पाठ की शुरुआत कराते डीएम। दूसरे चित्र में वाल्मीकि जयंती पर रामलीला मैदान में होता धार्मिक आयोजन।

संवाद न्यूज एजेंसी

हाथरस। महर्षि वाल्मीकि का प्राकट्योत्सव जिलेभर में धूमधाम से मनाया गया। कई जगहों पर आयोजित कार्यक्रमों में महर्षि वाल्मीकि को नमन किया गया। गोष्ठी के जरिये उनके जीवन पर प्रकाश डाला गया। प्रसाद भी वितरित किया गया।

आगरा रोड स्थित सरस्वती शिशु मंदिर में आयोजित कार्यक्रम का शुभारंभ तेजवीर भारती के जिला संयोजक सौरभ गुप्ता और वाल्मीकि समाज के लोगों ने महर्षि वाल्मीकि के चित्र पर पुष्प अर्पित कर व दीप प्रज्ज्वलित कर किया। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के जिला प्रचार प्रमुख मनोज अग्रवाल ने महर्षि वाल्मीकि के आदर्शों पर प्रकाश डाला। बच्चों ने शानदार प्रस्तुतियां दीं। दूसरा कार्यक्रम भोजा का नगला में भारत विकास परिषद और संघ के बैनर तले आयोजित हुआ। भारत विकास परिषद के अध्यक्ष अनिल वार्ष्णेय, सचिव नरेश अग्रवाल और कोषाध्यक्ष तरुण अग्रवाल थे। संचालन गौरी सिंह ने किया। विश्व हिंदू परिषद के आयाम सामाजिक समरसता ने भी वाल्मीकि जयंती धूमधाम से मनाई। मंच पर समरसता विभाग के प्रमुख जितेंद्रकांत व कार्यालय अध्यक्ष राजेंद्रनाथ चतुर्वेदी, जिला प्रमुख महेश वर्मा, जिलाध्यक्ष मुकेश सूर्यवंशी ने महर्षि वाल्मीकि के छवि चित्र पर माल्यार्पण किया। वक्ताओं ने उनके जीवन पर प्रकाश डाला। नरेंद्र सिंह, मदनगोपाल वार्ष्णेय, मनोज वार्ष्णेय, जितेंद्र चौहान, बॉबी चौहान, विशाल गोला, राहुल, तरुण, बबलू, विष्णु, जीतू, विवेक, प्रवीण खंडेलवाल, योगेश राठौर, मोनू भारती आदि मौजूद थे। प्रसाद भी वितरित किया गया। इसके अलावा शहर में अन्य कई स्थानों पर भी कार्यक्रमों का आयोजन हुआ।

निरीक्षा शाखा
सूचना एवं जनसम्पर्क विभाग, उत्तर प्रदेश

हिन्दुस्तान - हाथरस

09-Nov-2020

रामायण के रचियता महर्षि वाल्मीकि की जयंती पर आयोजित हुए कार्यक्रम, लोगों में दिखाई दिया श्रद्धा का भाव

मंदिरों में संगीतमय रामचरित मानस की गूंज

[illegible]

[illegible]

[illegible]

हाथरस | हिन्दुस्तान संवाद

[illegible]

निरीक्षा शाखा

सूचना एवं जनसम्पर्क विभाग, उत्तर प्रदेश

अमर उजाला – गौतमबुद्धनगर

02-Nov-2020

वाल्मीकि जयंती पर रामायण का पाठ

नोएडा। वाल्मीकि जयंती पर शनिवार को जिले के धार्मिक स्थलों पर विभिन्न कार्यक्रम हुए। डीएम के नेतृत्व में मंदिरों में रामायण का अखंड पाठ हुआ। बिलासपुर एवं गिरधरपुर गांव के मंदिरों में कीर्तन मंडली ने अखंड पाठ किया। जेवर के मंदिरों में अखंड पाठ के साथ ही महर्षि वाल्मीकि के चरित्र पर चर्चा की गई। मंदिरों में सुबह से ही पूजा-अर्चना शुरू हो गई। कोरोना को ध्यान में रखते हुए मंदिरों को पहले सैनिटाइज किया गया। भक्तों और कीर्तन मंडली के सदस्यों को सामाजिक दूरी का पालन करते हुए उचित स्थानों पर बैठाया गया। वहीं नोएडा स्थित सेक्टर-19 सनातन धर्म मंदिर, सेक्टर-20 हनुमान मंदिर, हरौला हनुमान मंदिर, जेवर, दनकौर, दादरी बिलासपुर एवं गिरधरपुर गांव के मंदिरों में भी कीर्तन मंडली ने रामायण का अखंड पाठ का किया गया। मंदिर में भक्तों को वाल्मीकि के चरित्र और महानता के बारे में बताया गया। ब्यूरो

हिन्दुस्तान – गौतमबुद्धनगर

02-Nov-2020

विश्व एकता दिवस कार्यक्रम का आयोजन

नोएडा। सेक्टर-110 स्थित नोएडा एजुकेशनल अकादमी में उत्तर प्रदेश भारत स्काउट एवं गाइड की तरफ से राष्ट्रीय एकता दिवस मनाया गया। इस दौरान सरदार बल्लभ भाई पटेल और रामायण रचयिता महार्षि बाल्मीकि की जयंती मनाई गई। इस दौरान भगवान स्काउट एवं गाइड कैप्टन ने महर्षि बाल्मीकि और सरदार पटेल के चित्रों पर माल्यार्णण किया गया।

निरीक्षा शाखा

सूचना एवं जनसम्पर्क विभाग, उत्तर प्रदेश

अमर उजाला – एटा

0[illegible] Nov 2020

हर्षोल्लास के साथ मनाई महर्षि वाल्मीकि और सरदार वल्लभ भाई पटेल की जयंती

वाल्मीकि समाज ने दोपहर बाद शहर में निकाली महर्षि वाल्मीकि की शोभायात्रा

[illegible]

[illegible]

जलेसर और सकीट में गोष्ठी का आयोजन

[illegible]

चित्रकला प्रतियोगिता में अरविंद कुमार रहे प्रथम

[illegible]

पुलिसकर्मियों को दिलाई गई एकता और अखंडता की शपथ

[illegible]

धूमधाम से निकाली गई महर्षि वाल्मीकि की शोभायात्रा

[illegible]

[illegible]

कांग्रेसियों ने याद किया इंदिरा और पटेल को

[illegible]

निरीक्षा शाखा

सूचना एवं जनसम्पर्क विभाग, उत्तर प्रदेश

परंपरा कायम रखने को निकाली शोभायात्रा

हाथरस कांड को लेकर वाल्मीकि समाज के लोग नहीं निकालना चाहते थे यात्रा, अंतिम समय में निर्णय बदला

जागरण संवाददाता, एटा: हाथरस कांड की छाया वाल्मीकि जयंती पर कुछ स्थानों पर दिखाई दी। शहर में तो अंतिम समय में वाल्मीकि समाज के लोगों ने शोभायात्रा निकालने का निर्णय लिया। इसके बाद यात्रा निकाली गई। जहां जलेसर और मारहरा में सिर्फ औपचारिकता के लिए कार्यक्रम हुए, मगर शोभायात्रा नहीं निकली।

हर वर्ष वाल्मीकि समाज के लोग शोभायात्रा निकालते थे। जयंती के दिन तमाम कार्यक्रम किए जाते थे, लेकिन हाथरस कांड के चलते कुछ स्थानों पर बड़े सार्वजनिक कार्यक्रम नहीं किए गए। शहर में पहले यह तय किया गया कि महर्षि वाल्मीकि का सिर्फ पूजन कार्यक्रम हो सकेगा, शोभायात्रा नहीं निकाली जाएगी। बाद में शनिवार को समाज के कुछ लोग आगे आए और उन्होंने परंपरा कायम रखने पर जोर दिया। इसके बाद शहर में शोभायात्रा निकाली गई। जो रूट हर वर्ष रहता था इस बार भी वही रहा। अंतर यह था कि उतने जोर-शोर से शोभायात्रा नहीं निकली। शोभायात्रा में महर्षि वाल्मीकि की एक झांकी शामिल थी और बैंडबाजे थे। शहर में कई स्थानों पर महर्षि वाल्मीकि की आरती उतारी गई और पुष्प वर्षा की गई।

वाल्मीकि जयंती पर शोभायात्रा निकालते समाज के लोग • जागरण

दूसरी ओर जलेसर, मारहरा में वाल्मीकि समाज के लोगों ने पहले से ही यह तय कर लिया था कि वे इस बार शोभायात्रा नहीं निकालेंगे। इसके पीछे का कारण हाथरस कांड बताया गया और वहां कोई भी बड़ा कार्यक्रम आयोजित नहीं हुआ। ऐसी ही स्थिति मारहरा में भी रही।

अलीगंज में शोभायात्रा निकाली गई। विधायक सत्यपाल सिंह राठौर ने कार्यक्रम का उद्घाटन किया। उन्होंने कहा कि महर्षि ने समाज को नई दिशा दी।

उन्होंने रामायण लिखकर भगवान राम के बारे में दुनिया को बताया। [illegible] कस्बे में [illegible] सोनी, नीरज गुप्ता सर्राफ, योगेंद्र सिंह, संघ के नगर कार्यवाह अनुपम चौहान, उमेश कुमार, वेदपाल सिंह, सलीम खान, मनोज कुमार गौर, अशोक कुमार, रवि कुमार, कुसुमलता, गुड़िया देवी, सेवक दास, मान सिंह, रवि चौहान आदि कार्यक्रमों में मौजूद थे।

अलीगंज में शोभायात्रा का फीता काटकर उद्घाटन करते विधायक सत्यपाल सिंह राठौर (दाएं) • जागरण

वाल्मीकि समाज ने मनाया महर्षि का जन्मदिन

जलेसर शहर के मुहल्ला [illegible] में वाल्मीकि जयंती पर महर्षि वाल्मीकि के चित्र पर पुष्प चढ़ाते समाज बंधु • जागरण

संस, जलेसर: शहर के मुहल्ला [illegible] वाल्मीकि मंदिर पर जयंती मनाई गई। कोरोना संक्रमण के चलते शोभायात्रा नहीं निकाली गई।

मंदिर पर एकत्रित हुए समाज बंधु महर्षि वाल्मीकि के चित्र पर पुष्प चढ़ाए। विचार गोष्ठी में युवाओं से महर्षि वाल्मीकि के आदर्शों से प्रेरणा लेने का आह्वान किया गया। दीपक बाबू वाल्मीकि, [illegible], संजीव, राकेश बाबू वाल्मीकि, [illegible], मोहनलाल, [illegible], [illegible], [illegible], गुड्डू, [illegible], [illegible], [illegible], पुरुषोत्तमदास, [illegible], [illegible], सोनू [illegible] मौजूद थे। [illegible] राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ द्वारा [illegible] पर समरसता संयोजक [illegible] सिंह द्वारा वाल्मीकि के चित्र पर माल्यार्पण किया गया। उनके द्वारा [illegible] लोगों को भेंट की गई। [illegible] सेक्टर में वाल्मीकि जयंती कार्यक्रम में मुकेश राजपूत, प्रताप सिंह, पंकज वार्ष्णेय, [illegible] गुप्ता, [illegible], प्रताप सिंह, ओमपाल वाल्मीकि, [illegible], विजयपाल, पूरन मौजूद रहे।

जागरण – अलीगढ़

02-Nov-2020

महर्षि वाल्मीकि से प्रेरणा लेकर करें समाज के भले के काम

सरदार पटेल व राजा भैया का जन्मदिन मनाया

निरीक्षा शाखा

सूचना एवं जनसम्पर्क विभाग, उत्तर प्रदेश

नगर निगम वाल्मीकि मंदिर में हवन करते नगर निगम सफाई कर्मचारी संघ के पदाधिकारी। दूसरे चित्र में महर्षि वाल्मीकि जयंती पर हवन करते विधायक संजीव राजा, विधायक अनिल पाराशर। अमर उजाला

अमर उजाला ब्यूरो

यहां भी वाल्मीकि जयंती पर हुए आयोजन

[illegible]

हिन्दुस्तान - अलीगढ़
02-Nov-2020

पहली नगर निगम में हुआ रामायण पाठ, नगर पंचायतों में भी हुए कार्यक्रम, हवन-पूजन भी किया गया

महर्षि वाल्मीकि के आदर्शों को जीवन में अपनाएं

अलीगढ़ | कार्यालय संवाददाता

[illegible]

महर्षि वाल्मीकि के आदर्शों को जीवन अपनाना चाहिए [illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

महर्षि वाल्मीकि प्रकटोत्सव पर [illegible]

मेवाड़ा और प्रकाश [illegible]

महर्षि वाल्मीकि को नमन

[illegible]

मेधावी छात्र सम्मानित

[illegible]

निरीक्षा शाखा
सूचना एवं जनसम्पर्क विभाग, उत्तर प्रदेश

अमर उजाला – बागपत

03-Nov-2020

महर्षि वाल्मीकि जयंती पर अखंड रामायण का पाठ

जनपद के 61 मंदिरों में महर्षि जयंती पर करायी गई पूजा अर्चना, महर्षि के जीवन से प्रेरणा लेने का आह्वान

अमर उजाला ब्यूरो

बागपत। जिले भर में महर्षि वाल्मीकि की जयंती मनाई गई। अखंड रामायण पाठ का आयोजन किया गया। डीएम शकुंतला गौतम ने यमुना के पक्का घाट पर पूजा अर्चना की। जिले के 61 मंदिरों में पूजा अर्चना की गई।

बागपत नगर में शनिवार को महर्षि वाल्मीकि जयंती पर अखंड रामायण पाठ का आयोजन किया गया। डीएम शकुंतला गौतम ने यमुना के पक्का घाट मंदिर पर पूजा अर्चना की। अपर जिलाधिकारी अमित कुमार सिंह मौजूद रहे। बालैनी के वाल्मीकि मंदिर पर जयंती पर हवन व प्रसाद का वितरण किया गया। हरी भगवान प्रधान, मनोज यादव, बिन्नू यादव, विवेक यादव, डॉ एसपी यादव, महीपाल यादव, कृष्ण यादव, मोनू यादव और अनील प्रमुख शामिल हुए।

डीएम शकुंतला गौतम ने यमुना के पक्का घाट पर की पूजा अर्चना

खट्टा प्रहलादपुर के वाल्मीकि मंदिर में महर्षि वाल्मीकि जयंती मनाई गई। अध्यक्षता प्रधान राजू और संचालन एडवोकेट लवकुश दहिया ने किया।

सांसद प्रतिनिधि ठाकुर प्रदीप सिंह ने कहा कि महर्षि के जीवन से प्रेरणा लेनी चाहिए। लवनेश कुमार, राकेश शाह, जय प्रकाश, सोनू नवाब, टिंकू चौधरी, तरुण शर्मा, मनोज शर्मा, कृष्णवीर त्यागी, डॉ विनोद कुमार धनकड़, अश्विनी मानव, विनोद मौजूद रहे।

पक्का घाट मंदिर में पूजा करतीं डीएम शकुंतला गौतम व एडीएम। संवाद

आवास मंडी टटीरी में अखिल भारतीय वाल्मीकि नवयुवक संघ के तत्वावधान में महर्षि वाल्मीकि जयंती प्रकाश उत्सव के रूप में मनाई गई। हवन का आयोजन किया गया।

समाज के सभी लोगों ने पूर्णाहुति दी और प्रसाद वितरण किया गया। प्रताप सिंह, रमेश चंद मौर्य, रविंद्र कुमार, कुलदीप सभासद, मुनीश वाल्मीकि, चंद प्रकाश, मनीष कुमार, अमर सिंह, महेश्वर दयाल का सहयोग रहा।

बालैनी स्थित मंदिर में वाल्मीकि जयंती पर हवन करते लोग। संवाद

महर्षि वाल्मीकि का प्रकटोत्सव मनाया

जागरण संवाददाता, बागपत: जिलेभर में शनिवार को महर्षि वाल्मीकि जयंती धूमधाम से मनाई गई। उनके चित्रों पर माल्यार्पण कर धर्म के मार्ग पर चलने का आह्वान किया गया। इस बार प्रशासन की ओर से जयंती पर कार्यक्रम कराए गए हैं। इस मौके पर श्रीराम की भी पूजा-अर्चना की गई। महर्षि के द्वारा किए गए कार्यों पर प्रकाश डाला गया।

डीएम शकुंतला गौतम ने प्रशासनिक अफसरों के साथ शहर के पक्का मंदिर में महर्षि वाल्मीकि जयंती मनाई। श्रीराम दरबार में पूजन किया गया। डीएम ने यहां सभी से उनके दिखाए मार्ग पर चलने की अपील की। इस मौके पर एडीएम अमित कुमार सिंह, तहसीलदार प्रसून कश्यप, ईओ ललित कुमार आर्य, महेश कुमार शर्मा, संजय रुहेला, सतपाल उपाध्याय सहित अन्य लोग मौजूद रहे। इसके अलावा खट्टा प्रहलादपुर गांव में वाल्मीकि मंदिर में महर्षि वाल्मीकि की जयंती मनाई। सांसद प्रतिनिधि एवं जिला पंचायत सदस्य ठाकुर प्रदीप सिंह ने कहा कि सभी को महर्षि के जीवन से प्रेरणा लेनी चाहिए। कैसे डाकू रत्नाकर से महर्षि बना जा सकता है। महर्षि बनकर रामायण जैसे विश्व के अनमोल ग्रंथ को लिखा। हम सभी उनके जीवन से प्रेरणा लेकर सद्मार्ग पर चल सकते हैं। कार्यक्रम की अध्यक्षता राजू प्रधान ने की और संचालन एडवोकेट लवकुश दहिया ने की। लवनेश कुमार, राकेश शाह, जयप्रकाश, शानू, टिंकू चौधरी, तरुण शर्मा, मनोज शर्मा आदि मौजूद रहे। कस्बा अग्रवाल मंडी टटीरी के वाल्मीकि मंदिर पर धूमधाम से महर्षि वाल्मीकि की जयंती मनाई गई। समाज के लोगों ने महर्षि के जीवन पर प्रकाश डाला गया।

वाल्मीकि जयंती पर रामायण पाठ में शामिल हुईं डीएम शकुंतला गौतम • जागरण

वाल्मीकि जयंती पर पूजा करते प्रदीप सिंह व चेयरमैन विनोद कुमार • सौ., कार्यकर्ता

निरीक्षा शाखा
सूचना एवं जनसम्पर्क विभाग, उत्तर प्रदेश

हिन्दुस्तान – बागपत

02 Nov 2020

श्रीराम दरबार एवं हनुमान जी के साथ महर्षि वाल्मीकि की प्रतिमा के समक्ष पंडितों द्वारा रामायण पाठ किया गया

महर्षि वाल्मीकि जयंती पर 61 मंदिरों में रामायण पाठ

[illegible]

[illegible]

[illegible]

जागरण करके मनाई वाल्मीकि जयंती

[illegible]

[illegible]

निरीक्षा शाखा
सूचना एवं जनसम्पर्क विभाग, उत्तर प्रदेश

धूमधाम से मनाई महर्षि वाल्मीकि की जयंती

कासगंज में महर्षि वाल्मिकी के चित्र पर माल्यार्पण करते लोग। संवाद

कासगंज। महर्षि वाल्मीकि की जयंती मोहल्ला जय जयराम में मनाई गई। जिसमें विभिन्न सांस्कृतिक कार्यक्रम हुए और विचार गोष्ठी की गई। इससे पूर्व समाज के लोगों ने महर्षि वाल्मीकि के चित्र पर माल्यार्पण किया। समाजबंधुओं ने महर्षि के बताए रास्ते पर चलने का संकल्प लिया। इस दौरान दीपक बाबू वाल्मीकि, गौतमदास, राकेश बाबू, रामखिलाड़ी वाल्मीकि, मोहन, सुभाषचंद्र, अजीत, गुड्डु राजवंश, आकाश, राजकपूर, पुरुषोत्तमदास, नील कमल, अर्जुन रहे। संवाद

सपा ने भी मनाई सरदार पटेल बाल्मीकि जयंती

समाजवादी पार्टी ने कैंप कार्यालय पर सरदार बल्लभ भाई पटेल, आचार्य नरेंद्र देव और वाल्मीक जयंती पर कार्यक्रम आयोजित किया। सपा के जिलाध्यक्ष व पूर्व सांसद कुंवर देवेंद्र सिंह ने कहा कि देश के प्रथम गृहमंत्री और उप प्रधानमंत्री सरदार बल्लभ भाई पटेल हमेशा लौहपुरुष, आचार्य नरेंद्र देव को शिक्षाविद के रूप में हमेशा याद करेगा। महर्षि बाल्मीकि ने समाज को नई दिशा दी। पूर्व सांसद ने कहा कि सभी को महर्षि के बताए रास्ते पर चलना चाहिए। कार्यक्रम में हसरत उल्ला शेरवानी पूर्व विधायक, विजेन्द्र सिंह गौर ब्लॉक प्रमुख, कुलदीप पाण्डेय, सत्येन्द्र आर्य, लक्ष्मन सिंह यादव, देवेन्द्र सिंह लोधी, हरिओम शर्मा, विजय जैन, कमल सिंह बघेल, डॉ0 केपी सिंह, रामनरेश यादव, हिमांशू शाक्य, किशन गौड़ (पण्डा) तनवीर बानो जुबैरी, कमलेश वर्मा, सुशील सक्सैना व अन्य लोग मौजूद थे।

निरीक्षा शाखा

सूचना एवं जनसम्पर्क विभाग, उत्तर प्रदेश

अमर उजाला – बुलंदशहर

03-Nov-2020

महर्षि वाल्मीकि के आदर्शों पर चलने का किया आह्वान

संवाद न्यूज एजेंसी

गुलावठी / सिकंदराबाद / अनूपशहर। महर्षि वाल्मीकि की जयंती के अवसर पर होली पार्क में आयोजित कार्यक्रम में उनके आदर्शों पर चलने का आह्वान किया गया। बतौर मुख्य अतिथि कोतवाल सचिन मलिक ने कहा कि महर्षि वाल्मीकि समस्त मानवता के लिए आदर्श हैं। मुकुटपाल सिंह, जगतपाल सिंह, सभासद अनिमेश अगस्तीन, सुनील दीवान, राजकुमार डाडा, संजय बी लाल, दिलीप, धर्मेंद्र तेवतिया, शैलेश तेवतिया, आदि ने महर्षि वाल्मीकि को नमन किया।

महर्षि वाल्मीकि प्रगतिशील संघ की ओर से मुख्य अतिथि सचिन मलिक एवं मुकुटपाल सिंह को प्रतीक चिन्ह देकर सम्मानित किया गया। ग्राम उपरालत में वाल्मीकि विकास संघ ने विचार गोष्ठी का आयोजन किया। इसमें संघ के राष्ट्रीय महामंत्री एवं प्रवक्ता विजय कुमार महरौलिया, मुख्य अतिथि किरनपाल भारती, मुरारीलाल आदि ने महर्षि वाल्मीकि के आदर्शों को अपनाने का आह्वान किया।

सिकंदराबाद/ककोड़ में सरदार पटेल, वाल्मीकि जयंती पर नगर के गुलावठी रोड स्थित दयावती दीवान सिंह इंटर कॉलेज में कार्यक्रम का आयोजन किया गया। शुभारंभ प्रधानाचार्य राजीव कुमार पांडेय ने किया। विद्या भारतीय के प्रदेश निरीक्षक महेशचंद शर्मा आदि मौजूद रहे। ककोड़ के केशव माधव सरस्वती विद्या मंदिर वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय में अध्यक्ष उप प्रधानाचार्य सुरेश गुप्ता और मुख्य वक्ता स्काउट प्रभारी आचार्य रमेश रहे। अनूपशहर में देहलीगेट में भी वाल्मीकि जयंती मनाई गई। पूर्व सभासद डॉ.लाखन सिंह, अनिल कुमार, सुदीप, विक्की मौजूद रहे।

निरीक्षा शाखा

सूचना एवं जनसम्पर्क विभाग, उत्तर प्रदेश

अमर उजाला – बुलंदशहर

02 Nov 2020

महर्षि वाल्मीकि जयंती पर पंडाल लगाकर रामायण पाठ का आयोजन किया, बाद में आरती कर प्रसाद का वितरण किया

रामायण का पाठ कर मनाई वाल्मीकि जयंती

बुलंदशहर/खुर्जा | ब्यूरो

[illegible]

गांव सुराजवाली में रामायण पाठ के बाद महर्षि वाल्मीकि आरती करते लोग।

[illegible] महर्षि वाल्मीकि जन्मोत्सव समारोह में पुष्प अर्पित कर आशीर्वाद लिया।

[illegible]

महर्षि वाल्मीकि के जीवन पर प्रकाश डाला

खुर्जा | संवाददाता

[illegible]

यज्ञ में आहुति डालकर जयंती मनाई

[illegible]

निरीक्षा शाखा

सूचना एवं जनसम्पर्क विभाग, उत्तर प्रदेश

महर्षि वाल्मीकि की जयंती पर किया रामायण पाठ

पिलखुवा (करंट क्राइम)। मर्यादा पुरुषोत्तम भगवान श्री राम की जीवन गाथा पर आधारित आदिकाव्य हिन्दू ग्रंथ 'रामायण' के रचयिता महर्षि वाल्मीकि की जयंती के अवसर पर रामायण पाठ सेवा भारती द्वारा नगर के मोहल्ला न्यू आर्य नगर में स्थित वाल्मीकि मंदिर में रामकेश के द्वारा पढ़ा गया। इस दौरान भाजपा नगर अध्यक्ष हरीश अग्रवाल व सेवा भारती के अखिलेश मित्तल, सुधीर गोयल, फकीर चंद त्यागी, रविंद्र व अजीत हांडा, भाजपा नगर महामंत्री सुमित रोहिल्ला, रिंकू टाँक, राजीव होंडा, मनीष वाल्मीकि एवं समाज के सभी लोगों ने भगवान वाल्मीकि जी पर पुष्प अर्पित किए तथा प्रसाद वितरण कर महर्षि वाल्मीकि की जयंती मनाई।

करंट क्राइम – हापुड़

02-Nov-2020

धौलाना में धूमधाम से मनाई गई महर्षि बाल्मीकि जयंती

महापुरुषों की जयंती मनाने का मुख्य उद्देश्य यह है कि हम उनके आदर्शों को अपने जीवन में धारण कर सके: मनोज बाल्मीकि

हापुड़ (करंट क्राइम)। जनपद की तहसील धौलाना कस्बे में महर्षि बाल्मीकि की जयंती बड़े धूमधाम से मनाई गई। महा ऋषि बाल्मीकि जयंती के अवसर पर धौलाना कस्बे में पहुंचे राज्य कर्मचारी सफाई आयोग के सदस्य मनोज बाल्मीकि ने महा ऋषि बाल्मीकि के चित्र पर माल्यार्पण उनके चरणों में पुष्प अर्पित किए और कहा कि ऐसा पहली बार हुआ है कि भाजपा सरकार के नेतृत्व में प्रत्येक जिले में सरकारी तौर पर महापुरुषों की जयंती मनाई जा रही है।

महापुरुषों की जयंती मनाने का मुख्य उद्देश्य यह है कि हम उनके आदर्शों को अपने जीवन में धारण कर सके और वहां पर मौजूद सभी लोगों को शिक्षा की ओर प्रेरित करते हुए उन्हें शिक्षित बनने के लिए शपथ दिलाई।

वहीं पंचायत राज विभाग सफाई कर्मचारी संघ धौलाना के पूर्व ब्लॉक अध्यक्ष सोनू बाल्मीकि और कस्बे के समाज सेवी अमर बाल्मीकि ने कस्बे में बाल्मीकि जन्मोत्सव पर मिठाई बांटी। उन्होंने कहा कि महर्षि बाल्मीकि ने रामायण की रचना की थी। इससे अंदाजा लगाया जा सकता है, कि वह कितने महान थे।

इस दौरान मंदिर कमेटी अध्यक्ष सुभाष बाल्मीकि, सतीश बाल्मीकि, नंदकिशोर बाल्मीकि, सतन बाल्मीकि, मुनेश बाल्मीकि, दयानंद बाल्मीकि, नरेश बाल्मीकि, सुरजपाल बाल्मीकि, सुंदर बाल्मीकि, कक्कू, कपिल बाल्मीकि, विनय सहित आदि बाल्मीकि समाज के लोग मौजूद रहे।

निरीक्षा शाखा
सूचना एवं जनसम्पर्क विभाग, उत्तर प्रदेश

जागरण – आगरा

01-Nov-2020

वाल्मीकि चौराहा के लिए सदन में रखेंगे प्रस्ताव

महर्षि वाल्मीकि की अष्टधातु की प्रतिमा भी लगाने का प्रयास

जागरण संवाददाता, आगरा : महर्षि वाल्मीकि जयंती के मौके पर शनिवार को शहर भर में कार्यक्रम हुए। नगर निगम परिसर में आयोजित कार्यक्रम में मेयर नवीन जैन से भगवान टकीज चौराहा का नाम बदलकर वाल्मीकि चौराहा करने और वहां अष्टधातु की प्रतिमा लगाने की मांग की गई।

मेयर और नगरायुक्त ने महर्षि वाल्मीकि की प्रतिमा पर माल्यार्पण किया। उप्र स्थानीय निकाय कर्मचारी महासंघ के प्रदेश उपाध्यक्ष विनोद इलाहाबादी ने कहा कि मेयर ने 18 दिसंबर 2019 को भगवान टकीज चौराहा का नाम बदलने का वादा किया था।

मेयर ने कहा कि जल्द ही नाम बदलने का प्रस्ताव सदन में रखा जाएगा। शिलान्यास के लिए सीएम योगी आदित्यनाथ को आमंत्रित किया जाएगा। हर्ष बाबू, अनिल राजौरिया, कुलदीप, मनीष चौहान, धर्मेंद्र, संजू चौहान मौजूद रहे।

दुग्धाभिषेक कर मनाई महर्षि वाल्मीकि जंयती

जासं, आगरा: महर्षि वाल्मीकि जन्मोत्सव के मौके पर एमजी रोड स्थित वाल्मीकि मंदिर, सुभाष पार्क पर वाल्मीकि समाज ने कार्यक्रम आयोजित किया। समाज के लोगों ने भगवान वाल्मीकि की प्रतिमा का दुग्धाभिषेक किया। इस दौरान ब्रिजलाल वाल्मीकि, चौधरी मान सिंह, रामजी लाल विद्यार्थी, श्याम कुमार राजेश, सचिन चौधरी, मनोज सहू, राष्ट्रीय सफाई मजदूर संघ प्रदेश अध्यक्ष गौरव वाल्मीकि, विशाल, सनी तिवारी, मिथुन दिवाकर, नितिन, विकास, पारस, नितिन कन्नौजिया आदि मौजूद रहे।

वहीं भगवान महर्षि वाल्मीकि जयंती पर विश्वविद्यालय परिसर में एससी-एसटी कर्मचारी संघ महामंत्री डा. आनंद टाइटलर ने विचार गोष्ठी का आयोजन किया। मुख्य अतिथि डा. निरंजन सिंह व विधि सिलवेस्टर कर्मचारी संघ के अरविंद गुप्ता थे। संचालन भगवान सिंह ने किया। इस दौरान शिव सिंह, श्याम दीक्षित, बृजेश कुमार, पुष्पेंद्र कुमार, डा. आनंद आज़ाद आदि मौजूद रहे।

निरीक्षा शाखा

सूचना एवं जनसम्पर्क विभाग, उत्तर प्रदेश

अमर उजाला – आगरा

भगवान वाल्मीकि के नाम पर होगा भगवान टॉकीज चौराहा

जयंती पर मेयर नवीन जैन ने की घोषणा, अष्टधातु की प्रतिमा लगाई जाएगी

अमर उजाला ब्यूरो

आगरा। भगवान वाल्मीकि जयंती पर नगर निगम स्थित भगवान वाल्मीकि प्रतिमा पर नगर निगम कर्मचारियों ने दुग्धाभिषेक किया। मेयर नवीन जैन और राज्य सफाई कर्मचारी आयोग सदस्य कमल सिंह वाल्मीकि ने अभिषेक कर सभी के सुख समृद्धि की कामना की।

उत्तर प्रदेश स्थानीय निकाय कर्मचारी महासंघ के प्रदेश उपाध्यक्ष विनोद इनायतवादी ने एक साल पहले मेयर को उनका वादा याद दिलाया, जिसमें भगवान वाल्मीकि के नाम पर चौराहे का नामकरण और प्रतिमा लगानी थी। मेयर नवीन जैन ने कहा कि नगर निगम सदन में प्रस्ताव पारित कर भगवान टाकिज चौराहे का नाम भगवान वाल्मीकि चौराहा कर एक विशाल अष्ट धातु की प्रतिमा लगाई जाएगी। इसका अनावरण प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्य नाथ से कराएंगे। केंद्रीय शहरी विकास सचिव दुर्गा शंकर मिश्रा, नगर विकास प्रमुख सचिव दीपक कुमार, डीएम प्रभु एन सिंह, नगर आयुक्त निखिल टीकाराम फुंडे ने भगवान वाल्मीकि की प्रतिमा को आसमानी अंग वस्त्र पहनाया। महासंघ ने वाल्मीकि जयंती पर राष्ट्रीय अवकाश घोषित करने की मांग की। इस दौरान हरीबाबू वाल्मीकि, राजकुमार विद्यार्थी, मोहन गुलजार, रोहित लवानियां, अनिल राजौरिया, कुलदीप गौहर, रंजीत नरवार, नितिन चौहान आदि मौजूद रहे।

नगर निगम में महर्षि वाल्मीकि प्रतिमा का दुग्धाभिषेक करते मेयर नवीन जैन एवं कमल वाल्मीकि। साथ में हैं अपर नगर आयुक्त केबी सिंह। अमर उजाला

आवास विकास कॉलोनी में मनाई जयंती

आवास विकास कॉलोनी वार्ड 75 के सफाई कर्मचारियों ने शनिवार को सेक्टर 9 स्थित महावीर कैंप कार्यालय पर महर्षि वाल्मीकि जयंती मनाई। इस दौरान मुख्य अतिथि पार्षद सुषमा जैन व सेनेटरी इंस्पेक्टर संजीव यादव ने सफाई कर्मचारियों को पीला पटका पहनाया। पार्षद सुषमा जैन, सुपरवाइजर अजय कुमार, दीपक अरोड़ा, वीपू चौहान, कुलदीप चक्रमणि, राजेश चौहान आदि मौजूद रहे।

निरीक्षा शाखा
सूचना एवं जनसम्पर्क विभाग, उत्तर प्रदेश

हिन्दुस्तान – आगरा

07-Nov-2020

मेयर नवीन जैन ने किया एलान, नगर निगम में प्रतिमा पर दुग्धाभिषेक, जिले में कई जगहों पर कार्यक्रम

भगवान वाल्मीकि की प्रतिमा लगेगी

आगरा | वरिष्ठ संवाददाता

[illegible]

महर्षि की प्रतिमा का दुग्धाभिषेक

[illegible]

[illegible]

आगरा

रामायण की चौपाइयों से गूंजा बटेश्वर

[illegible]

आयोजन

सफाई कर्मचारियों ने मनाई जयंती, पीत पट्टिकाएं पहनाईं

[illegible]

निरीक्षा शाखा

सूचना एवं जनसम्पर्क विभाग, उत्तर प्रदेश

सरकारी कार्यालयों में महर्षि वाल्मीकि एवं सरदार पटेल को नमन

मथुरा। जिलाधिकारी सर्वज्ञराम मिश्र, मुख्य विकास अधिकारी डॉ नितिन गौड़ के साथ कलेक्ट्रेट सभागार में महर्षि वाल्मीकि एवं सरदार बल्लभ भाई पटेल के चित्रों के समक्ष दीप पज्जवलित कर माल्यार्पण किया। कार्यक्रम में जिलाधिकारी द्वारा उपस्थित सभी अधिकारी एवं कर्मचारियों को राष्ट्रीय एकता की शपथ दिलाई।

जिलाधिकारी ने बताया कि राजीव भवन, पुलिस लाइन सहित अन्य संबंधित सरकारी कार्यालयों पर महर्षि बाल्मीकि एवं लौह पुरूष सरदार बल्लभ भाई पटेल की जयन्ती धूमधाम से मनायी गयी। दूसरी ओर राजकीय संग्रहालय में सरदार वल्लभभाई पटेल और महर्षि वाल्मीकि जयंती धूमधाम से मनाई गई।

जागरण – मथुरा

[illegible]

महर्षि वाल्मीकि का हुआ गुणगान

जेएनएन, मथुरा : महर्षि वाल्मीकि जयंती पर विभिन्न संगठनों ने पुष्पांजलि कार्यक्रम आयोजित किए। रामचरित मानस का पाठ किया गया। महर्षि वाल्मीकि के जीवन चरित्र पर प्रकाश डाला और उनके बताए मार्ग पर चलने का आह्वान किया।

पर्यटन विभाग, उप्र. ब्रज तीर्थ विकास परिषद, मथुरा-वृंदावन विकास प्राधिकरण, लोक निर्माण विभाग के संयुक्त संयोजन में मंदिरों में रामचरित मानस का पाठ कराया गया। आशेश्वर महादेव नंदगांव, चतुर्भुज मंदिर पैठा, चंद्र सरोवर, राधाकुंड, भांडीर वन, ब्रह्मांड घाट, बरसाना, टीएफसी वृंदावन में रामचरित मानस के पाठ कराए गए।

महर्षि वाल्मीकि भगवान प्रकटोत्सव समारोह समिति द्वारा प्राचीन वाल्मीकि वाटिका, भरतपुर गेट पर पुष्पांजलि व सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजित किया। बाबा साहब डा. भीमराव अंबेडकर मंच ने रामचरित मानस का पाठ किया। मुख्य अतिथि सूर्यकांत शर्मा, उप्र. सफाई कर्मचारी आयोग के सदस्य कमल वाल्मीकि, वीरेंद्र अग्रवाल ने महर्षि वाल्मीकि की प्रतिमा के समक्ष दीप प्रज्वलित किया। अध्यक्ष विक्की वाल्मीकि, उपाध्यक्ष दयाल खरे, महामंत्री रजत वाल्मीकि, सुरेशचंद चौहान, श्याम मुरारी चौहान, वरुण, डा. पसपी सिंह, बंटी, उत्तमचंद राहजन मौजूद रहे।

शनिवार को महर्षि वाल्मीकि जयंती पर अलायाहा में आयोजित पुष्पांजलि कार्यक्रम के दौरान पुष्प अर्पित करते महापौर डा. मुकेश आर्य बंधु • जागरण

वृंदावन में महर्षि वाल्मीकि जयंती पर ब्रजभूमि कल्याण परिषद ने संगोष्ठी हुई। आनंदवाटिका स्थित सनातन संस्कार धाम में संगोष्ठी में श्रीराम आश्रम विजय राघव कुंज के महंत रामभूषण दास का स्वागत कर उन्हें सनातन गौरव सम्मान दिया। ब्रजभूमि कल्याण परिषद के राष्ट्रीय अध्यक्ष बिहारीलाल वशिष्ठ, आचार्य रामविलास चतुर्वेदी, राजकुमार शर्मा, प्रमोद गौतम, जुगल किशोर गोस्वामी, वासुदेव नागा, जितेंद्र शर्मा, राहुल शास्त्री मौजूद रहे। कोसीकलां में बठैन गेट स्थित वाल्मीकि मंदिर में जयंती मनी। पूर्व पालिकाध्यक्ष भगवत प्रसाद रहेला ने महर्षि वाल्मीकि के जीवन चरित्र पर प्रकाश डाला। दयाशंकर अग्रवाल, गिरीश, राजीव यादव, तेजपाल, विजय, मोहन श्याम, गुलाब, मुकेश, रग्गा, बनवारी मौजूद रहे।

निरीक्षा शाखा
सूचना एवं जनसम्पर्क विभाग, उत्तर प्रदेश

अमर उजाला – फिरोजाबाद

धूमधाम से मनाई गई महर्षि वाल्मीकि की जयंती

[illegible]

संवाद न्यूज एजेंसी

फिरोजाबाद। वाल्मीकि जयंती पर विभिन्न संगठनों द्वारा कार्यक्रमों का आयोजन किया गया।

भीम आर्मी भारत एकता मिशन द्वारा महर्षि वाल्मीकि जयंती मनाई गई। अध्यक्षता विकास नंद्र वाल्मीकि विधानसभा अध्यक्ष ने की। संचालन अनुराग चौहान ने किया। जिलाध्यक्ष प्रवीन उमराव, पवनदीप चौहान, नरेंद्र बाबू, अरुण त्यागी, निगम वाल्मीकि, वीके सुमन, राजेश निगम, जगदीश जाटव आदि मौजूद रहे। भारतीय वाल्मीकि धर्म समाज भावाधस द्वारा मोहल्ला रामपुरी स्थित वाल्मीकि मंदिर पर जिलाध्यक्ष प्रियराग व समाज के लोगों द्वारा वाल्मीकि प्रतिमा का अभिषेक कर भंडारे का आयोजन किया गया। अवधेश कुमार, सोनू, इंद्रराज आनंद, प्रवीन कुमार, सुभाष, हीरालाल आदि मौजूद रहे। अखिल भारतीय वाल्मीकि महासभा द्वारा लेबर कालोनी स्थित वाल्मीकि वाटिका और शहर स्थित अन्य वाटिकाओं पर लगी वाल्मीकि प्रतिमाओं पर माल्यार्पण किया गया। राजू वाल्मीकि, योगेश वाल्मीकि, अमन चौहान, गुलशन, विशाल आदि मौजूद रहे। युवा वाल्मीकि फोर्स द्वारा वाल्मीकि जयंती पर ठेका सफाई कर्मचारियों के लिए ईसीएफ के लिए केवाईसी और क्लेम करने हेतु निःशुल्क कैंप का आयोजन जलकल विभाग परिसर में किया गया। अध्यक्ष अनुराग चौहान ने बताया कि यह कैंप प्रत्येक रविवार दोपहर 12 बजे से चार बजे तक लगा करेगा। सुंदर वाल्मीकि, पवनदीप चौहान, गौरव, अरुण वाल्मीकि आदि मौजूद रहे।

वाल्मीकि की जयंती पर प्रतिमा पर माल्यार्पण करते लोग। संवाद

आरएसएस कार्यकर्ताओं ने वाल्मीकि मंदिरों में जलाए दीप

फिरोजाबाद। महर्षि वाल्मीकि की जयंती राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ की सामाजिक समरसता दिवस के रूप में मनाई। विभाग प्रचारक धर्मेंद्र भारत ने बताया कि महर्षि वाल्मीकि जयंती पर संघ कार्यकर्ताओं ने मंदिरों की स्वच्छता अभियान चलाया शाम को महर्षि वाल्मीकि मंदिरों में दीप प्रज्वलन कर महर्षि वाल्मीकि की पूजा-अर्चना की। संवाद

निगम स्थित पार्क में हवन करते सफाई मजदूर संघ के पदाधिकारी। संवाद

वाल्मीकि जयंती पर किया गया हवन

फिरोजाबाद। वाल्मीकि जयंती पर उत्तर प्रदेश सफाई मजदूर संघ द्वारा नगर निगम स्थित वाल्मीकि वाटिका में कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस दौरान महर्षि वाल्मीकि की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर हवन यज्ञ का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का नेतृत्व उत्तर प्रदेश सफाई मजदूर संघ के महानगर अध्यक्ष रामनाथ आजाद ने किया। वाल्मीकि जयंती के अवसर पर उत्तर प्रदेश सफाई मजदूर संघ के पदाधिकारियों ने महानगर अध्यक्ष रामनाथ आजाद के नेतृत्व में भगवान वाल्मीकि की प्रतिमा पर माल्यार्पण किया। इसके बाद वाटिका में हवन का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में जिलाध्यक्ष [illegible] सिंह ने कहा कि वाल्मीकि समाज के लोगों को ठेके पर रखकर नगर में सफाई कार्य कराया जा रहा है। ठेका कर्मचारियों के मिलने वाले मानदेय से परिवार के भरण पोषण में दिक्कत आती है। ठेका प्रथा को बंद करते हुए वाल्मीकि समाज के लोगों को स्थाई नौकरी पर रखा जाए। पवन कुमार, अमित कुमार, अशोक, चंदन, दिनेश दास पचौरी, जगराम, बालकिशन, सकेश, विक्रम उर्फ विक्की, योगेश शरण, मुकेश वाल्मीकि, टोनी वाघेल, रामजीलाल यादव समेत नगर निगम के अधिकारी-कर्मचारी मौजूद रहे। संवाद

निरीक्षा शाखा

सूचना एवं जनसम्पर्क विभाग, उत्तर प्रदेश

महर्षि वाल्मीकि के बताए मार्ग पर चलने का संकल्प

फिरोजाबाद | हिन्दुस्तान संवाद

वाल्मीकि समाज के लोगों ने महर्षि वाल्मीकि के प्राकट्योत्सव को धूमधाम से मनाया। वाल्मीकि की प्रतिमा पर माल्यार्पण किया और हवन पूजन कर प्रसाद का वितरण किया। उनके बताए मार्ग पर चलने का संकल्प दोहराया।

शनिवार को सृष्टिकर्ता भगवान महर्षि वाल्मीकि के प्रकट उत्सव पर अखिल भारतीय वाल्मीकि महासभा ने [illegible] वाल्मीकि वाटिका में कार्यक्रम किए। इसके अलावा शहर के विभिन्न देव स्थानों पर माल्यार्पण एवं प्रसाद वितरण का कार्यक्रम कराया। प्रदेश महामंत्री राजू वाल्मीकि, जिला अध्यक्ष [illegible] वाल्मीकि, नगर अध्यक्ष अमन चौहान, पार्षद मोहम्मद गुलफान, [illegible] वाल्मीकि, अमन वाल्मीकि, विनय, आदर्श वाल्मीकि, करन वाल्मीकि आदि समाज के लोग मौजूद रहे।

वाल्मीकि प्राकट्योत्सव पर वाल्मीकि समाज के लोगों ने उनकी प्रतिमा पर माल्यार्पण कर याद किया। • हिन्दुस्तान

टूंडला में महर्षि वाल्मीकि की प्रतिमा पर माल्यार्पण करते समाज के लोग। • हिन्दुस्तान

सादगी से मना महर्षि वाल्मीकि का जन्मदिन

टूंडला। महर्षि वाल्मीकि का जन्म दिन नगर में बड़ी ही सादगी के साथ मनाया। समाज के लोगों ने वाल्मीकि आश्रम पहुंचकर उनकी प्रतिमा पर माल्यार्पण किया तथा मिष्ठान वितरित किया। समाज के लोगों ने कोरोना काल में महर्षि वाल्मीकि का जन्मदिन सादगी के साथ मनाया। युवक समाज के [illegible] लोग वाल्मीकि आश्रम निकट [illegible] पहुंचे और प्रतिमा पर माल्यार्पण किया। वाल्मीकि समाज कल्याण संघ के अध्यक्ष बसंत कुमार लोहिया, महामंत्री [illegible] वाल्मीकि, कोषाध्यक्ष संजीव पाखरे, [illegible], बसंत लाल खरे, अशोक लोहिया, [illegible], [illegible] प्रसाद, देवेंद्र [illegible], रमेश चंद भारती, रवि वाल्मीकि, रमन वाल्मीकि, [illegible] वाल्मीकि, [illegible] वाल्मीकि, जोनी वाल्मीकि आदि उपस्थित रहे।

आरएसएस ने जिलेभर में मनाई वाल्मीकि जयंती: हिंदू धर्म के प्रमुख महर्षि एवं संस्कृत के आदि कवि महर्षि वाल्मीकि की जयंती पर राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ की सामाजिक समरसता गतिविधि द्वारा जिलेभर में वाल्मीकि मंदिरों की स्वच्छता, साज-सज्जा के उपरांत दीप प्रज्वलन के कार्यक्रम किए। विभाग प्रचारक धर्मेंद्र भारत ने बताया कि महर्षि वाल्मीकि ने अपनी कठिन तपस्या से ज्ञान अर्जित करने के उपरांत महर्षि की पदवी प्राप्त की थी। उनके बारे में यह उक्ति सर्व प्रचलित है कि उल्टा नाम जपत जग जाना, वाल्मीकि भए ब्रह्म समाना। संघ कार्यकर्ताओं ने जिले भर के वाल्मीकि मंदिरों में उनकी जयंती के उपलक्ष्य में स्वच्छता अभियान चलाया। सफाई की। इसके उपरांत संध्या काल में सभी महर्षि वाल्मीकि मंदिरों में दीप प्रज्वलन कर महर्षि वाल्मीकि जी पूजा-अर्चना की।

निरीक्षा शाखा
सूचना एवं जनसम्पर्क विभाग, उत्तर प्रदेश

महर्षि वाल्मीकि के बताए रास्ते पर चलने का संकल्प लिया

शनिवार को देवी रोड स्थित आश्रम पर महर्षि वाल्मीकि के चित्र पर पुष्प अर्पित करते वाल्मीकि समाज के लोग। • हिन्दुस्तान

शनिवार को करहल की वाल्मीकि बस्ती में महर्षि वाल्मीकि के चित्र पर पुष्प अर्पित करते ईओ।

मैनपुरी| हिन्दुस्तान संवाद

शनिवार को जनपद में महर्षि वाल्मीकि की जयंती हर्षोल्लास और श्रद्धापूर्वक मनाई गई। जयंती पर हवन पूजन के आयोजन किए गए और उनके बताए मार्ग पर चलने का संकल्प लिया गया। कोरोना महामारी के चलते इस वर्ष शहर में निकलने वाली शोभायात्रा नहीं निकाली गई।

नगर के देवी रोड स्थित महर्षि वाल्मीकि आश्रम पर सफाई मजदूर संघ के अध्यक्ष गौरव दयाल वाल्मीकि व समाज के लोगों ने आयोजित हवन पूजन में आहुतियां देकर महर्षि को याद किया। इस दौरान महर्षि वाल्मीकि के चित्र पर माल्यार्पण किया गया। शाम को समाज के लोगों ने अपने-अपने घरों पर पांच-पांच दीपक जलाकर उनके बताए रास्ते पर चलने का संकल्प लिया। इस मौके पर राहुल दयाल वाल्मीकि, गिरीश चंद्र, अशोक वाल्मीकि, राजेंद्र वाल्मीकि, राजू वाल्मीकि, बिल्लन वाल्मीकि, मिथुन वाल्मीकि, मुन्नालाल त्यागी, महेंद्र नागर, सियाराम, रघुनाथ सिंह, घनश्याम दास, बनारसी लाल, चंदन, रामप्रकाश, सुरेश, अमर, रमेश वाल्मीकि, महेंद्र वाल्मीकि, सरवन, शैलेंद्र आदि समाज के लोग मौजूद रहे।

ईओ ने पुष्प अर्पित कर महर्षि को किया याद

करहल। शनिवार को महर्षि वाल्मीकि की जयंती पर कस्बे के वाल्मीकि बस्ती में ईओ प्रभात रंजन यादव ने पहुंचकर उनके चित्र पर पुष्प अर्पित कर नमन किया। इस दौरान समाज के लोगों ने घरों में ही पूजा अर्चना कर दीप जलाए। इस मौके पर अजमल राहत, अवलेंद्र, दयानंद, राजू, आनंद सिंह, रविंद्र, ईशचरन, प्रीश वकील, शिवशरन, विकास पेंटर, शिवराम, श्यामलाल, पवन, मनोज, हरिओम, राजा, अशोक, विशाल आदि मौजूद रहे।

अमर उजाला – मैनपुरी

01-Nov-2020

'महर्षि वाल्मीकि ने रामायण की रचना कर एकता-भाईचारे का दिया संदेश'

जिलेभर में मनाई जयंती, लोगों ने उनके बताए गए रास्ते पर चलने का संकल्प लिया

संवाद न्यूज एजेंसी

मैनपुरी। जिलेभर में शनिवार को महर्षि वाल्मीकि की जयंती मनाई गई। इस दौरान लोगों ने महर्षि के चित्र पर माल्यार्पण कर उनके द्वारा दिए गए संदेशों को पढ़ा। साथ ही उनके द्वारा बताए गए रास्ते पर चलने का संकल्प लिया। इस दौरान शहर के देवी रोड स्थित महर्षि वाल्मीकि आश्रम में गौरव दयाल वाल्मीकि ने कहा कि महर्षि ने रामायण की रचना कर दुनिया को एकता और भाईचारे का संदेश दिया।

उन्होंने कहा कि रामायण में महर्षि ने श्रीराम, सीता, भरत, हनुमान आदि के जीवन चरित्र पर जो प्रकाश डाला है, उस पर सभी को चलने का प्रयास करना होगा। तभी रामराज्य की स्थापना की जा सकती है। इस दौरान विशाल वाल्मीकि, राजेंद्र वाल्मीकि, बनारसीलाल, सियाराम, मुकेश वाल्मीकि, रघुनाथ वाल्मीकि, कल्लू वाल्मीकि, जीतू वाल्मीकि, राहुल वाल्मीकि, पंकज वाल्मीकि और मुन्नू वाल्मीकि आदि मौजूद रहे।

महर्षि वाल्मीकि की जयंती मनाते वाल्मीकि समाज के लोग। संवाद

ग्रामीण अंचल में आयोजित किए गए कार्यक्रम

भोगांव/करहल/बेवर/किशनी/घिरोर/कुरावली। महर्षि वाल्मीकि की जयंती पर ग्रामीण अंचल में भी कार्यक्रमों का आयोजन हुआ। लोगों ने महर्षि के चित्र पर माल्यार्पण कर उनके द्वारा दिए गए संदेशों को धारण करने का संकल्प लिया। भोगांव मोहल्ला मिश्राना की वाल्मीकि धर्मशाला में महर्षि वाल्मीकि जयंती पर आलोक सिंह शाक्य, विजय जाटव, शिवम कश्यप, महादीप शाक्य, पंकज शाक्य, सागर वाल्मीकि, विपिन वाल्मीकि, नितिन वाल्मीकि, जीतू वाल्मीकि, शिवा वाल्मीकि मौजूद रहे। संवाद

निरीक्षा शाखा
सूचना एवं जनसम्पर्क विभाग, उत्तर प्रदेश

जागरण — सहारनपुर

02 Nov 2020

नगर में धूमधाम से निकाली महर्षि वाल्मीकि की शोभायात्रा

शहर में विभिन्न स्थानों पर शोभायात्रा का हुआ जोरदार स्वागत, जनमंच सभागार में हुए [illegible] कार्यक्रम

श्रद्धा के साथ निकाली प्रभात फेरी

निरीक्षा शाखा
सूचना एवं जनसम्पर्क विभाग, उत्तर प्रदेश

हिन्दुस्तान – सहारनपुर

प्रशासन की ओर से किया गया था रामायण पाठ के लिए प्रेरित, जनमंच में हुआ भव्य कार्यक्रम, भंडारे भी लगाए गए

जयंती : वाल्मीकि मंदिरों में रामायण का गुणगान

निरीक्षा शाखा
सूचना एवं जनसम्पर्क विभाग, उत्तर प्रदेश

अमर उजाला – सहारनपुर

03-Nov-2020

भगवान वाल्मीकि की जयंती पर निकाली शोभायात्रा

शोभायात्रा में गूंजे भगवान वाल्मीकि के जयकारे

महर्षि ने बताया भक्ति और ज्ञान का मार्ग: एडीएम

अशोभनीय टिप्पणी करने पर हुआ हंगामा

निरीक्षा शाखा

सूचना एवं जनसम्पर्क विभाग, उत्तर प्रदेश

जागरण - शामली

0[illegible]-Nov-2020

महर्षि वाल्मीकि के प्रकटोत्सव पर हुआ हवन-पूजन और भंडारा

जिलेभर में कई स्थानों पर समारोह का आयोजन, उनके मार्गों पर चलने का लिया संकल्प

[illegible]

[illegible]

[illegible]

अमर उजाला – शामली

02-Nov-2020

महर्षि वाल्मीकि मंदिर के जीर्णोद्धार कार्यक्रम में भाग लेते लोग। संवाद

शामली में महर्षि वाल्मीकि के चित्र पर पुष्पार्पित करते सिवाक। संवाद

मोहल्ला माजरा के वाल्मीकि मंदिर में हवन करते लोग। संवाद

धूमधाम से मनाया महर्षि वाल्मीकि प्रकटोत्सव

जगह-जगह मंदिरों में हवन यज्ञ और प्रसाद का हुआ वितरण

संवाद न्यूज एजेंसी

शामली। महर्षि वाल्मीकि प्रकटोत्सव धूमधाम से मनाया गया। इस अवसर पर मंदिरों में हवन और भंडारे का आयोजन किया गया।

शनिवार को महर्षि वाल्मीकि जनकल्याण समिति द्वारा प्रकटोत्सव पर कार्यक्रम आयोजित किया गया। मुख्य कार्यक्रम शहर के मोहल्ला नंदू प्रसाद स्थित प्राचीन वाल्मीकि मंदिर पर हुआ। श्रद्धालुओं ने हवन में आहुति देकर धर्म लाभ उठाया। इसके बाद भंडारे में श्रद्धालुओं ने प्रसाद ग्रहण किया। पुनीत द्विवेदी, प्रमोद नामदेव अतिथि के रूप में उपस्थित रहे।

मंदिर के पुजारी महेंद्र भूषण धवन ने मंत्रोच्चारण के साथ हवन संपन्न कराया। इस अवसर पर संरक्षक सोमदत्त गहलोत, रामगोपाल सहिवाल, प्रेमचंद धवन, हंसराज पारचा, राजन पाहिवाल, सुनील गहलोत, दीपक मौजूद रहे।

मोहल्ला बड़ीआल स्थित वाल्मीकि मंदिर में भी हवन हुआ। इस अवसर पर पूर्व सभासद रमेशचंद चंद्रा, ओमप्रकाश चंदेल, सुशील चावला, जीवन, बबली, नवीन कुमार, मौजूद रहे।

तालाब रोड स्थित वाल्मीकि मंदिर में हवन का आयोजन किया गया और महर्षि वाल्मीकि की विशेष पूजा अर्चना की गई।

मोहल्ला गंसरियान वाल्मीकि कालोनी में राष्ट्रीय वाल्मीकि समाज प्रतिनिधि मंच ने कार्यक्रम आयोजित किया। मंदिर कमेटी द्वारा हवन और प्रसाद वितरण किया। इस अवसर पर अरविंद झांझोट, नंदू प्रसाद, मुकेश कुमार, अरुण, विशाल, काजल, करुणा, सुनीता, आदि रहे।

कस्बा में महर्षि वाल्मीकि की मूर्ति पर पुष्पार्पित करते लोग। संवाद

निरीक्षा शाखा
सूचना एवं जनसम्पर्क विभाग, उत्तर प्रदेश

महर्षि वाल्मीकि के आदर्शों पर चलने का संकल्प

गांधीनगर स्थित कार्यालय पर आयोजित हुआ कार्यक्रम, उनके आदर्शों पर चलने का लिया गया संकल्प

सरदार पटेल की जयंती पर निकाला मार्च

महर्षि वाल्मीकि के बताए मार्ग पर चलें

वाल्मीकि जयंती पर रामायण पाठ

हिन्दुस्तान – मुजफ्फर नगर

02-Nov-2020

जिलेभर में मनाई गई वाल्मीकि जयंती, जगह-जगह कार्यक्रम हुए, मंदिरों में हुए धार्मिक कार्यक्रम

वाल्मीकि जयंती पर रामायण पाठ का आयोजन

मुजफ्फरनगर | वरिष्ठ संवाददाता

[illegible]

[illegible]

भाजपाइयों ने मनाई वाल्मीकि व सरदार पटेल जयंती

[illegible]

शुकतीर्थ [illegible]

निरीक्षा शाखा

सूचना एवं जनसम्पर्क विभाग, उत्तर प्रदेश